गेल (इंडिया) लिमिटेड
भारत का यंगेस्ट महारत्न

संरक्षण, संवितरण और संवर्धन

GRI REPORT
GRI CHECKED

भारत के सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में प्रथम

स्थायित्व रिपोर्ट
2013–14

गेल की **सतत् विकास** की नीति में व्यवसाय में नई पद्धतियां अपनाते हुए उसे तरह से करने पर जोर दिया जाता है जो अपने सभी स्टेकहोल्डरों के प्रति जिम्मेदार और पारदर्शी हो। एक ऐसा संगठन जिसकी भविष्य में एक व्यापक भूमिका निभाने में दृढ़ आस्था हो, हम ऐसी दक्षता और नीतियां विकसित करने में विश्वास रखते हैं जो न केवल हमारे स्टेकहोल्डरों और लोगों के मूल्य को बढ़ाएं बल्कि राष्ट्र के रूप में साथ–साथ बढ़ते हुए योगदान भी दें।

'संरक्षण, संवितरण और संवर्धन' का हमारा आदर्श वाक्य पर्यावरण के लिए की गई हमारी पहल और अपने व्यवसाय को इस तरीके से करने को दर्शाता है जिससे विकास और प्रकृति के बीच सामंजस्य पैदा हो सके। यही पहल हमें हमारे स्टेकहोल्डरों और व्यापक तौर पर समाज को दीर्घावधि समाधान उपलब्ध कराती है।

गेल अपने स्टेहोल्डरों के विश्वास पर बड़ी सफलताएं अर्जित करने की दिशा में अग्रसर हो रहा है, हम भारत के समग्र विकास को आकार देने और राष्ट्र के रूप में एकसाथ विकास करते हुए सतत् विकास की शक्ति में अपनी आस्था दोहराते हैं।

..... 'संरक्षण, संवितरण और संवर्धन' के विषय पर विस्तार से पढ़ने के लिए कृपया पृष्ठ 4 देखें। .....

विषय-सूची

2/ रिपोर्ट के बारे में

4/ संरक्षण, संवितरण और संवर्धन

6/ नेतृत्व की ओर से संदेश

8/ गेल में सतत् विकास को मुख्यधारा बनाना

14/ गेल के बारे में

20/ पुरस्कार और सम्मान

22/ कॉरपोरेट अभिशासन

28/ सतत् विकास रणनीति

34/ स्टेकहोल्डरों को शामिल करना और इसका महत्व

50/ शेयरधारक/निवेशक

62/ कर्मचारी

72/ समुदाय/समाज

84/ ग्राहक

90/ आपूर्तिकर्ता

94/ संक्षिप्त निष्पादन

103/ स्वतंत्र आश्वासन विवरण

105/ जीआरआई अनुप्रयोग स्तर

107/ शब्दावली

109/ जी.आर.आई. विषयवस्तु सूची

123/ एपीआई/आईपीआईईसीए दिशानिर्देशों और यूएनजीसी सिद्धांतों के साथ संबंध

124/ एनवीजी–एसईई सिद्धांतों के साथ संबंध

रिपोर्ट के बारे में

प्रारंभ से ही गेल का मार्गदर्शन अच्छे कारपोरेट नागरिक के लक्ष्यों द्वारा किया गया है। संचालन उत्तरदायित्व का यह दर्शन गेल के विज़न से प्राप्त किया गया है जिसमें सतत् विकास को एक महत्वपूर्ण कारक के तौर पर शामिल किया गया है। भारतीय अर्थव्यवस्था की बेहतरी के लिए प्राकृतिक गैस के अधिकतम उपयोग को बढ़ावा देते हुए गेल देखभाल तथा भागीदारी की संस्कृति के प्रति प्रतिबद्ध है तथा अपनी विकास यात्रा में स्टेकहोल्डरों को साथ लेकर चलते हुए सभी स्टेकहोल्डरों के लिए मूल्य सृजित करते हुए आगे बढ़ रहा है।

इस पृष्ठभूमि के साथ गेल ने सतत् विकास के माध्यम से पारदर्शी कार्य–निष्पादन को दर्शाने का निर्णय किया है। गेल की ऐसी पहली रिपोर्ट वित्त वर्ष (एफवाई) 2010–11 में तैयार की गई थी। तब से हमने वार्षिक तौर पर स्थायी रिपोर्ट प्रकाशित करने तथा प्रासंगिक स्टेकहोल्डरों के बीच इसे परिचालित करने का कार्य जारी रखा है। गेल की स्थायी रिपोर्टों की संरचना प्रत्येक स्टेकहोल्डर को ध्यान में रखते हुए तैयार की जाती है, जो इसके संचालनों एवं कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस रिपोर्ट में कम्पनी के वित्त वर्ष 2013–14 के सतत् विकास कार्य–निष्पादन को शामिल किया गया है। सभी कारपोरेट स्थायी रिपोर्टें सार्वजनिक तौर पर गेल की वेबसाइट (www.gailonline.com) पर उपलब्ध हैं।

इस रिपोर्ट को सतत् विकास रिपोर्टिंग के जीआरआई जी3.1 दिशा–निर्देशों तथा तेल एवं गैस क्षेत्र के पूरकों (ओ जी एस एस) के साथ संबद्ध किया गया है। इस भाग में प्रस्तुत खुलासा अनुप्रयोग स्तर 'ए+' की अपेक्षाओं के अनुरूप है। पदार्थ मैट्रिक्स (पदार्थ प्रयोग से) तथा अन्य आंतरिक एवं बाहय कारकों के आधार पर जीआरआई जी3.1+ ओजीएसएस (2011) के सभी प्रासंगिक संकेतकों के संबंध में सूचना प्रदान की गई है।

जीआरआई जी3.1 और ओजीएसएस दिशा–निर्देशों के अतिरिक्त, रिपोर्ट को निम्नलिखित अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए भी संबद्ध किया गया है :–

- कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रकाशित, कारोबार की सामाजिक, पर्यावरणीय एवं आर्थिक उत्तरदायित्व संबंधी राष्ट्रीय स्वैच्छिक दिशा–निर्देशों (एनवीजी) के 9 सिद्धांत।
- आईपीआईईसीए द्वारा तैयार स्वैच्छिक सतत् विकास रिपोर्टिंग (2010) के तेल एवं गैस उद्योग निदेशन, सामाजिक एवं पर्यावरणीय मुद्दों के संबंध में वैश्विक तेल और गैस उद्योग संघ तथा अमेरिकन पेट्रोलियम संस्थान (एपीआई)।
- समेकित राष्ट्रीय वैश्विक प्रभाव (यूएनजीसी) के अंतर्गत सिद्धांत और प्रकटीकरण अपेक्षाएं।

हमारी कम्पनी के लिए मुख्य सतत् विकास मुद्दों की पहचान करने के लिए हमने पदार्थ प्रक्रिया का आयोजन किया। इस प्रक्रिया से उभरने वाले महत्वपूर्ण मुद्दों का विवरण इस रिपोर्ट के प्रासंगिक भागों में दिया गया है।

चूंकि गेल पिछले कुछ वर्षों से सतत् विकास पैरामीटरों के आधार पर अपने कार्य–निष्पादन की रिपोर्टिंग कर रहा है, इसलिए इस रिपोर्ट में दर्शाए गए सतत् विकास कार्य–निष्पादन संबंधी संकेतकों के संकलन, मॉनीटरिंग और रिपोर्ट की प्रणाली पहले से ही मौजूद है। इस रिपोर्ट के लिए संगत सूचना एवं डाटा देशभर के संबंधित विभागों से आवधिक तौर पर एकत्रित किए गए हैं और इन्हें कारपोरेट सतत् विकास टीम को प्रदान किया गया है। सतत् विकास आंकड़ा प्रबंधन प्रक्रिया को स्वचालित करने के लिए विभिन्न इकाइयों से सतत् विकास संबंधी आंकड़ा एकत्रित करने ओर उनके प्रबंधन के लिए आंतरिक तौर पर ई–सतत् विकास मॉड्यूल तैयार किया गया है। इस रिपोर्ट में प्रस्तुत आंकड़ों का सत्यापन यूनिट अध्यक्षों द्वारा किया जाता है।

रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2013–14 के आंकड़े दिए गए हैं ताकि हमारे कार्य–निष्पादन का संतुलित परिप्रेक्ष्य प्रस्तुत किया जा सके परंतु इसके साथ ही इस रिपोर्ट में गेल की महत्वपूर्ण उपलब्धियों, घटनाक्रमों तथा अनवरत जारी पहलों का उल्लेख भी किया गया है।

जब कभी आवश्यक होता है, आंकड़ों के आकलन और प्रमात्रा के लिए अवधारणा, मानक समीकरण एवं गणना पद्धतियों का प्रयोग किया गया है। जहां–कहीं भी ऐसी अवधारणाओं का प्रयोग किया गया है, वहां इन

अवधारणाओं/खुलासे का उल्लेख किया गया है। हालांकि, ई–सतत् विकास मॉड्यूल आंकड़ा प्रबंधन का बेहतर ढांचा प्रदान करता है फिर भी हम आंकड़ा प्रबंधन प्रणालियों में सुधार को जारी रखते हैं और इसके परिणामस्वरूप हमने पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष कुछ संशोधन किए हैं जिससे कुछ आंकड़ा संकेतकों में विविधता आई है; और जहां–कहीं भी आवश्यक होता है वहां इसे स्पष्ट किया गया है।

कुछ उदाहरणों में प्रक्षेपण किया गया है जो गेल की रणनीति, संचालनों, कार्य–निष्पादन लक्ष्यों और उद्देश्यों, कारोबार योजना, अनुसंधान एवं विकास तथा विदेशों, क्षेत्रों और बाजार में निवेश से संबंधित हैं। ऐसे प्रक्षेपणों में कुछ अनिश्चितता होती है क्योंकि अंतिम परिणाम भविष्य की बाजार स्थितियों तथा भू–राजनीतिक घटनाक्रमों पर निर्भर होता है, जिनमें से ज्यादातर घटनाक्रम गेल के नियंत्रण से परे होते हैं और निश्चित तौर पर उनका अनुमान नहीं लगाया जा सकता। जबकि हम इन मुद्दों पर प्रगति प्राप्त करने का प्रयास करते हैं परंतु सभी मामलों में सटीक परिणाम सुनिश्चित नहीं किया जा सकता है।

इस रिपोर्ट में प्रस्तुत सभी वित्तीय मूल्यों के लिए 1 अमरीकी डालर = 58.94 भारतीय रुपए की विनिमय दर का प्रयोग किया गया है।

रिपोर्ट का कार्यक्षेत्र और सीमाएं

इस रिपोर्ट में निम्नलिखित प्रचालन शामिल हैं :–

- गंधार, पाता, उसर, वघोडिया और विजयपुर में गैस प्रोसेसिंग यूनिटें (जीपीयू);
- पाता में पेट्रोकेमिकल यूनिट;
- दिबियापुर, हजीरा, झाबुआ, खेड़ा, वघोडिया और विजयपुर में प्राकृतिक गैस कम्प्रेशर स्टेशन;
- आबू रोड, चेरलापल्ली, जी कोंडूरू, जामनगर, कांडला, लोनी, मांसारामपुरा, नसीराबाद, समाख्याली और विशाखापत्तनम में एलपीजी पम्पिंग/प्राप्ति स्टेशन;
- अगरतला, बड़ौदा, मुम्बई, पुदुचेरी और राजमुन्द्री में क्षेत्रीय पाइपलाइन कार्यालय;
- जयपुर और नौएडा में गेल प्रशिक्षण संस्थान (जीटीआई);
- नई दिल्ली स्थित कारपोरेट कार्यालय; और
- नोएडा में इन्फो हब।

ईएंडपी, संयुक्त उपक्रम, आनुषंगिक इकाइयां, पट्टा सुविधाएं, आउटसोर्स अभियान और अन्य संस्थाएं विषयवस्तु तथा सीमा से परे हैं।

इस रिपोर्टिंग सीमा के अनुसार, सभी पहलुओं की सूचना भारतीय क्षेत्र (जब तक कि अन्यथा उल्लेख न हो) के लिए प्रदान की गई है।

कार्यक्षेत्र सीमा में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है तथा इस वर्ष की रिपोर्ट के लिए मापन पद्धतियों में कुछ संशोधन किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, ऐसा कोई अन्य परिवर्तन नहीं किया गया है जो इस रिपोर्ट की तुलनात्मक क्षमता को प्रभावित करता हो।

आश्वासन

गेल की सभी सतत् विकास रिपोर्टों का आश्वासन बाहरी तीसरे पक्ष द्वारा प्रदान किया गया है। इसी परंपरा को जारी रखते हुए इस वर्ष की सतत् विकास रिपोर्ट का आश्वासन मैसर्स डीएनवी जीएल द्वारा प्रदान किया गया है। यह एक टाइप 2 प्रकार की औसत दर्जे की आश्वासन रिपोर्ट है, जो एए1000 (2008) मानक पर आधारित है। आश्वासन प्रक्रिया में गेल के विभिन्न उन स्थानों का आंकड़ा सत्यापन शामिल है, जो गेल को प्रक्रियाओं एवं आंकड़ा प्रबंधन प्रणाली में सुधार करना जारी रखेंगे।

संरक्षण, संवितरण और संवर्धन

कल की जिम्मेदारियों को उठाने के लिए हमारी तीसरी सतत् विकास रिपोर्ट हमारी प्रतिबद्धता एवं कार्य उन्मुखी प्रवृत्ति पर आधारित है। इस आशय के साथ, जब हम अपने लिए निर्धारित किए गए लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ते हैं तब **हमारी चौथी सतत् विकास रिपोर्ट - देखरेख, भागीदारी और विकास,** हमारे उस पथ को उजागर करती है जिस पर हम अपने स्टेकहोल्डरों के साथ मिलकर आगे बढ़ना चाहते हैं।

गेल द्वारा अपने विकास पथ के तीन दशक पूरे किए जाने के साथ ही, हमारा लक्ष्य वैश्विक स्तर पर ऐसी मुख्य गैस कम्पनी के तौर पर उभरना है जिसकी जड़ें मुख्यतः भारत में हों। भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में प्रतिष्ठित महारत्न दर्जा प्राप्त करने वाला गेल सबसे नया सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है। जैसाकि बिल्कुल उचित कहा गया है, ''बड़ी शक्ति के साथ बड़ा उत्तरदायित्व भी जुड़ा हुआ होता है'', हमारा मानना है कि नेतृत्व भूमिका के दृष्टिगत तथा कारोबार के परम्परागत क्षेत्रों से आगे बढ़ने के लिए इसकी प्रतिक्रिया की जिम्मेदारी हमारी है।

गेल अपने सभी स्टेकहोल्डरों का ध्यान रखता है, कारोबार से प्राप्त होने वाले मूल्य को साझा करता है तथा अपने क्षितिज को निरंतर व्यापक बनाने के कार्य में स्टेकहोल्डरों को साथ रहता है।

- **संरक्षणः** गेल हमेशा से अपने कार्यों में पर्यावरण एवं समाज का ध्यान रखता है और ऐसा करना जारी रखेगा। पर्यावरण को संरक्षित और सुरक्षित रखने के लिए वर्ष के दौरान इसके द्वारा विभिन्न पहलें की गईं। इस वर्ष विभिन्न सीएसआर पहलों के लिए हमारे पीएटी का 2 प्रतिशत आंबटित किया गया है। हम, हमारे संचालन क्षेत्रों में सामाजिक परिस्थितियों को सुधारने का सतत् प्रयास करते हैं, क्योंकि हम सामाजिक एवं पर्यावरणीय तौर पर एक जिम्मेवार कारपोरेट नागरिक हैं।

- **संवितरणः** गेल सभी स्टेकहोल्डरों के लिए सह–सृजन मूल्य में विश्वास रखता है। हम, अपने सभी स्टेकहोल्डरों के साथ दीर्घकालिक संबंध स्थापित करने के लिए उनकी आवश्यकताओं और चिंताओं को समझने तथा उनके समाधान का प्रयास करते हैं। हमारा ध्यान एक–दूसरे के हित के लिए स्टेकहोल्डरों को दीर्घकालिक समाधान प्रदान करने पर होता है। हम सफलता को सभी स्टेकहोल्डरों के साथ साझा करने, समाज के समान विकास एवं कल्याण को बढ़ावा देने में विश्वास करते हैं। इस वर्ष हमने राजकोष में 6993 करोड़ रू. का योगदान दिया।

- **संवर्धनः** गेल ''समावेशी विकास'' के सिद्धांत का अनुपालन करता है तथा हम विकास के साथ–साथ अपने स्टेकहोल्डरों को भागीदार बनाते हैं। गेल कारोबार विकास के नए अवसरों का पता लगाने के कार्य को जारी रखेगा, जो देश के लिए स्वच्छ ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। जैसाकि पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा सूचित किया गया है, हमने तेल विपणन कम्पनियों द्वारा दावा की गई अल्प वसूली को पूरा करने के लिए 1900 करोड़ रुपए का योगदान दिया। गेल ग्राहकों को अधिक खुशी प्रदान करने के लिए उन्हें मूल्यवान समझती है और इस प्रकार अपने निवेशकों को ज्यादा प्रतिलाभ प्रदान करती है।

गतिशील कारोबार परिवेश में आने वाली चुनौतियों के साथ ही हमारा फोकस जवाबदेह विकास पर होता है। हम, हमारे कारोबार दर्शन, सतत् विकास की प्रतिबद्धता को जारी रखेंगे जो हमारे कार्य–संचालन के व्यवहार का अभिन्न हिस्सा है।

हम वस्तुतः स्टेकहोल्डरों के संरक्षण; उनके साथ मूल्य साझा करने और एक साथ मिलकर सतत् विकास भविष्य के लिए कार्य करने में विश्वास रखते हैं। इस विकास पथ पर आगे बढ़ते हुए इस वर्ष की सतत् विकास रिपोर्ट में हमारा विषय 'संरक्षण, संवितरण और संवर्धन' है।

नेतृत्व की ओर से संदेश

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश

गेल की स्थायित्व रिपोर्ट 2014 चौथा संस्करण है, जो 'सतत् विकास आकांक्षा 2020' और इससे जुड़े अन्य सम्बद्ध कार्यक्रमों के अंतर्गत कम्पनी की प्रगति को दर्शाती है। इस रिपोर्ट का स्वतंत्र तौर पर सत्यापन किया गया है और इसमें दी गई जानकारी वैश्विक रिपोर्टिंग पहल (जीआरआई) के जी3.1 दिशा–निर्देशों के अनुरूप है।

कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों में गेल की पहलों से पिछले तीन वर्षों के दौरान विशेषकर कम्पनी के प्रचालन क्षेत्रों के आसपास रहने वाले उपेक्षित समुदायों के 5 मिलियन से अधिक लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। सतत् विकास प्रक्रिया के अंतर्गत उच्चतर मानकों को हासिल करने के अपने इस सफर में, प्रचालन क्षेत्र में भी, छांयसा, एनसीआर स्थित प्रशासनिक ब्लॉक कार्यालय ने हाल ही में 'गृहा' द्वारा प्रमाणित 'ग्रीन बिल्डिंग पुरस्कार' प्राप्त किया है जो सार्वजनिक क्षेत्र के किसी उपक्रम को दिया जाने वाला अपनी तरह का पहला पुरस्कार है। इसके अतिरिक्त, नोएडा में गेल के ऐतिहासिक 22 मंजिला कार्यालय भवन का निर्माण लीड ग्रीन बिल्डिंग मानदण्डों के अनुसार किया गया है।

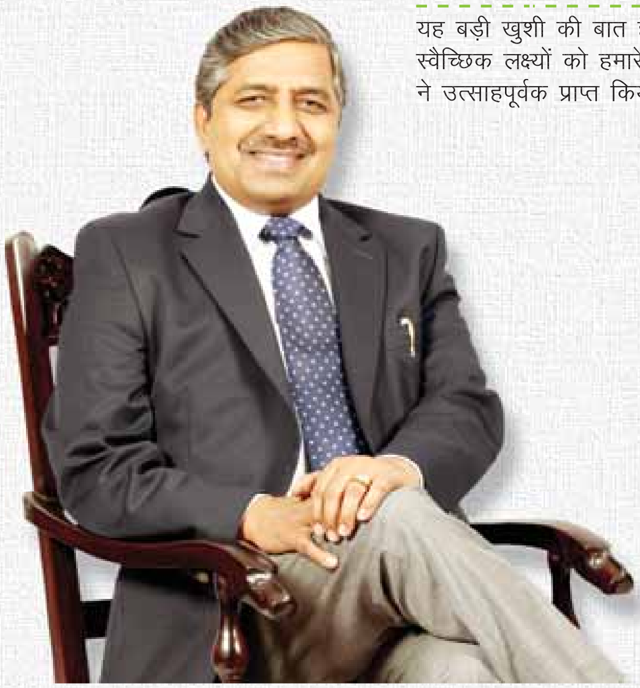

आप लोगों को यह सूचित करते हुए मुझे अपार हर्ष का अनुभव हो रहा है कि गेल ने आधार वर्ष 2010–11 के अनुरूप सतत् विकास आकांक्षा 2020 के अंतर्गत अपने द्वारा स्वयं निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने में उल्लेखनीय प्रगति की है।

ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में 42 प्रतिशत तथा स्वच्छ जल की खपत में 47 प्रतिशत की कमी हुई है

यह बड़ी खुशी की बात है कि इन स्वैच्छिक लक्ष्यों को हमारे कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक प्राप्त किया है और इन आकांक्षाओं में निहित सिद्धांत अब हमारे संगठन के व्यवहार का हिस्सा बन चुके हैं। कम्पनी ने समग्र ऊर्जा उत्पादन में स्वच्छ ऊर्जा की भागीदारी को बढ़ाने के लिए अक्षय ऊर्जा व्यवसाय (सौर, पवन इत्यादि) में भी काफी तेजी से प्रगति की है।

इस वर्ष हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही है कि हमने लैंडफिल गैस रिकवरी परियोजना से कार्बन क्रेडिट प्राप्त करने के लिए यूएनएफसीसीसी से सत्यापन और पंजीकरण प्राप्त करने में सफलता हासिल की है।

गेल विभिन्न मंचों से सतत् विकास एजेंडा को बढ़ावा दे रहा है और ऐसी भागीदारी से कम्पनी की लोकप्रियता के बढ़ने के साथ ही कम्पनी 'जीआरआई फोकल प्वाइंट भारतीय सतत् विकास और पारदर्शिता परिसंघ' का सदस्य बन गई है। पिछले वित्त वर्ष के दौरान त्रि–स्तरीय आधार लाइन में मूल्य सृजन संबंधी हमारे प्रयासों के कारण कम्पनी ने 20 प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्ज की है और शेयरधारकों को आकर्षक प्रतिलाभ मिला है।

मुझे अत्यंत दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि दिनांक 27 जून, 2014 को गेल की तातीपका–कोंडापल्ली पाइपलाइन में विस्फोट के कारण कुछ लोगों की मृत्यु हो गई। एक जिम्मेदार कारपोरेट नागरिक के तौर पर गेल ने तत्काल बचाव, राहत और पुनर्वास अभियान चलाए और नगराम गांव के प्रभावित लोगों को राहत सेवाएं प्रदान कीं। एहतियात उपाय के तौर पर, कम्पनी की पाइपलाइनों और अन्य हाइड्रोकार्बन परिसम्पत्तियों की अखण्डता एवं स्थिति का पुनर्मूल्यांकन करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। वैश्विक उपायों की तुलना में हमारे प्रचालन मानकों की तुलना करने और उनमें सुधार करने के

लिए अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त परामर्शकों को नियुक्त करने की प्रक्रिया चल रही है। एचएसई विभाग ने मानक संचालन प्रक्रिया पद्धतियों (एसओपी) से बिल्कुल न हटने पर पुनः बल दिया है तथा सुरक्षा संबंधी मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए एक आंतरिक अभियान चलाया है।

चूंकि कम्पनी अपने स्टेकहोल्डरों को स्थायी मूल्य प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, इसलिए संगठन आगामी अभियानों की सुरक्षा तथा हाइड्रोकार्बन परिसम्पत्तियों की दक्षता हेतु विश्व–स्तरीय मानकों को बनाए रखने पर ध्यान देना जारी रखेगा। हमारा युवा कार्यबल हमारी सबसे बड़ी ताकत है और यह संगठन को ऊर्जा, गतिशीलता तथा व्यावसायिक दृष्टिकोण प्रदान करता है। हमारी भर्ती प्रक्रिया में समग्र दृष्टिकोण को अपनाने के परिणामस्वरूप हमें विविध कार्यबल प्राप्त हुआ है। हमें आशा है कि सार्वजनिक क्षेत्रों में एक आदर्श नियोक्ता के रूप में हम इस विविध कार्यबल को और विकसित कर पाएंगे।

वर्तमान में, पिछले लगातार दो वर्षों में 5 प्रतिशत की निम्न विकास दर हासिल करने के बाद देश जीडीपी के तीव्र विकास के मुहाने पर खड़ा है। भारत के आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने में ऊर्जा काफी अहम भूमिका अदा करेगी परंतु आने वाले वर्षों में सामाजिक प्रगति को आकार देने तथा देश के मानव विकास सूचकांक को बेहतर बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इन आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए भारत को स्वच्छ और सस्ती ऊर्जा आपूर्ति को लगातार बनाए रखना सुनिश्चित करना होगा।

गेल ने देश में प्राकृतिक गैस की वृद्धि को बढ़ावा देने तथा उसमें तेजी लाने में अग्रणी भूमिका निभाई है तथा अभी हाल ही में देश की अल्पावधि गैस आवश्यकताओं को पूरा करने के अलावा दीर्घकालीन आधार पर विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय स्रोतों से लगभग 70 एमएमएससीएमडी प्राकृतिक गैस प्राप्त कर सस्ती एलएनजी/प्राकृतिक गैस प्रदान की है

प्राथमिक ऊर्जा की मांग में अचानक आई तेजी से गेल स्वच्छ पर्यावरण सुनिश्चित करने के लिए कार्बन फुटप्रिंट में व्यापक कमी लाने हेतु गैस मूल्य श्रृंखला के साथ–साथ प्रौद्योगिकियों को अपनाने और उन्हें बढ़ावा देने की तत्काल आवश्यकता को भी महसूस करता है। कारोबार से इतर मूल्य सृजित करने तथा कारोबार के साथ–साथ सतत् विकास के सिद्धांतों को इस रिपोर्ट में 'संरक्षण, संवितरण और संवर्धन' शीर्षक के अंतर्गत उपयुक्त तौर पर शामिल किया गया है जो हमारे स्टेकहोल्डरों का सतत् विकास भविष्य सुनिश्चित करने के संकल्प पर पुनः जोर देता है।

मैं आशा करता हूं कि यह रिपोर्ट आपको रुचिकर लगेगी और इससे भावी सतत् विकास को आकार प्रदान करने के गेल के प्रयासों की एक झलक भी मिलेगी।

बी.सी. त्रिपाठी
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

गेल में सतत् विकास को मुख्यधारा बनाना

गेल इस बात को स्वीकार करता है कि आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक मानदंडों पर बेहतर प्रदर्शन किए बिना सतत् विकास प्राप्त नहीं किया जा सकता। गेल में, हमारा विश्वास है कि अपने समग्र कार्य–निष्पादन में इन मानदंडों को शामिल करके हम समाज, उपभोक्ताओं, कर्मचारियों, निवेशकों तथा अन्य स्टेकहोल्डरों की बढ़ती आकांक्षाओं को पूरा कर सकते हैं। इस दृष्टिकोण के साथ ही हमारा नेतृत्व हमें हमारे व्यवसाय कार्यकलापों में सतत् विकास को समेकित करके और उसे मुख्य धारा में शामिल करने का निर्देश देता है।

गेल ने बोर्ड स्तर पर सतत् विकास समिति का गठन किया है जिसमें परियोजनाओं, विपणन, कारोबार विकास, वित्त और मानव संसाधन सहित विभिन्न कार्यों की सक्रिय भागीदारी प्राप्त हुई है। इसके अतिरिक्त, हमारे कारोबार में सतत विकास को और सुदृढ़ करने के लिए संचालन, वित्त और लेखा, मानव संसाधन, विधि, प्रशिक्षण, कॉरपोरेट संचार, कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व, कम्पनी सचिवालय विपणन एवं कॉरपोरेट योजना, एचएसई टीमें भी सतत् विकास संचालन समिति में भाग लेती हैं। गेल कर्मचारियों के बीच सतत् विकास के प्रति जागरूकता पैदा करने का सतत् प्रयास कर रहा है तथा इसने वर्ष 2020 तक सतत् विकास एवं इससे जुड़े मुद्दों के प्रति 100 प्रतिशत जागरूकता पैदा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इन पहलों से हम कर्मचारियों में बेहतर समझ और संवेदना पैदा करने में सफल रहे हैं जिसके परिणामस्वरूप हमें अपने अभियानों में बेहतर सतत् विकास प्राप्त करने में सफलता मिली है।

गेल कार्यालय में टीईआरआई बीसीएसडी टीम द्वारा कार्यकारिणी सेमिनार

प्रभात सिंह
निदेशक – विपणन

भारत के अग्रणी प्राकृतिक गैस प्रमुख के तौर पर गेल ने देश के प्राकृतिक गैस बाजार के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत के गैस विपणन बाजार में गेल की बाजार हिस्सेदारी लगभग 67 प्रतिशत है।

गेल में हमारा मानना है कि भारत की बढ़ती हुई जनसंख्या और सतत् आर्थिक विकास के कारण ऊर्जा की मांग में अनवरत बढ़ोतरी होगी। गैस उद्योग में उपभोक्ताओं तक गैस की प्रभावी डिलीवरी में गैस पारेषण अवसंरचना की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। गेल ने मिश्रित रूप में बहु–स्रोतों से गैस की लगातार आपूर्ति एवं डिलीवरी करने के लिए गैस प्रबंधन प्रणाली को लागू किया है। इसके साथ ही, अंतिम उपभोक्ता को स्पर लाइनों द्वारा कनेक्टिविटी प्रदान करने पर ध्यान केन्द्रित किया है। इस वर्ष हमने 66 सदस्यों को अंतिम मील दूरी तक कनेक्टिविटी प्रदान की तथा लगभग 5.55 एमएमएससीएमडी प्राकृतिक गैस की आपूर्ति की। यह उल्लेखनीय है कि ये उपभोक्ता मध्यम और लघु विनिर्माण उपक्रम श्रेणी के हैं, जो इससे पूर्व अधिक महंगे तथा अधिक प्रदूषण फैलाने वाले तरल ईंधनों पर निर्भर थे। ये उपक्रम भी अर्थव्यवस्था के लिए मुख्य रोजगार पैदा करते हैं। प्राकृतिक गैस का प्रयोग करने से उनकी प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी।

कम्पनी का मुख्य फोकस गैस कारोबार में अपनी मुख्य भूमिका पर है। हम विश्वास करते हैं कि ऐसा मौजूदा उपभोक्ताओं के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध कायम रखते हुए तथा नए उपभोक्ताओं को जोड़कर कायम रखा जा सकता है। गेल में हम नियमित अंतराल पर 'उपभोक्ता संवाद बैठकों' का आयोजन करते हैं ताकि आपसी लाभ के लिए खुदरा कारोबार में उत्पाद/बाजार घटनाक्रमों का आदान–प्रदान करते हुए उन्हें अद्यतन बनाया जा सके। हमारे ग्राहकों को श्रेष्ठ संभव तरीके से सेवा प्रदान करने संबंधी हमारी प्रतिबद्धता के लिए यह एक शुभ विचार है। इस वर्ष हमारा उपभोक्ता संतुष्टि सूचकांक 92.03 प्रतिशत रहा है।

सुरक्षित एवं पर्यावरणीय अनुकूल तरीके से ऊर्जा की आपूर्ति करना गेल का उत्तरदायित्व है। 12वीं पंचवर्षीय योजना (2012–17) के लिए पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस क्षेत्र के कार्य समूह की रिपोर्ट में भारत में प्राकृतिक गैस की समग्र मांग को पूरा करने के लिए वर्ष 2016–17 में 264 एमएमएससीएमडी प्राकृतिक गैस के आयात की परिकल्पना की गई है। इस प्रकार हमारा फोकस देश के लिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना है। हमने कतर, ऑस्ट्रेलिया, संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस और तुर्कमेनिस्तान से बहु एलएनजी तथा अंतर्राष्ट्रीय पाइपलाइन समझौतों के माध्यम से लगभग 86 एमएमएससीएमडी गैस आपूर्ति के अनुबंध किए हैं। इसके अतिरिक्त, गेल ने देश के पश्चिमी तट पर दाभोल एलएनजी टर्मिनल प्रारंभ किया है तथा 25 वर्ष के लिए टोल करार किए हैं ताकि किसी फर्म को दीर्घकालिक आयात के लिए वाणिज्यिक आधार प्रदान किया जा सके। दाभोल टर्मिनल की स्वच्छ एलएनजी गेल पाइपलाइनों के माध्यम से देश के पश्चिमी तथा दक्षिणी भाग के उपभोक्ताओं को गैस आपूर्ति होगी। आपूर्ति विकल्प को सुदृढ़ करना गेल का प्रयास है। इसके अतिरिक्त, हम गैस परिसम्पत्तियों, द्रवीकरण सुविधाओं और एलएनजी शिपिंग में ऊर्ध्वगामी निवेश का प्रयास कर रहे हैं ताकि सम्पूर्ण एलएनजी मूल्य श्रृंखला में उपस्थिति दर्ज करवाई जा सके।

ऊर्जा क्षेत्र में भारत के प्रभुत्व और वैश्विक भागीदारी की आकांक्षा को दर्शाने के लिए गेल ने अभी हाल ही में अपने द्विवार्षिक मेगा कार्यक्रम एशिया गैस भागीदारी समारोह के 8वें अध्याय की मेजबानी की है। इस अध्याय में ऊर्जा क्षेत्र के आपूर्तिकर्ताओं, उपभोक्ताओं और सेवा प्रदाताओं ने भाग लिया तथा लाभकारी एवं टिकाऊ संबंधों के लिए एक–दूसरे को सहयोग प्रदान करने पर विचार–विमर्श किया गया।

अपने ऊर्जा विभाग को प्रभावी ढंग से विविध रूप प्रदान करने के लिए गेल ने कुल 5.8 एमएमटीपीए एलएनजी हेतु दक्षिण अमेरिका की प्रतिष्ठित फर्मों के साथ गैस आपूर्ति और टोल करार किए हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका से आयात करने का सबसे बड़ा लाभ शेल गैस उत्पादन का विस्तार होना तथा हेनरी हब मूल्यों के साथ सूचीबद्ध होना है, जिससे गेल का मानना है कि भारत के उपभोक्ताओं को लाभ होगा।

एक युवा तथा उत्साही कारपोरेट के रूप में प्रौद्योगिकी गेल की विशिष्टता रही है। गेल में हमने महसूस किया कि ऐसा मंच तैयार करना आवश्यक है जहां स्टेकहोल्डरों के साथ एक–तरफा संवाद को दो–तरफा संवाद में परिवर्तित किया जा सके और यह सम्पर्क वास्तविक समय आधार पर होना चाहिए। इसका संज्ञान लेते हुए हमने आधिकारिक ब्लॉग साइट GAILVoice.com प्रारंभ की, जो भारत में ऊर्जा कम्पनियों में इस प्रकार की पहली साइट है। अन्य सामाजिक मीडिया पृष्ठों के साथ–साथ GAILVoice.com का उद्देश्य ऐसा मंच तैयार करना है जहां हमारे उपभोक्ता, हमारे लाभार्थी, कर्मचारी तथा व्यापक स्तर पर लोग आगे आकर अपने विचारों को साझा करें, हमारी विषय–वस्तु को साझा करें तथा एक–साथ मिलकर बेहतर भविष्य के निर्माण में हमारा सहयोग करें।

हम स्टेकहोल्डरों के साथ सहभागिता करते हुए एक साथ संरक्षण, संवितरण और संवर्धन करते हैं।

एस. वेंकटरमण
निदेशक – व्यापार विकास

अपनी सतत् विकास यात्रा में आगे बढ़ते हुए हमारी सतत् विकास रिपोर्ट का चौथा संस्करण 'संरक्षण, संवितरण और संवर्धन' वित्त वर्ष 2013–14 का फोकस हमारे स्टेकहोल्डरों के प्रति हमारी प्रतिबद्धताओं पर आधारित है। सतत् विकास रिपोर्टिंग कार्यों के जरिए मापन से प्रबंधन तक आगे बढ़ने की दिशा में एक माध्यम है। हमारी चौथी सतत् विकास रिपोर्ट में हमारे कार्यों का विश्लेषण किया गया है तथा यह स्टेकहोल्डरों के साथ सतत् विकास के पथ पर आगे बढ़ने की दिशा में एक कदम है।

पिछले दशक में भारत की वास्तविक आर्थिक वृद्धि औसतन लगभग 8 प्रतिशत रही है, इसलिए ऊर्जा की मांग में बढ़ोतरी होने की संभावना है। आगामी कुछ वर्षों में ऊर्जा की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए भारत को अपनी ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाने के साथ ही तीन कारकों की गारंटी देनी होगी – ऊर्जा स्रोतों की उपलब्धता, सुलभता और वहनीयता। जबकि देश में रिफाइनिंग क्षमता सरप्लस है तथा भारत पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यातक है, परंतु हमें घरेलू उभरते हुए उद्योग में व्यापक निवेश करना होगा तथा विदेशों से हाइड्रोकार्बन भण्डार अधिग्रहित करने होंगे। महारत्न होने के कारण गेल के पास एमएंडए अवसरों को प्राप्त करने की सुविधा है। एलएनजी के स्रोतों में प्रगति करते हुए तथा एलएनजी ट्रेडिंग कारोबार करते हुए हमारा फोकस प्राकृतिक गैस मूल्य श्रृंखला में वैश्विक उपस्थिति दर्ज करवाने पर है। इस वर्ष म्यांमार के दो आफश्योर ब्लॉकों से उत्पादित गैस की आपूर्ति चीन को की गई, जो भारत के बाहर गैस उत्पादक एवं आपूर्तिकर्ता का दर्जा प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि थी। हमारे पेट्रोकेमिकल कारोबार का विस्तार करते हुए हमने ओएनजीसी की भागीदारी से पॉली ब्यूटेडीन रबड़ (पीबीआर) संयंत्र स्थापित करने के लिए इलास्टोमर कारोबार में कदम रखा है तथा इस परियोजना में गेल की महत्वपूर्ण भूमिका है, जो पीबीआर आयात पर भारत की निर्भरता को कम करेगा।

एक ऊर्जा कम्पनी होने के नाते हमने अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं के माध्यम से अपनी प्रौद्योगिकीय क्षमताओं में सुधार करने के लिए रणनीतिक कदम उठाए हैं। लैंडफिल गैस रिकवरी के लिए हमारी प्रायोगिक परियोजना पूरी कर ली गई है तथा कार्बन क्रेडिट प्राप्त करने के लिए यूएनएफसीसीसी के साथ सफलतापूर्वक विधिमान्य पंजीकरण किया है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा क्षेत्रीय नवाचारी परिषद के कार्यकलापों के एक भाग के रूप में गेल को तेल एवं गैस उद्योगों के मिड–स्ट्रीम क्षेत्र हेतु समन्वयक के रूप में नामित किया गया है तथा गेल का उद्देश्य इस क्षेत्र के सभी उद्योगों में नवाचार को बढ़ावा देना है।

चूंकि हम कार्यात्मक निदेशकों को शामिल करने के लिए अपनी सतत् विकास समिति को वैविध्यपूर्ण बनाना चाहते हैं, परंतु हमारा फोकस सतत् विकास को मुख्य धारा में शामिल करना तथा गेल के विभिन्न आयामों में नई पहलें करना है। इस वर्ष हमने सतत् विकास क्षेत्र में विभिन्न संगठनों को शामिल किया है। हम जीआरआई फोकल प्वाइंट भारतीय सतत् विकास एवं पारदर्शिता संघ के संस्थापक सदस्य हैं जो हमें विभिन्न मंचों, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय, पर गेल का प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्रदान करते हैं। हमने सतत् विकास एजेंडा को आगे बढ़ाने के लिए टीईआरआई, फिक्की, इंडिया जीएचजी कार्यक्रम तथा अन्य मंचों का प्रयोग किया है। इसके अतिरिक्त, हमारे सतत् विकास आंकड़ा प्रबंधन को सुदृढ़ करने के लिए ई–सतत् विकास मॉड्यूल विकसित किया गया जिससे आंकड़ा प्रबंधन में जवाबदेही एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करना संभव हुआ है। हम आगामी वर्ष में अपने सतत् विकास आकांक्षा 2020 लक्ष्यों को संशोधित करने जा रहे हैं।

हमारे अभियानों के नजदीक रहने वाले लोगों और समुदायों तथा कार्यबल का स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को हम प्राथमिकता प्रदान करते हैं। चोट से बचने संबंधी व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए एक प्रणालीगत दृष्टिकोण के साथ हमने गेल में व्यवहार आधारित सुरक्षा (बीबीएस) लागू की है। इसके अतिरिक्त, स्टेकहोल्डरों के लिए जागरूकता एवं पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए 'एचएसई प्रबंधन प्रणाली' पर एक कारपोरेट फिल्म जारी की गई है। इस वर्ष हमारी कम्पनी ने 99.64 प्रतिशत एचएसई सूचकांक प्राप्त किया है।

गेल द्वारा इस वर्ष सभी विनियमों का अनुपालन करने तथा जवाबदेह सुरक्षा सावधानियां बरते जाने के बावजूद गेल परियोजना निर्माण स्थलों पर कुछ दुर्भाग्यपूर्ण घातक दुर्घटनाएं हुई हैं, जिनमें गेल द्वारा नियुक्त ठेकेदारों के श्रमिकों की क्षति शामिल है। बोर्ड की एचएसई समिति द्वारा इस मामले की विस्तार से समीक्षा की गई तथा समग्र सुरक्षा प्रबंधन को बढ़ाने और सुरक्षा मानदण्डों का सख्त अनुपालन करने के लिए उपयुक्त कदम उठाए गए हैं।

मैं हमारे सम्मानित स्टेकहोल्डरों को यह सूचित करना चाहूंगा कि दिनांक 27.06.2014 (जो रिपोर्टिंग अवधि से बाहर है) को दक्षिण भारत के राज्य आंध्र प्रदेश में गेल की एक पाइपलाइन में सुबह आग लगने से विस्फोट हुआ। गेल की आपदा प्रबंधन प्रणाली को तत्काल सूचित किया गया और प्रभावित पाइपलाइन खण्ड को अलग किया गया। गेल के फायर टेण्डर्स और अन्य एजेंसियों के सहयोग से आग पर 1½ घण्टे में काबू पाया गया। इस मामले की जांच एक उच्च स्तरीय समिति द्वारा की जा रही है। इस दुर्घटना के बाद, गेल ने कई कदम उठाए हैं जैसे वैश्विक पाइपलाइन संचालकों के संबंध में बेंचमार्किंग मानक संचालन प्रक्रिया ताकि पाइपलाइनों में आफ–स्पेक संघटकों के प्रवेश को रोका जा सके तथा पाइपलाइनों की सफाई एवं मॉनीटरिंग में सुधार किया जा सके। गेल बोर्ड ने अभी हाल ही में चरणबद्ध तरीके से सभी पुरानी पाइपलाइनों को बदलने की अनुमति प्रदान की है।

गेल में हमारे कारोबार के माध्यम से बेहतर मूल्य सृजन सुनिश्चित करने संबंधी हमारे प्रयासों के साथ ही हम कारोबार से इतर पर्यावरण और समुदाय पर सामाजिक प्रभावों संबंधी विभिन्न हस्तक्षेपों के माध्यम से ऐसे निर्णय करेंगे जिनके परिणाम प्रत्येक के लिए लाभकारी होंगे।

हम स्टेकहोल्डरों के साथ सहभागिता करते हुए एक साथ संरक्षण, संवितरण और संवर्धन करते हैं।

पी.के. जैन
निदेशक – वित्त

राष्ट्र के समग्र विकास में ऊर्जा की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। ऊर्जा आपूर्ति में अनिश्चितताओं का अर्थव्यवस्था की समेकित कार्य–प्रणाली विशेष तौर पर विकासशील देशों में प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। ऊर्जा की पर्याप्त उपलब्धता प्राप्त करना न केवल भारत के आर्थिक विकास अपितु मानव विकास लक्ष्यों के लिए भी मूलभूत आवश्यकता है।

वैश्विक तौर पर आर्थिक स्थितियों पर दबाव में होने के बावजूद भी हमने सतत् तौर पर विकास किया है, हमारे टर्नओवर में 21 प्रतिशत अर्थात 57,245 करोड़ रुपए की वृद्धि और पीएटी में 9 प्रतिशत अर्थात 4,375 करोड़ रुपए की वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2013–14 के लिए विविध सीएसआर परियोजनाओं तथा मुख्य कार्य–स्थलों के आसपास पहल करने की हमारी प्रतिबद्धता 90 करोड़ रुपए है। इस वर्ष राजकोष में हमारा योगदान 6,993 करोड़ रुपए रहा है। जबकि हमारा लक्ष्य सतत् विकास है, इसके बावजूद हम अपनी सफलता को स्टेकहोल्डरों के साथ साझा करने के लिए जागरूक हैं।

हम, हमारे निवेशकों के साथ दीर्घकालिक संबंध बनाए रखने में विश्वास करते हैं तथा इस संदर्भ में निष्पक्ष और पारदर्शी प्रकटीकरण के साथ ही विविध निवेशक संबंधी कार्यकलापों जैसे निवेशक सम्मेलनों, विश्लेषक बैठकों इत्यादि का आयोजन करते हैं। गेल को आईसीआरए, सीएआरई और सीआरआईएसआईएल द्वारा 'एएए' क्रेडिट रेटिंग की पुनः पुष्टि की गई है जो उच्चतम क्रेडिट गुणवत्ता एवं निम्नतम क्रेडिट जोखिम को दर्शाता है। आईसीआरए द्वारा चिन्हित मुख्य सकारात्मक पहलुओं में पारेषण खण्ड का विनियमित एवं स्थिर प्रतिलाभ, अन्य के साथ पेट्रोरसायन खण्ड की लाभकारी स्थिति शामिल है। अपने विस्तार कार्यकलापों के लिए हम, हमारे समकक्षों के बीच सबसे अधिक प्रतिस्पर्धी दरों पर ऋण प्राप्त करने में सफल रहे हैं। लाभकारी तरीके से विकास करते हुए हमने राजस्व और लाभ अंतर बढ़ाने तथा लागत कम करने की प्रक्रिया एवं संचालनात्मक दक्षता में सुधार करने का मुश्किल सफर शुरू किया है।

हमारे ऊर्जा विकास में प्राकृतिक गैस का अत्यधिक योगदान रहने का अनुमान लगाया गया है। बढ़े हुए घरेलू उत्पादन तथा आयात से प्राप्त प्राकृतिक गैस, पर्याप्त एवं समयबद्ध गैस अवसंरचना, मूल्य श्रृंखला में विकासात्मक एवं अनवरत नीतिगत सुधार प्रक्रिया जारी है ताकि देश में गैस बाजार के विकास में तेजी लाई जा सके। हम, भारत में एलएनजी बाजार विकास में तेजी लाने के लिए सहायक अवसंरचना का विकास कर रहे हैं। भारत की ऊर्जा सुरक्षा आवश्यकताओं को अधिक वहनीय एवं पर्यावरण के अनुकूल तरीके से पूरा करने के लिए विभिन्न भागीदारों के बीच सम्पूर्ण मूल्य श्रृंखला में सतत् निवेश और अधिक सहयोग की आवश्यकता है।

गेल वर्ष 2003–04 से पेट्रोलियम उत्पादों की कम वसूली को पूरा करने में योगदान कर रहा है ताकि संवेदनशील पेट्रोलियम उत्पादों को घरेलू उपभोक्ताओं के लिए सस्ता बनाया जा सके। इस वर्ष के दौरान हमने तेल विपणन कम्पनियों की कम वसूली के लिए 1900 करोड़ रुपए का योगदान दिया है। पारदर्शी तरीके से विकास करते हुए, हमने इस वर्ष कर मामलों में 4 प्रतिशत की कमी का लक्ष्य रखा है, जिसे हमने सफलतापूर्वक प्राप्त किया है। जैसाकि हम विकास करते हुए आगे बढ़ेंगे, तब गेल के लिए यह आवश्यक होगा कि हम ऐसी कार्यनीतियों का विकास करें जो पर्यावरण और समाज के साथ समझौता किए बिना टिकाऊ अर्थव्यवस्था का विकास कर सकें।

हम स्टेकहोल्डरों के साथ सहभागिता करते हुए एक साथ संरक्षण, संवितरण और संवर्धन करते हैं।

एम. रविन्द्रन
निदेशक – मानव संसाधन

गेल में हमारा यह दृढ़ विश्वास है कि हमारी सबसे बड़ी परिसम्पत्ति हमारा मानव संसाधन है और हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि संगठन के विकास के लिए इसकी क्षमता का पूर्ण दोहन किया जाना चाहिए। गेल के मानव संसाधन दर्शन का मुख्य आधार कर्मचारियों का कल्याण है। कम्पनी की मूल्य प्रणाली में इस बात को गहन स्तर तक समाहित किया गया है कि कॉरपोरेट विकास, कर्मचारियों के विकास और वृद्धि का आयाम है। दूसरे शब्दों में, किसी संगठन का विकास, समृद्धि एवं बौद्धिक दक्षता को कर्मचारियों को दिए जाने वाले मूल्य से दर्शाया जा सकता है।

मानव संसाधन प्रबंधन को सुधारने संबंधी हमारे सतत् प्रयासों के लिए हमें विश्व मानव संसाधन विकास कांग्रेस द्वारा 'प्रतिभा प्रबंधन के लिए वैश्विक मानव संसाधन उत्कृष्टता पुरस्कार 2014' और 'कारोबार के अनुरूप श्रेष्ठ मानव संसाधन कार्यनीति के लिए श्रेष्ठ नियोक्ता 2013–14' पुरस्कार प्रदान किया गया है।

उद्योग की बदलती हुई आवश्यकताओं का संज्ञान लेते हुए जो न केवल अधुनातन प्रौद्योगिकियों एवं उपकरणों को प्राप्त करने तक सीमित है अपितु उच्च स्तर के विशिष्ट कार्यों के लिए ज्ञान, कौशल, दृष्टिकोण और व्यावहारिक अनुभव वाले अर्हता प्राप्त लोगों की नियुक्ति भी आवश्यक है; गेल प्रशिक्षण संस्थान (जीटीआई) द्वारा विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाता है जिनका फोकस संचालन एवं प्रबंधन क्षमताओं का विकास करने पर होता है ताकि संगठन की मानव पूंजी का विकास किया जा सके।

हमारे दर्शन के आधार पर गेल ने ऐसी विभिन्न मानव संसाधन नीतियों का विकास एवं कार्यान्वयन किया है, जो कर्मचारियों के कल्याण के लिए हैं और इस प्रकार सुरक्षा, जीवन की गुणवत्ता तथा जीवन–कार्य संतुलन जैसे पहलुओं में सुधार किया गया है। इस वर्ष नई नीति जैसे कार्य–स्थल पर महिलाओं के यौन शोषण की संरक्षा, निषेध और समाधान तथा शिकायत समाधान नीति को लागू किया गया है जिनका उद्देश्य महिलाओं के लिए अधिक सुरक्षित एवं संरक्षित कार्य–स्थल सुनिश्चित करना तथा कम्पनी में बेहतर कारपोरेट अभिशासन सुनिश्चित करना है। इस वर्ष हमने ऐसी स्वीकृत नीतियों और प्रक्रिया–विधियों के लिए चरणबद्ध ढंग से एसए 8000 मानक का कार्यान्वयन करने की प्रक्रिया प्रारंभ की है, जो श्रमिकों के मूलभूत मानवीय अधिकारों का संरक्षण करती है।

एक कारपोरेट नागरिक के तौर पर हमारा दायित्व काफी अधिक है और हमारे पास वास्तविक अर्थों में अंतर पैदा करने का बड़ा अवसर भी है। हम लोगों की आवश्यकताओं की देखभाल करने, साझा करने और उनकी प्रतिक्रिया, समुदायों के लाभ तथा पर्यावरण का संरक्षण करने में विश्वास करते हैं, जो अंतिम तौर पर हमारी सतत् प्रगति के स्थायित्व का निर्धारण करते हैं। हमारी अग्रणी परियोजना 'अनहद ग्राम' का उद्देश्य झाबुआ, मध्य प्रदेश के जनजातीय गांवों में रहने वाले हजारों ग्रामीणों को आजीविका के अवसर प्रदान करना है तथा हमने वर्ल्ड सीएसआर कांग्रेस में ग्रीनटेक गोल्ड अवार्ड और श्रेष्ठ ग्रामीण पहुंच कार्यक्रम का अवार्ड प्राप्त किया है। इसके अतिरिक्त, 'पढ़ो और बढ़ो' परियोजना को वर्ल्ड सीएसआर कांग्रेस में श्रेष्ठ सामुदायिक कार्य कार्यक्रम का दर्जा प्रदान किया गया है। इस वर्ष भी हमने दीर्घकालिक समेकित वाटरशेड विकास एवं प्रबंधन परियोजना – जलधर प्रारंभ की है – जिसका उद्देश्य आगामी 5 वर्षों में झाबुआ के सूखा संभावित क्षेत्र के 40 गांवों की जल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सामाजिक और पर्यावरणीय अपेक्षाओं को पूरा करना है।

गेल व्यक्तिगत विकास और संगठन के विकास में सहक्रिया स्थापित करते हुए कर्मचारियों की क्षमता को दोहन करने के लिए कर्मचारी उन्मुखी पहलों और समाज में निवेश के लिए प्रतिबद्ध है, जो हमारी कम्पनी के कारोबार की वृद्धि एवं टिकाऊपन का आधार होगा।

जून, 2014 में गेल की पाइपलाइन के दुर्भाग्यपूर्ण विस्फोट के दौरान नगराम गांव के 22 व्यक्तियों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा। हम तत्काल स्थल पर पहुंचे तथा राज्य और केन्द्र सरकार के परामर्श से प्रभावित लोगों को राहत एवं पुनर्वास के लिए सभी प्रकार के संसाधनों का उपयोग किया। प्रभावित लोगों के अनुग्रह, राहत और चिकित्सा उपचार तथा प्रभावित परिवारों को हुए नुकसान की क्षतिपूर्ति एवं पुनर्वास उपायों के लिए 8 करोड़ रुपए आवंटित/बांटे गए। गेल द्वारा किए गए कार्यों के बारे में स्टेकहोल्डरों को नियमित जानकारी देने के लिए गेल की वेबसाइट पर नियमित अपडेट प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त, हमने प्रभावित नगराम गांव में विकास और कल्याण केन्द्रित उपायों के लिए स्थानीय समुदाय को शामिल करने का भी प्रस्ताव किया है।

हम स्टेकहोल्डरों के साथ सहभागिता करते हुए एक साथ संरक्षण, संवितरण और संवर्धन करते हैं।

आशुतोष कर्नाटक

निदेशक – परियोजना

हमने 80 के दशक के उत्तरार्द्ध में प्राकृतिक गैस पारेषण कम्पनी के तौर पर कार्य प्रारंभ करने के बाद समेकित प्राकृतिक गैस कम्पनी और पिछले वर्ष सबसे कम समय में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम को महारत्न दर्जा प्रदान किए जाने तक काफी लम्बा सफर तय किया है। गेल अपने स्टेकहोल्डरों के लिए प्रतिबद्ध होने के साथ ही सुरक्षित, संरक्षित और पर्यावरणीय तौर पर उत्तरदायी तरीके से स्वच्छ ऊर्जा की आपूर्ति करने के लिए प्रतिबद्ध है।

लगभग 11,000 कि.मी. के पाइपलाइन नेटवर्क के साथ ही संचालन और अनुरक्षण कम्पनी का मुख्य आधार रहा है तथा हमारी ज्यादातर जनशक्ति संसाधनों के बेहतर उपयोग के लिए अपना योगदान देती है। हम, हमारे संचालन स्थलों के विभिन्न स्तरों पर कई पहलों के माध्यम से ऊर्जा प्रभावशीलता को बढ़ाने का सतत् प्रयास करते हैं। हमारे समग्र प्रयासों में ऊर्जा प्रबंधन को समेकित करने संबंधी प्रथम उपाय के तौर पर गंधार स्थित हमारी एक गैस प्रोसेसिंग यूनिट को गुणवत्ता एवं पर्यावरणीय प्रबंधन के लिए आईएसओ 50001 ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली का प्रमाण–पत्र प्रदान किया गया है।

इस वर्ष हमने गेल के आइकॉनिक नए भवन गेल जुबली टॉवर का निर्माण कार्य पूरा किया है, जिसमें लीड्स ग्रीन बिल्डिंग मानदण्डों का अनुपालन किया गया है। हमने छांयसा कम्प्रेसर स्टेशन में प्रशासनिक भवन के लिए ग्रीन भवन हेतु 4 स्टार गृह रेटिंग भी प्राप्त की है।

भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा दाभोल–बेंगलूरू पाइपलाइन राष्ट्र को समर्पित की गई तथा वर्ष 2013 में परियोजना प्रबंधन में उत्कृष्टता हेतु प्लेट्स ग्लोबल अवार्ड प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त, गेल राष्ट्र के स्वच्छ ऊर्जा विभाग को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के कार्यान्वयन हेतु पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय का एक नामिती भी है।

वर्तमान में, हमारी कुल पवन ऊर्जा क्षमता लगभग 118 मेगावाट है तथा पिछले वर्ष 5 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र प्रारंभ किया गया।

डाऊनस्ट्रीम क्षेत्र में, गेल की आकांक्षां राष्ट्र की उच्चतम पेट्रोकेमिकल कंपनी बनने की है, जो मौजूदा क्षमताओं का विस्तार करके, नए संयंत्रों की स्थापना करके तथा आगामी परियोजनाओं में इक्विटी हिस्सेदारी हासिल करके किया जा सकता है। हम, अपनी पेट्रोकेमिकल उत्पादन क्षमता दुगनी करके 900,000 टीपीए तक करने की प्रक्रिया में हैं तथा गेल द्वारा बीसीपीएल और ओपीएएल के माध्यम से संवर्धित ग्रीन फील्ड पेट्रोकेमिकल परियोजनाएं प्रारंभ होने और पूर्ण होने के अंतिम चरणों में हैं।

सूचना सुरक्षा के प्रबंधन पर फोकस करते हुए, इस वर्ष हमने आईएसओ 27001:2013 (सूचना सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली) और आपदा प्रबंधन योजना (सीएमपी) के कार्यान्वयन संबंधी कार्यकलाप प्रारंभ किए हैं।

हम, अपने आपूर्तिकर्ताओं का सहायता एवं दृढ़ संकल्प के लिए आभार प्रकट करते हैं, जिसकी वजह से हम उच्च गुणवत्ता मानकों को कायम रखते हुए परियोजनाओं की समय–सीमाओं का अनुपालन सुनिश्चित करने में सफल रहे हैं। गेल ने सूक्ष्म एवं लघु उपक्रमों (एमएसई) के लिए ''सार्वजनिक अधिप्राप्ति नीति'' का कार्यान्वयन किया है जिससे एमएसएमई को लाभ हुआ है, जो सामान्यतः कार्य–स्थल के आसपास के समुदायों के स्थानीय और लघु उत्पादक है। जब हम अपने विकास के पथ पर आगे बढ़ते हैं तब हम पर्यावरणीय, सामाजिक एवं आर्थिक कार्य–निष्पादन के उच्चतम मानकों का अनुपालन करते हुए स्टेकहोल्डरों के साथ मूल्य साझा करते हुए आगे बढ़ते हैं।

हम स्टेकहोल्डरों के साथ सहभागिता करते हुए एक साथ संरक्षण, संवितरण और संवर्धन करते हैं।

गेल के बारे में

गेल की आकांक्षा महत्वपूर्ण अपस्ट्रीम और डाऊनस्ट्रीम उपस्थिति के साथ समेकित हाइड्रोकार्बन प्रमुख के रूप में उभरना है।

सम्पूर्ण गैस मूल्य श्रृंखला में उपस्थिति

प्राकृतिक गैस

- 11,000 कि.मी. से अधिक पाइपलाइन नेटवर्क
- 15,000 कि.मी. तक विस्तार
- वित्त वर्ष 2013–14 के दौरान औसत गैस पारेषण लगभग 96.22 एमएमएससीएमडी और गैस बिक्री 79 एमएमएससीएमडी थी
- अत्याधुनिक गैस प्रबंधन प्रणाली
- बाजार का विस्तार करना

अन्वेषण और उत्पादन

- क्षैतिज समेकन का एक भाग
- 20 ब्लॉकों में भागीदारी (ऑपरेटर – 3 ब्लॉक)
- म्यांमार एवं यूएस में मौजूदगी

शहर गैस वितरण

- सहायक कंपनी और संयुक्त उद्यमों के माध्यम से 10 लाख से अधिक वाहनों तथा 10 लाख घरों की सेवा
- गेल गैस लिमिटेड, 100 प्रतिशत अनुषंगी द्वारा देवास, सोनीपत, कोटा, मेरठ, आगरा, फिरोजाबाद, वडोदरा और पनवेल में सीजीडी नेटवर्क की स्थापना

पेट्रोकेमिकल

- घरेलू बाजार हिस्सेदारी – 20 प्रतिशत
- 0.41 एमएमटीपीए क्षमता के साथ पाता (यूपी) में पेट्रोकेमिकल संयंत्र
- वित्त वर्ष 2014 तक क्षमता को दुगना करना
- बीसीपीएल और ओपीएएल में भागीदारी

तरल हाइड्रोकार्बन

- 7 गैस प्रोसेसिंग यूनिट, जो एलपीजी, प्रोपेन, पेन्टेन और नाफ्था इत्यादि का उत्पादन करती हैं
- एलपीजी परिवहन क्षमता 3.8 एमएमटीपीए (2038 कि.मी.)
- वर्ष 2013–14 में कुल एलएचसी उत्पादन 1307 टीएमटी था, जिसमें 1030 टीएमटी एलपीजी थी, 135 टीएमटी प्रोपेन, 22 टीएमटी पेन्टेन एवं 120 टीएमटी नाफ्था था।

विद्युत और अक्षय ऊर्जा

- 118 मेगावाट पवन विद्युत संयंत्र और 5 मेगावाट सौर विद्युत संयंत्र की स्थापना
- आरजीपीपीएल में भागीदारी (क्षमता 1967 मेगावाट)

समूह की ताकत

सहायक कंपनियां

गेल गैस लिमिटेड

ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलीमर लिमिटेड

गेल ग्लोबल (सिंगापुर) पीटीई. लिमिटेड

गेल ग्लोबल (यूएसए) इंक

गेल ग्लोबल (यूएसए) एलएनजी एलएलसी
(गेल ग्लोबल (यूएसए) इंक की सहायक)

संयुक्त उपक्रम

- अवंतिका गैस लिमिटेड
- भाग्यनगर गैस लिमिटेड
- सेंट्रल यू.पी. प्रदेश गैस लिमिटेड
- गेल चाइना गैस ग्लोबल एनर्जी होल्डिंग्स लिमिटेड
- ग्रीन गैस लिमिटेड
- इन्द्रप्रस्थ गैस लिमिटेड
- महानगर गैस लिमिटेड
- महाराष्ट्र नेचुरल गैस लिमिटेड
- ओएनजीसी पेट्रो–एडिशंस लिमिटेड
- पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड
- रत्नागिरी गैस एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड
- त्रिपुरा नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड

11 आंचलिक विपणन कार्यालय–दिल्ली, कोलकाता (पश्चिम बंगाल), चेन्नई (तमिलनाडु), बंगलौर (कर्नाटक), भोपाल (मध्य प्रदेश), चंडीगढ़ (हरियाणा), जयपुर (राजस्थान), हैदराबाद (आंध्र प्रदेश), लखनऊ (उत्तर प्रदेश), मुम्बई (महाराष्ट्र), अहमदाबाद (गुजरात) में स्थित हैं।

एसोसिएट्स : गुजरात राज्य ऊर्जा उत्पादन लिमिटेड (5.96 प्रतिशत), फाइयम गैस (19 प्रतिशत), चाइना गैस होल्डिंग्स लिमिटेड (3 प्रतिशत), प्राकृतिक गैस कम्पनी ''नटगैस'' (15 प्रतिशत)

गेल म्यांमार में दो बाह्य तट ब्लॉकों में परिसंघ का एक भाग है तथा म्यांमार से चीन तक दो ब्लॉकों से प्राप्त गैस का परिवहन के लिए दक्षिणी–पूर्वी एशिया गैस पाइपलाइन कम्पनी लिमिटेड में भागीदारी हित भी है।

भावी दृष्टिकोण

अपस्ट्रीम

- वैश्विक स्रोत और अधिग्रहण पर बल देना
- परम्परागत स्रोतों और इक्विटी आधारित एलएनजी से एलएनजी
- ट्रांस–नेशनल पाइपलाइनों के माध्यम से सोर्सिंग
- एनईएलपी ब्लॉकों के संचालकों के साथ घरेलू गठजोड़

मिडस्ट्रीम

- मिडस्ट्रीम सेक्टर में नेतृत्व भूमिका बनाए रखना
- पाइपलाइनों का विस्तार जारी रखना
- एलएनजी पुनः गैसीकरण टर्मिनल स्थापित करना तथा पुनः गैसीकरण क्षमता को बढ़ाना
- उपभोक्ता खण्डों में मांग को बढ़ाना

डाऊनस्ट्रीम

- विविधीकृत हाइड्रो–कार्बन प्रमुख बनना
- पेट्रोकेमिकल क्षमताओं का विस्तार जारी रखना
- सीजीडी विस्तार को 40–60 शहरों तक बढ़ाने के लिए जेवी/सहायक कंपनियों को सहायता
- कार्बन फुटप्रिंट्स में कमी – नवीकरणीय ऊर्जा विभाग का गठन

गेल की अखिल भारतीय उपस्थिति

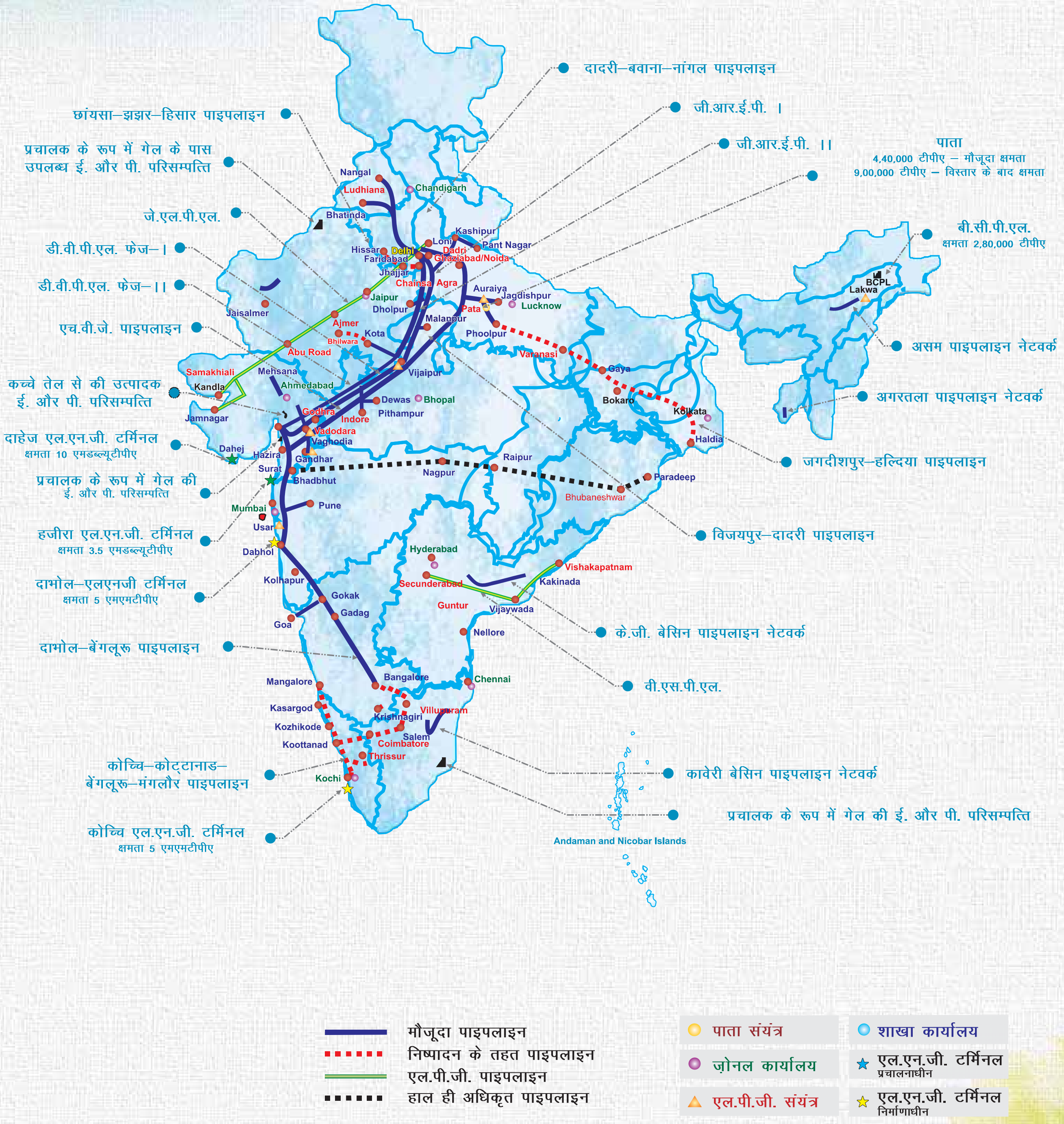

मानचित्र माप आधारित नहीं

पुरस्कार और सम्मान

गेल को पिछले वर्ष महारत्न का दर्जा दिया गया। हमें कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों के अतिरिक्त एमओयू उत्कृष्टता पुरस्कार भी प्रदान किया गया है जो गुणवत्ता, स्वास्थ्य और सुरक्षा मानकों, पर्यावरणीय प्रबंधों तथा अभियानों में उत्कृष्टता का साक्ष्य है। हमारे द्वारा प्राप्त मुख्य पुरस्कारों में शामिल हैं:–

- गेल को ''गैस संसाधन, वितरण और विपणन'' क्षेत्र में डन और ब्रेडस्ट्रीट कारपोरेट अवार्ड 2014 हेतु श्रेष्ठ भारतीय कम्पनी घोषित किया गया।
- दाभोल–बैंगलुरू पाइपलाइन परियोजना को प्लेट्स ग्लोबल एनर्जी अवार्ड 2013 में वृहत निर्माण श्रेणी में अग्रणी परियोजना का पुरस्कार प्रदान किया गया।
- सी एण्ड एमडी, गेल, श्री बी.सी. त्रिपाठी को पेरिस में आयोजित सीडब्ल्यूसी 14वें विश्व एलएनजी समारोह में 'श्रेष्ठ एलएनजी कार्यकारी वैश्विक पुरस्कार' प्रदान किया गया।
- इंडियन चैम्बर ऑफ कॉमर्स (आईसीसी) द्वारा गेल को सतत् विकास निष्पादन पुरस्कार प्रदान किया गया।
- वर्ष 2010 और वर्ष 2013 के बीच चार वर्ष की अवधि में सतत् विकास पैरामीटर्स के संबंध में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम द्वारा अनवरत प्रकटीकरण के लिए 'सतत् विकास प्रकटीकरण पुरस्कार 2013' श्रेणी के अंतर्गत परिवर्तन लीडरशिप पुरस्कार 2013 प्रदान किया गया।
- गेल को छांयसा कम्प्रेसर स्टेशन के प्रशासनिक भवन हेतु ग्रीन बिल्डिंग के लिए 4 स्टार गृह रेटिंग प्रदान की गई।
- अनहद ग्राम परियोजना के लिए श्रेष्ठ ग्रामीण आऊटरीच कार्यक्रम के लिए वर्ल्ड सीएसआर पुरस्कार तथा पढ़ो और बढ़ो परियोजना के लिए श्रेष्ठ सामुदायिक कार्य पुरस्कार प्रदान किया गया।
- वर्ष 2013 में सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली के उच्चतम मानकों की प्राप्ति के लिए ब्रिटिश सुरक्षा परिषद, यूके द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा पुरस्कार, 2014 प्रदान किया गया।

GRIHA
2014

4th Summit on
PSE
Excellence
Award
@2020
INDIAN
CHAMBER OF
COMMERCE

कॉरपोरेट अभिशासन

गेल अपने विजन, मिशन और केन्द्रीय मूल्यों द्वारा निदेशित होता है जो यह सुनिश्चित करते हैं कि कम्पनी का संचालन जवाबदेह, पारदर्शी तथा निष्पक्ष तरीके से हो, तथा यह स्टेकहोल्डरों की अपेक्षाओं एवं आकांक्षाओं को पूरा करें। गेल स्टेकहोल्डरों के मूल्य सृजन हेतु कारोबार के नैतिक एवं जिम्मेदार संचालन के लिए उच्चतम अभिशासन मानकों के सृजन और कार्यान्वयन की दिशा में कार्य कर रहा है।

बेहतर अभिशासन को व्यावहारिक तौर पर प्रयोग करने के लिए गेल के बोर्ड और समितियां को वैश्वासिक कर्त्तव्यों के प्रभावी निष्पादन हेतु नियमित तौर पर अद्यतन किया जा रहा है। सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम होने के कारण गेल यह भी सुनिश्चित करता है कि देश के सभी लागू नियमों, विनियमों, विधियों और उप–विधियों की अनुपालना की जाए। बोर्ड सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों के लिए आचरण संहिता भी तैयार की गई है ताकि नीतिपरक कारोबारी आचरण सुनिश्चित किया जा सके। पिछले कुछ वर्षों में हमें हमारे सम्पूर्ण सांगठनिक ढांचे में आंतरिक नियंत्रण के लिए प्रक्रियाओं एवं प्रणालियों के विकास और कार्यान्वयन में भी सफलता मिली है।

सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम होने के कारण सभी निदेशकों की नियुक्ति/नामांकन भारत के राष्ट्रपति द्वारा पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के माध्यम से किया जाता है। दिनांक 31 मार्च, 2014 की स्थिति के अनुसार, बोर्ड में 10 निदेशक थे जिनमें से 06 निदेशक अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक सहित पूर्णकालिक थे, 02 निदेशक अंशकालिक (सरकार के नामिती) तथा 02 निदेशक स्वतंत्र निदेशक थे।

गेल कॉरपोरेट अभिशासन संबंधी डीपीई दिशा–निर्देशों और स्टॉक एक्सचेंज के साथ इक्विटी लिस्टिंग करार के खण्ड 49 का अनुपालन करता है, जो सरकार द्वारा नियुक्त किए जाने वाले स्वतंत्र निदेशकों के अतिरिक्त अन्य सभी पर लागू होता है। गेल ने विज़न, कार्यनीति एवं कारोबार योजनाओं के कार्यान्वयन पर नज़र रखनें, जहां अपेक्षित हो वहां उपचारात्मक उपाय करने, अपने स्टेकहोल्डरों के हितों का संरक्षण करने, निर्णय लेने की प्रक्रिया को प्रभावी तथा सुचारू बनाने के लिए निदेशक बोर्ड के अंतर्गत कई उप–समितियों का गठन किया है। कम्पनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के दृष्टिगत कुछ समितियों का विलय कर दिया गया है। इनमें से कुछ समितियां हैं, लेखा–परीक्षा समिति, कारोबार विकास एवं विपणन समिति, कॉरपोरेट–सामाजिक उत्तरदायित्व समिति, अधिकार प्राप्त सी एण्ड पी समिति, प्राकृतिक गैस, एलएनजी और पॉलीमर्स के आयात हेतु अधिकार प्राप्त समिति (प्राकृतिक गैस, एलएनजी और पॉलीमर्स), मानव संसाधन समिति, परियोजना मूल्यांकन समिति, नामांकन एवं परिलब्धि समिति, स्टेकहोल्डर संबंध समिति, स्टेकहोल्डर शिकायत समाधान समिति और सतत् विकास समिति।

गेल में जोखिम प्रबंधन

गेल इस बात को स्वीकार करती है कि पर्यावरणीय और सामाजिक मुद्दे केवल कारोबार के लिए बाध्यता नहीं हैं अपितु अब मुख्य कारोबार अनिवार्यताएं हैं जो इसके अभियानों के लिए जोखिम भरा होता है। गेल में ऐसे जोखिम को समेकित जोखिम प्रबंधन फ्रेमवर्क में शामिल किया गया है जिसका उद्देश्य संगठन का संरक्षण करना तथा संगठन और स्टेकहोल्डरों के लिए इसका मूल्य संवर्धन करना है। लेखा–परीक्षा समिति के साथ बोर्ड हमारे अभियानों में जोखिम प्रबंधन एवं उसकी प्रभावशीलता का निरीक्षण करता है। जोखिमों का मूल्यांकन किया जाता है, उनकी मात्रा निर्धारित की जाती है तथा उनको प्राथमिकता प्रदान करते हुए उन्हें कम करने की योजनाएं बनाई जाती हैं, उनकी समीक्षा की जाती है तथा विभिन्न स्तरों पर मॉनीटरिंग की जाती है।

हमारे अभियानों के लिए प्रासंगिक और महत्वपूर्ण सामाजिक एवं पर्यावरणीय मुद्दों की पहचान और मूल्यांकन के बाद स्थल पर स्थल स्तरीय समिति द्वारा परिणामों की संवीक्षा की जाती है तथा इसके बाद संवीक्षा महत्वपूर्ण अधिकारियों वाली संचालन समिति द्वारा कारपोरेट कार्यालय में की जाती है। तदुपरांत इन समितियों की सिफारिशों को लेखा–परीक्षा समिति के माध्यम से निदेशक बोर्ड को आवश्यक कार्रवाई हेतु अग्रेषित किया जाता है। सतत् विकास, नई कारोबारी योजनाओं संबंधी जोखिमों, पूंजीगत परियोजनाओं, विलयन एवं अधिग्रहण के सामाजिक और पर्यावरणीय पहलुओं की मूल्यांकन प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए इनकी पूर्व–पहचान करते हुए संभाव्यता रिपोर्ट के साथ अनुमोदित किया जाता है।

नीतिशास्त्र, पारदर्शिता और जवाबदेही

गेल में हमारा विश्वास है कि सभी लागू सांविधियों की अक्षरशः अनुपालना करते हुए तथा सांविधिक फ्रेमवर्क के अनुपालन के अतिरिक्त श्रेष्ठ प्रक्रियाओं को लागू करने के लिए इसके सभी अभियानों में पारदर्शिता, जवाबदेही तथा समानता लाना आवश्यक है। गेल ने नीतिशास्त्र, पारदर्शिता और जवाबदेही के लक्ष्यों को और आगे बढ़ाने के लिए ई–कारोबार, बिल निगरानी प्रणाली, फाइल मूवमेंट प्रणाली, उपभोक्ता संबंध प्रबंधन, उपभोक्ता शिकायत समाधान प्रणाली, ऑन–लाइन भर्ती, ई–कार्य निष्पादन प्रबंधन प्रणाली (ई–पीएमएस), ऑन–लाइन सतर्कता शिकायत पंजीकरण प्रणाली और ई–बजटिंग प्रणाली जैसी कई पहलों को लागू किया है। अपवादस्वरूप रिपोर्टें तैयार करने सहित, जिनकी निगरानी हमारे शीर्ष प्रबंधन द्वारा की जाती है, प्रभावी एवं दक्ष निर्णय करने के लिए हमने प्रबंधन सूचना प्रणाली लागू की है। हमने ई–प्राप्य, ई–बीजक और ई–लेजर जैसी विभिन्न पहलें भी लागू की हैं ताकि इलेक्ट्रानिक लेन–देन को बढ़ावा दिया जा सके। विभिन्न नीतियां और नियमावलियां जैसे अनुबंध एवं अधिप्राप्ति नियमावली, मानव संसाधन मैनुअल, आंतरिक लेखा–परीक्षा मैनुअल, तरल हाइड्रो–कार्बन उत्पाद मूल्य नीति तथा पॉलीमर मूल्य नीति से पारदर्शी और एकरूप निर्णय लेने की प्रक्रिया को बढ़ावा मिलता है। उपयुक्त आचरण एवं अनुशासन सुनिश्चित करने के प्रयोजन से गेल ने कर्मचारियों के लिए आचार संहिता के अतिरिक्त बोर्ड सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन के लिए भी आचरण संहिता तैयार की है। सभी बोर्ड सदस्य तथा वरिष्ठ प्रबंधन कर्मी वार्षिक तौर पर इस आचरण

संहिता के अनुपालन की पुष्टि करते हैं। हमने अपने कर्मचारियों के लिए 'गेल कर्मचारी (आचरण, अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1986 भी तैयार की है ताकि कार्य–स्थल और इसके बाहर अनुशासन तथा उपयुक्त आचरण सुनिश्चित किया जा सके। इनमें अन्य के अलावा उपहार, यौन शोषण और दुर्व्यवहार संबंधी नियम शामिल हैं।

भ्रष्टाचार–रोधी और घूसखोरी

आचरण संहिता, सीडीए नियमावली तथा व्हिसल ब्लोअर नीति सभी कर्मचारियों के लिए लागू है, चाहे वे गेल में कार्य कर रहे हों अथवा किसी सहायक कंपनी या संयुक्त उपक्रम कम्पनी में कार्य कर रहे हों। इसके अतिरिक्त, 'सत्यनिष्ठा समझौता' एवं 'जालसाजी रोधी नीति' आपूर्तिकर्ताओं, ठेकेदारों इत्यादि के लिए लागू है। हमने संगठन में भ्रष्टाचार की घटनाओं में कमी लाने के लिए कई अन्य पहलें भी की हैं। इन पहलों पर निम्नानुसार चर्चा की गई है :–

- **कारपोरेट सतर्कता विभाग के आईएसओ प्रमाणन का नवीनीकरणः** सतर्कता प्रक्रिया–विधियों और प्रलेखन के मानकों को सुधारने संबंधी प्रयासों को जारी रखते हुए 12 सितम्बर, 2013 को कॉरपोरेट सतर्कता ढांचे की आईएसओ 9001:2008, चरण–II बाह्य लेखा–परीक्षा आयोजित की गई थी। लेखा–परीक्षक ने गेल कॉरपोरेट सतर्कता विभाग के लिए आईएसओ प्रमाण–पत्र की अनुशंसा की। प्रमाणनकर्ता निकाय से दिनांक 08 अक्तूबर, 2013 को आईएसओ प्रमाण–पत्र प्राप्त किया गया जो दिनांक 07 अक्तूबर, 2016 तक वैध है।

- **सत्यनिष्ठा समझौताः** गेल ने ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौता ज्ञापन के एक भाग के रूप में 1 करोड़ रुपए और इससे अधिक मूल्य की निविदा में सत्यनिष्ठा समझौते को भी शामिल किया गया है। पारदर्शिता एवं व्यापक प्रचार–प्रसार के लिए समझौता ज्ञापन और सत्यनिष्ठा समझौता कार्यक्रम की प्रति गेल की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई है जो आम लोगों के लिए उपलब्ध है। सत्यनिष्ठा समझौता कार्यक्रम के एक भाग के रूप में गेल ने स्वतंत्र बाह्य मॉनीटर नियुक्त किए हैं जो सत्यनिष्ठा समझौता कार्यक्रम के कार्यान्वयन की निगरानी तथा विक्रेताओं/ठेकेदारों की शिकायतों का समाधान करने के लिए उत्तरदायी हैं।

- **कर्मचारियों के लिए भ्रष्टाचार-रोधी जागरूकताः** कार्यभार ग्रहण करते समय सभी कर्मचारियों को भ्रष्टाचार–रोधी तंत्र एवं नीतियों के बारे में जागरूक किया जाता है। प्रत्येक वर्ष सभी मुख्य स्थलों पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया जाता है जिसमें कर्मचारी विभिन्न कार्यकलापों में भाग लेते हैं, जो गेल की भ्रष्टाचार रोधी प्रतिबद्धता को नयापन प्रदान करता है। सभी कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के लिए अनुबंध आधार पर कार्यरत कर्मचारियों को सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान विभिन्न कार्यकलापों में भाग लेने के लिए अवार्ड एवं पुरस्कार राशि प्रदान की जाती है।

जीटीआई, नोएडा में संगठन की भ्रष्टाचार रोधी नीतियों और प्रक्रिया–विधियों के संबंध में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वर्ष 2013–14 के दौरान ऐसे दो कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। भारत और विदेशों में बाह्य एजेंसियों द्वारा आयोजित ऐसे कार्यक्रमों में कर्मचारियों को नामित किया गया। इसके अतिरिक्त कर्मचारियों को प्रतिष्ठित वक्ताओं की व्याख्यान श्रृंखला, ऑन–लाइन पहेलियों, निबंध प्रतियोगिता इत्यादि के माध्यम से प्रत्येक वर्ष सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान संगठन की भ्रष्टाचार–रोधी नीतियों एवं प्रक्रिया–विधियों के बारे में अद्यतन जानकारी प्रदान की जाती है।

सभी कारोबारी इकाईयों का कारोबार संबंधी जोखिमों का विश्लेषण सीवीसी दिशा–निर्देशों के अनुसार किया जाता है तथा शिकायतों की जांच, औचक निरीक्षण, आवधिक निरीक्षण, मुख्य कार्यों का निरीक्षण तथा सीटीई प्रकार का निरीक्षण आयोजित किया जाता है।

गैर–प्रतिस्पर्धी व्यवहार

गेल भारत की सबसे बड़ी प्राकृतिक गैस कम्पनी है तथा जिम्मेदार तरीके से कार्य करने संबंधी अपने उत्तरदायित्व को समझती है। इसका अनुपालन करते हुए गेल का लक्ष्य गैर–प्रतिस्पर्धी एवं नैतिक व्यवहार सहित नियमों और विनियमों के अनुसार कार्य करना है। गेल भारत के प्रतिस्पर्धा आयोग के अंतर्गत किसी भी बाजार प्रतिस्पर्धा को सीमित करने वाली प्रक्रिया में शामिल हुए बिना उच्च नैतिक मानकों के अनुरूप कार्य करती है।

गेल के खिलाफ अनुचित व्यापार प्रक्रियाओं, गैर–प्रतिस्पर्धी व्यवहार तथा गैर–न्यासी और एकाधिकार विधान का उल्लंघन करने संबंधी 6 मामले दर्ज करवाए गए हैं। दो मामलों का निर्णय गेल के पक्ष में रहा जबकि 4 मामले लम्बित हैं। गेल के खिलाफ ऐसा कोई भी मामला नहीं है जब संगठन द्वारा नियमों और विनियमों, जिनमें अंतर्राष्ट्रीय घोषणाओं/परम्पराओं/संधियां तथा राष्ट्रीय, उप–राष्ट्रीय, क्षेत्रीय तथा स्थानीय विनियम शामिल हैं, का उल्लंघन करने के लिए प्रशासनिक और न्यायिक संस्वीकृति प्रदान की गई हो; संगठन के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय विवाद तंत्र या राष्ट्रीय विवाद तंत्र का उपयोग करते हुए दर्ज करवाए गए मामलों का निरीक्षण सरकारी प्राधिकारियों द्वारा किया जाता है।

सतत् विकास अभिशासन

सतत् विकास पैरामीटरों संबंधी निर्देश, कार्यान्वयन और प्रगति मॉनीटरिंग के लिए गेल द्वारा एक बेहतर सतत् विकास अभिशासन फ्रेमवर्क तैयार किया गया है जो विभिन्न स्तरों पर कार्य करता है। बोर्ड स्तर पर, सतत् विकास बोर्ड समिति की अध्यक्षता निदेशक (कारोबार विकास) द्वारा की जाती है और अन्य सभी कार्य. रत निदेशक समिति के सदस्य होते हैं। इस समिति ने गेल के अभियानों में सतत् विकास लागू करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान समिति की दो बैठकें हुई और निम्नानुसार कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए :–

- सतत् विकास आकांक्षा, 2020 की समीक्षा करना तथा अतिरिक्त लक्ष्य शामिल करना
- वर्ष 2014 से गेल में एसए 8000 का चरणबद्ध कार्यान्वयन
- आंकड़ा संकलन में सुधार करने के लिए ई–सतत् विकास मॉड्यूल का स्तरोन्नयन तथा नए संकेतक और नई विशेषताओं को लागू करना
- समर्पित ऑन–लाइन डोमेन के माध्यम से सतत् विकास कार्य–निष्पादन के संबंध में स्टेकहोल्डरों के संचार में सुधार करना, जिसमें विभिन्न सतत् विकास पैरामीटर्स पर गेल के कार्य–निष्पादन को दर्शाया जाता है

सतत् विकास समिति

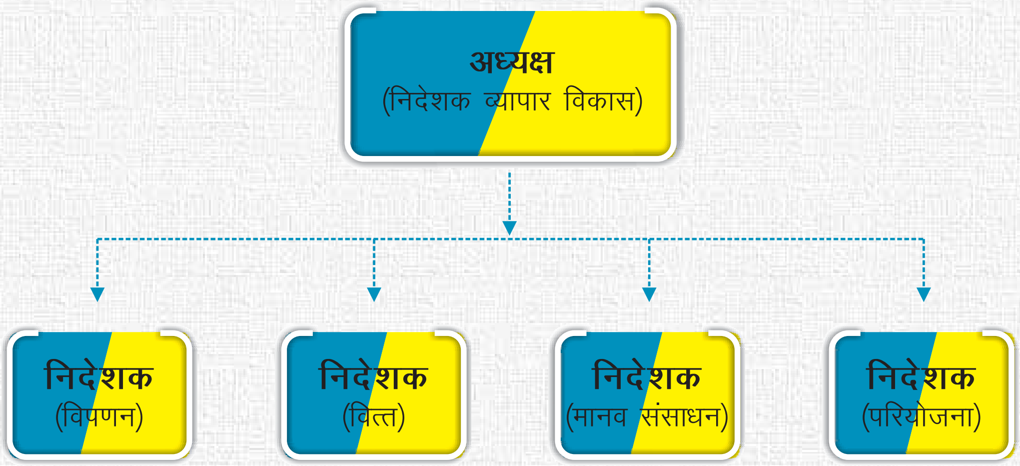

बोर्ड स्तर की समिति के अतिरिक्त, गेल में सतत् विकास संचालन समिति का भी गठन किया गया है, जिसकी अध्यक्षता निदेशक (कारोबार विकास) द्वारा की जाती है तथा विभागाध्यक्ष स्तर के स्वामित्व संबंधी सभी पहलुओं को इसमें शामिल किया जाता है।

गेल में विभिन्न स्थलों पर बहु–विषयक समितियां भी होती हैं जिनकी अध्यक्षता कार्यालय प्रभारियों, पक्ष मालिकों और स्थल समन्वयकों द्वारा की जाती है। इन स्थल विशिष्ट समन्वयकों और पक्ष मालिकों को उनके विशेषज्ञता क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। कारपोरेट कार्यनीति के साथ सतत् विकास को समेकित करने के प्रयोजनार्थ सतत् विकास कोर टीम (जो कारपोरेट योजना विभाग का एक भाग है) कारपोरेट कार्यालय से ही कार्य करती है। वित्त वर्ष 2013–14 में विश्वसनीयता तथा आंकड़ा प्रमाणिकता को और सुदृढ़ करने के लिए गेल स्थलों पर आंतरिक समितियों का गठन किया गया था ताकि संकलित आंकड़ों की क्रॉस चेकिंग/सत्यापन किया जा सके।

सतत् विकास संचालन समिति

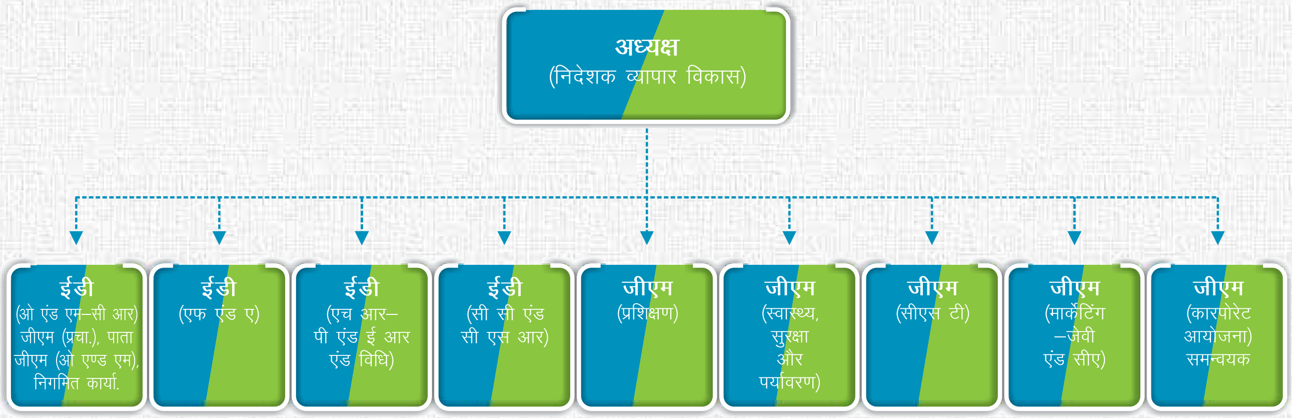

सतत् विकास रणनीति

ऊर्जा सामाजिक–आर्थिक विकास और अर्थव्यवस्था की सुचारु कार्य–प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसलिए ऊर्जा सुरक्षा न केवल भारत के आर्थिक विकास अपितु मानव विकास लक्ष्यों के लिए भी आवश्यक है जिनका उद्देश्य गरीबी, बेरोजगारी उन्मूलन करना तथा मिलेनियम विकास लक्ष्यों (एमडीजी) को पूरा करना है।

'सतत् विकास ऊर्जा एक ऐसा सुनहरा धागा है जो आर्थिक विकास, सामाजिक समानता, स्थिर जलवायु और बेहतर पर्यावरण को आपस में जोड़ता है' – संयुक्त राष्ट्र संघ महासचिव, बान की–मून

गेल देश के सतत् विकास ऊर्जा भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्राकृतिक गैस पारेषण और व्यापार का हमारा मुख्य कारोबार उपभोक्ताओं को स्वच्छ ईंधन उपलब्ध करवाने के अर्थों में अन्य ऊर्जा कम्पनियों से अधिक जवाबदेह है, जबकि हमारे मिशन विवरण के अनुरूप हम राष्ट्र के हित के लिए प्राकृतिक गैस के प्रभावी, आर्थिक एवं सक्षम उपयोग को बढ़ावा देना जारी रखते हैं परंतु हमारी भविष्य की योजनाएं सतत् विकास कारोबार मॉडल, पर्यावरण और समुदाय की देख–रेख पर आधारित है।

इन प्रतिबद्धताओं के अनुरूप हमने पहले ही कम्पनी को विकास के अगले स्तर तक ले जाने के लिए अपनी महत्वाकांक्षाओं और कार्यनीतिक प्राथमिकताओं का निर्धारण किया है। गेल में वर्ष 2011–2020 अवधि के लिए कार्यनीति तैयार की है जिसका वर्तमान में कार्यान्वयन किया जा रहा है तथा कम्पनी विभिन्न कार्यनीतिक पहलों में हुई प्रगति की गहन मॉनीटरिंग करने के साथ ही इसके प्रभाव का विश्लेषण करने के लिए गतिशील परिवेश का विश्लेषण कर रही है।

हमारी वर्तमान कार्यनीति में उपभोक्ताओं को स्वच्छ ऊर्जा स्रोत प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष तौर पर सुलभ कराने के लिए अवसंरचना के विस्तार पर बल दिया गया है। आर्थिक विकास, सामाजिक विकास और पर्यावरणीय संरक्षण के बीच संतुलन कायम रखते हुए हमारी आकांक्षा व्यापक संख्या में शहरों और कस्बों तक पहुंच बनाना है ताकि प्रदूषण फैलाने वाले ईंधन के स्थान पर सीएनजी उपलब्ध कराने के साथ ही घरेलू एवं वाणिज्यिक उपभोक्ताओं के घर तक पीएनजी की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

हमारा प्रयास चरणबद्ध तरीके से कार्बन फुटप्रिंट्स में कमी लाना तथा निम्न कार्बन अर्थव्यवस्था में योगदान करना है। इसके लिए गेल ने अपने नवीकरणीय कारोबारों संबंधी विभागों को सुदृढ़ करने हेतु रणनीतिक पहल की हैं। गेल की योजना आगामी वर्षों में 500 मेगावाट पवन विद्युत क्षमता की स्थापना करना है जिसमें से लगभग 118 मेगावाट क्षमता की स्थापना पहले ही की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त, राजस्थान में एक 5 मेगावाट सौर ऊर्जा परियोजना की भी स्थापना की गई है तथा निकट भविष्य में अतिरिक्त क्षमताओं की भी स्थापना की जाएगी।

नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए हमने अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के साथ सहयोग किया है। इस वर्ष आफ ग्रिड सोलर, पवन एवं अन्य नवीकरणीय ऊर्जा विद्युत परियोजनाओं के कार्यान्वयन हेतु विशेष प्रयोजन संवाहक की स्थापना हेतु दिनांक 25.02.2014 को नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय तथा पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

हम तेल एवं प्राकृतिक गैस लिमिटेड, ऑयल इंडिया लिमिटेड, इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड, भारतीय सौर ऊर्जा निगम, भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी लिमिटेड तथा संयुक्त उपक्रम के अन्य सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों के विशेष प्रयोजन संवाहक का एक भाग बने हैं।

भारत का सबसे युवा महारत्न सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम होने के कारण, गेल समग्र ऊर्जा मिश्रण में स्वच्छ ऊर्जा का भाग बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा प्रयास अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के माध्यम से संसाधन मूल्य को अधिकतम स्तर तक बढ़ाना, संचालन के प्रत्येक स्तर पर ऊर्जा प्रभावशीलता को बढ़ाना तथा सतत् रूप से श्रेष्ठ श्रेणी का कार्य–निष्पादन प्रदान करना है। सुरक्षित और प्रभावी अभियानों के प्रति हमारी निरंतरता हमारा कार्यनीतिक मार्ग–दर्शन करती है तथा हमारा सतत् विकास निष्पादन का नियंत्रण और सतत् सुधार का लम्बा इतिहास रहा है।

रणनीतिक लक्ष्यों को प्रभावी ढंग से प्राप्त करने के लिए मानव संसाधन पूंजी को विकसित और सुदृढ़ करने पर पर्याप्त बल दिया गया है। तदनुसार, भर्ती, प्रशिक्षण और विकास नीतियों को रणनीतिक लक्ष्यों के साथ संरेखित किया जा रहा है ताकि वर्ष 2020 तक रणनीतिक उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सके। गेल को क्षेत्रीय अभिनवता परिषद की सिफारिशों के कार्यान्वयन हेतु एक मुख्य स्टेकहोल्डर के तौर पर मान्यता प्रदान की गई है ताकि इस क्षेत्र में अभिनवता को बढ़ावा दिया जा सके।

जोखिम प्रबंधन

उपक्रम के जोखिम प्रबंधन के अंतर्निहित सिद्धांत में स्टेकहोल्डरों को मूल्य प्रदान करने के लिए संगठन की प्रत्येक संस्था को शामिल किया गया है। सभी संस्थाओं को अनिश्चितता का सामना करना पड़ता है और प्रबंधन की चुनौती स्टेकहोल्डरों का मूल्य बढ़ाते समय अनिश्चितता की मात्रा का निर्धारण करना है। गेल का उपक्रम जोखिम प्रबंधन, प्रबंधकर्ताओं को अनिश्चितताओं तथा सम्बद्ध जोखिम और अवसरों का प्रभावी निपटान करने में सहायक है।

निर्माण प्रक्रिया के दौरान गेल के उपक्रम जोखिम प्रबंधन में सभी पहलुओं को शामिल किया गया था जिनमें विभिन्न प्रकार के जोखिम उनकी घातकता तथा जोखिम को कम करने संबंधी पहलुओं पर विचार किया गया था। संयंत्र/निर्माण स्थलों पर सामाजिक और पर्यावरणीय जोखिम का भी मापन किया गया तथा इन्हें जोखिम उपशमन उपायों के साथ जोखिम मालिकों द्वारा अभिकल्पित जोखिम अवधारणा के अनुसार घातक, मध्यम एवं निम्न के रूप में वर्गीकृत किया गया। कोई भी नया जोखिम/अद्यतन/जोखिम समाप्ति एक सतत् प्रक्रिया है तथा इन पर पहले

स्थल स्तरीय संचालन समिति द्वारा विचार–विमर्श किया जाता है और इसके बाद यदि अपरिहार्य हो तो कारपोरेट तिमाही संचालन समिति की बैठक में इस पर चर्चा की जाती है।

यूनिट स्तर के जोखिम में सामाजिक और पर्यावरणीय जोखिम शामिल होते हैं तथा इनका मापन संबंधित यूनिटों में किए जाने के साथ ही स्थल स्तरीय संचालन समिति के माध्यम से तिमाही आधार पर इनकी मॉनीटरिंग की जाती है, जिनकी अध्यक्षता यूनिट अध्यक्ष द्वारा की जाती है तथा इन्हें उच्च, मध्यम एवं निम्न जोखिम की रेटिंग प्रदान की जाती है। संबंधित यूनिटों द्वारा इनके उपशमन उपायों का सुझाव भी दिया जाता है।

गेल द्वारा पहचाने गए महत्वपूर्ण जोखिमों में शामिल हैं "प्राकृतिक गैस सोर्सिंग जोखिम, मांग जोखिम, ई एंड पी कारोबार जोखिम, परियोजना कार्यान्वयन जोखिम, विदेश व्यापार जोखिम, विनियामक अनुपालन एवं रिपोर्टिंग, नई पाइपलाइन बोली जोखिम, मानव पूंजी कमी जोखिम, सरकारी नीतियों में परिवर्तन संबंधी जोखिम।

गेल में लेखा–परीक्षा समिति में वर्ष में दो बार तथा निदेशक बोर्ड में वार्षिक तौर पर जोखिमों का मूल्यांकन और उपशमन उपायों का मूल्यांकन करने की प्रणाली स्थापित की गई है। वित्त वर्ष 2013–14 के दौरान, संचालन समिति तथा अन्य कारपोरेट स्तर की बैठकों में गेल की जोखिम संरचना नीति के अनुरूप निम्नलिखित जोखिमों की पहचान करते हुए उन पर विचार–विमर्श किया गया:–

- सरकार की नीति में परिवर्तन के दृष्टिगत हमारे कारोबार की लाभकारिता से जुड़े हुए जोखिम।
- गैस एवं पेट्रोकेमिकल उत्पादों के विपणन से जुड़े हुए जोखिम।
- डाऊनस्ट्रीम बाजार, पाइपलाइन अवसंरचना आपूर्ति श्रंखला प्रणाली तथा एसपीए प्रतिबद्धताओं के अनुरूप पुनः गैसीकरण सुविधाओं के विकास से जुड़े हुए जोखिम।
- विलम्बित महत्वपूर्ण कार्यकलापों से जुड़े हुए जोखिम।
- पाइपलाइनों के पुराने पड़ने और पाइपलाइनों की यांत्रिक सक्षमता सुनिश्चित करने से जुड़े हुए जोखिम।

जोखिम उपशमन एक सतत् प्रक्रिया है तथा परिसम्पत्ति मालिकों / जोखिम मालिकों नामतः विपणन, व्यापार विकास, परियोजना विभाग और ओएंडएम द्वारा उनके द्वारा परिकल्पित जोखिम अवधारणा के आधार पर इनका विकास / कार्यान्वयन किया जाता है।

सतत् विकास आकांक्षा 2020

प्राथमिक ऊर्जा प्रदाता होने के कारण तेल एवं गैस क्षेत्र की राष्ट्रीय और वैश्विक आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका है। हालांकि, इसके साथ ही यह चूंकि मुख्यतः जीवाश्म ईंधन पर निर्भर है, जिसकी वजह से यह ग्रीन हाऊस गैसों का सबसे बड़ा उत्सर्जक भी है और पर्यावरणीय सतत् विकास के प्रति इसकी बड़ी जिम्मेदारी बनती है। गेल इस बात को महसूस करता है कि जलवायु परिवर्तन जोखिमों का समाधान करने में आगे बड़ी चुनौतियां और अवसर हैं। इनमें जीएचजी उत्सर्जन कम करना तथा नए और गैर–परम्परागत ऊर्जा स्रोतों का अन्वेषण शामिल है। भारत की ऊर्जा मांग को पूरा करने के साथ ही इन प्रयासों को जारी रखे जाने की आवश्यकता है।

उद्योग में वृहद सतत् विकास मानकों को निर्धारित करने के प्रयास में गेल ने सतत् विकास आकांक्षा 2020 के रूप में स्वैच्छिक तौर पर सतत् विकास लक्ष्य स्वीकार करते हुए एक कदम आगे बढ़ाया है। इन महत्वपूर्ण लक्ष्यों में जीएचजी उत्सर्जन गहनता में कमी करना, विशिष्ट ऊर्जा उपभोग में कमी, जल उपभोग गहनता में कमी, जलीय पुनर्चक्रण में बढ़ोतरी तथा कर्मचारियों के बीच सतत् विकास के प्रति अधिक जागरूकता पैदा करना शामिल है।

सतत् विकास आकांक्षा 2020

जीएचजी उत्सर्जन गहनता में कमी (क्षेत्र 1 और क्षेत्र 2)	आधार वर्ष (वित्त वर्ष 2010–2011) की तुलना में जीएचजी उत्सर्जन गहनता (कुल जीएचजी उत्सर्जन/सकल विक्रय) में 33 प्रतिशत की कमी **लक्ष्य : 50.8 टीसीओ2 ई/करोड़**
कार्य योजना	⏩ सौर एवं पवन विद्युत जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना ⏩ अभियानों और विकास के माध्यम से उत्सर्जन कम करने के लिए प्रक्रिया को इष्टतम स्तर तक ले जाना ⏩ जीएचजी उत्सर्जन में कमी करने के लिए अभिनव समाधानों हेतु अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देना

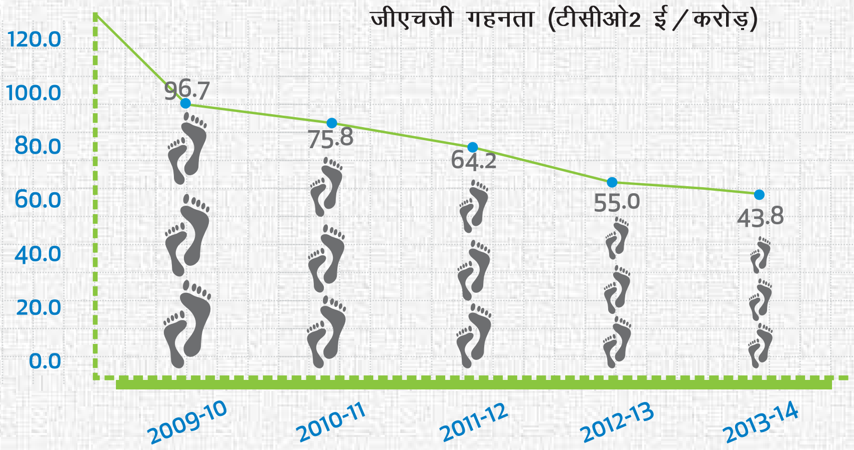

ऊर्जा दक्षता	आधार वर्ष (वित्त वर्ष 2010–11) की तुलना में विशिष्ट ऊर्जा उपभोग में 5 प्रतिशत की कमी लक्ष्य: 13.5 जीजे/एमटी
कार्य-योजना	⏩ अधिक ऊर्जा दक्षता प्राप्त करना ⏩ स्थलों पर संकेन्द्रित ऊर्जा लेखा–परीक्षाएं तथा अधिकतम उपभोग प्राप्त करने के लिए समेकित प्रबंधन प्रणालियों का लाभ उठाना

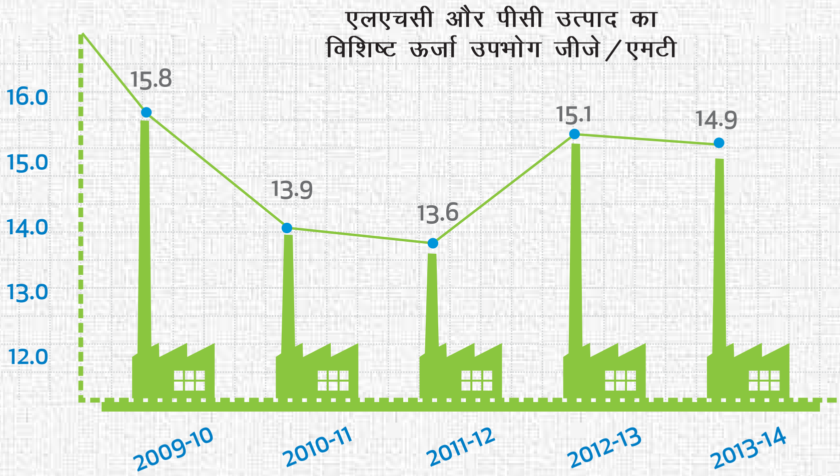

स्वच्छ जल उपभोग और अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण	⏩ आधार वर्ष (वित्त वर्ष 2010–2011) की तुलना में स्वच्छ जल उपभोग गहनता (कुल जल उपभोग / सकल विक्रय) में 45 प्रतिशत की कमी ⏩ **लक्ष्य** : 230.9 एम3 / करोड़ ⏩ आधार वर्ष (वित्त वर्ष 2010–11) के मौजूदा स्तर 45 प्रतिशत की तुलना में अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण में 5 प्रतिशत की वृद्धि ⏩ **लक्ष्य** : 50.2 प्रतिशत
कार्य-योजना	⏩ स्थलों पर वर्षा जल संरक्षण को बढ़ावा देना ⏩ यूनिट परिसर में उपयोग न किए गए बहिःस्राव की उपयोगिता ⏩ जल क्षति और रिसाव में कमी करना

जल उपभोग गहनता (एम³ / करोड़)

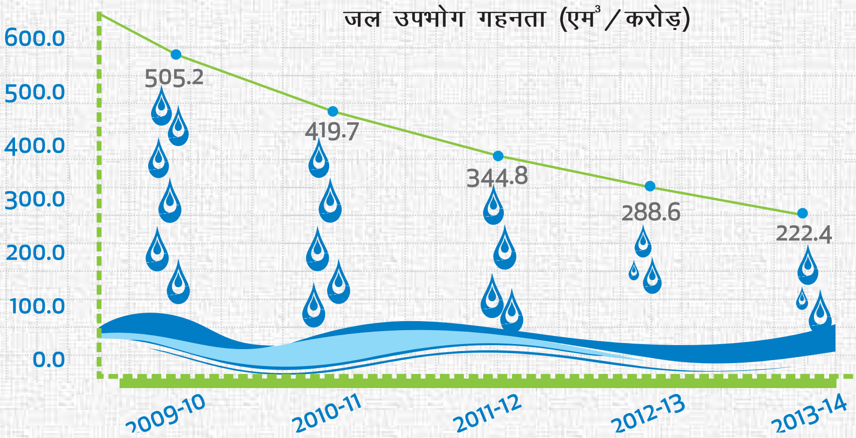

रिसाइकल अपशिष्ट जल
(उत्पादित अपशिष्ट जल का प्रतिशत)

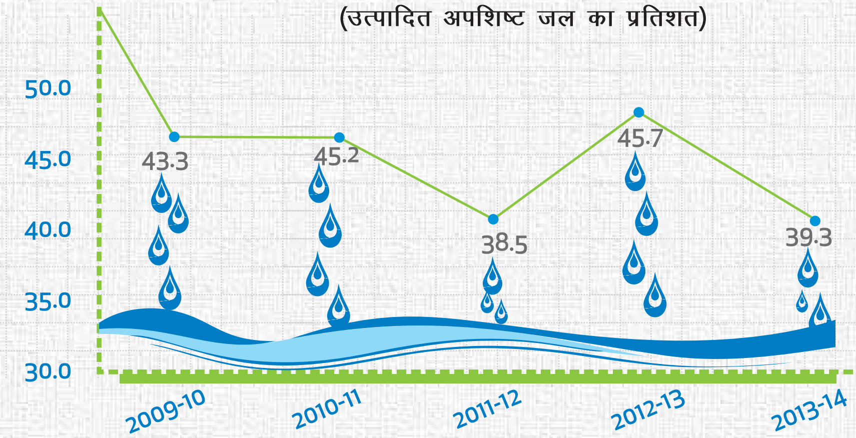

सतत् विकास के बारे में जागरूकता	हमारे 100 प्रतिशत कर्मचारियों को सतत् विकास के बारे में जागरूक किया जाएगा; वित्त वर्ष 2013–14 तक 37 प्रतिशत से भी अधिक कर्मचारियों को सतत् विकास जागरूकता लक्ष्य के दायरे में शामिल किया गया था।
कार्य-योजना	⏩ सभी नए कर्मचारियों के प्रवेश प्रशिक्षण के दौरान सतत् विकास और संबंधित अवधारणाओं की जानकारी प्रदान करना। ⏩ सतत् विकास के बारे में प्रशिक्षण को हिन्दी पखवाड़ा और अन्य ऐसे कार्यक्रमों के दौरान जागरूकता प्रश्नोत्तरी के साथ ही कर्मचारियों के वार्षिक प्रशिक्षण कैलेंडर में शामिल किया जाना।

स्टेकहोल्डरों को शामिल करना और इसका महत्व

बदलते कारोबार आयामों के साथ किसी कम्पनी के कार्य–निष्पादन का मूल्यांकन परम्परागत वित्तीय पैमानों के अतिरिक्त इस पहलू के आधार पर भी किया जाता है कि वह अपने स्टेकहोल्डरों के लिए दीर्घकालिक मूल्य सृजित करने की दिशा में आर्थिक, सामाजिक, पर्यावरणीय एवं नैतिक पहलुओं का प्रबंध कैसे करती है। गेल में, हम हमारे स्टेकहोल्डरों के लिए प्रतिबद्ध रहते हैं जिसका उद्देश्य पारदर्शी और जवाबदेह तरीके से विकास करना है। हमारे स्टेकहोल्डरों की प्रतिबद्धता और सहभागिता प्रक्रिया हमें निर्णय लेने की प्रक्रिया में सतत् विकास को शामिल करने जैसे मुद्दों पर फोकस करने में सहायता प्रदान करती है।

स्टेकहोल्डरों की शामिल करना

पिछले कुछ वर्षों में गेल के स्टेकहोल्डरों को शामिल करने की प्रक्रिया का विकास केवल एक जिम्मेदार कम्पनी से अपने स्टेकहोल्डरों के लिए मूल्य सह–सृजित करने के लिए एक सहयोग आधारित मॉडल के तौर पर हुआ है। इससे बेहतर स्टेकहोल्डर प्रतिबद्धता प्रणाली का विकास हुआ है। इनमें से कुछ प्रक्रियाएं (आवधिक, मध्यवर्ती और सतत् कार्य) स्टेकहोल्डर विशिष्ट हैं जबकि अन्य सामान्य स्वरूप की हैं।

गेल में स्टेकहोल्डर को शामिल करना और इसके महत्व की पहचान

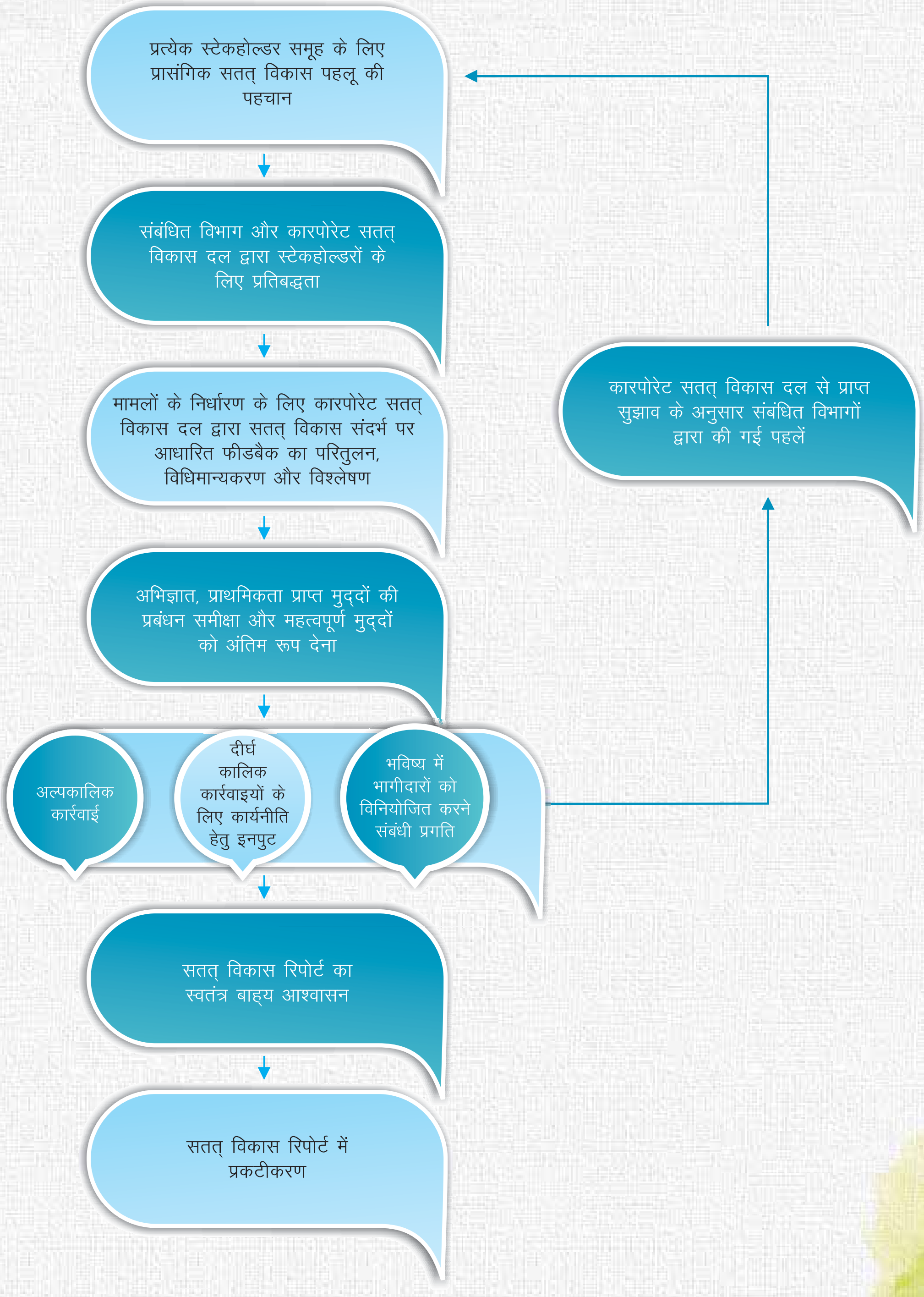

रिपोर्ट की अवधि के दौरान स्टेकहोल्डरों ने कर्मचारियों, पूर्तिकर्ताओं, ग्राहकों, गैर–सरकारी संगठनों, समुदायों, निवेशकों, मीडिया, औद्योगिक निकायों और सरकारी विनियामक एजेंसियों के साथ बातचीत की थी।

कर्मचारी

स्टेकहोल्डर समूह का महत्व	हम अपने कर्मचारियों को हमारी अमूल्य निधि मानते हैं और उत्कृष्ट परिणामों के लिए उनसे सतत् रूप से बातचीत करते हैं।
सम्पर्क दल	मानव संसाधन विकास, निगमित प्रचालन एवं अनुरक्षण, स्वास्थ्य सुरक्षा और पर्यावरण विभाग, सतत् विकास दल।
सम्पर्क की आवृति	वार्षिक, त्रैमासिक, मासिक, दैनिक
सम्पर्क की पद्धति	संतोषजनक सर्वेक्षण, शिकायत निवारण, सुझाव योजना, सीएमडी द्वारा आम बैठक, सतत् विकास सर्वेक्षण, विभिन्न समितियां, ई–मेल, पत्र–पत्रिकाएं, कर्मचारी एसोसिएशनों व संघों के साथ बैठकें, गेल दिन मनाने सहित विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम, खेल प्रतियोगिता, स्वास्थ्य अभियान चलाना आदि।
कठिनाइयों, प्रत्यक्ष अनुभूतियों के समाधान, सलाह एवं सुझावों के लिए की गई मुख्य पहलें	▸▸ गेल के व्यापार लक्ष्यों, मूल्यों और सिद्धांतों के संबंध में संसूचना ▸▸ मुख्य परियोजनाओं के संबंध में कार्रवाई योजना ▸▸ उत्तम प्रक्रियाओं का कार्यान्वयन ▸▸ प्रशिक्षण और विकास को सुविधाजनक बनाना ▸▸ मुख्य निष्पादन सूचकों को और कार्य योजनाओं को अपनाना ▸▸ कठिनाइयों को समझना और उनका समाधान करना ▸▸ नए विचार सुझाना, बांटना और जानकारी प्राप्त करना

आपूर्तिकर्ता

स्टेकहोल्डर समूह का महत्व	गेल का मुख्य कारोबार गैस का पारेषण करना है जिसके लिए कम्पनी को पूर्तिकर्ताओं के साथ सतत् आधार सम्पर्क बनाए रखना अति महत्वपूर्ण है। पूर्तिकर्ता के साथ पारदर्शी संबंध होने से कम्पनी को जोखिम को कम करने में और अवसर खोजने में सहायता मिलती है। इससे हमारी सप्लाई चेन और आयोजना में भी सहायता मिलती है।
सम्पर्क दल	संविदा और प्रापण विभाग, परियोजना विभाग
सम्पर्क की आवृति	वार्षिक, त्रैमासिक, मासिक, दैनिक
सम्पर्क की पद्धति	पूर्तिकर्ताओं के साथ बैठकें, ई–मेल, बैठक
कठिनाइयों, प्रत्यक्ष अनुभूतियों के समाधान, सलाह एवं सुझावों के लिए की गई मुख्य पहलें	▸▸ प्रतिवर्ती नीलामी ▸▸ बिल निगरानी प्रणाली ▸▸ फाइल संचलन प्रणाली ▸▸ ई–निविदाएं जारी करना

ग्राहक

स्टेकहोल्डर समूह का महत्व	गेल अपने ग्राहकों को संवृद्धि में भागीदार मानती है और सेवाओं तथा उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए उनके साथ कार्य करता है। कम्पनी ने ग्राहकों की चिंताओं का कारगर समाधान करने हेतु ऑनलाइन ग्राहक सुझाव प्रणाली भी विकसित की है।
सम्पर्क दल	विपणन विभाग, कुल गुणवत्ता प्रबंधन विभाग
सम्पर्क की आवृति	वार्षिक, त्रैमासिक
सम्पर्क की पद्धति	ग्राहक परस्पर बातचीत बैठकें, ग्राहक फीडबैक
कठिनाइयों, प्रत्यक्ष अनुभूतियों के समाधान, सलाह एवं सुझावों के लिए की गई मुख्य पहलें	▸▸ **ग्राहक सुझाव बॉक्स :** ग्राहकों की आवश्यकताओं को समझना, प्रचालनात्मक कठिनाइयों को हल करना और नए उत्पाद विकास पर फीडबैक प्राप्त करना। ▸▸ **ग्राहक संतुष्टि सूचकांक :** उनकी संतुष्टि स्तरों को समझना। ▸▸ **ग्राहक खाता बही :** पारदर्शी संव्यवहारों के लिए।

समुदाय

स्टेकहोल्डर समूह का महत्व	समुदाय हमारे लिए महत्वपूर्ण स्टेकहोल्डर है क्योंकि ये समुदाय हमें कार्य करने के लिए सामाजिक लाइसेंस प्रदान करते हैं। हमने समुदाय के कारगर विकास के लिए एक सीएसआर नीति विकसित की है।
सम्पर्क दल	कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग
सम्पर्क की आवृति	वार्षिक, त्रैमासिक, मासिक, दैनिक, आवश्यकता आधारित
सम्पर्क की पद्धति	सामुदायिक बैठकें, परियोजना बैठकें, वार्षिक समीक्षाएं
कठिनाइयों, प्रत्यक्ष अनुभूतियों के समाधान, सलाह एवं सुझावों के लिए की गई मुख्य पहलें	▸▸ सामाजिक उत्तरदायित्व पहलों/परियोजनाओं का कार्यान्वयन ▸▸ गंभीर घटनाओं संबंधी उनकी चिंताओं को समझना और उनका समाधान करना

निवेशक

स्टेकहोल्डर समूह का महत्व	निवेशक कम्पनी के कार्यों का वित्त–पोषण करके कम्पनी में मुख्य भूमिका अदा करते हैं और इस प्रकार के आंशिक स्वामित्व प्राप्त करते हैं। इस आधार पर वे अत्यधिक महत्वपूर्ण स्टेकहोल्डर बन जाते हैं। गेल निवेशकों के अधिकारों को महत्व देती है और विभिन्न माध्यमों के द्वारा उन्हें विभिन्न गतिविधियों से सूचित किया जाता है। इनमें से एक माध्यम कम्पनी की वेबसाइट है जिसमें एक खण्ड़ पूर्ण रूप से निवेशकों के लिए समर्पित किया गया है।
सम्पर्क दल	**संस्थागत निवेशकों तथा विश्लेषकों के लिए :** वित्त तथा लेखा **खुदरा निवेशकों के लिए :** कम्पनी सचिवालय
सम्पर्क की आवृति	वार्षिक/त्रैमासिक/जब कभी आवश्यक हो
सम्पर्क की पद्धति	वार्षिक आम बैठकें, निवेशकों के साथ बैठकें, निवेशकों के सम्मेलन, सम्मेलन बुलाना, वित्तीय सूचना देने के लिए वेबसाइट की व्यवस्था
कठिनाइयों, प्रत्यक्ष अनुभूतियों के समाधान, सलाह एवं सुझावों के लिए की गई मुख्य पहलें	▸▸ कम्पनी के मूल्यों, कारोबार योजना, कार्यनीति, जोखिमों, संवृद्धि संभावनाओं, आदि की स्पष्ट सूचना देना ▸▸ पूर्व अवधि की तुलना में कम्पनी के कार्य–निष्पादन का विशेष रूप से उल्लेख करना ▸▸ निवेश करने वाले समुदाय को उन बातों से अवगत कराना जो निवेशकों द्वारा अपने धन का निवेश करने के लिए कम्पनी को विलक्षण बनाती हैं ▸▸ भविष्य की चुनौतियों के संबंध में निवेशकों की चिंताओं का समाधान करना

मीडिया

स्टेकहोल्डर समूह का महत्व	आज के सुसम्बद्ध विश्व में मीडिया समाज में राय निर्धारणकर्ता की भूमिका अदा करता है। इसके अलावा मीडिया विभिन्न चैनलों के माध्यम से अन्य भागीदारों के साथ सूचना के आदान–प्रदान में व्यापारियों की सहायता भी करता है।
सम्पर्क दल	निगमित संचार विभाग
सम्पर्क की आवृति	आवश्यकता आधार पर
सम्पर्क की पद्धति	प्रेस से बातचीत, साक्षात्कार
कठिनाइयों, प्रत्यक्ष अनुभूतियों के समाधान, सलाह एवं सुझावों के लिए की गई मुख्य पहलें	▸▸ संबंध बनाना ▸▸ कार्य–निष्पादन संबंधी विशिष्ट बातों और कमी को उजागर करने वाली बातों का मूल्यांकन करना ▸▸ मुख्य सेक्टरल परिवर्धनों पर दृष्टिकोण

उद्योग निकाय

स्टेकहोल्डर समूह का महत्व	औद्योगिक संघ व्यापार वर्ग को अपनी चिंताओं को उजागर करने, अपनी बेहतर प्रक्रियाओं को प्रस्तुत करने, ज्ञान को बांटने और एक–दूसरे के साथ सहयोग करने का अवसर प्रदान करते हैं। गेल मुख्य उद्योग संघों जैसे सीआईआई, फिक्की, पीएचडी वाणिज्य मंडल, जीआरआई फोकल प्वाइंट इंडिया, टेरी–बीसीएसडी आदि की सदस्य है।
सम्पर्क दल	कॉरपोरेट योजना, विपणन, व्यापार विकास आदि जैसे विभिन्न विभाग
सम्पर्क की आवृति	आवश्यकता पर आधारित
सम्पर्क की पद्धति	संगोष्ठियां, सम्मेलन उद्योग एक्सपो, साक्षात्कार
कठिनाइयों, प्रत्यक्ष अनुभूतियों के समाधान, सलाह एवं सुझावों के लिए की गई मुख्य पहलें	▸▸ शेयर निष्पादन डाटा ▸▸ मुख्य निर्णयों और परियोजनाओं की सूचना ▸▸ सम्मेलनों और संगोष्ठियों में भाग लेना ▸▸ लोक नीति का समर्थन करना

सरकारी नियामक निकाय

स्टेकहोल्डर समूह का महत्व	सरकार तथा अन्य विनियामक एजेंसियां इस बात की जानकारी देने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती हैं कि समग्र विश्व में व्यापार किस प्रकार किया जाता है। यह जानकारी करों, विनियामक तथा अन्य नीतियों के रूप में, व्यापार के लिए एक संतुलित बाजार की व्यवस्था करने, पूंजी तथा अन्य प्रक्रियाओं को सुगमता से उपलब्ध कराने के रूप में दी जाती है। गेल सभी कानूनों और विनियमों का उच्च प्राथमिकता के साथ पालन करती है।
सम्पर्क दल	विनियामक कार्य विभाग, विधि विभाग, कारपोरेट आयोजना विभाग, सम्पर्क एवं संसदीय कार्य विभाग, कम्पनी का सचिवालय
सम्पर्क की आवृति	वार्षिक, त्रैमासिक
सम्पर्क की पद्धति	समझौता ज्ञापन, तिमाही प्रगति रिपोर्ट, आम बैठक सत्र, सुनवाई तथा अन्य बैठकें। पीएनजीआरबी द्वारा यथा–अपेक्षित विभिन्न विनियामक मामलों पर पीएनजीआरबी के लिखित विचार/टिप्पणियां।
कठिनाइयों, प्रत्यक्ष अनुभूतियों के समाधान, सलाह एवं सुझावों के लिए की गई मुख्य पहलें	▸▸ संबंध बनाना ▸▸ एमओयू के जरिए कार्य–निष्पादन मूल्यांकन ▸▸ प्रगति रिपोर्टें प्रस्तुत करना ▸▸ मुख्य निवेश योजनाओं पर विचार–विमर्श

स्टेकहोल्डर सम्पर्क और परिणाम – वित्त वर्ष 2013–14

गेल स्टेकहोल्डरों के साथ सम्पर्क बनाए रखता है ताकि उनकी अपेक्षाओं, चिंताओं की जानकारी और कम्पनी के लिए महत्वपूर्ण सतत् विकास संबंधी विभिन्न पहलुओं पर उनके विचार प्राप्त कर सकें। इस संबंध में प्रत्येक महत्वपूर्ण स्टेकहोल्डर समूह अर्थात् कर्मचारी, समुदाय/गैर–सरकारी संगठन, ग्राहक और पूर्तिकर्ता के लिए सतत् विकास संबंधी मुख्य मुद्दों की पहचान जोखिम और अवसरों, समकक्ष समीक्षा, क्षेत्र में भविष्य की चुनौतियों, कानूनों एवं विनियमों, संगठन के लिए रणनीतिक महत्व के मुद्दों, प्रचालनात्मक प्रबंधन, आदि के आधार पर की गई थी। इन अभिज्ञात सतत् विकास संबंधी मुद्दों के महत्व, जहां तक गेल के लिए उपयोज्य है, को भिन्न स्टेकहोल्डर समूहों के प्रत्यक्ष ज्ञान को समन्वित करने हेतु सम्पर्क की उपर्युक्त पद्धतियों के जरिए समझा गया है। गेल के लिए इन मुख्य मुद्दों के महत्व को दर्शाने के लिए एक्स अक्ष के साथ–साथ प्रत्येक समूह में स्टेकहोल्डरों की प्रतिशतता और वाई अक्ष के साथ–साथ अभिज्ञात किए गए मुद्दों को शामिल करते हुए निम्नलिखित आलेख दिए जाते हैं :–

गेल के लिए मुख्य मुद्दों का महत्व – कर्मचारियों द्वारा वर्गीकृत (एन=1485)

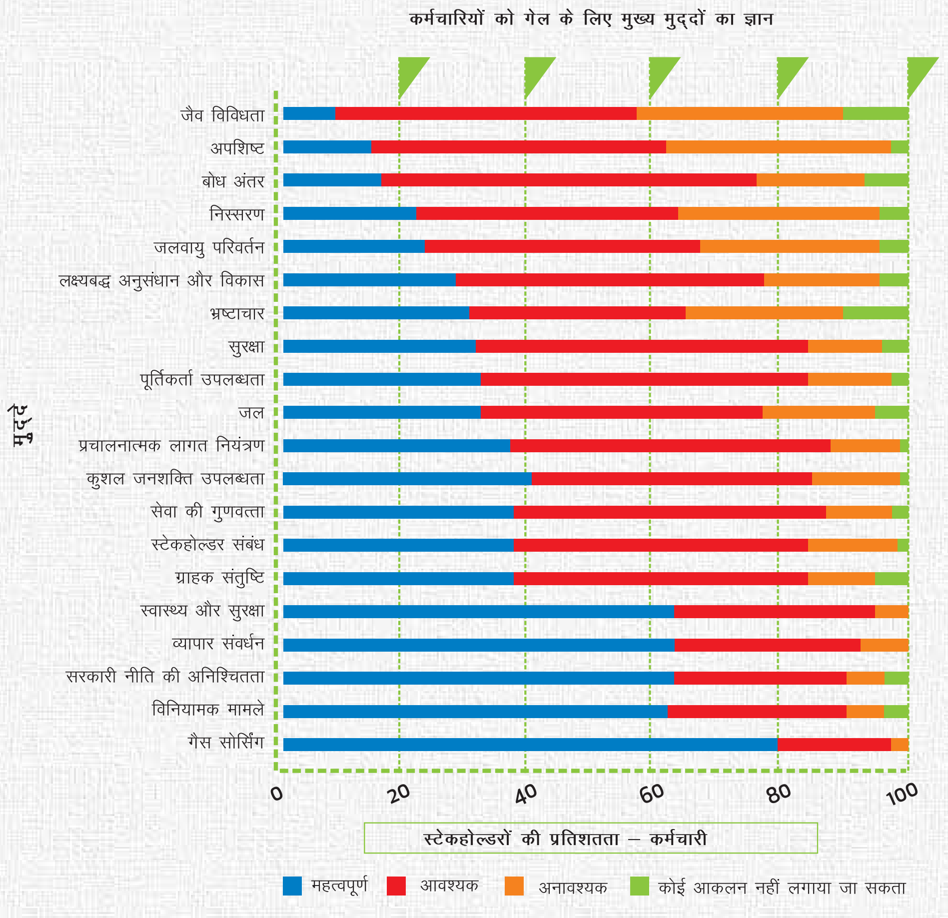

कर्मचारियों द्वारा महसूस किए गए अनुसार गेल के लिए 3 अधिकतम महत्वपूर्ण मुद्दे गैस स्रोत, विनियामक मुद्दे और सरकार की नीति में अनिश्चितता हैं।

गेल के लिए मुख्य मुद्दों का महत्व – समुदायों/एनजीओ द्वारा वर्गीकृत (एन=3)

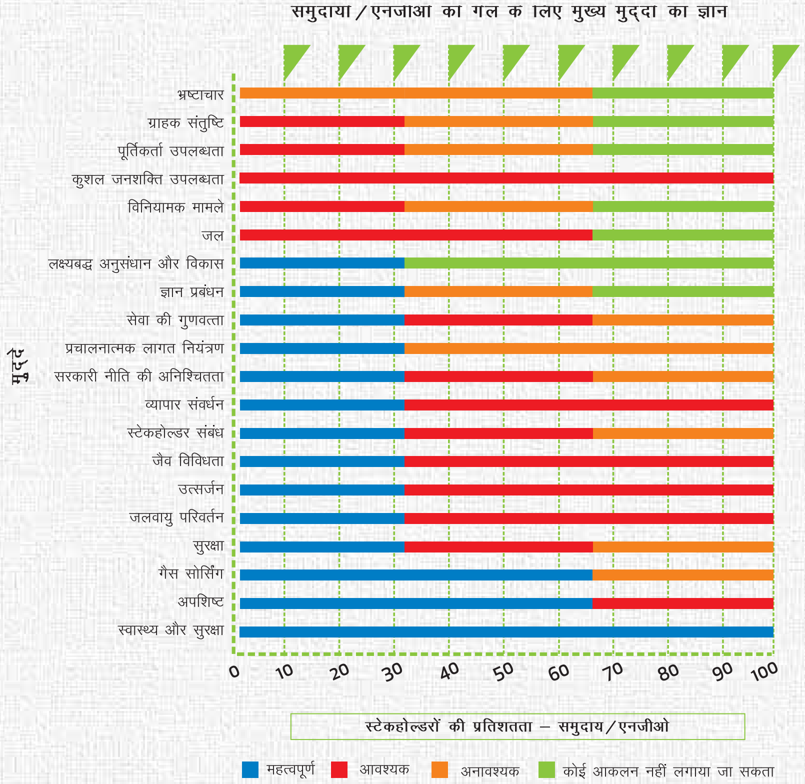

समुदायों/एनजीओ द्वारा महसूस किए गए अनुसार गेल के लिए 3 अधिकतम महत्वपूर्ण मुद्दे स्वास्थ्य और सुरक्षा, अपशिष्ट और गैस स्रोत हैं।

गेल के लिए मुख्य मुद्दों का महत्व – ग्राहकों द्वारा वर्गीकृत (एन=2)

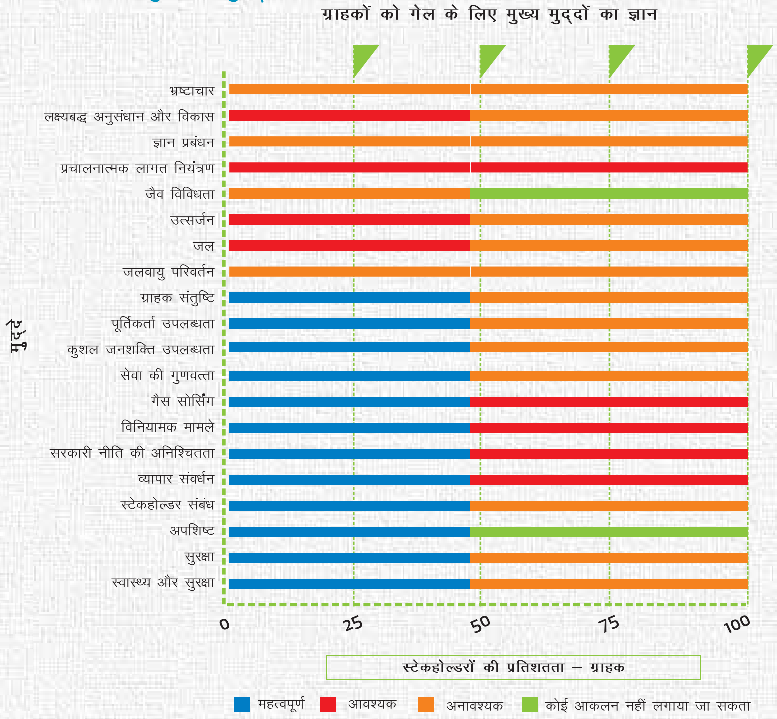

ग्राहकों द्वारा महसूस किए गए अनुसार गेल के लिए 4 अधिकतम महत्वपूर्ण मुद्दे व्यापार संवर्धन, सरकार की नीति में अनिश्चितता, विनियामक मुद्दे और गैस स्रोत हैं।

गेल के लिए मुख्य मुद्दों का महत्व – आपूर्तिकर्ताओं द्वारा वर्गीकृत (एन=10)

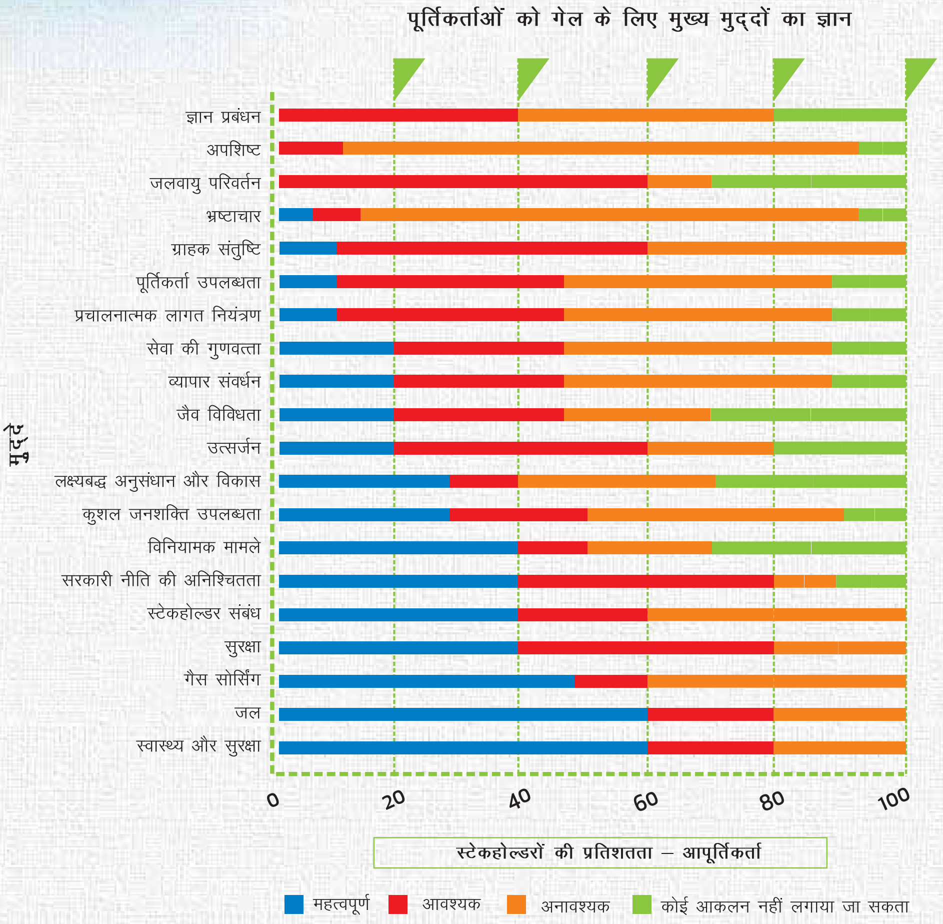

आपूर्तिकर्ताओं द्वारा महसूस किए गए अनुसार गेल के लिए 3 अधिकतम महत्वपूर्ण मुद्दे स्वास्थ्य और सुरक्षा, जल और गैस स्रोत हैं।

वस्तुपरकता

ऊपर दर्शाए गए अनुसार स्टेकहोल्डर विभिन्न समूहों के साथ सम्पर्क के जरिए पता लगाए महत्वपूर्ण मुद्दों का सतत् विकास की दृष्टि से गेल के लिए उन अत्यावश्यक मुद्दों का निर्धारण करने के लिए उपयोग किया जाता है जो गेल के लिए 'वस्तुपरक मुद्दे' हैं। वस्तुपरक मुद्दों को अंतिम रूप देने के लिए गेल के वरिष्ठ प्रबंधन के साथ बातचीत की गई थी ताकि उनके दृष्टिकोण की जानकारी प्राप्त की जा सके और गेल के सतत् विकास को बनाए रखने के लिए कार्य योजना बनाई जा सके। स्टेकहोल्डरों की चिंताओं (जिनका पूर्ववर्ती खण्ड में उल्लेख किया गया है) के प्रति वरिष्ठ प्रबंध के दृष्टिकोण को जानने के परिणामस्वरूप गेल के वस्तुपरक आधारिक संरचना तैयार की गई। आधारिक संरचना एक्स अक्ष के साथ–साथ गेल के लिए महत्व को और वाई अक्ष के साथ–साथ स्टेकहोल्डरों के लिए महत्व को मद्देनजर रखते हुए तैयार की गई है ताकि उन मुद्दों, जो स्टेकहोल्डरों और गेल, दोनों के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं की वस्तुपरक मुद्दों के रूप में पहचान की जा सके।

गेल की वस्तुपरक आधारित संरचना :

कर्मचारियों, ग्राहकों, पूर्तिकर्ताओं, समुदायों/गैर–सरकारी संगठनों और वरिष्ठ प्रबंधन से प्राप्त फीडबैक पर आधारित

हमने गेल द्वारा अभिज्ञात वस्तुपरक मुद्दों और इन मुद्दों पर की जा रही कार्रवाई/आयोजित कार्रवाई को निम्नलिखित खण्ड में पारदर्शित रूप में वर्णित करने का प्रयास किया है।

गैस सोर्सिंग और विपणन

फोकस को सोर्सिंग के स्थान पर प्राप्त की गई गैस को लाभ के वांछनीय स्तर पर और अंतिम स्थान पर पहुंच को सुनिश्चित करते हुए कुशलतापूर्वक और कारगर रूप से विपणन पर केन्द्रित किया गया है। एक वर्ष पहले तक गेल के प्रचालनों में केवल गैस सोर्सिंग पर बल दिया जा रहा था। तथापि, हाल में हुए परिवर्तनों अर्थात बहुत से अंतर्राष्ट्रीय प्रचालकों के साथ दीर्घकालिक संविदाओं को सम्पन्न करने पर यह महसूस किया गया कि गेल के लिए गैस सोर्सिंग और विपणन, दोनों ही वस्तुपरक मुद्दे बन गए हैं।

हमारी पहुंच को बढ़ाने के लिए इस वर्ष हमने लगभग 5.55 एमएमएससीएमडी प्राकृतिक गैस की आपूर्ति करके ग्राहकों के 66 सदस्यों तक अपनी कनेक्टिविटी को बढ़ाया है। यह ध्यान देने योग्य है कि ये ग्राहक मध्यम और छोटे स्तर के विनिर्माण उद्यम श्रेणी के हैं जो पहले महंगे और अधिक प्रदूषण युक्त तरल ईंधन पर आश्रित थे, जिससे प्राकृतिक गैस को अपनाने के उपरांत जीएचजी उत्सर्जन में कमी आई है। ये उद्यम अर्थव्यवस्था के लिए बड़े नियोजन सृजक भी हैं और प्राकृतिक गैस को अपनाने से उनकी प्रतिस्पर्धा में भी बढ़ोतरी होगी। इसके अलावा हमने अपने ग्राहकों की दिन–रात आपूर्ति करने की दृष्टि से प्राकृतिक गैस और एलपीजी पाइपलाइन प्रणाली के द्वारा निरंतर उपलब्धता के बनाए रखने के अपने एमओयू लक्ष्य को सफलतापूर्वक प्राप्त किया है।

सरकारी नीति में अनिश्चितता

भारत में संकार्यों को अलग–अलग निर्धारित न करने, कार्बन कर प्रणाली तथा अन्य आसन्न विनियमों से संबंधित भविष्य में नीति परिवर्तनों की परिकल्पना करते हुए सरकारी नीति में अनिश्चितता प्रदर्शित होती है जो कि गेल के लिए एक अर्थपूर्ण मुद्दा है। सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम होने के नाते, सरकारी नीतियों और विनियमों का कारोबार और संकार्यों पर प्रभाव पड़ता है। संकार्यों को अलग–अलग न करने तथा जीएचजी निस्सरण विनियम प्रणाली को कार्यान्वित करने के संबंध में सरकार के रवैये से गेल के व्यापार पर प्रभाव पड़ सकता है।

संकार्यों को अलग–अलग करने में प्राकृतिक गैस का उत्पादन करने वाली कम्पनियों को बाजार में इसकी सप्लाई करने वाली कम्पनियों से अलग करना शामिल है। इससे गेल के उच्चतम स्तर पर काफी अधिक विस्तार होगा। संकार्यों के दौरान जीएचजी उत्सर्जन को नियंत्रित करने के संबंध में विनियम लागू करने हेतु स्वच्छ प्रौद्योगिकियों/या ऊर्जा के

वैकल्पिक स्रोतों में बड़ी मात्रा में निवेश की आवश्यकता होगी, इन दोनों का कम्पनी के वित्तीय कार्य–निष्पादन पर प्रभाव पड़ेगा। पीएटी स्कीम और आरईसी के लागू होने पर ऐसे विनियम के भारत में अल्पकाल में ही कार्यान्वित किए जाने की अत्यधिक संभावना है।

विभिन्न मुद्दों के संबंध में नीति निर्धारण और उद्योग का दृष्टिकोण प्राप्त करने में सक्रिय भूमिका अदा करने की दृष्टि से हम विभिन्न संगठनों से सम्पर्क बनाए रखे हुए हैं। गेल सीआईआई, फिक्की, पेट्रोफेड, टेरी–बीसीएसडी, जीआरआई एफपी इंडिया, जीसीएनआई आदि जैसे विभिन्न औद्योगिक संघों का सक्रिय सदस्य है। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी), गेल पेट्रोलियम फेडरेशन ऑफ इंडिया के शासी परिषद के सदस्य हैं। पेट्रोफेड भारत में ऑयल उद्योग के लिए एक सुविधाप्रदाता के रूप में कार्य करता है। यह सरकारों, समन्वय विनियामक एजेंसियों तथा पेट्रोलियम उद्योग में अन्य प्रतिनिधिक निकायों के साथ उद्योग से संबंधित अन्य मामलों के साथ–साथ संसाधनों के अनुकूलतमीकरण, एकीकृत प्रयास, सुरक्षा में सुधार करने, स्वस्थ वातावरण ऊर्जा संरक्षण जैसे मुद्दों पर कार्य करने में समन्वय करता है। इसके अलावा हमने आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत संशोधन के बारे में, विशेष रूप से सीएसआर व्यय के लिए कटौती की अनुमति देने के संबंध में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय को नए कम्पनी अधिनियम, 2013 पर अपने विचारों को प्रस्तुत किया है।

विनियामक मुद्दे

टैरिफ में कमी से संबंधित विनियामक अपेक्षाओं का समाधान करना गेल के लिए एक वस्तुपरक मुद्दा है। विकसित देशों की तुलना में भारत में प्राकृतिक गैस का बाजार अभी भी प्रारंभिक अवस्था में है। चूंकि पाइपलाइन बिछाने का कार्य पूंजी गहन कारोबार है अतः टैरिफों के विनियमन का गेल के कारोबार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। यद्यपि ऐसे विनियामक आईआरआर की कुछ प्रतिशतता की गारंटी देते हैं तथापि टैरिफ में कमी का तुलन–पत्र पर प्रभाव पड़ता है। इसके परिणामस्वरूप गेल ने पाता में पेट्रोकेमिकल संयंत्र में संकार्यों को इष्टतम बनाकर अंतर्राष्ट्रीय परिसम्पत्तियों में निवेश करके, गैस स्वैपों और ग्रिडों को अंतः संबंधित बनाने के कार्य को बढ़ावा देने हेतु पीएनजीआरबी और मंत्रालय तथा कर विभागों के साथ कार्य करके आय सृजन के वैकल्पिक स्रोतों को सुनिश्चित करना होगा।

गेल के सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम होने के कारण यह पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, योजना आयोग, पीपीएसी आदि जैसे विभिन्न सरकारी निकायों को औपचारिक तथा अनौपचारिक फीडबैक नियमित तौर पर उपलब्ध कराता है। गेल ने प्राकृतिक गैस को केन्द्रीय बिक्री कर अधिनियम, 1956 के अंतर्गत 'घोषित माल' की श्रेणी में शामिल करने का समर्थन किया है ताकि प्राकृतिक गैस पर वैट को 5 प्रतिशत तक प्रतिबंधित किया जा सके जो विभिन्न राज्यों में 5 प्रतिशत से 26 प्रतिशत की सीमा तक है। शेल गैस के क्षेत्र में गेल ने भारत सरकार की परामर्शी प्रक्रिया में भाग लिया है जिसमें इसकी प्रारूप शेल गैस नीति पर टिप्पणियां मांगी गई थीं।

गेल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, भारतीय वाणिज्य और उद्योग मंडल परिसंघ (फिक्की) हाइड्रोकार्बन कमेटी के सह–अध्यक्ष हैं। यह समिति देश में ऊर्जा सुरक्षा से संबंधित मुद्दों और भारत सरकार तथा इस क्षेत्र में लगे अन्य निकायों के विभिन्न प्रयासों को पूरा करने पर केन्द्रित है। इसके अलावा गेल फिक्की पर्यावरण समिति का भी प्रतिनिधित्व करती है जो नगर निगम, इलेक्ट्रॉनिक तथा खतरनाक अपशिष्ट प्रबंधन, कॉरपोरेट सतत् विकास, स्वच्छता से संबंधित प्रौद्योगिकियों, पर्यावरण और वन सफाई, जैव विविधता आदि जैसे मुद्दों के व्यापक स्पैक्ट्रम के संबंध में कार्रवाई करती है।

गेल ''ऑटो ईंधन दृष्टिकोण तथा नीति–2025'' (एएफवी एण्ड पी–2025) से संबंधित विशेषज्ञ समिति का भी प्रतिनिधित्व करती है। गेल के निदेशक (विपणन), कार्यदल-IV के संयोजक हैं जिन्हें गैस, संभारतंत्र, सड़क परिवहन सहित ऑटो ईंधन के उपयुक्त मिश्रण को सुझाने का कार्य सौंपा गया है। ऐसा एक उदाहरण ''ऑटो ईंधन दृष्टिकोण तथा नीति, 2025'' था।

स्टेकहोल्डर संबंध

व्यापार सुचारू रूप से चलाने और उत्कृष्टता के लिए स्टेकहोल्डरों के साथ सशक्त तथा रचनात्मक संबंध बनाना अनिवार्य है। गेल में स्टेकहोल्डरों के साथ संबंध मुख्यतया निम्न उद्देश्य पर आधारित हैं :–

- **ग्राहक :** संतुष्टि स्तरों में सुधार करना, विशिष्ट संविदाएं करना, संविदा खण्ड़ों में सुधार करना;
- **आपूर्तिकर्ताः** आपूर्तिकर्ताओं के साथ पारदर्शी संबंध बनाना और संविदागत कार्यबल के हितों की सुरक्षा के लिए संविदाकारों के व्यवहार को विनियमित करना;
- **समुदाय :** सीएसआर पहलों/परियोजनाओं के द्वारा उन्हें शामिल करना और भू–स्वामियों की क्षतिपूर्ति करना; और
- **कर्मचारी :** नेतृत्व को प्रोत्साहन देना, ज्ञान प्रतिधारण, जानकारी प्राप्त करने और विकास पर बल देना।

प्रत्येक स्टेकहोल्डर की अपनी अनन्य अपेक्षाएं और सरोकार होता है। हम दोनों पक्षों के परस्पर लाभ के लिए सरोकारों का समाधान करने के लिए निरंतर प्रयास करते हैं। गेल का अपना पॉलीमर टेक्नोलॉजी सेंटर (जीपीटीसी) ग्राहकों को तकनीकी समाधान और पूर्ण जानकारी मुहैया कराता है। समुदाय प्रचालन के लिए सामाजिक लाइसेंस सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं।

इसके अतिरिक्त, गेल की सीएसआर पहलों की सफलता ऐसी परियोजनाओं में समुदायों द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका पर निर्भर करती है। हमारे विक्रेता, ठेकेदार और अन्य व्यवसाय साझेदार उच्च गुणवत्ता के कच्चे माल

और सेवाओं की सुपुर्दगी द्वारा हमारे कार्यकलापों में सहयोग देते हैं जो हमारे प्रचालन के लिए महत्वपूर्ण है। हमारे कर्मचारी हमें एक प्रतिस्पर्धी माहौल बनाने में मदद करते हैं, यह उनके समर्पित और ईमानदार प्रयासों के माध्यम से है जिससे हम अपने लक्ष्यों को प्राप्त और उसको पार कर जाते हैं।

हम विभिन्न स्टेकहोल्डर समूहों की चिंताओं के समाधान के लिए समुचित कार्यवाही और उचित पहल करते हैं। हमने इसे रिपोर्ट के अनुवर्ती भाग में विस्तारपूर्वक प्रस्तुत किया है।

स्वास्थ्य और संरक्षा

एक जिम्मेदार कारपोरेट के रूप में गेल अपने कर्मचारियों, परिसम्पत्तियों और इसके सभी स्टेकहोल्डरों की संरक्षा को सबसे अधिक महत्व देता है। कार्यस्थल में एक अच्छी संरक्षा प्रणाली में कर्मचारियों के लिए स्वयं और अपने सहकर्मियों को सावधान करने में मदद करने के लिए साधन है। एक प्रभावी संरक्षा कार्यक्रम को लागू करने में संरक्षा कार्मिक ही पर्याप्त नहीं हैं – समीकरण में एक आवश्यक घटक कम्पनी की संरक्षा कार्यप्रणाली है। कदाचित किसी प्रभावी संरक्षा कार्यक्रम के सबसे महत्वपूर्ण अवयव नेतृत्व सहायता और प्रत्यक्षता हैं। कोई संगठन जो सक्रिय सहायता संरक्षा के लिए नेतृत्व का अवलोकन और व्यवसाय में सुरक्षा के महत्व के संबंध में कर्मचारियों, विक्रेताओं, उप–ठेकेदारों और ग्राहकों को लगाए रख सकता है, संरक्षा कार्यक्षेत्र में सबसे अधिक सफल है।

अपने कर्मचारियों और संविदा कार्यबल के स्वास्थ्य और संरक्षा को सुनिश्चित करना इसके प्रचालन को ध्यान में रखते हुए गेल के लिए प्राथमिक महत्व का है। कार्मिकों को एक सुरक्षित कार्यस्थल प्रदान करने और उनके कल्याण का ध्यान रखने से उनकी उत्पादकता बढ़ती है जिससे कम्पनी की आधार रेखा संवर्धित होती है। गेल ने सुरक्षा संकेतक में काफी अच्छा प्रदर्शन दिखाया है जैसाकि इसके उच्च स्वास्थ्य संरक्षा और पर्यावरण सूचकांक में प्रतिबिम्बित है। गेल में, एचएसई को सबसे अधिक महत्व दिया गया है, इसे इस तथ्य में प्रतिबिम्बित किया गया है कि बोर्ड की एचएसई उप–समिति हमारे प्रचालन के स्वास्थ्य, संरक्षा और पर्यावरणीय निष्पादन की निगरानी और समीक्षा करती है। इस वर्ष गेल ने व्यवहार आधारित संरक्षा (बीबीएस), लागू की है जो ''इस बात पर ध्यान केन्द्रित करती है कि लोग क्या करते हैं, इस बात का विश्लेषण करती है कि वे इसे क्यों करते हैं और तब इसे सुधारने के लिए एक अनुसंधान समर्थित हस्तक्षेप कार्यनीति को प्रयोग करती है कि लोग क्या करते हैं।''

सुरक्षा

गेल की अधिकतर परिसम्पत्तियां राष्ट्रीय महत्व की हैं और इन परिसम्पत्तियों से संबंधित किसी भी घटना का सामाजिक, पर्यावरणीय और आर्थिक प्रभाव होना तय है। वर्तमान भू–राजनीतिक परिवेश को देखते हुए यह संभावना है कि इन संस्थापनाओं और पाइपलाइनों को विरोध, तोड़फोड़ और यहां तक कि संभावित आतंकी हमलों का खतरा हो सकता है। इसलिए गेल के लिए सभी प्रचालन स्थानों में सुरक्षा को उच्च प्राथमिकता देना अनिवार्य है और इसे किसी बाहरी या आंतरिक खतरे से बचने और निपटने के लिए प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मचारियों सहित अत्याधुनिक सुरक्षा प्रणाली में निवेश करना चाहिए।

आज की जुड़ी हुई दुनिया में, इलेक्ट्रॉनिक रूप में डाटा/सूचना पर ध्यान केन्द्रित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उच्चत निवल मूल्य के संव्यवहारों, अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय लेन–देनों और बौद्धिक सम्पदा अधिकारों को शामिल करते हुए अनुसंधान और विकास गतिविधियों के साथ गेल के लिए अपनी कार्यप्रणाली में सूचना प्रौद्योगिकी सुरक्षा पर ध्यान केन्द्रित करना महत्वपूर्ण है।

वित्त वर्ष 2013–14 में गेल के सुरक्षा दल द्वारा सुरक्षा का शून्य अतिक्रमण प्राप्त किया गया। एक मासिक ई–सुरक्षा पत्रिका 'गेल रक्षक' सभी कर्मचारियों के साथ साझा की जाती है। आसूचना ब्यूरो के औद्योगिक सुरक्षा दल द्वारा की गई अधिकतर सिफारिशों को गेल में लागू किया गया है। विभिन्न गेल कार्यस्थलों में अतिरिक्त सुरक्षा जनशक्ति नियुक्त की गई। गेल में सर्वत्र सुरक्षा जागरूकता सप्ताह, समीक्षा बैठक, सभी सीआईएसएफ इकाइयों में गेल के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया अभ्यास जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

सूचना की सुरक्षा के प्रबंध पर ध्यान केन्द्रित करते हुए, इस वर्ष हमने आईएसएमएस (सूचना सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली) आधारित आईएसओ 27001:2013 और संकटकालीन प्रबंधन योजना (सीएमपी) के कार्यान्वयन से संबंधित कार्यकलाप भी शुरू किए हैं।

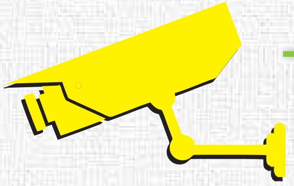

गेल के सुरक्षा दल

द्वारा सुरक्षा का शून्य अतिक्रमण प्राप्त किया गया

जल

जल मानव विकास में अत्यावश्यक है –व्यक्तियों और पारिस्थितिकी तंत्र की ताजे पानी की जरूरत से लेकर कृषि और उद्योग की मांग तक। जनसंख्या की वृद्धि और सतत् आर्थिक विकास के साथ सीमित ताजे पानी की आपूर्ति में मांग बढ़ने की संभावना है। तेल और गैस क्षेत्र में पानी के मुद्दे और प्रभाव हाल के वर्षों में प्रमुखता प्राप्त कर रहे हैं। जैसे–जैसे पानी की मांग बढ़ती है और संसाधन की गुणवत्ता एवं आपूर्ति को खतरा होता है, आपूर्ति श्रृंखला में प्रभावी ताजा जल प्रबंधन के लिए आवश्यकता अनिवार्य हो जाती है। पानी के लिए हमारी प्रतिबद्धता पानी की मात्रा को कम करने और हमारे अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण को बढ़ाने के पहलुओं में हमारे लिए हमारी ''सतत् विकास महत्वाकांक्षा 2020'' लक्ष्य में प्रतिबिम्बित होती है। हम अपने ठिकानों में पानी के इष्टतम उपयोग, पानी को फिर से उपयोग करने के लिए अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र की स्थापना और वर्षा जल संचयन प्रणाली को बढ़ावा देकर हमारे जल फुटप्रिंट को कम करने के प्रति सचेत हैं। हमारी कुछ मुख्य परियोजनाएं वाष्पीकरण हानियों को रोकने और जल संरक्षण के लिए विजयपुर में पाइपयुक्त नहर 'बहती धारा' परियोजना है। हमने गेल पाता में विवेकानन्द खेल परिसर के लिए उपचारित सीवेज अपशिष्ट जल के उपयोग के लिए नया अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र भी निष्पादित किया है।

अन्य स्टेकहोल्डरों के साथ सम्पर्क

ऊपर उल्लेख किए गए स्टेकहोल्डर समूहों के साथ सम्पर्क करने के अलावा, गेल कई व्यापार और चैम्बर/संगठनों का सदस्य भी है। ये संगठन, संगठन के मंच के माध्यम से हमारे दृष्टिकोण और राय को सूचित करने के लिए विभिन्न अन्य स्टेकहोल्डरों के साथ हमें सम्पर्क करने में मदद करते हैं। इनमें से कुछ प्रमुख स्टेकहोल्डर निम्ननिलिखित हैं :–

	भारतीय	अंतर्राष्ट्रीय
1.	भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई)	अंतर्राष्ट्रीय गैस संघ (आईजीयू)
2.	सार्वजनिक उद्यमों का स्थायी सम्मेलन	इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनल ऑडिटर्स, संयुक्त राज्य अमेरिका
3.	फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की)	वर्ल्ड एन्वायरमेंट फाउंडेशन
4.	वर्ल्ड एनर्जी काउंसिल इंडिया	नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कोरोसन इंजीनियर्स इंटरनेशनल, संयुक्त राज्य अमेरिका (एनएसीई)
5.	पेट्रोलियम फेडरेशन ऑफ इंडिया (पेट्रोफेड)	ब्रिटिश सेफ्टी काउंसिल (बीएससी)
6.	इंस्टीट्यूट ऑफ कम्पनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (आईसीएसआई)	इंटरनेशनल ग्रुप ऑफ लिक्विफाइड नेचुरल गैस इम्पोर्टर्स (जीआईआईजीएनएल)
7.	द इंडिया सीएफओ फोरम–आईएमए इंडिया प्रा0लि0	यूनाइटेड नेशंस इकॉनोमिक कमीशन फॉर यूरोप (यूएनईसीई) गैस सेंटर
8.	ग्लोबल रिपोर्टिंग इनिशिएटिव इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	
9.	ग्लोबल कॉम्पैक्ट नेटवर्क इंडिया (यूएनजीसी का भारत अध्याय)	
10.	भारत जीएचजी कार्यक्रम	
11.	प्रोजेक्ट मैनेजमेंट एसोसिएट	
12.	इंटरनेशनल मार्केट एसेसमेंट सीईओ फोरम	
13.	टेरी – बीसीएसडी (बिजनेस काउंसिल फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट)	
14.	पीएचडी चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री	
15.	केमिकल एंड पेट्रोकेमिकल्स मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन (सीपीएमए) इंटरनेशनल	

गेल विभिन्न मंचों जैसे कि उद्योग संगठनों, सरकारी परामर्श मंचों और अन्य सार्वजनिक मंचों पर कार्य करता है। एक ऐसा उदाहरण ''ऑटो फ्यूल विजन एंड पॉलिसी – 2025'' है। भारत सरकार द्वारा ''ऑटो फ्यूल विजन एंड पॉलिसी – 2025'' (एएफवी एण्ड पी–2025) पर एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया है। श्री प्रभात सिंह, निदेशक (विपणन) गेल (इंडिया) लि0 इस विशेषज्ञ समिति के एक सदस्य हैं। इसके अलावा, कार्य को पूरा करने के लिए चार कार्य दल बनाए गए हैं। निदेशक (विपणन), गेल कार्य दल-IV के संयोजक हैं जिसे ''गैस, रसद, सड़क परिवहन सहित ऑटो ईंधन का उपयुक्त मिश्रण'' सुझाने का कार्य सौंपा गया है। इस कार्य दल ने पर्यावरण, अर्थ तंत्र को सुधारने और ऊर्जा सुरक्षा प्राप्त करने के तीन प्रमुख उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए अपनी प्रारूप रिपोर्ट तैयार की है। प्रारूप रिपोर्ट में विभिन्न विकल्पों का सुझाव दिया गया है, अर्थात इष्टतम तरीके से वाहनों से निकलने वाले उत्सर्जन में सुधार के लिए प्राकृतिक गैस, ऑटो एलपीजी, इथेनॉल सम्मिश्रण, हाइड्रोजन ईंधन एवं बिजली से गतिशीलता। अंतिम रिपोर्ट सेंटर फॉर हैवी टेक्नोलॉजी (सीएचटी) द्वारा तैयारी के अधीन है।

इसके अलावा, गेल ने नवम्बर, 2013 में आयोजित प्राकृतिक गैस वाहन (एनजीवी) अंगवा–2013 पर एशिया के सबसे बड़े कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। इसे सम्मेलन में वाहन इंजीनियरिंग विकास से लेकर भराई प्रौद्योगिकियों और वैकल्पिक ईंधन आपूर्ति तक मुख्य उद्योग मुद्दों को शामिल करते हुए 60 से अधिक वक्ताओं ने भाग लिया। गेल और इसके संयुक्त उद्यमों तथा सहायक कम्पनियों ने इस कार्यक्रम में अपनी उत्साहपूर्ण उपस्थिति दर्ज की। गेल ने दर्शकों और स्टेकहोल्डरों को हरित गलियारे बनाने के लिए प्राकृतिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क के विस्तार की हमारी योजना के बारे में जानकारी दी। ये हरित गलियारे अंतर्देशीय परिवहन को शहरों से परे सीएनजी की पहुंच के विस्तार द्वारा प्राकृतिक गैस वाहनों पर प्रचालन करने के अवसर प्रदान करेंगे। इस गलियारे से आठ राज्यों अर्थात् कर्नाटक, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा और पंजाब के लाभान्वित होने की उम्मीद है।

गेल वॉयस
स्टेकहोल्डरों के लिए बातचीत हेतु सामाजिक मंच

गेल जनता को अपना एक विशाल स्टेकहोल्डर मानता है। जनता के समक्ष अपने कार्यक्रमों को रखने और पारदर्शी बनाने की दृष्टि से गेल ने गेल वॉयस – नाम से स्टेकहोल्डरों के साथ बातचीत करने हेतु एक अनन्य मंच शुरू किया है। इस स्वतंत्र मंच का सृजन सामाजिक मीडिया की गतिशीलता का प्रयोग करने हेतु किया गया है और ऐसे प्रत्येक व्यक्ति, जो ऊर्जा पारिस्थितिकी प्रणाली से अपने को अद्यतन बनाए रखना, संबंधित होना और उससे लाभान्वित होना चाहता है, के लिए एक समान सम्पर्क साधन की व्यवस्था की गई है। इससे स्टेकहोल्डरों को बिना किसी बाधा के एक संस्था के रूप में गेल के साथ सम्पर्क रखने के लिए एक स्वतंत्र मंच उपलब्ध होता है।

भारत में किसी ऊर्जा कम्पनी की ओर से यह ऐसी पहल है जिसके द्वारा ऐसा प्रयास किया गया है। गेल के साथ ऑनलाइन सम्पर्क करने वालों की संख्या 70,000 तक पहुंच गई है और अगले वर्ष 50 प्रतिशत की ओर वृद्धि होने की आशा है। इस पहल के द्वारा गेल को प्रत्येक माह में विश्व में लगभग नौ लाख से अधिक लोगों के साथ सम्पर्क करने में सहायता मिली है।

गेल और जीआरआई

ग्लोबल रिपोर्टिंग इनिशिएटिव (जीआरआई) सतत् विकास के क्षेत्र में एक अग्रणी संगठन है जो सतत् रूप से धारणीय वैश्विक अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण के साथ कार्य करता है, जिसके द्वारा संगठन अपने आर्थिक, पर्यावरणिक, सामाजिक और अभिशासन निष्पादन का प्रबंध करते हैं और जीआरआई के सतत् विकास रिपोर्टिंग ढांचे के जरिए पारदर्शक रूप में रिपोर्ट करते हैं।

जीआरआई फोकल प्वाइंट, भारत स्थानीय संगठनों को जीआरआई मिशन को चलाने में मार्गदर्शन और सहायता मुहैया कराता है। गेल जीआरआई भारत सतत् विकास एवं पारदर्शी संघ का संस्थापक सदस्य बन गया है। यह संघ (कंर्सोटियम) भारतीय निगमित उत्तरदायित्व तथा सतत् विकास परिदृश्य में मुख्य कार्यकर्ताओं के लिए सतत् विकास के क्षेत्र में उनकी प्रेरणात्मक उपस्थिति का प्रदर्शन करने हेतु एक मंच के रूप में सुविधा प्रदान करता है। जीआरआई फोकल प्वाइंट, भारत का सशक्त बहु–स्टेकहोल्डर नेटवर्क के जरिए संघ के सदस्य यह सुनिश्चित करते हैं कि भारतीय जीआरआई के कार्य में आंतरिक रूप से सहायता करते हैं।

एक सेक्टर प्रतिनिधि होने के नाते गेल का उद्देश्य निम्नलिखित के प्रति जीआरआई के कार्यों में सहयोग करना है :

- पारदर्शिता की संस्कृति सृजित करने हेतु सतत् विकास एवं ईएसजी रिपोर्टिंग को सरल और कारगर बनाना
- मौजूदा राष्ट्रीय रिपोर्टिंग मानकों और सतत् विकास पहलों के साथ समस्वरता को प्रोत्साहन देना
- सक्रिय एवं सूचित पाठकगण का सृजन करना
- जीआरआई रिपोर्टिंग ढांचे का इसकी तकनीकी विशेषताओं को बढ़ाने हेतु राष्ट्रीय, क्षेत्रीय एवं स्थानीय स्वामित्व सुनिश्चित करना
- भारत के लिए सतत् विकास एवं पारदर्शिता के संबंध में ज्ञान केन्द्र का निर्माण करना

जीआरआई भारत सतत् विकास एवं पारदर्शिता संघ के साथ हमारे संयोजन के दौरान हम सतत् विकास के वृहतर कार्य को बढ़ावा देने हेतु एक सशक्त नेटवर्क का निर्माण करने में सक्षम हुए हैं और इस क्षेत्र में अपने ज्ञान और अनुभव को बांटने हेतु विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों में भाग लिया है।

गेल ने अमस्टेरडम में 22–24 मई, 2013 को आयोजित सतत् विकास पर रिपोर्टिंग के संबंध में जीआरआई वैश्विक सम्मेलन में वक्ता के रूप में प्रतिनिधित्व किया। विश्व भर से 1500 से अधिक स्थिरता लीडरों और प्रेक्टिशनरों को सतत् विकास भविष्य के रास्ते में आने वाली मुख्य चुनौतियों और अवसरों पर विचार–विमर्श करने हेतु अमस्टेरडम में मई माह में तीन दिन के लिए आयोजित एक बैठक में आमंत्रित किया गया था। इसके अलावा, गेल ने भारत में जीआरआई एनवीजी बीआरआर के संरेखण के संबंध में नई दिल्ली में 24.07.2013 को जीआरआई जी4 दिशानिर्देश एवं मार्गदर्शन के राष्ट्रीय स्तर पर प्रारंभ को आयोजित किया था। जी4 दिशा–निर्देशों की मुख्य विशेषताएं 120 से अधिक प्रतिनिधियों को प्रस्तुत की गई थीं।

संघ के सदस्य के रूप में हमने अपने अनुभव और ज्ञान को जीआरआई फोकल प्वाइंट इंडिया एडवाइजरी ग्रुप की विभिन्न बैठकों, वेबसाइटों और ऑनलाइन सत्रों के दौरान बांटा है। बैठकों में संघ की उन संस्थानिक सदस्य कम्पनियों से वरिष्ठ स्तर के प्रतिनिधियों द्वारा भाग लिया गया था जिन्होंने जीआरआई भारत के सतत् विकास और पारदर्शिता संघ में सदस्यता ग्रहण की है। जीआरआई के साथ हमारे संयोजन से हमें समकक्ष संस्थाओं के साथ सम्पर्क करने में, उद्योग परिदृश्य की जानकारी प्राप्त करने तथा स्थिरता और रिपोर्टिंग के क्षेत्र में उत्तम व्यवहारों को बांटने में सहायता मिली है।

शेयरधारक/निवेशक

25th September 2013,
GAIL (India) Limited
India's Youngest Maharatna
29वीं
वार्षिक
आम सभा
25 सितंबर 2013
नई दिल्ली
N.K. NAGPAL

सामाजिक और पर्यावणिक पहलुओं को अपेक्षित महत्व देते हुए अपने संवृद्धि के लक्ष्य के साथ हम अपने निवेशकों को संवर्धन और स्थायी प्रतिफल उपलब्ध कराने हेतु लगातार प्रयास करते हैं। हम अपने शेयरधारकों/निवेशकों को अधिक विश्वसनीयता और मूल्य सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध रहते हैं।

शेयरधारक/निवेशक

निवेश करने का मूलभूत उद्देश्य कम्पनी की पूंजी का आबंटन करना है ताकि एक आकर्षक प्रतिफल प्राप्त हो सके। इसे सुनिश्चित करने के लिए कम्पनी के कार्य–निष्पादन की निगरानी करने में निवेशक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। वे कम्पनी के वित्तीय और गैर–वित्तीय मापदंडों पर निगरानी रखते हैं। गेल इन तथ्यों की प्रशंसा करती है और अपने निवेशकों को विभिन्न प्रकार के मीडिया के जरिए, जिसमें वित्तीय सूचना को परिचालित करना, एजीएम, निवेशकों के साथ बैठकें करना, नई विज्ञप्तियां जारी करना, वरिष्ठ स्तर के प्रबंधकों द्वारा प्रेस साक्षात्कार, वार्षिक रिपोर्ट और कम्पनी की वेबसाइटें शामिल हैं, नियमित आधार पर वित्तीय तथा गैर–वित्तीय पैरामीटरों के संबंध में सूचना प्रदान करती है।

व्यवसाय विकास

गेल अपने निवेशकों के लिए अधिकतम प्रतिफल के सृजन के लिए जोरदार ढंग से कार्य कर रहा है। ऐसा केवल सतत् व्यवसाय के माध्यम से संभव है। इन पहलों में से कुछ की नीचे चर्चा की गई है :–

गैस की सोर्सिंग और व्यापार –

एलएनजी पुनः गैसीकरण टर्मिनल और नौवहन

''12वीं पंचवर्षीय योजना (2012–17) के लिए पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस क्षेत्र संबंधी कार्यकारी समूह'' की रिपोर्ट में परिकल्पना की गई है कि वर्ष 2016–17 में प्राकृतिक गैस के लगभग 264 एमएमएससीएमडी के आयात किए जाने की आवश्यकता है और भारत में प्राकृतिक गैस की समग्र मांग को पूरा करने के लिए वर्ष 2021–22 तक 363 एमएमएससीएमडी के आयात करने की आवश्यकता होगी। गेल अपने ग्राहकों को बेहतर मूल्य प्रदान करने और भारत की ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाने के दोहरे उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए सम्पूर्ण एलएनजी मूल्य श्रृंखला में उपस्थिति के लिए गैस आस्तियों, तरलीकरण सुविधाओं और एलएनजी नौवहन में अपस्ट्रीम निवेश करने पर भी ध्यान केन्द्रित कर रहा है। प्राकृतिक गैस में उद्योग अगुआ होने के कारण गेल ने भारत में सदैव बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए बहु एलएनजी और पराराष्ट्रीय सौदों के माध्यम से कतर, ऑस्ट्रेलिया, यूएसए, रूस और तुर्कमेनिस्तान से लगभग 86 एमएमएससीएमडी गैस के विविधीकृत दीर्घकालीन आयात पोर्टफोलियो बनाने के लिए गैस आपूर्तियों का संविदा किया है। ये सौदे भारतीय गैस बाजार विकसित करने के लिए कम्पनी की प्रतिबद्धता का प्रमाण थे और लम्बे समय में ऊर्जा सुरक्षा प्राप्त करने के लिए भारत की सहायता कर रहे हैं। इन सौदों में विचार का

गैस सोर्सिंग उपलब्धियां

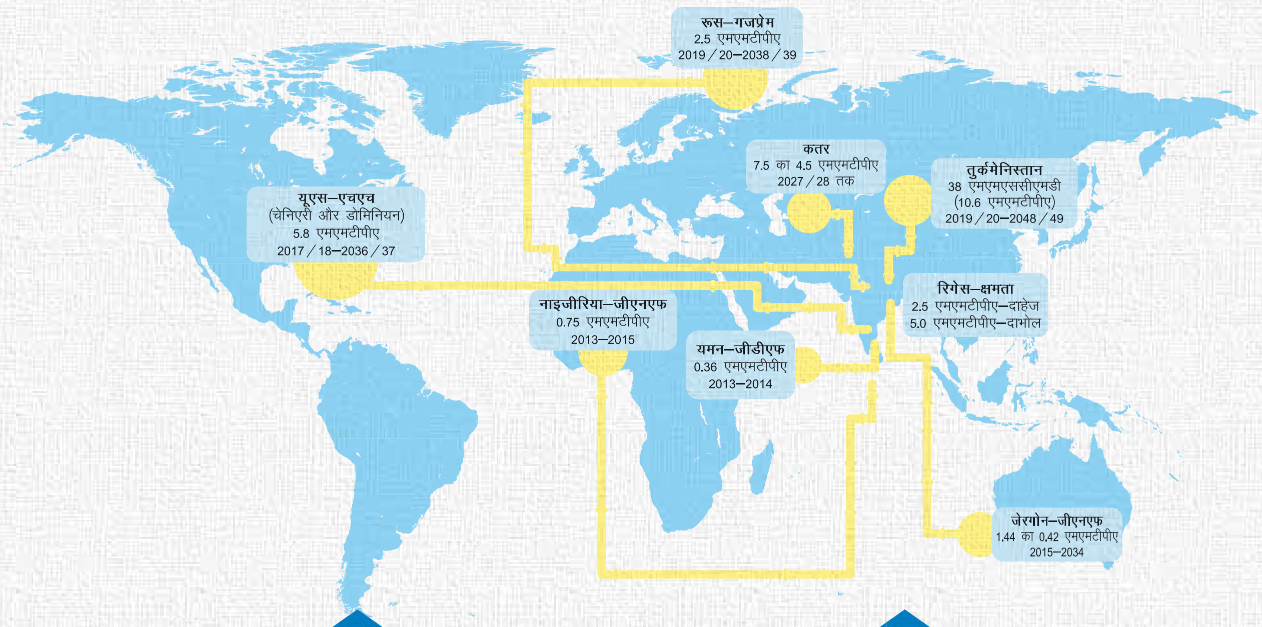

दीर्घकालीन आयात पोर्टफोलियो
(23.8 एमएमटीपीए या 85.6 एमएमएससीएमडी)
डोवरसोफोएड आपूर्ति स्रोत
रूस, मध्य–पूर्व, ऑस्ट्रेलिया, यूएसए

विविधीकृत मूल्य सूचकांक
हेनरी हब – 24.5 प्रतिशत (5.8 एमएमटीपीए)
जापानी कच्चा तेल सी–31 प्रतिशत (7.42 एमएमटीपीए)
तेल–44.5 प्रतिशत (10.6 एमएमटीपीए)

महत्वपूर्ण पहलू कम्पनी भू–राजनीतिक जोखिमों, मूल्य निर्धारण जोखिमों को कम करने के लिए विविधीकृत सूचकांक; आपूर्ति नम्यता प्रदान करने के लिए एफओबी और डीईएस संविदाओं आदि के लिए काफी अधिक विविधीकृत एलएनजी आपूर्ति को सुरक्षित करने के लिए कम्पनी की कार्यनीति को बढ़ा रहा है। यह सर्वोत्तम संभव ढंग से अपने ग्राहकों की सेवा के लिए हमारी प्रतिबद्धता का शुभ संकेत है। गेल ने घरेलू आपूर्ति की कमी की तत्काल चिंताओं को दूर करने के लिए इस वित्तीय वर्ष के दौरान विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय स्रोतों से लगभग 1.60 एमएमटीपीए का आयात किया जिसमें हाजिर कार्गो ने कुल एलएनजी आयातों के लगभग 22 प्रतिशत का योगदान दिया।

भारत में एलएनजी बाजार विकास को तेज करने के लिए अवसंरचना विकसित करने हेतु योगदानकर्ता के रूप में मौजूद पाइपलाइन नेटवर्क सहित गैस की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए दाहेज एलएनजी टर्मिनल में 2.5 एमएमटीपीए के लिए पेट्रोनेट एलएनजी के साथ करार भी किया है। गेल दाभोल एलएनजी टर्मिनल का वाणिज्यिक प्रचालक भी होगा जो महाराष्ट्र, गोवा और कर्नाटक राज्यों में उपभोक्ताओं की मांग को पूरा करने के लिए मुख्य द्वार के रूप में कार्य करेगा।

गेल ने पश्चिम तट में उड़ीसा अपतट में फ्लोटिंग, भंडारण और पुनः गैसीकरण यूनिट (एफएसआरयू) की स्थापना के लिए पारादीप पत्तन न्यास के साथ एमओयू किया है।

गेल यूएस में सबाहन पास और डोमिनियन कोव बिन्दु टर्मिनलों से एलएनजी के आयातों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है। गेल ने यूएसए से प्राप्त एलएनजी से परिवहन के लिए सहयोग हेतु भारतीय नौवहन निगम (एससीआई) के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। सहयोग में एससीआई एलएनजी पोतों को चार्टर किराए पर लेने में सहायता करना और एलएनजी पोतों के स्वामित्व में एससीआई को गेल के अंदर आने के अधिकार सौंपना शामिल है। एलएनजी आपूर्ति को सुदृढ़ करने के लिए गेल ने संयुक्त एलएनजी प्रापण में सहयोग की संभावनाओं की तलाश की है। इसके फलस्वरूप, हमने मार्च, 2014 में जापान की चुबु इलेक्ट्रिक पावर कम्पनी इंक के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। ऐसे संयुक्त प्रापण करारों से एशिया में गैस की कीमतें स्थिर और कम होने की आशा है।

गेल भारत में गैस के आयात के लिए तुर्कमेनिस्तान–अफगानिस्तान–पाकिस्तान –भारत (टीएपीआई) प्राकृतिक गैस पाइपलाइन परियोजना को भी आगे बढ़ा रहा है। गेल ने 30 वर्ष के लिए तुर्कमेनिस्तान से प्राकृतिक गैस के 38 एमएमएससीएमडी के आयात के लिए 'तुर्कमेनगाज' राज्य संस्था के साथ जीएसपीए पर हस्ताक्षर किए हैं।

पेट्रोकेमिकल

गेल का मौजूदा क्षमताओं के विस्तार, नए संयंत्रों की स्थापना, विपणन के लिए उत्पाद के निकासी के अधिकारों सहित आने वाली परियोजनाओं में इक्विटी हिस्सा अधिगृहित करके देश में पेट्रोकेमिकल खंड में अग्रणी होने का लक्ष्य है। गेल वर्तमान में पाटा में मौजूदा पेट्रोकेमिकल क्षमता को वर्तमान में दुगना कर रहा है। असम में इसकी सहायक कम्पनी, ब्रह्मपुत्र क्रेकर एण्ड पालीमर लिमिटेड (बीपीसीएल) के माध्यम से ग्रीनफील्ड पेट्रोकेमिकल संयंत्र भी स्थापित किया जा रहा है। दाहेज में एक और पेट्रोकेमिकल संयंत्र संयुक्त उद्यम (जेवी), ओएनजीसी पेट्रो–एडीशन लिमिटेड (ओपीएएल) के माध्यम से स्थापित किया जा रहा है। गेल ओएनजीसी के साथ 50:50 संयुक्त उद्यम के माध्यम से दाहेज, गुजरात में 2,575 करोड़ रुपए की लागत से 110,000 टन प्रति वर्ष क्षमता का पोली बुटाडाइन रबड़ (पीबीआर) संयंत्र स्थापित करेगा। संयंत्र से उत्पादन को घरेलू बाजार में बेचा जाएगा जो पीबीआर आयात पर भारत की निर्भरता को कम करेगा। पीबीआर संयंत्र के लिए अपेक्षित फीडस्टाक की आपूर्ति गेल और ओएनजीसी द्वारा संवर्धित ओएनजीसी पेट्रो–एडीशन लिमिटेड (ओपीएएल) द्वारा की जाएगी।

प्राकृतिक गैस पाइपलाइन

वित्त वर्ष 2013–14 के दौरान विभिन्न पाइपलाइन नेटवर्क और पूरक प्रणालियों को पूरा किया गया है, नामतः ओरैया–जगदीशपुर पाइपलाइन की क्षमता बढ़ाना, कर्णपुर–मुरादाबाद–काशीपुर पाइपलाइन का काशीपुर–रूद्रपुर पाइपलाइन को चालू करके रूद्रपुर तक और आगे विस्तार किया गया है, कोची–कोट्टानाड–बंगलुरू/मंगलौर चरण–I पाइपलाइन को चालू करना। लगभग 5.55 एमएमएससीएमडी की आपूर्ति के लिए 66 उपभोक्ताओं के लिए अंतिम मील उपभोक्ता सम्बद्धता (लगभग 112 किलोमीटर) का विस्तार किया गया है।

प्राकृतिक गैस पाइपलाइन

लगभग 112 किलोमीटर वर्ष 2013–14 में 66 उपभोक्ताओं को कनेक्टिविटी

ग्रिड ऊर्जा के प्रतिशत के रूप में नवीकरणीय ऊर्जा

अक्षय ऊर्जा

गेल ने गुजरात, तमिलनाडु और कर्नाटक राज्य की 117.95 मेगावाट की संस्थापित क्षमता की पवन ऊर्जा परियोजनाओं के कारण वाणिज्यिक उत्पादक बन गया है। वर्ष 2011–12 में गेल ने राजस्थान में जैसलमेर से लगभग 70 किलोमीटर दूर स्थित जवाहर लाल नेहरू नेशनल

सोलर मिशन के तहत 5 मेगावाट सौर संयंत्र स्थापित करने की बोली जीत कर सौर विद्युत उत्पादन में प्रवेश किया है और आगामी वर्षों में अतिरिक्त क्षमताओं की स्थापना करने की योजनाएं हैं। परियोजना फरवरी, 2013 में चालू की गई थी और यह 25000–28000 किलोवाट प्रतिदिन का उत्पादन कर रही है।

शेयरधारक के मूल्य को अधिकतम करना

गेल शेयरधारक के मूल्य को अधिकतम करने के लिए समर्पित है और नई तथा नवीन परियोजनाओं, प्रचालनात्मक उत्कृष्टता एवं अनुसंधान और विकास के संवर्धन से विभिन्न पहलें करती है। कुछ अन्य पहलों में सामग्री और संसाधन संरक्षण के लिए की गई पहलें शामिल हैं।

अनुपालन संबंधी घोषणा

व्यवसाय उत्कृष्टता लक्ष्यों को आगे बढ़ाते हुए हम सुनिश्चित करते हैं कि हमारे सभी प्रचालन हमारे पर प्रयोज्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विनियमों के अनुपालन में हैं।

अनुसंधान और विकास (आर एण्ड डी)

गेल ने तेजी से बदलते व्यवसाय परिदृश्य में प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए अनुसंधान और विकास गतिविधियों पर अपने बल को बढ़ाया है, जिसमें प्रौद्योगिकी लगातार महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। आर एण्ड डी विभाग गेल के व्यवसाय के बल वाले विभिन्न क्षेत्रों में 25 से अधिक परियोजनाओं पर कार्य कर रहा है। कुछ आर एण्ड डी परियोजनाएं जीएचजी की कटौती और ऊर्जा के गैर–पारम्परिक स्रोतों के प्रयोग के क्षेत्र में भी आगे

मिलियन में (भारतीय रू.)

क. उत्पादित आर्थिक मूल्य	584064
▸▸ निवल विक्रय/संचालनों से आय	572451
▸▸ अन्य संचालन आय	2628
▸▸ अन्य आय	8985
ख. वितरित आर्थिक मूल्य	568847
▸▸ संचालन लागत	517,214
▸▸ कर्मचारी दिहाड़ी और लाभ	9,082
▸▸ पूंजी प्रदाताओं को भुगतान	20,368
▸▸ सरकारों को भुगतान (*)	21,557
▸▸ सीएसआर पहलें	626
ग. प्रतिधारित आर्थिक मूल्य (क-ख)	**15217**

(*) विस्तृत आर्थिक सार गेल की वार्षिक रिपोर्ट 2013–14 और हमारी वेबसाइट (www.gailonline.com) पर उपलब्ध हैं।

बढ़ाई जा रही हैं। ऐसी एक परियोजना लैंडफिल गैस (एलएफजी) प्रायोगिक परियोजना है। एलएफजी निगम ठोस अपशिष्ट (एमएसडब्ल्यू) कूड़े के बाड़े से उत्पन्न होती है और यह वायुमण्डल में पलायक मीथेन उत्सर्जनों का सबसे बड़ा स्रोत है। गेल ने एलएफजी के निष्कर्षण और लाभदायक प्रयोग के विकल्प की खोज के लिए सक्रिय लैंडफिल स्थल में प्रायोगिक परियोजना स्थापित की है। दिल्ली नगर निगम ने इस प्रायोगिक संयंत्र की स्थापना के लिए उनकी गाजीपुर लैंडफिल स्थल में कुल 27 हेक्टेयर में से लैंडफिल स्थल 4 हेक्टेयर आबंटित किया है।

एलएफजी प्रायोगिक परियोजना मई, 2013 में चालू की गई है और लगभग 25 प्रतिशत मीथेन अंश के साथ एलएफजी के लगभग 125 एम3/घंटे को निष्कर्षित और धधकाया जा रहा है। इससे जीएचजी उत्सर्जन की कटौती होती है क्योंकि मीथेन सीओ2 की तुलना में वैश्विक गर्मी करने में 25 गुणा अधिक प्रभावशाली है। परियोजना को नामित प्रचालनात्मक हस्ती (डीओई) द्वारा सफलतापूर्वक वैध किया गया है और कार्बन क्रेडिट का लाभ लेने के लिए यूएनएफसीसीसी के पास पंजीकृत है। परियोजना ने स्थानीय जनता की रहने की स्थितियों में सुधार किया है और यह भारत में अपनी किस्म की पहली परियोजना के कार्यान्वयन के द्वारा समाज के प्रति गेल की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

गेल सीओ2 रूपांतरण/उपयोग पर कुछ परियोजनाओं पर भी कार्य कर रहा है। इनमें मीथेन के सुधार के लिए सीओ2 का उपयोग करके सेनगैस के उत्पादन के लिए उत्प्रेरक के विकास पर परियोजनाएं शामिल हैं। एक अन्य परियोजना सूक्ष्मजीवी रूट के माध्यम से सीओ2 को ग्रहण करने के लिए माइक्रो एलगे की उच्च सीओ2 सहनशील प्रजातियों का अलगाव, पहचान और चयन तथा इसका मूल्य वर्धित उत्पादों में रूपांतरण शामिल है।

लैंड फिल गैस परियोजना स्थल, गाजीपुर, दिल्ली

प्रचालन और अनुरक्षण प्रथाएं

आस्तियों के प्रचालन और अनुरक्षण में उत्कृष्टता प्राप्त करने और इसे बनाए रखना गेल के दर्शन का प्रमुख उद्देश्य है। सफल अनुरक्षण कार्यनीति के गुणवत्ता के उच्च मानक, मौजूदा प्रौद्योगिकियों का अनुप्रयोग और आस्तियों की मॉनीटरिंग तथा अनुरक्षण में अत्यधिक पारिश्रमिकता कुछ आधारभूत तत्व है।

गेल की अनुरक्षण नीति और दिशानिर्देशों में पाइपलाइन/टर्मिनल और अन्य सम्बद्ध संस्थापनाएं, कम्प्रेसर स्टेशन/बूस्टर स्टेशन, गैस प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू), पेट्रोरसायन काम्प्लेक्स (पीसी) शामिल है। हम अपने प्रचालनों में उपलब्धता, विश्वसनीयता और सुरक्षा के उच्च स्तरों को लक्षित करते हैं।

पाइपलाइन नेटवर्क विस्तार और प्रचालनों के दौरान पर्यावरणीय प्रभावों का प्रबंध करना

हमारी पाइपलाइन अंतर्राष्ट्रीय मानकों जैसे एएसएमई, एपीआई, डीआईएन, आईएसओ और राष्ट्रीय मानक जैसे ओआईएसडी की अपेक्षाओं के रूप डिजाइन, निर्माण और अनुरक्षित की जाती हैं। पाइपलाइन नेटवर्क को विस्तृत पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन और पर्यावरण तथा वन मंत्रालय से बहुत से अनुमोदनों के पश्चात डिजाइन किया जाता है। पाइपलाइन की सिधाई को इस ढंग से चयन किया जाता है कि पारिस्थितिक रूप से संवेदी और संरक्षित क्षेत्रों/भौगोलिक रूप से अस्थिर क्षेत्रों/बाधा वाले क्रासिंग जैसे एनएच/एसएच/रेलवे, प्रतिबंधित/आरक्षित वन क्षेत्र/तटीय विनियम जोन (सीआरजेड) से बचते हुए लम्बाई को इष्टतम किया जाता है।

रिट्रोफिटिंग परियोजनाएं

गेल ने कतिपय रिट्रोफिटिंग परियोजनाओं को लिया है जो न केवल मौद्रिक लाभों में परिणत होती हैं अपितु पर्यावरण लौटाने के रूप में भी हैं।

(UNFCCC weblink of project https://cdm.unfccc.int/Projects/Validation/DB/TI8WDREBIQBQXHYB93EPM211OE6A2Q/view.html)

जीपीयू उसर में बर्नर प्रबंध प्रणाली

मौजूदा प्राकृतिक ड्राफ्ट हीटर के डेम्पनर को फील्ड में जा कर मैन्युअल समायोजित किया जाना अपेक्षित था। मैन्युअल हस्तक्षेप के कारण दहन के लिए अतिरिक्त वायु पर कोई सही नियंत्रण न होने के कारण अतिरिक्त ईंधन की खपत होती थी। मुख्य/प्रायोगिक बर्नर की विफलता के मामले में संकेत के लिए कोई व्यवस्था नहीं थी। आरजी हीटर की सुरक्षा को बढ़ाने और आरजी हीटर में ईंधन गैस की खपत को कम करने के लिए जीपीयू उसार में पीएलसी आधारित बर्नर प्रबंध प्रणाली को लागू किया गया है। मौजूदा प्राकृतिक ड्राफ्ट हीटर को बल वाले ड्राफ्ट से रिट्रोफिट किया गया है।

ईंधन गैस के माध्यम से परियोजना का मूर्त लाभ 0.13 एमएमएससीएम प्रति वर्ष की बचत था जिससे संभावित 1439856/– भारतीय रूपए की प्रति वर्ष की बचत के साथ 108 मीट्रिक टन सीओ2ई की वार्षिक सीओ2ई की बचत हुई।

इसमें मैन्युअल प्रयास में कटौती, सुरक्षा में वृद्धि और बर्नर की कुशलता में वृद्धि भी शामिल है।

सामग्री और ऊर्जा संरक्षण

गेल के लिए अन्य व्यवसाय अनुलम्बों जैसे तरल हाइड्रोकार्बन, एलपीजी पारेषण, पेट्रोरसायन, गवेषण और उत्पादन आदि के अलावा प्राकृतिक गैस पारेषण इसके व्यवसाय का मुख्य भाग बनता है। इस व्यवसाय पोर्टफोलियो को देखते हुए प्राकृतिक गैस (एनजी) गेल की कुल सामग्री खपत का उल्लेखनीय भाग है। खपत की गई अन्य सामग्रियों में विशेष रसायन और उत्प्रेरक ल्यूब और ग्रीस, मरकेप्टन, सल्फ्यूरिक एसिड, फिटकरी, मेथनोल, अन्य रसायन और पैकिंग थैले शामिल हैं।

यद्यपि गेल ऐसे क्षेत्र में प्रचालन करता है जिसमें रिसाइकिल इनपुट सामग्रियों के प्रयोग की गुंजाइश बहुत कम है, फिर भी यह पुनःचक्रित/पुनः प्रयोग करने, जहां कहीं भी संभव हो, का प्रयास करता है। इसके अलावा, हम अपने उत्पादों को इस ढंग और प्रोसेसों से डिजाइन करते हैं ताकि अपशिष्टों को कम किया जा सके। ऐसा सतत् विकास नीति में भी प्रतिबिम्बित होता है जो नीति के पर्यावरण स्तम्भ के पहलू के रूप में ''सामग्री प्रतिस्थापन, रिसाइकिल और पुनः प्रयोग के माध्यम से प्राकृतिक संसाधनों को इष्टतम करने'' का उल्लेख करती है।

गेल की सतत् विकास नीति प्रचालनों में ऊर्जा कुशलता में सुधार पर ध्यान केन्द्रित करती है। कम्पनी जहां–कहीं भी संभव होता है ऊर्जा के संरक्षण और कुशलता में सुधार के लिए विभिन्न अवसरों की पहचान और मूल्यांकन करती है। डिजाइन और प्रचालन उत्कृष्टता के माध्यम से ऊर्जा संरक्षण के अलावा गेल ने अपनी कुल ऊर्जा की खपत में नवीकरणीय ऊर्जा मिश्रण के हिस्से में सुधार करने पर भी कार्य किया है। गेल अन्य कम्पनियों से एक कदम परे गया है और स्वयं के लिए स्वैच्छिक ऊर्जा कटौती लक्ष्य निश्चित किए हैं। गेल वर्ष 2020; (वर्ष 2010 के आधार वर्ष होने के साथ) तक अपनी विशेष ऊर्जा खपत को 5 प्रतिशत तक कम करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस लक्ष्य के प्रत्युत्तर में एकीकृत ऊर्जा प्रबंध प्रणाली की सहायता, ऊर्जा ऑडिट करके, अपनी प्रक्रियाओं और अन्य तकनीकी हस्तक्षेपों को सुदृढ़ करके संगठन–व्यापक योजना विकसित की गई है।

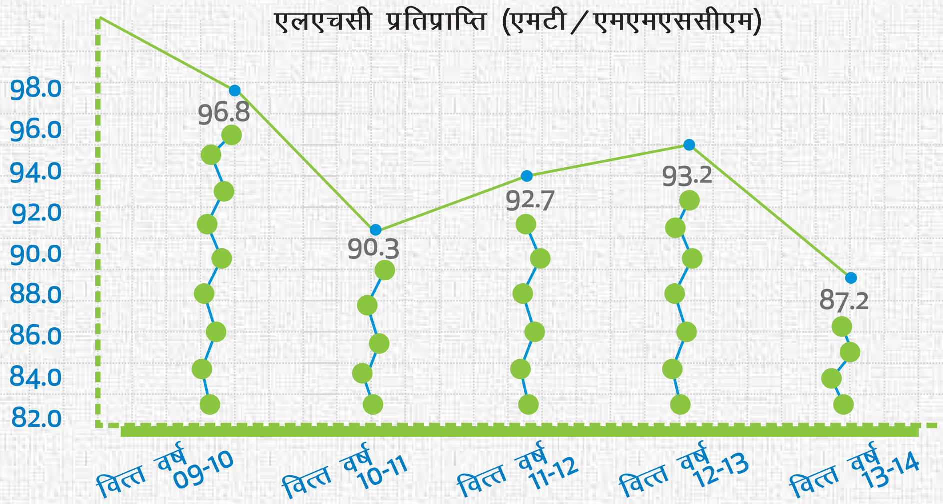

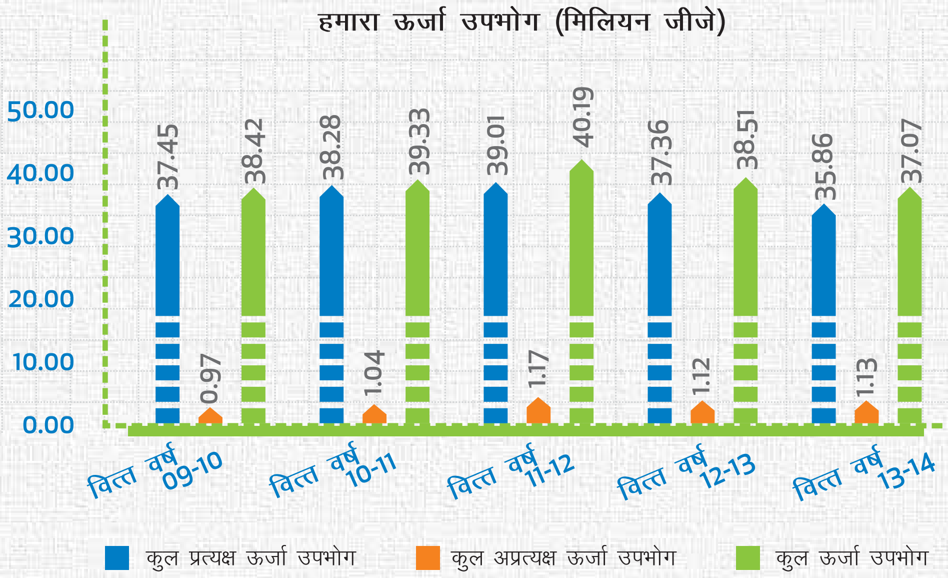

गेल में हम ऊर्जा की खपत को कम करने और अपने ऊर्जा खपत मिश्रण में नवीकरणीय ऊर्जा के हिस्से में सुधार करने के लिए विभिन्न पहलें करते हैं। ये पहलें गुणवत्ता वाली सर्किल परियोजनाओं के रूप में हैं जो अवस्थितियों में क्रियान्वित की जाती हैं। रिपोर्टिंग अवधि में 135 गुणवत्ता वाली सर्किल परियोजनाएं पूरी की गई थीं जिससे 4.91 करोड़ भारतीय रूपयों की बचत की जा सकी। वर्ष के दौरान पूरी की गई उल्लेखनीय परियोजनाओं पर नीचे चर्चा की गई है : –

ओ एण्ड एम दिबियापुर के तहत प्राकृतिक गैस आधारित बंद साइकिल वेपर टर्बो जेनरेटरों (सीसीवीटी) का सौर विद्युत द्वारा प्रतिस्थापन :

ओ एण्ड एम दिबियापुर के तहत छह आर आर स्टेशनों में 10केडब्ल्यूपी प्रत्येक की 6 सौर विद्युत वाली प्रणालियां चालू की गई हैं। आर आर स्टेशनों (अक्सर सुदूर स्थित) में सीसीवीटी संस्थापित उपकरणों को विद्युत पावर सप्लाई करने और इसके प्रचालनों के लिए प्राकृतिक गैस को जलाने के लिए प्रदान किए जाते हैं। वर्ष 2013–14 में दिबियापुर क्षेत्र के तहत पाइपलाइन में आरआर या आईपी या एसवी स्टेशनों में सीसीवीटी को प्रतिस्थापित करने के लिए सौर विद्युत प्रणाली संस्थापित करने का निर्णय लिया गया था। परियोजना पर कुल व्यय 98.30 लाख रूपए था। सौर पीवी संयंत्रों (प्रत्येक 10 केडब्ल्यूपी के 6) से विद्युत के 86400 यूनिट (केडब्ल्यूएच/वर्ष) उत्पादन होने की संभावना है जो मौजूदा प्राकृतिक गैस ईंधन पर प्रचालित विद्युत स्रोत के प्रतिस्थापन से सीओ2ई समकक्ष/वर्ष लगभग 1638 टन की बचत कर सकते हैं। इस नवीकरणीय ऊर्जा पहल से वित्त वर्ष 2013–14 में लगभग 0.265 एमएमएससीएम प्राकृतिक गैस की बचत का अनुमान लगाया गया है और इसका मूल्य 26.5 लाख रूपए है।

दिबियापुर कम्प्रेसर स्टेशन में ईंधन गैस की बचत

दिबियापुर कम्प्रेसर स्टेशन में उपलब्ध लीन गैस की शेष मात्रा को बूस्टर कम्प्रेसरों के डिस्चार्ज से ओरैया–आंवला पाइपलाइन में विपथित किया गया था जिसने सीरीज प्रचालन में प्राथमिक कम्प्रेसर डिस्चार्ज को बढ़ा दिया। तथापि, जुलाई, 2013 में पूरा किए गए नए अशोधन से उल्लिखित गैस की शेष मात्रा को प्राथमिक कम्प्रेसर से ही डिस्चार्ज को विपथित करना अब संभव है, आंवला की ओर विपथित की जाने वाली अपेक्षित शेष मात्रा के पुनः कम्प्रेशन से बचने के कारण बूस्टर कम्प्रेसर में ईंधन गैस की बचत हुई है। इस उपाय में जुलाई, 2013 से 73 लाख भारतीय रूपयों के मूल्य की लगभग 0.73 एमएमएससीएम प्राकृतिक गैस (~1500 टन सीओ2/वर्ष) की बचत करने में हमें समर्थ बनाया है।

हजीरा कम्प्रेसर स्टेशन में ऊर्जा बचाने की परियोजना

एक्सप्रेस फीडर बिछाने के लिए गेल द्वारा पूर्ण लागत साझा करने के आधार पर 11 केवी एक्सप्रेस फीडर के माध्यम से डीजीवीसीएल से विश्वसनीय ग्रिड विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के पश्चात हजीरा कम्प्रेसर स्टेशन का कुल विद्युत

भार जीटीजी के माध्यम से स्वयं के उत्पादन से ग्रिड विद्युत को बदला गया है। चूंकि दोनों जीटीजी कुल सम्बद्ध विद्युत भार के लिए तैयार किए गए हैं जो सामान्य चलने वाले भार का लगभग दुगना है, इसलिए जब जीटीजी चल रहे होते हैं तो किसी जीटीजी के निर्बाध प्रचालन के लिए न्यूनतम भार को सुनिश्चित किया जाना होता है।

तथापि, चूंकि ग्रिड पर भार के अंतरण ने कुछ विद्युत भार को छोड़ना संभव बनाया है जो भार की स्थिति के भाग में जीटीरजी के अस्थिर प्रचालन के लिए पहले संभव नहीं था। इस उपाय से लगभग 1.5 करोड़ भारतीय रूपए/प्रति वर्ष के बराबर लगभग 1920000 केडब्ल्यूएच/प्रति वर्ष (~1500 टन सीओ2/वर्ष) की बचत हुई है।

एलईडी लैम्प लगाना

वाघोडिया में एमएलएल लैम्पों के यूनिट क्षेत्र में एलईडी लैम्प द्वारा प्रतिस्थापन से लगभग 63,875 केडब्ल्यूएच प्रति वर्ष की विद्युत ऊर्जा की बचत प्राप्त होने की आशा है। गंधार में इसी प्रकार की परियोजना, जिसमें जीएलएस लैम्प को एलईडी लैम्प द्वारा प्रतिस्थापित किया गया था, प्रति लैम्प 14 वाट की ऊर्जा की बचत हुई जो 840 वाट प्रति दिन की बचत बनती है।

ऊर्जा कुशलता में सुधार के लिए एक अन्य पहल विजयपुर में मौजूदा अकुशल और सेवा न करने वाली वातानुकूलन प्रणाली को अत्यधिक कुशल और कम अनुरक्षण वाली वातानुकूलन प्रणाली के साथ प्रतिस्थापित करने के लिए की गई थी। इससे लगभग 7000 केडब्ल्यूएच की ऊर्जा की बचत और 56,000/– भारतीय रूपए की बचत हुई, इस प्रकार ऊर्जा कुशल और पर्यावरण में सुधार प्राप्त हुआ।

व्यवसाय सूचना प्रणाली (बीआईएस) की पहल

भारत सरकार के दिशानिर्देशों के अनुरूप गेल की निविदा वेबसाइट का पुनरूद्धार किया गया था और केन्द्रीय सार्वजनिक प्रापण (सीपीपी) पोर्टल से परस्पर सम्पर्क किया गया था। वास्तविक सत्यापन के लिए बारकोड आधारित प्रणाली क्रियान्वित की गई है। कार्यपालक प्रशिक्षणर्थियों के पदों के लिए आवेदन प्राप्त करने के लिए वेब आधारित ई–भर्ती प्रणाली विकसित की गई थी। आसूचना सुरक्षा प्रबंध प्रणाली (आईएसएमएस) आधारित आईएसओ 27001:2013 के कार्यान्वयन से संबंधित गतिविधियां और संकट प्रबंध योजना (सीएमपी) शुरू की गई है।

ई–सतत् विकास और

ई–बीआरआर मॉड्यूल

संगठन के व्यापक सतत् विकास आंकड़ा को ग्रहण करने के लिए वेब आधारित सतत् विकास आंकड़ा प्रबंध प्रणाली विकसित की गई है। इसने आंकड़ा प्रबंध प्रोसेस को आटोमेटिड कर दिया है जिसने आंकड़ा विश्लेषण के लिए समय साइकिल कम किया है, हस्त हस्तक्षेप में कटौती के कारण अशुद्धियों को न्यूनतम किया है, आंकड़ा खोजने और विश्वसनीयता में सुधार किया है जो इसे सतत् विकास आश्वासन के लिए तैयार करता है। प्रत्येक पहलू को स्वामी मॉनीटर कर सकता है और ऑनलाइन रिपोर्ट के माध्यम से तुलना और अनुमोदित कर सकता है। उपर्युक्त के अनुरूप सेबी बीआरआर, जीआरआई जी3.1 संकेतकों आदि की अपेक्षाओं के अनुसार सूचना ग्रहण करने के लिए एक अलग ई–व्यवसाय जिम्मेदारी रिपोर्टिंग (बीआरआर) मॉड्यूल भी विकसित किया गया है।

हमारा समझौता ज्ञापन

गेल (इंडिया) केन्द्रीय सार्वजनिक उद्यम होने के कारण सरकार के साथ अपने बाह्य समझौता ज्ञापन (एमओयू) दस्तावेज पर हस्ताक्षर करता है। एमओयू दोनों पक्षों के करार के उद्देश्यों और दायित्वों को स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करता है। एमओयू में वित्तीय (50 प्रतिशत) और गैर–वित्तीय पैरामीटर (50 प्रतिशत) पर परस्पर सहमत लक्ष्य शामिल होते हैं।

वित्त वर्ष 2013–14 में एमओयू के कुछ गैर–वित्तीय निष्पादन यहां दर्शाए गए हैं :

पद्धति	यूनिट	उत्कृष्ट लक्ष्य	प्राप्त किया गया लक्ष्य
संगठन के भीतर सीएसआर और सतत् विकास एजेंडे के अंतरीकरण में सेमिनार/कार्यशाला/प्रशिक्षणों के माध्यम से सीएसआर और एसडी पहलुओं पर वरिष्ठ प्रबंधन सहित कर्मचारियों को प्रशिक्षण	मानव घंटे	1700	1951.5
उत्पादित अपशिष्ट पेपर का रिसाइकिल	किलोग्राम	2000	2933.5
सौर विद्युत द्वारा एनजी पावर वाले सीसीवीटी को बदलना	कवर किए गए आरआर स्टेशनों की संख्या	5	5
नवीनतम जीआरआई मानकों के अनुसार बाह्य रूप से आश्वस्त सतत् विकास रिपोर्ट का प्रकाशन	दिनांक	30.09.2013	25.09.2013
मुख्य स्टेकहोल्डरों के साथ आयोजित बैठक/परामर्श	बैठकों की संख्या	4	4
3 स्थानों में परियोजना गेल आईएल एण्ड एफएस दक्षता स्कूलों के तहत शोषित ग्रामीण/अर्ध–ग्रामीण परिवारों के युवाओं को नौकरी से सम्बद्ध व्यावसायिक दक्षता प्रशिक्षण (जारी अग्रणी कार्यक्रम)	प्रशिक्षित युवाओं की संख्या	2000	2630
परियोजना गेल उत्कर्ष के तहत सुविधाहीन वर्ग के बच्चों के लिए आईआईटी/इंजीनियरी प्रवेश परीक्षा के लिए विशेष कोचिंग के लिए नामांकन (जारी फ्लेगशिप कार्यक्रम)	नामांकित बच्चों की संख्या	100	100
परियोजना जलधारा – जिला झाबुआ, मध्य प्रदेश के गांवों में एकीकृत वाटरशेड प्रबंध परियोजना	प्राप्त किए गए मील के पत्थरों की संख्या	6	6
पूर्ववर्ती वर्ष के पीएटी के प्रतिशत के रूप में सीएसआर और सतत् विकास गतिविधियों पर किया गया व्यय	प्रतिशत	1	1.54

पूर्ववर्ती वर्ष के पीएटी के प्रतिशत के रूप में आरएण्डडी व्यय	प्रतिशत	1.01	1.01
मिश्रित शुष्क रिफार्मिंग ओर मीथेन के आंशिक आक्सीकरण के माध्यम से सेनगैस के लिए आयनिक उत्प्रेरक का विकास (सीओ2 पर परियोजना)	मील के पत्थर	6	6
स्वास्थ्य सुरक्षा और पर्यावरण सूचकांक	प्रतिशत	98.5	99.06
उपभोक्ता संतुष्टि सूचकांक	प्रतिशत	88	92.03
कर्मचारियों के कौशल प्रोन्नयन के लिए प्रशिक्षण योजना का वास्तविकीकरण प्रतिशत	पूरा करने का प्रतिशत	95–100	100
कर्मचारी संघों के साथ ढांचागत बैठकों की संख्या	बैठकों की संख्या	10	11
कुल कर्मचारियों के प्रतिशत के रूप में संघर्षण	प्रतिशत	5	1.03
कर्मचारी लागत के प्रतिशत के रूप में प्रशिक्षण बजट	कर्मचारी लागत का प्रतिशत	1.5–2	4.71
प्रति कर्मचारी प्रशिक्षण दिवस	प्रति वर्ष प्रति कर्मचारी प्रशिक्षण दिवसों की संख्या	2	4.3
वरिष्ठ स्तर के कार्यपालकों के लिए जोखिम प्रबंधन पर प्रशिक्षण सत्र	मानव दिवस	40	54
कार्यपालकों में उत्तराधिकार योजना पर जागरूकता	मानव दिवस	60	96

वित्त वर्ष 2014–15 के गेल समझौता ज्ञापन (एमओयू) में एसडी पहलुओं के लक्ष्य

इस वर्ष भी हमने परियोजना जलधारा – जिला झाबुआ, मध्य प्रदेश के गांवों में एकीकृत वाटरशेड प्रबंध परियोजना, हमने भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में महिलाओं के नियोजन के लिए दक्षता प्रशिक्षण की योजना बनाई, परियोजना के तहत षोशित ग्रामीण/अर्ध–ग्रामीण परिवारों के 2500 युवाओं को नौकरी से सम्बद्ध व्यावसायिक दक्षता प्रशिक्षण सहित हमारी कुछ महत्वपूर्ण परियोजनाओं में लक्ष्य रखे। भविष्य में नेतृत्व की भूमिका के साथ–साथ उत्तराधिकार योजना के लिए वरिष्ठ स्तर के कार्यपालकों को सज्जित करने के उद्देश्य से पेशा विकास प्रशिक्षण में कवर किए जाने वाले वरिष्ठ स्तर के कार्यपालकों से समूह के 85 प्रतिशत लक्ष्य को प्राप्त किया।

गेल (इंडिया) लिमिटेड का नोएडा में प्रतिष्ठित नया कार्यालय हरित भवन

नोएडा में 22 मंजिला गेल जुबली टावर हरित भवन की ऊंचाई 118 मीटर है और यह आज की तारीख में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में एक सबसे ऊंचा भवन है। जुबली टावर एलईईडी हरित भवन मानकों का अनुपालन करता है और गेल को इसके लिए उच्चतम एलईईडी प्लाटिनम रेटिंग प्राप्त होने की आशा है। भवन की कुछ मुख्य विशेषताएं निम्न हैं :

- गैस इंजन जनरेटरों का प्रयोग करके कैपटिव विद्युत उत्पादन संयंत्र।
- वसूल किए गए अपशिष्ट ताप का वातानुकूलन प्रणाली को चलाने में प्रयोग किया जाता है।
- क्षेत्र के प्रकाश के लिए 30 किलोवाट का सौर विद्युत संयंत्र।

भवन का निर्माण केवल चार वर्ष में पूरा किया गया। निर्माण के दौरान लगभग 18,000 घन मीटर कंक्रीट और 2,300 मीट्रिक टन इस्पात की खपत की गई जिसके लिए 30 लाख मानक घंटे अपेक्षित थे। फ्लाई एश की ईटें और पर्यावरण के अनुकूल सीमेंट, लकड़ी और पेंट सामग्री का भी प्रयोग किया गया। भवन में जल–मल उपचार संयंत्र और वर्षा के पानी को एकत्रित करने की प्रणाली है और आस–पास के लिए शून्य जल उन्मुक्ति है।

नोएडा में 22 मंजिला गेल जुबली टावर हरित भवन

कर्मचारी

कर्मचारी हमारे व्यवसाय के मूल में रहते हैं। उनकी दृढ़ निश्चयी प्रतिबद्धता और संकल्प के जरिए ही हम ऊंचाइयों तक पहुंचे हैं। हमारा संकेन्द्रण न केवल वृद्धि और विकास के बेहतर अवसर प्रदान करके आदान–प्रदान पर रहता है अपितु बेहतर नीतियां और प्रणालियां बनाना है जो समृद्ध एवं उत्साहित कर्मचारियों को सुनिश्चित करके समर्थकारी पर्यावरण का सृजन करती हैं।

गेल, मानव संसाधन को बहुत अधिक महत्व देता है और इसे अपनी सबसे बड़ी परिसम्पत्ति समझता है। कर्मचारी कल्याण भी गेल के मानव संसाधन दृष्टिकोण कर एक मुख्य आधार है। गेल की मूल्य व्यवस्था में यह गहन विश्वास है कि कार्पोरेट की बढ़ोतरी एक तरह से कर्मचारी की ही बढ़ोतरी और विकास है। दूसरे शहरों में, गेल की बढ़ोतरी, प्रगति और बौद्धिक सक्षमता उसी संस्कार का रूप है जो इसने अपने कर्मचारियों में पैदा किया है। लगातार दूसरे वर्ष गेल को इक्नॉमिक टाइम्स के सर्वेक्षण में भारत की ऐसी शीर्ष 100 सर्वोत्तम कम्पनियों में रखा गया है जिसमें लोग काम करना पसंद करते हैं। इसी तर्क पूर्ण दृष्टिकोण के आधार पर, गेल ने जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने तथा काम और जीवन का संतुलन बनाए रखने के उद्देश्य से विभिन्न कल्याणकारी नीतियां बनाई हैं और क्रियन्वित की हैं। इनमें से कुछेक हैं प्रसव और पितृत्व अवकाश, विकलांगता अवकाश की व्यवस्था, कम्पनी आवास की व्यवस्था, गृह किराया भत्ता, मृत्यु राहत निधि, अधिवाषता संबंधी लाभ, स्वास्थ्य देखरेख सुविधाएं, और वित्तीय सहायता स्कीम।

गत वर्षों में गेल ने अपनी मानव संसाधन शक्ति के माध्यम से अनूठा कार्य स्थल परिवेश विकसित किया है :

- औचित्यपूर्ण कम कार्यबल
- युवा एवं अत्यधिक योग्य कार्मिक शक्ति
- विभिन्न कार्यों में उपयोगी सुविज्ञता
- सीखने की भावना वाला संगठन
- मुक्त एवं खुली संवाद प्रक्रिया
- वरिष्ठ नेतृत्व तक पंहुच

इन विशेषताओं के आधार पर गेल अपने कर्मचारियों के लिए विभिन्न उपाय करता है जो संरक्षण, संवितरण और संवर्धन के सिद्धान्त पर केन्द्रित होते हैं। इन उपायों में प्रसूति एवं शिशु देखभाल अवकाश नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम कर्मचारियों के साथ संवाद और विभिन्न साधनों के माध्यम से उन्हें भागीदार बनाना, गेल वॉयस प्रभावी निष्पादन मूल्यांकन, स्वास्थ्य एवं संरक्षा उपाय आदि शामिल हैं।

प्रशिक्षण और शिक्षा

हमारे काम के क्षेत्र को देखते हुए, यह अनिवार्य है कि हमारे कर्मचारी योग्य, प्रशिक्षित और ज्ञान, कौशल से सज्जित हो और उनमें उत्कृष्टता हासिल करने की सही सोच हो। इसलिए, गेल सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा को आकर्षित करने तथा उन्हें अपने कैरियर को शुरू करने का मंच प्रदान करने पर पूरा जोर देता है। गेल का एक पूरी तरह संघटित और ठोस प्रवेश कार्यक्रम है। इस अनुकूलन कार्यक्रम के भाग के रूप में नए भर्ती कार्मिक विभिन्न व्यापारिक कार्यों के प्रमुखों से बातचीत करते हैं जिससे उन्हें हमारे व्यापार और मूल्य श्रृंखला की ओर अधिक जानकारी मिलती है। नए भर्ती कार्मिकों के हमारी संस्कृति में अटूट समावेशन को आसान बनाने के लिए, हमने एग्जिक्यूटिव प्रशिक्षुओं के लिए संगठन में सदस्यता कार्यक्रम शुरू किया है, जिनमें उन्हें एक परामर्शदाता के अधीन रखा जाता है जो एक वरिष्ठ कार्यपालक होता है और वह उन्हें किसी भी निजी या व्यावसायिक मामले में सहायता करता है।

गेल में, हमारा विश्वास है कि सीखते रहना एक अनंत प्रक्रिया है और हमने उपयुक्त नीतियां तैयार की है ताकि कर्मचारी व्यवसायी बन सकें और अपनी क्षमता का पूरा उपयोग कर सकें। हमने गेल प्रशिक्षण केन्द्र (जीटीआई) में प्रत्येक कर्मचारी के कार्यात्म / प्रबंधन / व्यवहारगत विषय के क्षेत्रों में कम से कम दो दिन के प्रशिक्षण की व्यवस्था की है। प्रत्येक वर्ष के प्रारंभ में, कर्मचारी इन्टरनेट आधारित पोर्टल पर प्रशिक्षण आवश्यकता मूल्यांकन फार्म भरता है। हर स्तर के कर्मचारियों को कार्यात्मक और व्यवहारगत प्रशिक्षण देने के अलावा, कर्मचारियों को सम्मेलनों, सेमिनारों, कौशल संवर्धन कार्यशालाओं आदि के माध्यम से ज्ञान अर्जन का पर्याप्त अवसर दिया जाता है।

वरिष्ठ स्तरों पर एग्जिक्यूटिव के लिए नेतृत्व विकास कार्यक्रमों पर अत्यधिक बल दिया जाता है। वरिष्ठ स्तर पर प्रतिभा पूल का मूल्यांकन करने के लिए एग्जिक्यूटिव को 'विकास केन्द्रों' में भेजा जाता है। इस प्रक्रिया के जरिए चिन्हित विकास अन्तरालों को कार्यकारी विकास कार्यक्रम के जरिए और बारी–बारी से अन्य काम देकर और उच्च जिम्मेदारियां सौंप कर दूर किया जाता है। गेल प्रशिक्षण संस्थानों में कौशल प्रबंधन और आजीवन ज्ञानार्जन के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते है जो कर्मचारियों की सतत रोजगार योग्यता में सहायक होते हैं। इसके अलावा नेमी रूप से दूसरे कार्यों के प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते है जिनमें दूसरे कार्यक्षेत्रों के सहभागियों को अन्य कार्य क्षेत्रों की मूल जानकारी दी जाती है।

इन निर्धारित प्रशिक्षणों के अलावा, कर्मचारियों को ज्ञान आदान–प्रदान

कार्यक्रमों, आनलाइन प्रश्नोतरी और प्रतिस्पर्धी आयोजनों जिनमें विभिन्न अवसरों पर आयोजित सभी निरन्तर क्षमता बनाए रखने के सम्बद्ध सभी पहलू शामिल किए जाते हैं, के माध्यम से कार्यात्मक क्षेत्रों में सुरक्षा एवं कौशलों उन्नयन तथा व्यवहारगत पहलुओं से संबंधित जानकारियां दी जाती है। कर्मचारियों के लिए निरन्तर क्षमता बनाएं रखने के विभिन्न पहलुओं में कार्यशालाओं और सेमिनारों के रूप में अनेक क्षमता संवर्धन उपाय भी किए गए।

इसके अलावा, ऊर्जा डेस्क भी गेल कर्मचारियों को प्रबंधन की जानकारी और ज्ञान के प्रसार के रूप में एक उपाय का काम करते हैं। ऊर्जा के डेस्क पोर्टल में विभिन्न विशेषताएं है जैसे रीयल टाइम ऊर्जा मूल्य, व्यापार एवं बाजार विकास की छोटी–छोटी जानकारियां, ऊर्जा केलकुलेटर, ऊर्जा संबंधी बुनियादी ढांचे के मानचित्र आदि।

श्रमिक संबंध और प्रक्रियाएं

गेल यह तथ्य स्वीकार करता है कि श्रमिकों और कर्मचारियों के स्वस्थ संबंध गेल की प्रगति और सफलता के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण हैं। इससे हमें उत्पादकता बढ़ाने, औद्योगिक विवाद कम करने, और कार्यबल ऊंचा मनोबल बनाए रखने में सहायता करते हैं। इन उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए गेल ने गेल भर्ती नीति, कर्मचारी की सेवाकाल के दौरान मृत्यु/सम्पूर्ण/स्थायी विकलांगता (टीपीडी) की स्थिति में वित्तीय सहायता, निर्धारित गेल कर्मचारी (आचरण अनुशासन एवं अपील) नियमावली के तहत अधिवार्षिता संबंधी लाभ स्कीम आदि जैसी नीतियां पारित की हैं। गेल का मानव संसाधन (एचआर) विभाग भी लोक उद्यम विभाग और अन्य सरकारी एजेंसियों द्वारा जारी अन्य मार्गदर्शी सिद्धान्तों और निर्देशों का पालन करता है।

गेल में एचआर विभाग का उद्देश्य विभिन्न जारी उपायों के जरिए कर्मचारियों के साथ निरन्तर मेलजोल बनाए रखना है। गेल ने एक ऑनलाइन शिकायत निवारण तंत्र स्थापित किया है जो एचआर दल की देखरेख में काम करता है। यह ऑनलाइन तन्त्र गेल में ही विकसित किया गया है जिसमें विशेषताओं का स्वतः उन्नयन होता रहता है जिससे यदि कर्मचारी द्वारा दायर शिकायत निवारण निर्धारित अवधि के भीत्तर नहीं होता है तो वह एचआर प्रभारी से कार्पोरेट एचआर, वहां से माह और अंत में निदेशक एचआर के पास पहुंच जाती है।

संविदा आधार पर नियुक्त कामगारों को कर्मचारी प्रतिपूर्ति अधिनियम, 1923 के तहत रखा गया है और मृत्यु/विकलांगता लाभ देने के लिए संविदाकार द्वारा नियमित आधार पर बीमा पॉलिसी ली जाती है। राज्य कर्मचारी बीमा अधिनियम, 1948 के अनुसार संविदागत कामगारों को लाभ प्राप्त करने के लिए अनिवार्यतः सदस्य बनना होता है।

खेल को प्रोत्साहन

अधिक से अधिक कर्मचारियों को खेल टूर्नामेंट में भाग लेने का अवसर देने के प्रयास में, गेल अखिल भारतीय आधार पर वार्षिक खेल प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन करता है जिससें अलग–अलग जगहों के कर्मचारियों को एक साथ आने और बेहतर तालमेल बनाने का अवसर मिलता है। गेल, संगठन के अन्दर खेलों को बढ़ावा देने के साथ–साथ संगठन से बाहर भी खेलों और खिलाड़ियों को सहायता देने और उनका संवर्धन करने के लिए अनेक उपाय करता रहा है पेट्रोलियम खेल संवर्धन बोर्ड (पीएसपीबी) टूर्नामेंट में भाग लेना एक ऐसा ही महत्वपूर्ण मंच है। गेल (इण्डिया) लिमिटेड द्वारा 34वीं पीएसपीबी इन्टर यूनिट गोल्फ चैम्पियनशिप की मेजबानी की गई। इस आयोजन से तेल क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों के शीर्ष ऐम्टर गोल्फ खिलाड़ियों को एक साथ आने का मौका मिला।

खेल की संस्कृति को बढ़ावा देने और संविदागत कामगारों का मनोबल बढ़ाने के उद्देश्य से गेल के विभिन्न स्थलों पर विशेष क्रियाकलाप आयोजित किए जाते हैं।

व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं संरक्षा

जिम्मेदार कार्पोरेट नागरिक होने से गेल अपने कर्मचारियों, परिसम्पत्तियों और अपने सभी हितधारकों की संरक्षा को बहुत अधिक महत्व देता है। गेल में व्यापक एचएसई नीति (अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित) विद्यमान है। हम एचएसई नीति के प्रभावी क्रियान्वयन में तथा एचएसई संस्कृति का संवर्धन करने में प्रत्येक कर्मचारी की भागीदारी प्रोत्साहित करते हैं। संरक्षा प्रबंधन प्रणाली के क्रियान्वयन की बोर्ड की एचएसई उप समिति द्वारा नियमित आधार पर निगरानी की जाती है वरिष्ठ प्रबंधन मौजूदा सुरक्षा प्रक्रियाओं की निरन्तर निगरानी और समीक्षा करता है ताकि अनवरत आधार पर सक्रिय कारवाई की जा सके। समीक्षाधीन अवधि के दौरान व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा पर निम्नलिखित प्रमुख उपाय किए गए हैं:

- सीपीयू और पेट्रोलियम प्लांट में व्यवहार आधारित संरक्षा दृष्टिकोण का क्रियान्वयन।
- बाह्य हितधारकों और भावी व्यावसायिक साझेदारों को गेल में एचएसई का महत्व दर्शाने के लिए एक कार्पोरेट फिल्म तैयार की गई और उसे वार्षिक एचएसई कार्यशाला के दौरान दिखाया गया।
- मानक प्रचालन प्रक्रियाओं पर मॉडल फिल्म तैयार की गई।
- गेल प्रतिष्ठानों में अमूल्य मानव जीवन को बचाने पर पूरा ध्यान केन्द्रित करने के उद्देश्य से जानलेवा दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों का आकलन करने के लिए पूर्व की घटनाओं का विश्लेषण किया गया, पता लगे प्रमुख कारणों को केन्द्रित अभियान के विषय के रूप में लिया गया और इन पर जनवरी, 2014 से जीवन बचाव स्कीम शुरू की गई।
- एचएसई प्रबंधन प्रणाली की प्रभावकारिता सुनिश्चित करने के लिए वर्ष 2013–14 में 25 तृतीय पक्ष संरक्षा लेखा–परीक्षाएं आयोजित की गई। विभिन्न स्तरों पर प्रबंधन समीक्षा के परिणामस्वरूप वर्ष के दौरान सतत निगरानी एवं अनुवर्ती कार्रवाई, बाह्य सुरक्षा लेखा परीक्षा अनुपालनों का स्तर बढ़कर 91.31 प्रतिशत हो गया।

सभी प्रतिष्ठानों में नियमित निगरानी और नियमित सुरक्षा प्रशिक्षणों और वार्ताओं के जरिए यह सुनिश्चित किया जाता है कि सभी संविदागत कामगार निजी सुरक्षा उपकरण डालते हैं, कम्पनी के सभी प्रतिष्ठानों में सभी संविदागत कामगारों को सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर जानकारी दी जाती है। इसके अलावा, कार्पोरेट एचएसई विभाग द्वारा समय–समय पर की जाने वाली सुरक्षा लेखा–परीक्षा में संविदागत कामगारों के स्वास्थ्य और सुरक्षा मुद्दों की समाधान भी किया जाता है।

एचएसई के निष्पादन के रुझान (गत पांच वर्षों का एचएसई सूचकांक)

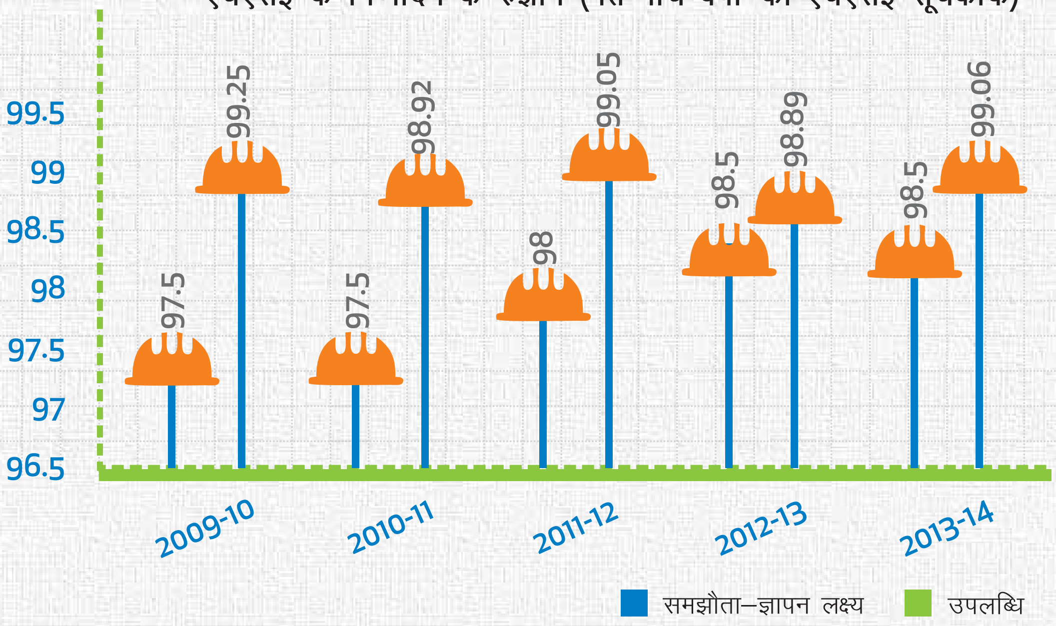

कुछ मुख्य संरक्षा उपाय

व्यवहार आधारित संरक्षा

गेल ने ब्रिटिश सुरक्षा परिषद के ''सुरक्षा नेतृत्व सत्र'' से प्रेरित हो कर अपने सभी प्रतिष्ठानों में व्यवहार आधारित सुरक्षा (बीबीएस) के क्रियान्वयन का अभियान शुरू किया। विशिष्ट रूप से व्यवहारगत तरीकों से संबंधित अलग–अलग घटनाओं के परिणामस्वरूप व्यवहार आधारित संरक्षा का सुझाव गत वर्ष की वार्षिक एचएसई कार्यशाला में हुए विचार –विमर्श के दौरान प्रबंधन द्वारा प्रस्तुत किया गया था। तदनुसार, व्यवहार आधारित संरक्षा के क्रियान्वयन के लिए संचालन समिति और कार्यबल गठित किया गया। वर्ष 2013–14 के दौरान, उसर, गंधार, वघोडिया, विजयपुर और पाता सहित प्रमुख प्रोसेस प्लांटों में व्यवहार आधारित संरक्षा क्रियान्वित की गई है।

मुक्त मार्ग पहचान प्रणाली की संस्थापना

डीयूपीएल और डीपीपीएल में आरएलएनजी पाइपलांइन के अंतर्गत टर्मिनलों में स्थिर मुक्त मार्ग गैस पहचान प्रणाली है, लेकिन कुछ पुराने एपीएम टर्मिनलों में, स्थिर गैस पहचान प्रणाली की कोई व्यवस्था नहीं थी। आपरेटरों द्वारा गैस रिसाव का पता सुवाह्य हस्तधारित गैस खोजी उपकरणों के जरिए प्रत्येक शिफ्ट में हाथ से लगाया जाता था। पुराने एपीएम टर्मिनलों के लिए प्रस्तावित मुक्त मार्ग खोजी उपकरण (ओपीडी) ऐसी मुक्त मार्ग इन्फ्रोरेड गैस खोजी प्रणाली है जिससे 5 से 120 मीटर की दूरी पर ज्वलनशील हाइड्रोकार्बन कन्सेंट्रशनों की सतत निगरानी की जा सकती है और यह संबंधित स्टेशनों और इससे टर्मिनलों के नियन्त्रण कक्षों में लगे पैनल पर अलार्म बजता है। इसके परिणामस्वरूप कार्यस्थल सुरक्षित हो गया है।

मानक प्रचालन प्रक्रियाओं पर मॉडल फिल्म

कौशलों और ज्ञान का उन्नयन करने के लिए ओएण्ड एम कार्मिकों को, और अधिक सुरक्षा के लिए मानक प्रचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के बारे में प्रशिक्षण देने के लिए जीपीयू, वधोडिया की मानक प्रचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) पर एक मॉडल ऐनिमेटेड फिल्म बनाई गई।

चिकित्सा कार्यक्रम

गेल कर्मचारियों उनके परिवार के सदस्यों और आवसाय के ग्रामवासियों का उत्तम स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए, कम्पनी अपने सभी केन्द्रों में विभिन्न चिकित्सा कार्यक्रम आयोजित करती है। वित्त वर्ष 2013–14 के लिए, आन्त्रशोथ रोगों अस्थि भंगुरता रोग पर स्वास्थ्य शिविरों सहित अनेक स्वास्थ्य जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किए गए और गेल, पाता एवं दिबियापुर में राष्ट्रीय पल्स पोलियो कार्यक्रम आयोजित किए गए।

विविधता और समान अवसर

गेल ऐसा 'समान अवसर प्रदाता' नियोक्ता है जो विविधता को बढ़ावा देती है और अपने कार्यबल से इसे सुदृढ़ करता है। गेल 'समान परिश्रमिक अधिनियम, 1976 का पालन करता है और मजदूरी में लिंग के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जाता है। कम्पनी की एचआर नीतियां अधिसूचित की जाती है और सभी कर्मचारियों की सूचना के लिए ई–मेल, परिपत्रों, एचआर हैण्डबुक, कार्मिक मैनुअल और कर्मचारी फार्मों जैसे माध्यमों से इनका व्यापक प्रचार प्रसार किया जाता है।

गेल की कार्यस्थल में यौन उत्पीड़न को रोकने की सुपरिभाषित नीति है। वित्त वर्ष 2013–14 में, 'कार्य स्थल में महिलाओं के यौन उत्पीड़न रोकथाम, निषेद्ध व निवारण नीति की अधिसूचना के बाद समर्पित आन्तरिक शिकायत समिति गठित की गई और इस नीति को निम्नलिखित वेबलिंक पर व्यापक रूप से सभी हितधारकों की सूचना के लिए उपलब्ध करवाया गया।

http://www.gailonline.com/final site/pdf/Sexual_rassmentWomen_ Workplace.pdf.

अब गेल कार्य स्थलों में इस प्रकार की घटनाओं को रोकने के लिए ''आचरण, अनुशासन एवं अपील'' (सीडीए) नियमावली और प्रमाणित स्थायी आदेशों में संगत संशोधन समाविष्ट करने की प्रक्रिया में है। महिला कर्मचारियों के अभ्यावेदनों को उचित महत्व देने के उद्देश्य से, गेल ने एक महिला प्रकोष्ठ स्थापित किया है जो योजनाबद्ध स्कीमों के अन्य कार्यक्रमों की समीक्षा करने के लिए जिम्मेदार है। गेल का महिला प्रकोष्ठ महिलाओं के विकास के निमित राष्ट्रीय महिला आयोग, स्कोप और सार्वजनिक क्षेत्र में महिला (डब्ल्यूआईपीएस) मंचों के साथ समन्वय भी करता है।

विविधता को बढावा देने के सिद्धान्त के अनुरूप, गेल प्रबंधन ने गेल में महिलाओं की प्रशासनिक सेवाओं तथा इस संगठन की समग्र बढ़ौतरी में उनके योगदान के लिए उनके लिए तीन पुरस्कार शुरू किए हैं। इन पुरस्कारों का उद्देश्य उत्कृष्ट महिला कर्मचारियों की कार्यात्मक प्रबंधन, कार्पोरेट सामाजिक पहल, आदि कार्पोरेट सांस्कृतिक पहल में सेवाओं के लिए उन्हें सम्मान देना और प्रोत्साहित करना है।

मानवाधिकार

गेल सदैव सभी के लिए मानव अधिकारों का दृढ़ समर्थक और प्रचारक रहा है। यह न केवल इस देश के कानूनों (जैसे श्रमिक प्रक्रियाओं, बाल श्रम, जबरन श्रम, कार्य के परिवेश आदि से संबंधित कानून) का पालन करता है अपितु यह अन्तर्राष्ट्रीय विधेयकों तथा सन्धियों के

तहत अन्य स्वैच्छिक करारों के प्रति भी वचनबद्ध हैं।

गेल ने संयुक्त राष्ट्र वैश्विक करार पर भी हस्ताक्षर किए हैं। जिसमें मानव अधिकारों पर विशिष्ट केन्द्रित ध्यान दिया गया है। गेल मानव अधिकारों के पहलुओं से संबंधित नीतियों और प्रक्रियाओं को बहुत महत्व देता है। संगठन के नीतिगत ढांचे में मानव अधिकारों के घटकों को समाहित किया गया है। श्रम कारणों और आउटसोर्सिंग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, गेल प्रशिक्षण संस्थान द्वारा संचालित ऐसे कार्यक्रम है जिनमें मानव अधिकारों के लगभग सभी प्रमुख पहलुओं को शामिल किया गया है। ऐसे कार्यक्रम वार्षिक प्रशिक्षण योजना के भाग के रूप में चलाए जाते हैं और उन कार्यपालकों को प्रत्येक वर्ष विषयगत पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया जाता है जो आउटसोर्सिंग से जुड़े हैं। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान इस क्षेत्र में संबंधित विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया और 22 कार्यपालकों (352 मानव–घंटे) को मानव अधिकारों के घटकों के साथ श्रम कानूनों और आउटसोर्सिंग पर प्रशिक्षण दिया गया।

हमारे सभी करारों में एक ऐसा खण्ड रखा गया है जिसमें अपने क्रेताओं, आपूर्तिकर्ताओं और संविदाकारों से मानव अधिकारों सहित सभी लागू भारतीय कानूनों और विनियमों का पालन करने की वचनबद्वता देने की अपेक्षा की गई है।

मानवाधिकारों का मुद्दा, उत्तम कार्पोरेट नागरिकता और स्वस्थ लाभ का केन्द्र बिन्दु है। व्यापारिक कार्यों में लगातार उस प्रभाव पर विशेष केन्द्रित ध्यान दिया जा रहा है जो वे व्यक्तियों, समुदायों और परिवेश पर डालते हैं। यह स्पष्ट है कि कम्पनी की सामाजिक जिम्मेदारी का एक मुख्य उपाय मानव अधिकारों के प्रति इसका सम्मान भी है। सभी कर्मचारियों को कम्पनी में प्रवेश करने पर गेल के सीडीए नियमों का प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे इन पहलुओं पर अपनी समझ विकसित कर सकें। गेल अपने किसी भी प्रचालन कार्य में बाल या जबरन श्रम के बारे में किसी तरह का कोई समझौता न करने के सिद्धान्त पर चलता है।

बाल श्रम

बाल श्रम एक ऐसी चुनौती है जो किसी भी राष्ट्र के विकास में बाधा पैदा करती है। हम यह सुनिश्चित करने की दिशा में कार्यरत हैं कि हमारे किसी भी प्रचालन कार्य में किसी भी बाल श्रमिक को नहीं लगाया गया है। यह सुनिश्चित करने के लिए कम्पनी में भर्ती होने वाले प्रत्येक कर्मचारी से आयु का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के लिए अनिवार्यतः कहा जाता है। इसके अलावा, कम्पनी बच्चों की सामाजिक परिस्थितियों में सुधार करने के लिए सक्रिय रूप से योगदान देकर बाल श्रम का उन्मूलन करने के उद्देश्य से सक्रियता से काम करने के प्रति वचनबद्ध है। इस उद्देश्य के संवर्धन हेतु, हम अपने आपूर्तिकर्ताओं को भी इस बात के लिए प्रोत्साहित करते है कि वे बाल श्रम रोधी नीति पर काम करें।

बलात और बाध्यकर श्रम

भारत में बाल श्रम की तरह ही जबरन और बाध्यकर श्रम भी कानूनी रूप से निषेद्ध है। गेल इन कानूनों का कड़ाई से पालन करता है और किसी भी तरह जबरन और बाध्यकर श्रम का समर्थन नहीं करता है और इसने इस तरह के श्रम को रोकना सुनिश्चित करने की प्रणाली विकसित करके उसे क्रियान्वित किया है।

हालांकि ऐसी प्रचालन कार्यों का पता लगाने के लिए कोई औपचारिक/विशिष्ट पहल नहीं की गई है जिनमें बाल श्रम या जबरन और बाध्यकर श्रम को जोखिम हो, फिर से समीक्षाधीन वर्ष में बाल श्रमिकों या जबरन या बाध्यकारी ढंग से श्रमिकों का काम पर रखने को कोई भी मामला अधिकारिक रूप से सामने नहीं आया है। प्रत्येक स्थल पर संबंधित कार्यपालक यह सुनिश्चित करता है कि संगत कानूनों का पालन किया गया है।

गेल में सामाजिक उत्तरदायित्व (एसए) 8000 का क्रियान्वयन

गेल ने अपने सामाजिक ढांचे का सुदृढ़ीकरण करने तथा हितधारकों के प्रति उत्तरदायित्व को बढ़ाने के उद्देश्य से सामाजिक उत्तरदायित्व (एसए) मानक को क्रियान्वयन शुरू करने का निर्णय किया गेल में एसए 8000 के चरणबद्ध तरीके से क्रियान्वयन के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की आन्तरिक उप समिति गठित की गई। इस मानक के क्रियान्वयन के लिए गेल हजिरा को एक प्रायोगिक स्थल के रूप में लिया जाएगा। इस मानक में बाल श्रम, जबरन और बाध्यकर श्रम, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा, सम्बद्धता की स्वतन्त्र और सामूहित सौदेबाजी के अधिकार, भेदभाव,

अनुशासनिक प्रक्रियाओं कार्य के समय, और पारिश्रमिक से संबंधित क्षेत्र शामिल होंगे।

गेल अपने आपूर्तिकर्ताओं में मानव अधिकारों का प्रचार करता है और उनसे काम की आयु, न्यूनतम मजदूरी, महिलाओं और पुरूषों के लिए समान मजदूरी, कामगारों के लिए स्वास्थ्य और सफाई व्यवस्था संबंधी विशिष्ट शर्तों का पालन करने की अपेक्षा करता है, कामगारों से बातचीत के दौरान सी एण्ड पी संविदाओं में बाल श्रम और जबरन श्रम पर मानक खण्ड समाविष्ट किए जाते हैं। मानव अधिकारों का सम्मान करने के लिए सभी कामगार संविदाओं और करारों में इन खण्डों को समाहित किया गया है।

कोई भेदभाव नहीं

गेल का उद्देश्य जिम्मेदारी से अपना कारोबार करता है और यह जाति, रंग, धर्म, लिंग या ऐसे किसी भी आधार पर कर्मचारियों में भेदभाव नहीं करता है। यह एक ही काम के लिए अपने पुरूष व महिला कर्मचारियों को समान लाभ देता हैं। कम्पनी यह भी सुनिश्चित करती है कि भर्ती/आजीविका विकास/मूल्यांकन प्रक्रिया के दौरान किसी तरह का कोई भेदभाव नहीं किया जाता है।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान, बाल श्रम/जबरन श्रम/अनैच्छिक श्रम, यौन उत्पीड़न या भेदभाव पूर्ण रोजगार के संबंध में कोई शिकायत दर्ज नहीं हुई। तथापि, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा औद्योगिक दुर्घटना से संबंधित एक मामला गेल के सामने लाया गया। यह मामला मानव अधिकारों से संबंधित शिकायत की श्रेणी में नहीं आता परन्तु यह फैक्टरी अधिनियम, 1948 के तहत आता है। तदनुसार, फैक्टरी अधिनियम के तहत आवश्यक अनुपालन किया जा रहा है। तथापि, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को संगत तथ्य उपलब्ध करवाकर उसे उत्तर दे दिया गया है।

एसोसिएशन बनाने की स्वतन्त्रता और सामूहिक बातचीत करने का अधिकार

गेल कर्मचारियों के एसोसिएशन बनाने की स्वतन्त्रता और सामूहिक बातचीत करने के अधिकार का सम्मान करता है। कम्पनी उन यूनियनों को मान्यता देती है जो अपने–अपने कामगारों/स्टाफ के हितों का प्रतिनिधित्व करती हैं। गेल कर्मचारी एसोसिएशन (जीईए) देश भर में कार्पोरेट कार्यालय को छोड़कर विभिन्न फील्ड कार्यालयों/प्लांटों/प्रतिष्ठानों में तैनात गैर–एग्जिक्यूटिव का प्रतिनिधि निकाय है। कार्पोरेट कार्यालय में तैनात गैर–एग्जिक्यूटिव का प्रतिनिधि निकाय गेल कर्मचारी संघ (जीकेएस) है। विभिन्न समूहों, कार्यों और कार्य केन्द्रों से नामित वरिष्ठ स्तर के एग्जिक्यूटिव की एक समिति कार्पोरेट स्तर पर एसोसिएशन के साथ चल रहे विभिन्न मुद्दों की देखरेख करती है जबकि कार्य केन्द्र स्तर पर समिति में प्रभारी अधिकारी एचआर और अन्य विभागों के अध्यक्ष होते हैं। इस समय गेल के लगभग 21 प्रतिशत कर्मचारी सामूहित बातचीत करारों के तहत शामिल हैं।

कर्मचारी समूहों के साथ विचार–विमर्श कार्य केन्द्र और कार्पोरेट, दोनों स्तरों पर मासिक/द्विमासिक/तिमाही बैठकों के माध्यम से किए जाते हैं। विभिन्न कार्य केन्द्रों में आयोजित विचार–विमर्शों के रिकार्ड नोटों को निदेशक (एचआर) द्वारा प्रभावी निगरानी हेतु मासिक आधार पर कार्पोरेट कार्यालय में एकत्र किया जाता है।

प्रसार के रूप में एक उपाय का काम करते हैं।

गेल की वचनबद्धता पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के साथ वित्त वर्ष 2013–14 के लिए इसके समझौता ज्ञापन

सुरक्षा जागरूकता सप्ताह के दौरान गेल वघोडिया ओआईसी विजेता ट्रॉफी प्राप्त करते हुए

में परिलक्षित थी। जिसमें कर्मचारी एसोसिएशनों के साथ 10 सुनियोजित बैठकों किया जाना निर्धारित था। प्रबंधन में कर्मचारियों की सहभागिता और निर्णय निर्माण प्रक्रिया में उनका प्रभावी समावेशन कम्पनी के सिद्धान्त का अभिन्न अंग रहा है। गेल में संगठनात्मक निर्णय निर्माण में कर्मचारियों की सहभागिता बढाने और कर्मचारी कल्याण से संबंधित मुद्दों पर अनेक मंच हैं।

सुरक्षा प्रक्रियाएं

हालांकि सुरक्षा जोखिमों को पूरी तरह दूर नहीं किया जा सकता, फिर भी गेल का मानना है कि इन्हें हमेशा और अधिक प्रभावी तरके से नियन्त्रित किया जा सकता है।

गेल के गैस पाइपलाइन, संसाधन यूनिटों और एक बड़े भूभाग में फैले अन्य प्रतिष्ठानों के व्यापक नेटवर्क को देखते हुए, ऐसे जोखिम गेल के लिए गंभीर महत्व रखते है और इन्हें संगठन के लिए महत्वपूर्ण होना भी माना गया है। गेल विरोध प्रदर्शनों, तोडफोड के प्रयासों और यहां तक कि संभावित आतंकी हमलों के रूप में उत्पन्न होने वाले ऐसे जोखिमों को दूर करने की दिशा में व्यापक उपाय करता है। हमने आपने प्रचालन कार्यों में इन संभावित जोखिमों से निपटने के लिए बहुत भारी प्रयास किए है, जिनका मूल्य वित्त वर्ष 2012–2013 में निवेश किए गए 68.43 करोड़ रुपए की तुलना में वित्त वर्ष 2013–14 में काफी बढ़कर 83.78 करोड़ रुपए हो गया।

विशेष रूप से प्रशिक्षित कार्मिकों द्वारा व्यवस्थित सुरक्षा जांचों के माध्यम से गेल ऐसे किसी भी दुर्भावनापूर्ण कार्य को ध्यान में रखते हुए अपनी प्रभावकारिता की निरन्तर निगरानी रखता है और इसका मूल्यांकन करता है और अपने कार्मिकों तथा प्रचालन कार्यों की रक्षा और सुरक्षा की व्यवस्था करने के लिए तरह–तरह के निवारक उपाय करता है।

महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे प्रचालक के रूप में गेल कम्पनी, उसके कार्मिकों और प्रतिष्ठानों को संभावित सुरक्षा खतरों की पहचान करने, उनका पता लगाने, उन्हें रोकने, निवारण करने और उन्हें दूर करने के लिए अपने हितधारकों (जैसे सरकारी एजेंसियां, समकक्ष कम्पनियां, समुदाय आदि) के साथ मिलकर काम करता है।

गेल का सुरक्षा दल पुनर्वास महानिदेशालय, भूतपूर्व सैनिक विभाग (रक्षा मंत्रालय), भारत सरकार के माध्यम से भर्ती किए गए केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) कार्मिकों और भूतपूर्व सैनिकों के साथ मिलकर अपने सभी प्रतिष्ठानों और पाइपलाइनों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है।

अपने प्रतिष्ठानों को सुरक्षित करने के उद्देश्य से हम यह सुनिश्चित करते हैं कि इसने मानव अधिकारों, निजी निजता, मानवीय और आदरपूर्ण व्यवहार से कोई समझौता नहीं किया है। इस उद्देश्य से हम मानव अधिकारों के पहलुओं के संबंध में अपने सुरक्षा कार्मिकों के लिए विभिन्न लागू राष्ट्रीय और अन्तराष्ट्रीय मानव अधिकार मानदण्डों को शामिल करके एक व्यापक प्रशिक्षण माड्यूल तैयार कर रहे है।

वित्त वर्ष 2013–14 में 95 प्रतिशत नियमित सुरक्षा कार्मिकों ने प्रशिक्षण लिया और 90 प्रतिशत सविदा सुरक्षा गार्डों में सुरक्षा के बारे में समझ पैदा की गई। मानव अधिकारों के बारे में जानकारी का प्रसार करने और इस विषय के बारे में सुरक्षा एग्जिक्यूटिवों में सुरक्षा की समझ पैदा करने के लिए हमने जीटीआई, नोएडा में सुरक्षा समीक्षा बैठक के दौरान सुरक्षा कार्मिकों के लिए मानव अधिकारों और सुरक्षा पर सहक्रियाशील कार्यशाला आयोजित की।

समुदाय/समाज

समय के साथ–साथ नागरिक समाज व्यापार से जो आशा करता है वह सामने आया है। व्यापारिक प्रतिष्ठानों के लिए उस समुदाय में व्यापक मुद्दों और सरोकारों को समझना जरूरी है जिनमें वे अपना प्रचालन करते हैं। व्यापार की सफलता उस सहारे पर निर्भर करती है जो उसे समाज से मिलता है। बदलते समय को ध्यान में रखते हुए हमने समुदाय चिंताओं को दूर करने हेतु उपाय करने के लिए कड़े तंत्र और प्रक्रियाएं बनाई है।

हमारे कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) का प्राथमिक उद्देश्य उस समाज को विभिन्न उपायों के माध्यम से और अधिक महत्व देना है जिसमें यह अपने प्रचालन कार्यकर्ता है। सार्वजनिक क्षेत्र का एक उपक्रम होने की हैसियत से गेल लोक उद्यम विभाग द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुरूप अपने सीएसआर क्रियाकलाप चलाता है। इन दिशा–निर्देशों के अनुसार गेल ने गत वर्ष के कर बाद लाभ का 2 प्रतिशत वार्षिक बजट सीएसआर क्रियाकलापों के लिए आबंटित किया है। वित्त वर्ष 2013– 14 के लिए गेल ने सीएसआर क्रियाकलापों के लिए 91 करोड़ रू. से अधिक आबंटित किए जिसमें गत वित्त वर्ष की अव्ययित और अप्रयुक्त राशि भी शामिल थी। इस समय गेल के साथ प्रमुख कार्य क्षेत्र है जो गेल के कारोबारी प्रचालनों और समुदाय तथा लोगों के प्रति इसकी सामाजिक जिम्मेदारी को ध्यान में रखते हुए निर्धारित किए गए हैं। इन सीएसआर उपायों/परियोजनाओं का विश्लेषण इनके निरन्तर बने रहने की क्षमता और उस महत्व के आधार पर किया जाता है जो ये समुदायों को प्रदान करते है। समुदाय की अपेक्षाओं को प्रभावी ढंग से पूरा करने और इन उपायों को लागू करने के उद्देश्य से हमने सीएसआर नीति तैयार की है।

गेल के सीएसआर क्रियाकलाप के 7 प्रमुख कार्यक्षेत्र

- **समुदाय विकास** के क्षेत्र में कुछ मुख्य उपायों में उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के विभिन्न गांवों और अधिसूचित पिछडे गांवों में कंकरीट और सीमेंट की सड़कों का निर्माण, हैण्डपम्प और टयूबवेल लगाना तथा विकेन्द्रीकृत उर्जा स्रोत की संस्थापना और संर्वधन शामिल है।

- **बुनियादी ढांचा :** ग्रामीण बुनियादी ढांचे में तेल निवेश उन समुदायों के कल्याण से प्रेरित है जो इसके कार्य केन्द्रों के निकट रहते है। इनमें गांव गोद लेने के कार्यक्रमों, समुदाय केन्द्रों के निर्माण, समुदाय शौचालयों, चेक बांधों, और समुदाय के व्यापक लाभार्थ स्कूल भवन और पुस्तकालयों की व्यवस्था जैसी प्रयोजनाएं शामिल है।

- **स्वास्थ्य देखरेख/चिकित्साः** गेल की 'परियोजना आरोग्य', जो औरेया (उत्तर प्रदेश, गुणा, झबुआ और खेडा (उज्जैन, मध्य प्रदेश) के विभिन्न गांवों में सचल चिकित्सा यूनिटें चला कर प्राथमिक स्वास्थ्य देखरेख प्रणाली प्रदायगी में अन्तरालों को दूर करती है, में स्वास्थ्य देखरेख के महत्वपूर्ण क्षेत्र और उपेक्षित वर्ग के जीवनों में ऐसी देखरेख के महत्व पर ध्यान दिया गया है। वर्ष 2013 –14 में 6 नई वैन शुरू की गई है जो कैलरस (मोरेना, मध्य प्रदेश) छैंसा (फरीदाबाद, हरियाणा) हरिद्वार (उत्तराखण्ड), लुधियाना (पंजाब) और गंधार (भरूच, गुजरात में दूर–दराज के लोगों को सेवाएं देंगी। इससे आज तक 6 लाख से अधिक गांवों को लाभ हुआ है।

- **कौशल विकास/सशक्तीकरणः** गेल द्वारा 'परियोजना स्वावलम्बन' के तहत मध्य प्रदेश (गुना), आंध्र प्रदेश (टंडूर) और गुजरात (डेडियापाडा) में स्थापित बहु कौशल स्कूल रोजगार सहायता के साथ देश के ग्रामीण युवाओं को खुदरा, अतिथि सत्कार एवं सुविधा प्रबंधन में कौशल आधिरित प्रशिक्षण दे रहे है। प्रशिक्षण और रोजगार से संबंधित इन स्कूलों के माध्यम से प्रदत्त समेकित पश्च और अग्र लिंकेज ने इसे सतत जीविकाओं के सृजन में एक अनूठा प्रयास बना दिया है। वर्ष 2013–14 में लगभग 2700 युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया गया। इसके अलावा गेल द्वारा शुरू किए गए कौशल विकास कार्यक्रमों के तहत 5000 से अधिक महिला लाभार्थियों को उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, दिल्ली में फैले विभिन्न स्थानों पर कढाई, सिलाई, दर्जी कार्य आदि जैसे व्यवसायों में स्वरोजगार अवसर उपलब्ध करवाएं गए है। भिन्न रूप से योग्य और शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों को रोजगार एक अन्य क्षेत्र है जिसमें गेल अनिवार्य चिकित्सा सांधनों, उपस्कर और बुनियादी ढांचागत सहायता की व्यवस्था के जरिए सक्रिय रूप से कार्यरत है।

- **शैक्षिक/साक्षरता संवर्धनः** गेल ने अन्य मुद्दों के साथ–साथ अधिक संख्या में बच्चों के बीच में स्कूल छोड़ने, साक्षरता दर, स्कूल न जाने वाले बच्चों के शिक्षा, स्कूलों के लिए उपस्कर और बुनियादी ढांचे जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों से निपटने के लिए प्रयोजनाएं शुरू की है। साधनहीन बच्चों को गुणवत्तापरक शिक्षा की सुलभता में सहायता करने के लिए 2009 में मेधावी गरीब छात्रों को छात्रवृत्तियां देने के उद्देश्य से गेल धर्मार्थ एवं शिक्षा न्यास स्थापित किया गया।

  वित्त वर्ष 2013–14 में गेल ने जीसीईटी के तहत स्कूल शिक्षा के स्तर पर तथा व्यवसाय अध्ययनों के लिए योग्यता सह साधन आधार पर छात्रों को छात्रवृत्तियां वितरित करने सहित 4.00 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाएं शुरू की है और छात्रों को वित्तीय सहायता देकर उन्हें इंजीनियरिंग डिग्री में अध्ययन जारी रखने के लिए भी सहायता की।

गेल उत्कर्ष का उद्देश्य ऐसे मेधावी छात्रों का भविष्य सुरक्षित रखना है जिनके सपने धन की कमी के कारण अन्यथा पूरे नहीं हो पाए। इस अग्रणी परियोजना से सभी खर्चे वहन किए जाते है, विशेषज्ञ आवासीय कोचिंग/गहन परामर्श तंत्र की व्यवस्था की गई है ताकि साधनहीन वर्ग के मेधावी छात्र इंजीनियरिंग की आईआईटी/जेईई, एआईईई आदि जैसी प्रतियोगी प्रवेश परीक्षाओं में भाग ले सकें।

आज तक गेल उत्कर्ष के लगभग 300 लाभार्थी छात्र भारत के प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश पाने में सफल हुए।

वित्त वर्ष 2013– 14 में गेल उत्कर्ष के तहत कुल 100 छात्रों को पंजीकृत किया गया जिनमें से 91 उत्कर्ष छात्रों ने आईआईटी की प्रवेश परीक्षा उतीर्ण की और 39 छात्रों ने आईआईटी मुख्य परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की, शेष गेल उत्कर्ष छात्रों को एनआईटी, यूपीटीयू आदि के अपने परिणामों की प्रतीक्षा है।

गेल ने 2009 से 'पढ़ों और बढ़ों' परियोजना शुरू की है जिसके तहत दिल्ली/एनसीआर की मलिन बस्तियों में 250 अनौपचारिक शिक्षा केन्द्र काम कर रहे है जिनमें इन बस्तियों के स्कूल न जाने वाले 26,000 से अधिक बच्चें शिक्षा ले रहे है।

वर्ष 2013–14 में इस कार्यक्रम के तहत सुलभता, गुणवत्ता में सुधार करने, और छात्रों की शिक्षा जारी रखने पर केन्द्रित ध्यान दिया गया और इस पहल के तहत 10000 छात्रों को शामिल किया गया।

उपरोक्त प्रमुख परियोजनाओं के अलावा विभिन्न शिक्षा केन्द्रित उपाय किए जाते है और जम्मू कश्मीर एवं असम राज्यों में आतंक और पलायन से प्रभावित युवाओं और स्कूली बच्चों को सहायता दी गई है। साथ ही गेल ने 'गांधी की खोज' परियोजना शुरू की है जिसका उद्देश्य गांधी के मूल्यों के आधार पर स्कूली बच्चों को मूल्य आधरित शिक्षा देना है।

- **पर्यावरण संरक्षणः** हम अपने प्राकृतिक संसाधनों का ओर अधिक विवेकपूर्ण तरीके से प्रबंध करने के लिए उपायों और परियोजनाओं में सहायता करते है। गेल ने वर्षा जल संचयन, जल पुनर्भरण और भूजल पुनः उपयोग प्रणालियों से संबंधित परियोजनाओं में सहायता की है। इसके अलावा हमने जैव गैस प्लांट लगाने की परियोजनाएं भी शुरू की है। ऊर्जा के गैर पारंपरिक स्रोतों का संवर्धन करने के अपने प्रयासों में हमने मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में गांवों में सौर लाइटें लगाई है।

गेल ने दुर्लभ प्रजातियों के जानवरों के संरक्षण तथा वन क्षेत्रों की सुरक्षा में भी योगदान दिया है। गेल पूर्वोत्तर में सचल पशु चिकित्सा सेवा (एमवीएस) यूनिटों को सहायता के जरिए वन्य जीवन में सहायता कर रहा है। गेल ने दिल्ली/एनसीआर में अपने कार्य केन्द्रों में प्रायोगिक आधार पर आजीविका सृजन और पर्यावरण संरक्षण (पैदा बेकार कागजों को पुनः इस्तेमाल करना) के साधन के रूप में 'समावेशी अपशिष्ट प्रबंधन पहल' शुरू की है। इस बेकार कागज के पुनः इस्तेमाल की पहल के माध्यम से हम पैदा अपशिष्ट सामग्री को पुनः इस्तेमाल करके और इसका वैकल्पिक इस्तेमाल करके अपने कार्बन उत्सर्जन की मात्रा कम करना चाहते है। गेल ने पहले ही 2000 किलो से अधिक बेकार कागजों का पुनः इस्तेमाल कर लिया है।

- **पेयजल/सफाई:** स्थानीय स्वच्छता और सफाई प्रक्रियाओं में सुधार करने हेतु घरों में शौचालयों का निर्माण करने के लिए उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश राज्यों में सम्पूर्ण ग्राम विकास पहलों के संबंध में अनेक दीर्घकालिक उपाय किए गए है। साथ ही संगठन ने जैव अपशिष्ट सामग्री के निपटान हेतु कूड़ा खाद गड्ढों, पाइपलाइनों के निर्माण और जन निकास प्रणाली के पुनर्निर्माण के लिए कुछ खास परियोजनाएं शुरू की है। वर्ष 2013–14 में गेल ने झबुआ, मध्य प्रदेश के पानी की कमी वाले क्षेत्र में

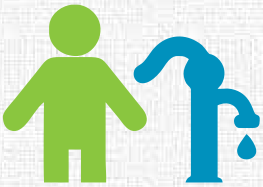

'जलधारा' नामक एक दीर्घकालिक समेकित वाटरशेड प्रबंधन परियोजना शुरू की है। इस परियोजना के तहत चेक बांधों के निर्माण और जीर्णोद्वार, खुदाई कार्य और मिट्टी के टैंकों/तलाबों के पुनर्निर्माण, सिंचाई और पशुओं के लिए जल की व्यवस्था, दोहरे फसलन के संवर्धन, भूजल स्तर में वृद्धि जैसे क्रियाकलापों सहित वाटरशेड विकास के लिए विभिन्न क्रियाकलाप किए जा रहे है।

	सीएसआर कार्यक्रम	वित्त वर्ष 2013-14 में प्रमुख कार्य क्षेत्र वार खर्च लाख रु. में
	समुदाय विकास	472.33
	पेयजल/सफाई	62.8
	शिक्षा/साक्षरता संवर्धन	651.77
	पर्यावरण संरक्षण	40.37
	स्वास्थ्य देखरेख/चिकित्सा	699.69
	बुनियादी ढांचा	895.64
	कौशल विकास/सशक्तीकरण	862.71

(सीएसआर परियोजनाएं सतत प्राकृतिक की है और वह विभिन्न वित्तीय वर्षों में किया गया है जिसके कारण जब भी व्यय किया जाता है तो उसके आंकडें को निरन्तर अद्यतन किया जाता है)

इन 7 प्रमुख कार्यों क्षेत्रों के अलावा गेल प्राकृतिक आपदाओं या विनाशकारी घटनाओं में राहत कार्यों हेतु और गेल धर्मार्थ एवं शिक्षा न्यास में भी उदारता से योगदान करता है। गेल ने आपदा दूर करने के प्रति समुदाय आधारित प्रयासों का संवर्धन करके, जलवायु परिवर्तन और आपदा के बारे में समझ पैदा करके, परामर्शी सेवाएं देकर और आजीविका का संवर्धन करके रूद्रप्रयाग, उत्तराखण्ड के बाढ़ प्रभावित जिले में राहत और पुनर्वास क्रियाकलापों के सहायता दी है। इसके अलावा उक्त प्रलय के विनाशकारी प्रभावों से निपटने के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष में 2 करोड़ रुपए का अंशदान किया गया है। इसके अलावा गेल ने बालासोर, ओड़िशा के चक्रवात प्रभावी क्षेत्र में पहले से तैयार सामग्री (प्रीफेब्रिकेटिड) वाले घरों के निर्माण के लिए सहायता दी हैं। गेल ने रूद्रप्रयाग, उत्तराखण्ड में राहत और पुनर्वास के लिए 'परियोजना सृजन' नामक एक दीर्घकालिक सर्वांगीण विकास परियोजना भी शुरू की है।

गेल आवश्यकता पहचान, प्रभाव मूल्यांकन और सीएसआर समारोहों प्रकाशनों के प्रायोजन हेतु अपने कुल वार्षिक सीएसआर बजट का 3 प्रतिशत आबंटित भी करता है। कम्पनी का इरादा धारा 135, कम्पनी अधिनियम 2013 के उपबंधों और संबद्ध नियमों के अनुरूप वित्त वर्ष 2014–15 प्रमुख कार्य क्षेत्रों और उनके संबंधित आबंटन में संशोधन करने का है।

विकास लक्ष्यों के संबंध में गेल की प्रगति

	अत्यधिक गरीबी और भूख का उन्मूलन करना	गेल अत्यधिक गरीबी और भूख के उन्मूलन के लिए विभिन्न कार्यक्रम चलाता है। इनमें से कुछेक उपायों में ग्रामीण युवाओं की रोजगार की क्षमता को बढ़ाने के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण देना, सीमांतक किसानों के लिए विशेष आजीविका आधारित सीएसआर कार्यक्रम, गुना (मध्य प्रदेश), डेडियावाड़ा (गुजरात) तथा टण्डूर (आंध्र प्रदेश) के क्षेत्रों मे कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों के जरिए समुदाय के साधनहीन, अति कमजोर और उपेक्षित वर्गों के लीए कार्यक्रम शामिल हैं। परियोजना आरोग्य और परियोजना जलधारा शिक्षा, स्वास्थ्य देख–रेख, उद्देश्य पूर्व आजीविका अवसर आदि जैसी सुविधाएं देकर उपेक्षित वर्गो की अन्य जरूरतें पूरी कर रही हैं।
	सार्वभौमिक प्राथमिक शिक्षा देना	शिक्षा, गेल के सीएसआर कार्यक्रम के प्रमुख कार्य क्षेत्रों में एक है। हमारा प्रमुख कार्यक्रम 'पढ़ों और बढ़ों' भी पूरी तरह शिक्षा पर केन्द्रित है।
	निम्न समानता और महिला सशक्तिकरण का संवर्धन	गेल समान अवसर देने वाला नियोक्ता है और यह महिला सशक्तिकरण का संवर्धन करता है। गेल ने महिलाओं के लिए सुरक्षित कार्यस्थल को प्रोत्साहित करने के लिए यौन उत्पीड़न नीति भी क्रियान्वित की है। 5000 से अधिक महिलाओं ने 'परियोजना स्वावलम्बन' जैसे विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रम के तहत स्वरोजगार अवसरों से भी लाभ उठाया है।
	बाल मृत्यु दर कम करना।	यह स्वास्थ्य देख–रेख का एक अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्र है और परियोजना आरोग्य में इसकी प्रासंगिकता है, जो उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड और गुजरात के विभिन्न गांवों में 16 सचल चिकित्सालय चलाकर प्राथमिक स्वास्थ्य देख–रेख प्रणाली प्रदायगी में अंतरालों को दूर करती है। इस परियोजना के तहत बाल मृत्यु दर और मातृत्व स्वास्थ्य के मुद्दों पर भी ध्यान दिया गया है। इसके अलावा गेल के कर्मचारियों के लिए हम मातृ और बाल स्वास्थ्य संवर्धन हेतु अपने कर्मचारियों को बाल देख–रेख अवकाश और प्रसुति पितृत्व अवकाश देते है। गेल ने डिबियापुर में जन स्वास्थ्य केन्द्र में परिवार नियोजन शिविरों में भी सहायता की।
	मातृ स्वास्थ्य बढ़ाना	
	एचआईवी/एड्स, मलेरिया अन्य रोगों से निपटना	गेल उस समुदाय को सम्पूर्ण स्वास्थ्य देख–रेख और चिकित्सा सेवाएं भी प्रदान करता है जहां हम अपना प्रचालन कार्य करते हैं। गेल की एचआईवी/एड्स पर एक नीति है जिसका उद्देश्य उन ऐसे रोगों से संक्रमित लोगों के अधिकारों का संरक्षण करना और इस रोग का संक्रमण दूसरे लोगों में फैलने से रोकना है। गेल ट्रक ड्राइवरों के लिए एड्स जागरूकता कार्यक्रम और व्यवहारगत परिवर्तन संचार कार्यकम संचालित करता है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान, जल जागरूकता के माध्यम से एचआईवी देख–रेख और इसकी रोकथाम के लिए पाटा में यौन क्रिया जनक संक्रमण (एसटीआई) क्लीनिक स्थापित किया गया। कम्पनी ने विश्व एड्स दिवस भी मनाया और इसने एक जागरूकता सत्र संचालित किया जिसमें सहभागियों को एचआईवी/एड्स की रोकथाम, शीघ्र निदान और इसके उपचार के बार में जानकारी दी गई। गेल मलेरिया शिविर भी आयोजित करता है जिसमें रोगियों का उपचार किया जाता है और मुफ्त दवाइयां बांटी जाती हैं।

	पर्यावरण को निरंतर स्वच्छ बनाए रखना सुनिश्चित करना।	अपने कारोबार की प्रकृति के अनुरूप हम स्वच्छ ईंधन का संवर्धन करके पर्यावरण की स्वच्छता को निरंतर बनाए रखने को प्रोत्साहित करते हैं। हम पर्यावरण के बारे में जागरूकता का संवर्धन करने और पर्यावरण में अपशिष्ट सामग्री, उत्सर्जन और प्रवाह को न्यूनतम करके अपने पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने में लगे। ऐसी एक पहल हमारे एक सीएसआर कार्यक्रम के रूप में ग्रामीण जैव गैस प्लांटों को सहायता देना रही है। **नवीकरणीय ऊर्जा के विकास हेतु सहयोग** ऑफ–ग्रिड सौर, पवन व अन्य नवीकरणीय ऊर्जा विद्युत परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए 'विशेष प्रयोजन साधन' स्थापित करने हेतु नवीन एवं नवीकरनीय ऊर्जा मंत्रालय और पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार के बीच 25.02.2014 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने प्रारंभ में संयुक्त उद्यम में अपने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के रूप में तेल एवं प्राकृतिक गैस कार्पोरेशन लिमिटेड, ऑयल इंडिया लिमिटेड, गेल (इंडिया) और इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड को चिन्हित किया है और नवीन एवं नवीकरनीय ऊर्जा मंत्रालय ने भारतीय सौर ऊर्जा निगम और भारतीय नवीकरनीय ऊर्जा विकास एजेंसी लिमिटेड को चिन्हित किया है।
	विकास के लिए वैश्विक साझेदारी का विकास करना	गेल विकास हेतु वैश्विक साझेदारी का संवर्धन करने के लिए विभिन्न मंचों पर काम करता है। इनमें से अधिकांश मंच प्राकृतिक गैस के जरिए विशेष रूप से विकास के लिए है। ऐसी एक पहल 'एशिया गैस साझेदारी शिखर सम्मेलन है' जिसमें 19 देशों के 800 सहभागियों ने भाग लिया है। गेल जीआरआई (वैश्विक रिपोर्ट प्रणाली पहल), फोकल प्वाइंट भारत की सतत एवं पारदर्शी कंसोर्टियम का संस्थापक सदस्य है। इससे हमें निरंतरता की रिपोर्ट प्रणाली से संबंधित मुद्दों पर विचार–विमर्श करने के लिए व्यापार के प्रमुख लोगों, राष्ट्रीय सरकारों, विनियामकों, निरंतरता विशेषज्ञों, नीति निर्माण निकायों तथा व्यावसायिक संस्थानों के साथ बातचीत करने में मदद मिली है। गेल टीईआरआई–बीसीएसडी (सतत विकास हेतु टेरी व्यावसाय परिषद) का भी सदस्य है, जो उद्योग जगत के लोगों का निरंतरता व्यावसायियों का कसोर्टियम है। इसके अलावा, गेल ने मानव अधिकार, श्रम के मानकों, पर्यावरण और भ्रष्टाचाररोधी क्षेत्र में कार्यरत संयुक्त राष्ट्र वैश्विक कॉम्पेक्ट (यूएनजीसी) पर भी हस्ताक्षर किए हैं।

गेल के सीएसआर प्रयास

लोग हमारे सीएसआर उपायों के केन्द्र बिंदु हैं। परस्पर बातचीत के विभिन्न तंत्रों और जागरूकता संवर्धन के माध्यम से हमारा उद्देश्य सामूहिक प्रयास हेतु समुदाय के साथ ''अपनेपन'' की भावना पैदा करना है।

गेल, क्रियान्वयक साझेदारों, और समुदाय सदस्यों के साथ बैठके और परस्पर मेलजोल भी आयोजित करता है। हितधारकों की बैठकों में भी समुदाय के प्रतिनिधियों और गेल सीएसआर दल के अलावा, जिला प्रशासन, गांव के अग्रणी लोग सहभागिता करते हैं। हमनें अपनी पूर्व सततता रिपोर्टों में विस्तार से अपने सीएसआर क्रियाकलापों के दृष्टिकोण और चयन प्रक्रिया के बारे में लिखा है।

क्रियाकलापों का प्रभाव मूल्यांकन

गेल क्रियान्वयन के दौरान आयोजना, लक्ष्य निर्धारण से लेकर परियोजना के

अंत तक परियोजना के विभिन्न चरणों में अपने क्रियाकलापों के संभावित प्रभाव का विश्लेषण करता है। अपने समुदाय के सहयोग से हम कोई नई परियोजना शुरू करने से पहले और मौजूदा परियोजनाओं के किसी भी विस्तार के दौरान अपने प्रचालन कार्यों के संभावित प्रभावों का विश्लेषण करते हैं। संभावित प्रतिकूल प्रभावों से निपटने के लिए हमनें पर्याप्त प्रणालियां और उपस्कर स्थापित किए है। जो नियामक अपेक्षा से अधिक है। कम्पनी की स्थानीय विनियमनों के द्वारा यथा अपेक्षित किसी भी असंभावित घटना के प्रभावों को कम करने की स्थल से दूर आपातकालीन योजना भी है और कम्पनी लोगों की सूचना हेतु बोर्डों पर पर्यावरण संबंधी सूचना प्रदर्शित करती है।

किसी परियोजना के अंत में क्रियान्वयक साझेदार कार्यक्रम के प्रभाव से संबंधित रिपोर्ट प्रस्तुत करता है जिसमें विशेष रूप से परियोजना की हासिल उपलब्धियों और प्राप्त गुणात्मक और मात्रात्मक गुणों का उल्लेख किया जाता है। परियोजना की प्राप्त उपलब्धियों का गेल के प्रत्येक कार्य केन्द्र में गठित पारकार्य सीएसआर समिति द्वारा मूल्यांकन भी किया जाता है। गेल की प्रमुख सीएसआर पहलों के संबंध में नियमित अंतरालों पर स्वतंत्र अन्य पक्ष मूल्यांकन भी किया जाता है इन अध्ययनों में लगाई गई एजेंसियां प्राथमिक रूप से शैक्षिक किस्म की होती है और इनमें मैसर्स हार्डिकन लिमिटेड, टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, सामाजिक कार्य विभाग, बिजली विश्व विद्यालय से लेकर जामिया मिलियां इस्लामियां जैसी एजेंसियां शामिल है।

स्वदेशी अधिकार

हम स्थानीय संस्कृति और विरासत के साथ–साथ स्वदेशी समुदायों की इस धरती के साथ अपनी संस्कृतियों और संबंधो के साथ एक अलग प्रकार की जाति के रूप में रहने की इच्छा का सम्मान करते हैं। गेल का प्रयास नकारात्मक प्रभावों (यदि प्रचालन कारण से कोई ऐसा कोई प्रभाव पैदा हुआ हो) को कम करने के लिए आस–पास के समुदायों के साथ भागीदारी करना है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान उपद्रव की ऐसी कोई घटना नहीं हुई है जिनमें स्वदेशी लोगों के अधिकारों को हनन हुआ हो।

अन्य क्रियाकलापों के अलावा गेल मूलतः प्राकृतिक गैस के परिवहन और विपणन में कार्यरत् एक पाइपलाइन कम्पनी है। हमारे क्रियाकलापों के भाग के रूप में हमें भूमि अधिग्रहण अधिनियम और पीएमपी अधिनियम के तहत संबंधित राज्य सरकारों के माध्यम से क्रमशः भूमि अधिग्रहण करना होता है और इसके प्रयोग का अधिकार का इस्तेमाल करना होता है। गेल राज्य सरकारों की मध्यस्था से और कानूनों के दायरे में न्यायालयों के माध्यम से भी विवादों के निपटान का हर संभव प्रयास करता है।

समाज के उपेक्षित वर्गों के साथ काम करना

कम्पनी के सभी सीएसआर क्रियाकलापों का उद्देश्य समुदाय के साधानहीन, अति कमजोर व उपेक्षित वर्गों का सम्पूर्ण विकास करना है। यह प्रयास गेल के गुना (मध्य प्रदेश), डेडियापाडा (गुजरात) और टण्डूर (आन्ध्र प्रदेश) के क्षेत्रों में साधनहीन युवाओं के लिए उत्कर्ष कार्यक्रम कौशल विकास कार्यक्रम, परियोजना आरोग्य, परियोजना जनधन जैसी सीएसआर परियोजनाओं में परिलक्षित होता है। इन कार्यक्रमों में समाज व उपेक्षित वर्गों की शिक्षा, स्वास्थ्य देखरेख, उद्देश्यपूर्ण आजीविका अवसर आदि जैसी विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा किया गया है। वित्त वर्ष 2013–14 में गेल ने समेकित दीर्धकालिक वॉटर शेड प्रबंधन 'जलधारा' नामक परियोजना शुरू की है जिसमें जिला झबुआ, मध्य प्रदेश के पानी की कमी वाले जनजातीय क्षेत्र के 40 गांव शामिल किए गए हैं। इस कार्यक्रम में पानी की कमी तथा लोगों के जीवन पर इसके सामाजिक, आर्थिक, स्वास्थ्य व पर्यावरणीय प्रभाव के गंभीर मुद्दे से निपटा गया है। इसके अलावा, गेल असम और जम्मू व कश्मीर में उपद्रव से प्रभावित 500 लोगों को छात्रवृत्तियां दी हैं। गेल ने दिल्ली/एनसीआर, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में बेरोजगार युवा सफाई कर्मचारियों के लिए कौशल विकास उपाय किया है।

पर्यावरण

गेल अपने व्यावसायिक क्रियाकलापों के माध्यम से पर्यावरण उत्कृष्टता प्राप्त करने के प्रति वचनबद्ध है। हम यह मानते है कि आर्थिक संवृद्धि और स्वस्थ पर्यावरण को धनिष्ठता से जोडे जाने की जरूरत है। और पर्यावरणीय संरक्षण और सतत विकास सामूहित जिम्मेदारियां है। हमारा पर्यावरण जिम्मेदारी कार्यक्रम, सतत सुधार पर आधारित है। पर्यावरण प्रबंधन एक कार्पोरेट प्राथमिकता है जिसे हमारे व्यापार में पूर्णतः समेकित कर दिया गया है। हमारा मानना है कि पर्यावरण उत्कृष्टता एक मुख्य कारक है, जिससे नीति, पर्यावरण प्रबंधन सहित सततता से सम्बद्ध सभी पहलुओं के लिए वृत्त वृहत्त आधार का काम करती है। सतत विकास नीति में उल्लिखित प्रमुख कार्यक्षेत्र प्रचालन कार्यों का पर्यावरणीय प्रभाव, उर्जा दक्षता, जल संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन, जैव विविधता संरक्षण, जीएचजी उपशमन, हरित प्रापण एवं सामग्रियों का जिम्मेदारी पूर्ण उपयोग हैं और साथ ही राष्ट्रीय वचनबद्धताओं के प्रति कटिबद्ध रहना है।

उत्सर्जन, बहिस्राव और अपशिष्ट सामग्री

गेल पर्यावरण पर अपने प्रचालन कार्यों के प्रभाव के प्रति सचेत है और यह होने वाले उत्सर्जन, बहिस्राव और अपशिष्ट सामग्री को कम करने की दिशा में कार्य कर रहा है। हमारी पूर्णतः स्थापित पर्यावरण प्रबंधन प्रणालियां है जो अनुपालन स्तरों से अधिक कार्य के प्रति समर्पित है। वायु प्रदूषण को नियन्त्रित करने और वायु उत्सर्जन को कम करने के लिए यूनिटों में प्रौद्योगिकियों का इस्तेमाल किया गया है और स्क्रबर जैसे उपकरण लगाए गए हैं। हमने सतत आधार पर एसओएक्स, एनओएक्स, हाईड्रोकार्बन, कार्बन डायक्साइड और शोरगुल की निगरानी करने के लिए पाटा यूनिट में लोन सतत परिवेशीय वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशन भी स्थापित किए हैं। ये सभी स्टेशन फाइबर आप्टिक केबल नेटवर्क के जरिए जुड़े है और डाटा की निरन्तर निगरानी की जाती है। इन तीन स्थायी निगरानी स्टेशनों के अलावा, प्लांट परिसर के आधार पर इसके बाहर किसी भी वांछित स्थल पर परिवेशीय वायु की निगरानी करने के लिए एक सचल स्टेशन का इस्तेमाल किया गया है।

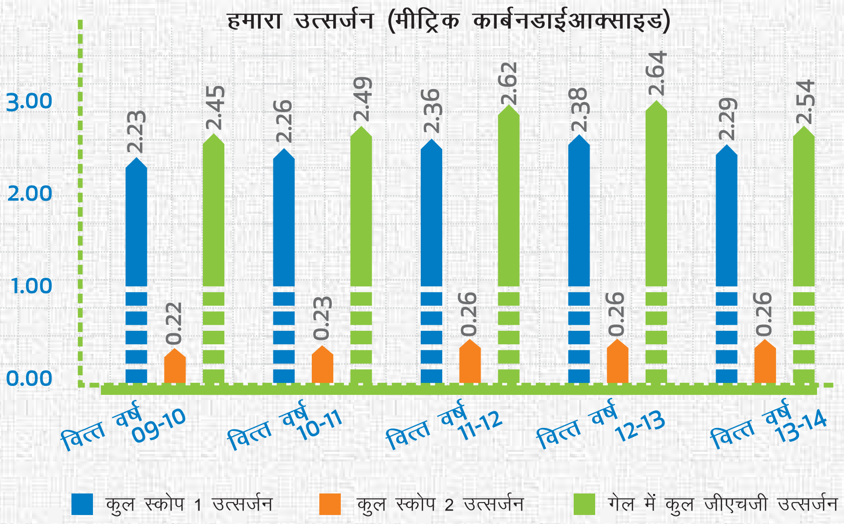

गेल का प्राथमिक व्यापार प्राकृतिक गैस परिषण एवं विपणन, तरल हाइड्रोकार्बन, पेट्रो रसायनों में है। इसके गुणों के आधार पर, प्राकृतिक गैस, तेल व कोयले जैसे अन्य जीवाश्म ईंधन की तुलना में ज्यादा साफ ईंधन है। इस समय, भारत के ऊर्जा मिश्रण में प्राकृतिक गैस की संरचना कम है और गेल देश के उर्जा मिश्रण में प्राकृतिक गैस की मात्रा बढाने के लिए काम कर रहा है। यह इसका रूझान सौर और पवन जैसे नवीकरणीय साधनों के प्रयोग से साफ ऊर्जा के उत्पादन को बढाने की तरफ भी है। ऊर्जा के इन साफ स्रोतों में गेल ने गत वर्षों में उल्लेखनीय निवेश किया है। अपने कार्बन उत्सर्जन की निगरानी करने व उसे कम करने के एक प्रयास में गेल ने सीएचजी उत्सर्जन, ऊर्जा दक्षता व जल के पुनः उपयोग हेतु स्वैच्छिक लक्ष्य तय किए गए है। गत तीन वर्षों से, इन लक्ष्यों की प्रगति की समीक्षा की जाती है और सततता रिपोर्टो में इनका सार्वजनिक रूप से उल्लेख किया जाता है। इस समय हम जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में घटनाक्रमों पर निरन्तर नजर बनाए हुए हैं और जब जैसे ही उचित समझा जाएगा वित्तीय भारों का मूल्यांकन किया जाएगा और इस पर निश्चित कार्रवाई की जाएगी। जलवायु परिवर्तन के वित्तीय भार विनियमों तथा क्योटो प्रोटोकोल जैसी अन्तर्राष्ट्रीय संधियों के रूप में भी हैं। इस समय, गेल की ग्रिड से जुडी सौर पीवी परियोजना के लिए यूएनएफसीसीसी के साथ एक पंजीकृत परियोजना है जिसके लिए विनिर्दिष्ट नामे डाले जाने वाली अवधि के दौरान वार्षिक उर्त्सजन कमी की अनुमानित मात्र 8,783 टीसीओ2ई तथा 61,487 टीसीओ2ई की कुल मात्रा का अनुमान है। अपशिष्ट पदार्थ निपटान और गैस निरूपण के लिए अन्य परियोजना का विधि मान्यकरण किया जा रहा है इन सीईआर का वित्तीय मूल्य बाजार प्रेरित होता है और अभी इसकी गणना नहीं की गई है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान परियोजनाओं और क्रियाकलापों का विस्तृत विवरण पृष्ठ 54 से 56 में दिया गया है। इन क्रियाकलापों में जीएचजी उत्सर्जन कमी और ऊर्जा दक्षता से संबंधित क्रियाकलाप शामिल हैं।

ठोस अपशिष्ट सामग्री का प्रबंधन करने के लिए हमारे क्रियाकलापों में पर्यावरण की दृष्टि से सशक्त प्रौद्योगिकी का गहन इस्तेमाल किया जाना होता है क्योंकि इससे निश्चित रूप से खतरनाक सामग्री कम होगी। ये खतरनाक सामग्रियां प्रयुक्त तेल बैटरियों, ईटीपी स्लज, तारकोल और तारकोल की राख, स्लोप तेल, प्रयुक्त बैग फिल्टरों, प्रयुक्त एलूमिना, सिलिवा जेल, सेलूलोज स्लज, आणविक छलनी सेरामिक सामग्री, केबलों, टायरों, खाली ड्रमों आदि के रूप में हो सकती हैं। कम्पनी की प्रमुख गैर खतरनाक अपशिष्ट सामग्री में धातु स्क्रैप, प्लास्टिक स्क्रैप, लकडी स्क्रैप, कैंटीन अपशिष्ट आदि शामिल हैं। अन्य अपशिष्ट सामग्रियों में शामिल है ई अपशिष्ट और जैव चिकित्सा अपशिष्ट। इस वर्ष तरल पदार्थों के प्रवाह के कोई अधिक मामले नहीं हुए हैं और बेसल समझौते की शर्तों के तहत कोई अपशिष्ट सामग्री निर्यात नहीं की गई।

गेल की पेट्रोकेमिकल यूनिट में खतरनाक श्रेणियों में ठोस अपशिष्ट सामग्रियों के रूप में तारकोल, अपशिष्ट जल संसाधन सयंत्र (डब्ल्यूडब्ल्यूटीपी) का स्लज, आणविक छलनी, तारकोल की राख और स्लोप तेल पैदा होते है। डब्ल्यूडब्ल्यूटीपी से जैव स्लज को लैण्ड फिलिंग और हरित विकास प्रयोजनों से लिया जाता है। आणविक छलनियों और तारकोल की राख को किसी सुरक्षित लैण्डफिल में डाला जाता है और स्लोप तेल का इसके प्रभारी पुनः इस्तेमाल के लिए सांविधिक अनुमोदित पार्टियों को बेचा जाता है। सभी प्रतिष्ठानों में पुनः इस्तेमाल के प्रयोजन से प्रयुक्त बैटरियों को नई बैटरियों की आपूर्ति के समय संबंधित विक्रेताओं को वापिस कर दिया जाता है प्रयुक्त तेल/बेकार तेल/अपशिष्ट तेल को ड्रमों में एकत्र किया जा रहा है और इसे यार्ड में रखा जाता है और इन्हें मार्गदर्शी सिद्धान्तों के अनुसार सीपीसीबी/एमओईएफ/एसपीसीबी अधिकृत रीप्रेसेसरों को बेचा जाता है।

भारत में परिवहन कार्बन डायक्साइड (सीओ2) उत्सर्जन का दूसरा सबसे बड़ा कारण है। इसका पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य पर सीधा असर पड़ता है। इसे ध्यान में रखते हुए, गेल ने व्यापार यात्रा हेतु अपने स्कोप 3 उत्सर्जन का विश्लेषण किया है जिसे स्कोप 1 और स्कोप 2 उत्सर्जनों की तुलना में बहुत कम पाया गया। गेल के व्यापार यात्रा उत्सर्जन को ओर कम करने के लिए वित्त वर्ष 2013–14 में 435 घण्टे को कुल 246 वीडियो कान्फ्रेंसिग सत्र आयोजित किए गए। साथ ही, पाइपलाइन से प्राकृतिक गैस और एलपीजी के परिषण से ट्रक परिवहन कम होने में सहायता मिलती है जिससे बहुमूल्य ईंधन, समय और धन की बचत होती है।

जैवविविधता

आज व्यापारिक प्रतिष्ठान मिश्रित पर्यावरण में प्रचालन कार्य करते है जिससे तरह–तरह के जोखिम होते हैं। सहस्राब्दि परिस्थिति की तन्त्र मूल्यांकन में ऐसी 6 चुनौतियां का पता लगाया गया जो व्यापारिक प्रतिष्ठानों के लिए विशेष चिंता का विषय है जिसमें से जैव विविधता क्षति भी एक चिंता का विषय है। अन्य चिताएं है जल की कमी, जलवायु परिवर्तन, महासगरों को अत्यधिक दोहन और पोषक तत्व की ओवर लोडिंग।

गेल किसी भी विस्तार या कोई परियोजना शुरु करने से पहले पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन करके सतर्कतापूर्वक जैव विविधता से सम्बद्ध जोखिमों को दूर करने की दिशा में कार्यरत है। यदि गेल अपने प्रचालन कार्यों के दौरान जैव विविधता समृद्ध क्षेत्र के सम्पर्क में आता है तो, यह उनके प्राकृतिक स्वरूप को परिरक्षित करने के प्रयास करता है। इस प्रयोजनार्थ हम उस क्षेत्र के विशिष्ट मुद्दों के आधार पर विस्तृत योजना तैयार करते हैं जिसके अनुसार सुधारात्मक उपाय किए जाते हैं। इस प्रयास से यह सुनिश्चित होता है कि उस क्षेत्र की जैव विविधता पर कम से कम प्रभाव पडा है।

कम्पनी ने जैव विविधता बनाए रखने और प्रदूषण कम करने के लिए देशी पौधों से भू सौन्दर्यकरण पर भी काम किया। इस परियोजना का "परियोजना धरोहर" नाम से पश्चिमी धाटों में शुरू किया गया। (परिस्थिति की महत्व का क्षेत्र जिसे जनसंख्या वृद्धि, पेड–पौधों को काटने, वनों को खण्डों में बांटने, खनन, बाध निर्माण और अकुशल भूमि उपयोग प्रवृत्तियों के कारण जोखिम हो गया है।

जल

जल और उर्जा एक दूसरे से धनिष्ठता से जुडे हैं। संयुक्त राष्ट्र जल अनुसार

हमारा जल उपभोग वित्तीय वर्ष 13–14

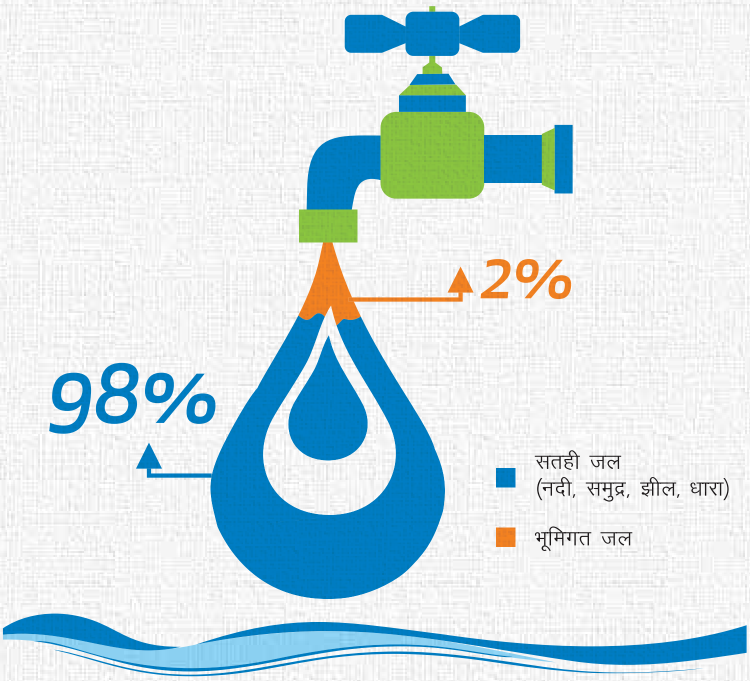

उद्योगों में जो भी पानी निकाला जाता है उसका मोटे तौर पर 75 प्रतिशत पानी ऊर्जा निर्माण के लिए इस्तेमाल किया जाता है। ऊर्जा कम्पनी होने के नाते, गेल इस तथ्य को स्वीकार करता है कि जल भी सर्वाधिक महत्वपूर्ण संसाधन है। गेल की सतत विकास नीति में भी जल संरक्षण के प्रमुख कार्य का क्षेत्र माना गया है। गेल के प्रचालन क्षेत्रों में जल उपयोग से लेकर समुदाय के साथ वाटर शेड विकास तक विभिन्न जल संरक्षण उपाय किए हैं।

अपशिष्ट जल निष्पादन वित्त वर्ष 2013–14 (मिलियन मीटर³)

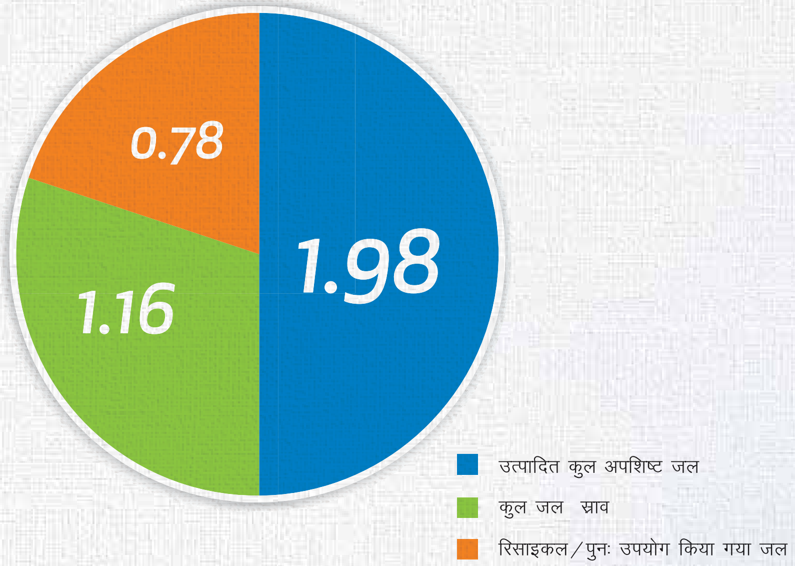

कुल जल खपत (मिलियन मीटर³)

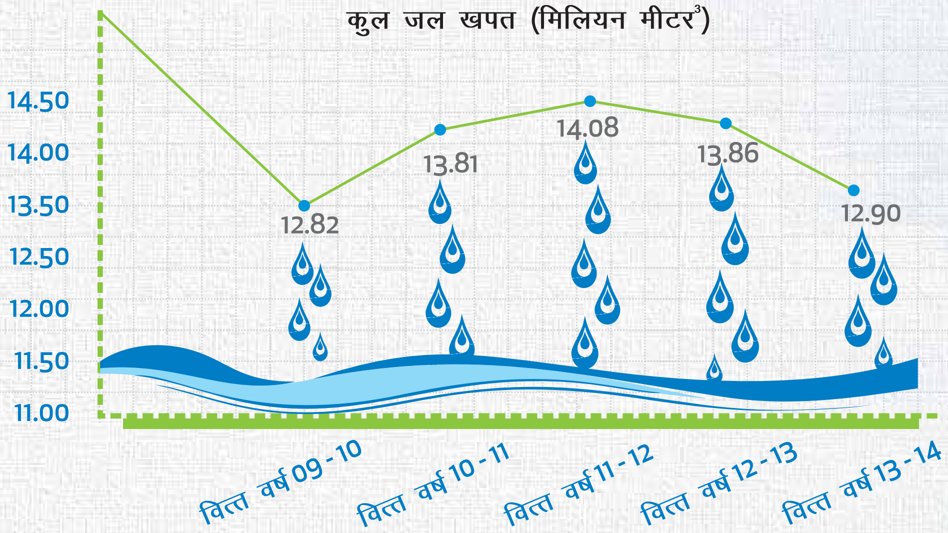

जल प्रबंधन पहल

वघोडिया में, समीक्षाधीन अवधि के दौरान नई जल रिसाइकलिंग पहल शुरू की गई। इसमें बागवानी के लिए एचआरएसजी का प्रवाहित जल का उपयोग किया जाना था। एचआरएसजी को चालू करने के बाद प्रवाहित जल का प्रतिदिन कुल 15–20 मीट्रिक टन जल का उत्पादन किया जाता है। बायलर के प्रवाहित जल से उत्पन्न अपशिष्ट जल के उपचार के लिए हाल में 2013 में 2 ईटीपी चालू किए गए थे। इसके अलावा, बागवानी के लिए इस अपशिष्ट जल का पुनः उपयोग करने के लिए एचआरएसजी – ईटीपी आउटलेट को बागवानी वितरण नेटवर्क के साथ संयोजन की पहल शुरू की गई हैं। ऐसी एक ओर पहल समाखैली में इंटरमिडिएट पम्पिंग स्टेशन में की गई थी जिसमें जल प्रबंधन प्रणाली का विकास शामिल था। इस परियोजना में माप, लेखाकरण/जल संतुलन, संरक्षण और कार्य योजना के लिए अवसरों का पता लगाना, और कार्य योजना का क्रियान्वयन शामिल था। संगठन द्वारा की गई कुछ अन्य पहल हैं – विजयपुर (मध्य प्रदेश) में वाटर शेड प्रबंधन, गांधी नगर (गुजरात) में जल संचयन ढांचा भण्डार का क्षमता संवर्धन, समाखैली (गुजरात) में शून्य वर्षा जल स्राव, आरटी – लोनी और आरटी मदनपुर (एनसीआर) में वर्षा जल संचयन और विजयपुर (मध्य प्रदेश) में बहती धारा पाइपयुक्त नहर परियोजना। इन पहलों के अलावा गेल ने आईपीएस मनसारामपुरा में जल प्रबंधन प्रणाली का विकास भी शुरू किया है। इस प्रणाली में माप, लेखाकरण, संरक्षण, संचयन, संतुलन और निकटवर्ती क्षेत्रों में जल संसाधनों को साझा करना शामिल है। इस परियोजना की अवधि को 9 माह के लिए बढ़ाया गया और इसका उद्देश्य आईपीएस मनसारामपुरा की जल की तटस्थता बनाए रखना है। आंतरिक गणनाओं के अनुसार इस परियोजना में को 12,700 केएल तक भूजल भरने की क्षमता है। वित्त वर्ष 2013–14 में 13430एम3 वर्षा जल संचयन किया गया।

ग्राहक मुख्य हितधारकों में एक और किसी भी व्यापारिक प्रतिष्ठान की सफलता का आधार होता है। हमारा मुख्य बल हमारे ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करने और उनकी चिंताओं को दूर करने के समय ठोस और स्थाई संबंधों और अंतिम पडाव तक पहुंच के माध्यम से प्राकृतिक गैस की निर्बाध आपूर्ति सूनिश्चित करके सेवा की सर्वोत्तम गुणवत्ता पर रहता है।

ग्राहक

Promoted by
Supported by
IGU
DIANE LEOPOLD
TORSTEIN INDREBO
NARENDRA TANEJA

ग्राहक मुख्य हितधारकों में एक और किसी भी व्यापारिक प्रतिष्ठान की सफलता का आधार होता है। हमारा मुख्य बल हमारे ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करने और उनकी चिंताओं को दूर करने के समय ठोस और स्थाई संबंधों और अंतिम पडाव तक पहुंच के माध्यम से प्राकृतिक गैस की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करके सेवा की सर्वोत्तम गुणवत्ता पर रहता है।

गेल के पास सभी बाजारों के विविध और तरह–तरह के ग्राहक पोर्टफोलियों के साथ बाजार का 67 प्रतिशत हिस्सा है। गेल अपनी सहायक कम्पनियों और सीजीडी, पेट्रोकेमिकल, एलएनजी, गैस ट्रेडिंग, बिजली उत्पादन और शेल गैस की संयुक्त उद्यम कम्पनियों के माध्यम से घरों, वाणिज्यिक तथा परिवहन क्षेत्रों को प्राकृतिक गैस आपूर्ति के लिए भारत मे सीटी गैस परियोजनाओं को शुरू करने वाली अग्रणी कम्पनियों में एक है। गेल की अपने सम्पूर्ण भारत में पाइपलाइन नेटवर्क के माध्यम से सभी राज्यों को स्वच्छ ईंधन की आपूर्ति में मुख्य भूमिका रही है जिससे इसके ग्राहक एक दूसरे से जुड़े है और स्वच्छ ईंधन की आपूर्ति सुनिश्चित हुई है। 2013–14 के दौरान गैस की बिक्री 79.18 एमएसएससीएमडी रही। विकास के लिए ऊर्जा एक अनिवार्य पूर्वापेक्षा है। प्राकृतिक गैस का इस्तेमाल न केवल आर्थिक विकास और लोगों को रोजगार के अवसरों में सहायक होता है अपितु इससे पर्यावरण पर भी अपेक्षाकृत कम प्रभाव पड़ता है।

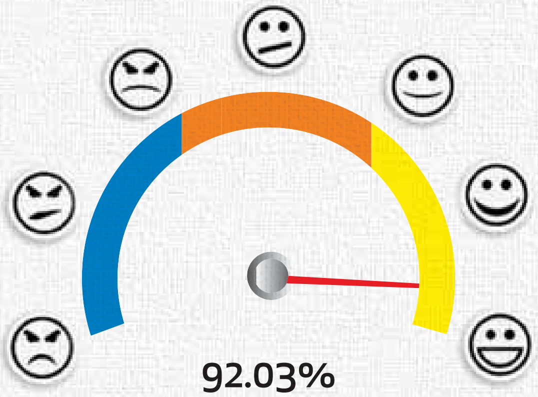

92.03%

ग्राहक संतुष्टि

सूचकांक प्राप्त किया

वित्तीय वर्ष 14 में गैस आपूर्ति पैटर्न–गेल

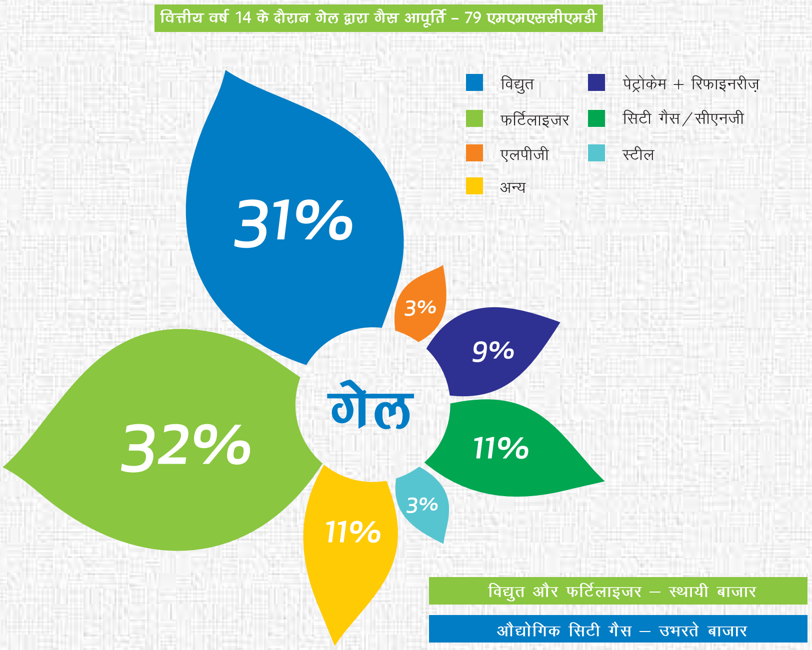

गेल में ग्राहक से संवाद

विश्वासपूर्ण संबंध बनाने का मुख्य आधार नियमित संवाद और फीडबैक होता है। गेल में हम अपने ग्राहकों के साथ ठोस संबंध बनाने और विभिन्न मंचों पर उनके साथ बातचीत करने की दिशा में काम कर रहे है। पूरे वर्ष के दौरान कई ग्राहक सम्मेलन आयोजित किए गए। अंतिम छोर तक पहुंच (एलएमसी) सुदृढ़ करने के लिए गेल द्वारा मुम्बई में परस्पर क्रियाशील सम्मेलन आयोजित किया गया। इस समारोह में अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ–साथ निदेशक (विपणन), कार्यकारी निदेशक (विपणन) सहित गेल के शीर्ष प्रबंधन ने भाग लिया। एलएमसी की प्रक्रिया को तेज करने के लिए जेडओआईसी स्तर पर अपेक्षित शक्तियां और अधिकार प्रत्यायोजित किए गए है। हम अपने ग्राहकों के साथ अमेरिका से आरएलएनजी खरीदने जैसे व्यापार के नए घटनाक्रमों और बढ़ोतरी की उन भावी संभावनाओं, जो इस उद्योग में है, पर विशेष ध्यान देने के बारे में बातचीत करते हैं। मौजूदा और भावी आरएलएनजी ग्राहकों को गेल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय बाजारों से खरीदी गई आरएलएनजी की उपलब्धता से अवगत कराने के लिए भोपाल क्षेत्रीय कार्यालय (जेडओ) में एक अन्य ग्राहक सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसकी आपूर्ति 2016 से शुरू होगी। इस सम्मेलन में मालनपुर क्षेत्र के सभी मौजूदा ग्राहकों और उन भावी ग्राहकों ने भाग लिया जो भविष्य में गेल से आरएलएनजी खरीदने के इच्छुक है। इस वर्ष हमने अंतिम छोर तक पहुंच की व्यवस्था में उपभोक्ताओं के 66 जोड़े और लगभग 5.55 एमएमएससीएमडी प्राकृतिक गैस की आपूर्ति की। विशिष्ट रूप से तरल हाड्रोकार्बन व्यापार पर केन्द्रित ग्राहक संवाद सम्मेलन भी आयोजित किए गए जिसका उद्देश्य गेल के इस बहुत महत्वपूर्ण और मुख्य हितधारक क्षेत्र के साथ बातचीत करना था।

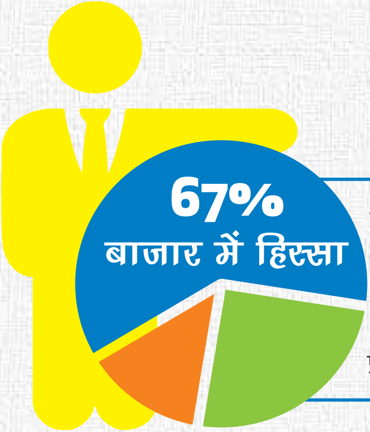

सभी बाजारों में विद्यमान तरह–तरह और विविध ग्राहक पोर्टफोलियों के साथ बाजार का 67 प्रतिशत हिस्सा

ग्राहक के संतुष्टि स्तर को समझने से उसे बेहतर सेवाएं देने में सहायता मिलती है। गेल सभी विभिन्न व्यापारिक क्षेत्रों में कम्पनी के उत्पादों और सेवाओं के बारे में ग्राहक के दृष्टिकोण को समझने के लिए ग्राहक संतुष्टि सूचकांक (सीएसआई) को एक साधन के रूप में इस्तेमाल करता है। गेल की ग्राहक संतुष्टि का पता लगाने के लिए एक ऑनलाइन एसएपी आधारित प्रणाली है। सीएसआई को ग्राहकों/जेडओ द्वारा विभिन्न पेरामीटरों पर इलेक्ट्रॉनिक/मेनुअल रूप में प्रस्तुत फीडबैक के आधार पर ऑनलाइन परिचालित किया जाता है। ग्राहकों की फीडबैक प्राप्त करने के लिए सीएसआई अभियान को तिमाही आधार पर शुरू किया गया है और भविष्य में छमाही आधार पर शुरू किए जाने पर विचार किया जा रहा है। एसएपी में सीएसआई अभियान शुरू करने पर ग्राहकों को अपने आप एक लिंक मिल जाएगा जिसमें जैसे प्रदायगी गुणवत्ता, सामग्री की उपयोग क्षमता, तकनीकी सेवाएं पैकेजिंग, गेल सेवा गुणवत्ता और सभी अलग–अलग व्यापार क्षेत्रों में गेल ओवरऑल तथा ग्राहक के दृष्टिकोण से संभावित चिंताओं जैसे सभी पेरामीटर दिखेंगे और ग्राहक को गेल द्वारा प्रस्तुत उत्पादों/दी जा रही सेवाओं के प्रत्येक पेरामीटर के बारे में गेल के दर्जे का आकलन करना होगा। ग्राहक कोई भी विशिष्ट चिंता/शिकायत भी दर्ज कर सकता है जो वह कम्पनी की जानकारी में लाना चाहता है। इस तरह प्राप्त चिंताओं/शिकायतों को संबंधित विभागों द्वारा आवश्यक कार्रवाई करके दूर किया जाता है। गेल में ग्राहक संतुष्टि सूचकांक 88 प्रतिशत से 93 प्रतिशत तक है और वित्त वर्ष 2013–14 के लिए मिश्रित औसत सीएसआई 92.03 प्रतिशत रहा है।

गेल ने अपने ग्राहकों के लिए एक ऑनलाइन ग्राहक सुझाव प्रणाली भी विकसित की है जिससे वे गेल द्वारा प्रदत्त उत्पाद और सेवाओं के बारे में फीडबैक दे सकते है। गेल ने तरल हाइड्रोकार्बन उत्पाद आपूर्तिकर्ता की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और यह इसे निरन्तर निभाता रहेगा। निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से काम करने के उद्देश्य से एलएचसी उत्पादों के लिए औपचारिक रूप से मूल्य निर्धारण संबंधित प्रक्रियाएं तैयार करने और गेल में मूल्य निर्धारण तंत्र के संचालन को बेहतर बनाने के लिए एक ''एलएचसी उत्पाद मूल्य निर्धारण नीति'' विकसित की है। जहां तक प्राकृतिक गैस का संबंध है गेल, भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार अपने प्रचालन कार्य करता है। इस नीति के भाग के रूप में एलएचसी उत्पादों के सभी मूल्यों का प्रस्ताव मूल्य निर्धारण समिति द्वारा किया जाता है। अपनी एलएचसी उत्पाद मूल्य निर्धारण नीति और पॉलिमर मूल्य निर्धारण नीति से हमें ग्राहकों को वाजिब मूल्य पर उत्पाद उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अपने उत्पादों के ऐसे सही मूल्य सुनिश्चित करने में सहायता मिलती है जो बाजार की गतिशील परिस्थितियों से मेल खाते हो।

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, गेल पीएचडी चैम्बर ऑफ कामर्स में ट्रांसनेशनल गैस पाइपलाइन पर संबोधित करते हुए।

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, गेल पीएचडी चैम्बर ऑफ कामर्स में ट्रांसनेशनल गैस पाइपलाइन पर संबोधित करते हुए।

विपणन संचार

गेल ने बाह्य लोगों के साथ प्रभावी तरीके से संवाद करने और ऐसे नीति ढांचे की व्यवस्था, करने के लिए विज्ञापन एवं संचार नीति तैयार की है, जिससे न केवल त्वरित और प्रभावी विज्ञापन आसान हो अपितु जो आज के प्रतिस्पर्धी वातावरण में बाह्य और आतंरिक दोनों तरह के घटनाक्रमों की त्वरित प्रतिक्रिया प्राप्त करने में भी सहायक हो। इस नीति में बाहर से काम कराने (विज्ञापन, मीडिया खरीद, प्रेस/मीडिया संबंध, मुद्रण, डिजाइनिंग, समारोह प्रबंधन आदि जैसे क्षेत्रों में) के लिए व्यवसायियों/एजेंसियों का पैनल तैयार, वार्षिक संचार योजना एवं बजट, व्यय अनुमोदन, कार्य/दर संविदा देना, और क्षेत्राधिकार जैसे पहलु शामिल हैं। यह नीतिगत ढांचा विज्ञापन और प्रचार – प्रसार आदि जैसे संचार क्रियाकलापों के संबंध में कार्पोरेट संचार विभाग में निर्णय निर्माण में सहायता करने के लिए तैयार किया गया है।

गेल विज्ञापन एवं संचार के लिए निर्धारित आईएसओ मानदण्डों का पालन करता है और केवल आईएनएस प्रत्यायित विज्ञापन एजेंसियों के साथ काम करता है। निश्चित रूप से तरह हाईड्रोकार्बन व्यापार के संबंध में पूरे संगठन में विपणन संचार के संबंध में ऐसी कोई संविदा या स्वैच्छिक मानक नहीं हैं। ऐसे संवाद आवश्यकता या ''यथा अपेक्षा'' आधार पर होते है। गेल द्वारा तरह हाईड्रोकार्बन उत्पादों को प्रचुर मात्रा में ही बेचा जाता है और इन्हें ग्राहकों द्वारा तैनात रोड़ टी और/या रेलवे वेगनों में लोड करके पूर्व कार्य आधार पर ही बेचा जाता है। स्थानीय कानूनों के अनुसार परिवहन में ले जाए जा रहे उत्पाद के बारे में तकनीकी/सुरक्षा संबंधी सूचना ट्रक टैंकर/रेल वेगन पर ही प्रदर्शित की जाती है और इसे संबंधित ग्राहक/परिवहनकर्ता द्वारा सुनिश्चित किया जाता है। चूंकि तरल हाईड्रोकार्बन उत्पाद भारी मात्रा में होते है इसलिए उत्पाद की सूचना प्रदर्शित करने के लिए कोई अलग लेबल नहीं लगाए जाते हैं।

प्रोपेन से संबंधित सुरक्षा पहलुओं के बारे में अपने ग्राहकों में समझ पैदा करने के लिए एचएसई की सहायता से गेल के चण्डीगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय में फरवरी, 2014 में ग्राहक सुरक्षा जागरूकता और लेखा परीक्षा पर एक कार्यक्रम आयोजित किया। दो ग्राहकों के लिए उनके प्लांट परिसर में प्रोपेन से संबंधित ढांचे को भण्डारण से लेकर वास्तविक उपयोग स्थल तक प्रदर्शित किया गया। रक्षा, सुरक्षा, प्रचालन और उपयोगी सेवा विभागों के ग्राहक प्रतिनिधियों ने इस आयोजन में सक्रिय रूप से भाग लिया। जागरूकता पैदा करने के अलावा सुरक्षा लेखा परीक्षा के आधार पर अनेक बहुमूल्य जानकारियों और सुझावों को दोनों ग्राहकों की ओर से आगे विचार – विमर्श और क्रियान्वयन हेतु उनकी जानकारी में लाया गया ताकि उनके प्लांट और कार्मिकों की रक्षा और सुरक्षा को बढ़ाया जा सकें।

विज्ञापन, संर्वधन, और परिणामों के प्रकार द्वारा प्रायोजन सहित विपणन संचार से संबंधित विनियमों और स्वैच्छिक सहिताओं के संबंध में अनुपालन न किए जाने की कोई घटना नहीं हुई।

वर्ष के दौरान गेल प्रदर्शनी में तल्लीन व्यापारी दर्शक

एशिया गैस साझेदारी शिखर सम्मेलन

औद्योगिक एसोसिएशनों में सदस्यता के अलावा गेल समकक्ष कम्पनियों, नीति निर्माताओं, उपभोक्ताओं, आपूर्तिकर्ताओं के साथ साझेदारी बनाने की दिशा में भी काम कर रहा है। गेल का मानना है कि एशियन बाजार के बढ़ने से अन्तर्राष्ट्रीय गैस आपूर्तिकर्ताओं को इन गैस मांग केन्द्रों के साथ नई–नई साझेदारियां बनाने के लिए नई–नई कार्यनीतियां विकसित करने हेतु अवसर मिलता है। स्थाई और सतत गैस बाजार तैयार करने में सशक्त गैस आपूर्ति नेटवर्क गैस प्राप्त करने की दीर्घावधि संविदा, उच्च स्तरीय प्रौद्योगिकी की सुलभता और निवेश के विकल्प महत्वपूर्ण होंगे। इसी के अनुसार परिवहन और वितरण के बुनियादी ढांचे के विकास के लिए अन्तर्राष्ट्रीय सामूहिक प्रयासों की भी आवश्यकता हो सकती है। व्यापार के प्रचुर अवसरों के साथ–साथ ऐसे उभरते बाजार के लिए चुनौतियां भी होगी। साथ ही भारत में यह भी महसूस किया गया कि इस क्षेत्र को खोलने और व्यापार की मात्रा और बुनियादी ढांचे दोनों में वृद्वि के बावजूद भारतीय गैस उद्योग की क्षेत्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय मंचों आदि में उतनी उपस्थिति नहीं रही। ऐसे अवसरों और चुनौतियों का पता लगाने और चिंताओं का मुद्दा उठाने और समाधान निकालने के लिए एक परस्पर

8वां एशिया
गैस साझेदारी
शिखर सम्मेलन

क्रियाशील मंच का पता लगाने के उद्देश्य से, सबसे पहले गेल (इण्डिया) लिमिटेड ने वर्ष 2002 में 'एशिया गैस साझेदारी का शिखर सम्मेलन' की शुरूआत की। हम एशिया आईएनजी फोर्म, एक तरह का एशियन एलएनजी क्रेता क्लब स्थापित करने और इसका संर्वधन करने की दिशा में भी काम कर रहे है। गेल एशिया और साथ ही एशियाई गैस सूचकांक के लिए क्षेत्रीय गैस व्यापार केन्द्र स्थापित करने की दिशा में भी सक्रिय रूप से काम कर रहा है।

इस समय एजीपीएस जिसका आयोजन दो वर्ष में किया जाता है, ने काफी उत्साहवर्धक शुरुआत की थी जिसमें वर्ष 2003 में 10 देशों के लगभग 300 सहभागियों ने भाग लिया था। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि वैश्विक गैस बाजार एक जुट हो रहे है, उन देशों के बीच साझेदारी की आवश्यकता महसूस की गई जिनके गैस अर्थव्यवस्था विकसित करने में साझे हित हैं। स्वाभाविक रूप से एक आयोजन के रूप में एजीपीएस से इस उद्योग में काफी रूचि पैदा हुई। एजीपीएस को व्यापक रूप से गत संस्करणों से राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रमुख प्राकृतिक गैस आयोजन माना गया है। यह आयोजन वैश्विक प्राकृतिक गैस उद्योग में नवीनतम विचारों, उद्योग प्रक्रियााओं तथा प्रौद्योगिकियों के आदान –प्रदान के लिए एक विशेष लधु मंच के रूप में भी विकसित हुआ है। 3 से 4 दिसम्बर, 2013 तक आयोजित 8वां एशिया गैस साझेदारी का शिखर सम्मेलन (एजीपीएस) अत्यधिक सफल रहा। इस शिखर सम्मेलन में नीति निर्माताओं, राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों, उद्योग और उत्पाद प्रदर्शनकर्ताओं से काफी उत्साहवर्धक प्रतिक्रिया मिली और इसमें 19 देशों के 800 से अधिक सहभागियों, 45 उच्च स्तरीय वक्ताओं और 34 आयोजन साझेदारों ने भाग लिया। शिखर सम्मेलन के दौरान सामने आने प्रमुख परिणाम एशिया गैस बाजार के ओर अधिक एक जुट होने की आवश्यकता थे और अब एशियाई मूल्य सूचकांक और प्राकृतिक गैस के लिए बाजार से जुड़ी मूल्य प्रणाली स्थापित किए जाने की आवश्यकता है।

एजीपीएस – 13 के दौरान व्यापार प्रतिनिधियों के साथ गेल प्रबंधन की बैठक

आपूर्तिकर्ता

GAIL (India) Limited
India's Youngest Maharatna
Welcome
to
Vendor Interactive Meet

हमारा मानना है कि हमारे आपूर्तिकर्ता, संविदाकार और विक्रेता हमारे व्यापार और प्रचालन कार्यो के सुचारू कार्यकरण में सहयोग के स्तम्भ हैं। इनके उत्पादों और सेवाओं की उच्च गुणवत्ता और समयबद्धता तथा प्रतियोगी मूल्यों से हमें अपने ग्राहकों को बेहतर संतुष्टि देने में सहायता मिली है। हमारे आपूर्तिकर्ता हमारी बढोतरी का महत्वपूर्ण भाग हैं और हम उनके लिए पारदर्शी और उत्तरदायी प्रणालियों की व्यवस्था करने की जिम्मेदारी के प्रति वचनबद्ध है ताकि लेनदेन समय पर सुनिश्चित हो सकें।

हम मिलकर अपने आपूर्तिकर्ताओं के साथ मिलकर काम करते है और आपूर्तिकर्ताओं तथा विक्रेताओं की जरूरतों को पूरा करने और चिंताओं को दूर करने के विभिन्न उपाय करते हैं। आपूर्तिकर्ताओं के साथ सुचारू और पारदर्शी लेनदेन सुनिश्चित करने के लिए हमनें बिल वॉच सिस्टम, फाइल मूवमेंट सिस्टम, ई–बिडिंग आदि जैसे विभिन्न ऑनलाइन प्रबंधन साधन शुरू किए हैं। इन प्रणालियों से हमें कागज रहित लेनदेने की दिशा में आगे बढ़ने में और ज्यादा परादर्शिता तथा जबावदेही सुनिश्चित करने में भी सहायता मिली।

ई–टेंडरिग अपनाए जाने सहित प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने और धीरे–धीरे न्यूनतम मूल्य को कम करने के लिए सीवीसी दिशा निर्देशों के अनुसार गेल में प्रारंभ में एक करोड़ रूपए और इससे अधिक के मूल्य, जिसे बाद में दिसम्बर, 2009 में घटाकर 50 लाख रूपये कर दिया गया, की निविदाओं के लिए फरवरी, 2007 में ई–टेंडरिग की पद्धति अपनाई गई। अब गेल ने सी एण्ड पी प्रक्रिया में संशोधन करके ई–टेंडरिग के न्यूनतम मूल्य को और कम कर दिया जिससे 25 लाख रूपए और इससे अधिक मूल्य की सभी निविदाएं शामिल किया जाना सुनिश्चित हुआ है। न्यूनतम सीमा में इस कमी से ई–टेंडरिग पद्धति से मूल्यवार और वचनबद्वताओं/निविदाओं के संबंध में अब हमारी अधिकांश निविदाएं ई–टेंडरिग के माध्यम से दी जाती है और इस प्रकार प्रापण प्रक्रिया में और अधिक पारदर्शिता और प्रतिस्पर्धा हुई है।

गेल के व्यापार के स्वरूप को देखते हुए इसके लिए आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन का अत्यधिक महत्व है। आपूर्तिकर्ताओं के साथ नियमित संवाद से भविष्य की योजना को प्रभावी ढंग से बनाने में सहायता मिल सकती है। गेल ने एसएपी, एसआरएम, एमआरपी लागू किए जो संसाधन युक्त पैकेज है और इससे आपूर्ति श्रृंखला का सम्पूर्ण समाधान मिलता है। 'संविदा और प्रापण' विभाग को समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए इसमें तेजी लाने और निरीक्षण करने की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी गई है इसके अलावा गेल प्रतियोगी बोली प्रक्रिया के बाद पूरे वर्ष निरन्तर अपेक्षित सामग्रियों, कार्यों और सेवाओं की भारी मात्रा और साझे तथा बार–बार उपयोग के लिए विक्रेताओं के साथ वार्षिक दर संविदा (एआरसी) करता है। इससे गेल को संविदा अवधि के दौरान जब भी आवश्यकता हो संविदाकार से उतनी मात्रा प्राप्त करने में आसानी होती है और इस प्रकार माल को भण्डार में रखने की लागत कम हो जाती है। अन्य महत्वपूर्ण सेवाएं (जैसे ईंजनों को खोलकर पूरा ठीक करना) भी ओईएम के साथ दीर्घावधि करार करके निष्पादित की जाती है जिससे न केवल व्यापार के जोखिम कम करने अपितु अपने आपूर्तिकर्ताओं के साथ विश्वास और दीर्घावधि संबंध बनाने में भी सहायता मिलती है।

प्रचालन दक्षता बढाने के प्रयास में हमने कुछ खास उपाय शुरू किए है। इनमें से एक उपाय संविदाकारों की प्रतिधारण राशि को समय पर जारी करने की निगरानी करना था। विक्रेताओं की प्रतिधारण राशि, विशेष रूप से प्रतिभूति जमा राशि कुछेक मामलों में देय तिथि के भीतर जारी नहीं की जा रही थी। प्रतिधारण राशि को समय पर जारी करने में विलम्ब से बोलीदाता बाद की निविदाओं में उच्च दरें कोट करते हैं। सतर्कता से सुझाव के आधार पर आईटी विभाग ने तिमाही आधार पर ऑटोमेटिक चेतावनी देने की प्रणली पर काम करना शुरु किया जिसमें संबंधित ओआईसी/विभागाध्यक्ष को विक्रेताओं की बकाया प्रतिधारण राशि की एमआईएस रिपोर्ट सलग्न की जाती है। रिपोर्ट में संबंधित अधिकारियें के नाम और राशि लंबित रहने के दिनों की संख्या शामिल होती है ताकि यूनिट का प्रभारी अधिकारी (ओआईसी) इसे संबंधित अधिकारी को दे सकें। बढ़ी यूनिट के ओआईसी को चेतावनी देना शुरू किया गया है और अगली तिमाही से छोटी यूनिटों के लिए इसी तरह की चेतावनी देना शुरू किया जाएगा।

गेल ने 50 करोड से अधिक मूल्य की निविदाओं के लिए प्रतियोगी मूल्य जानने हेतु ऑनलाइन प्रापण साधन के रूप में विपरीत निलामी क्रियान्वित की। इससे बोलीदाताओं को भी अन्य आपूर्तिकर्ताओं के मुकाबले अपने मूल्य जानने का अवसर मिलता है। परन्तु इसमें उनकी पहचान प्रकट नहीं होती और बेहतर दर कोट करने के सामान अवसर मिलते है। हम बार–बार होने वाले कामों के लिए प्रतिशत संविदा लागू करने और विश्वसनीय लागत अनुमान क्रियान्वित करने की प्रक्रिया में भी हैं। इसके अलावा हम विक्रेताओं का पैनल तैयार करने की दिशा में काम कर रहे है ताकि ठोस विक्रेता आधार तैयार हो सकें।

गेल प्रापण और संविदाओं में 'निष्ठा समझौता' शुरू करने वाले सबसे पहले कुछेक भारतीय कार्पोरेटों में शामिल है। 'निष्ठा समझौता', सार्वजनिक प्रापण में भ्रष्टाचार को रोकने के लिए ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल वर्ल्डवाइड द्वारा तैयार एक साधन है और इस प्रकार इससे सार्वजनिक प्रक्रियाओं और प्रशासन की विश्वसनीयता बढ़ाने में सहायता मिलती है और इससे 1 करोड और उससे अधिक मूल्य के संविदाओं के संचालन में पारदर्शिता और भ्रष्टाचार मुक्त प्रवेश सुनिश्चित होता है।

लघु और स्थानीय विक्रेताओं को प्रोत्साहन और विकास

भारत में सार्वजनिक प्रापण पर प्रतिवर्ष सकल घरेलु उत्पाद (जीडीपी) का 20 प्रतिशत या 12 से 15 लाख करोड रूपए खर्च किए जाते है। गेल स्थानीय रूप से आधारित आपूर्तिकर्ताओं के प्रोत्साहन के महत्व को समझता है और इसने सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई) के लिए 'सार्वजनिक प्रापण नीति' क्रियान्वित की है। इस नीति में 20 प्रतिशत प्रापण एमएसई से किए जाने का लक्ष्य है जिसमें ऐसे संगठनों द्वारा प्रदत्त मांग और सेवाओं के संबंध में 4 प्रतिशत उनसे खरीदा जाएगा जिसके मालिक अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के उद्यमी हैं। इसके अलावा हम अपनी वेबसाइट पर निविदाएं डालते है जो सार्वजनिक सूचना के लिए उपलब्ध होता है और कोई भी इच्छुक उद्यम उन निविदाओं में भाग ले सकता है।

गेल, कंपनी और भारत सरकार की पारदर्शी प्रक्रिया और दिशा–निर्देशों एवं नीतियों को अपनाते हुए सामग्री/सेवाओं को खरीदने का प्रयास करता है। समान अवसर उपलब्ध कराने और प्रतिस्पर्धा पैदा करने के लिए गेल ने निम्नलिखित कदम उठाए हैं।

सभी निविदाओं में निविदा पूर्व/बोली पूर्व बैठक आयोजित की जाती है ताकि व्यापक भागीदारी हो सके तथा विक्रेताओं को निविदा आमंत्रित करने की प्रक्रिया की जानकारी दी जा सके। उपर्युक्त के अलावा, आपूर्तिकर्ताओं के साथ प्रभावी ढंग से संपर्क बनाने के लिए गेल द्वारा विक्रेता बैठकें, एमएसई बैठकें बुलाने तथा उद्योग सम्मेलन में गेल का प्रतिनिधित्व करने जैसी कुछ अन्य पहलें की गई हैं। गेल ने पूरे भारत में अ.जा./अ.ज.जा. उद्यमियों सहित सूक्ष्म और लघु उद्योगों के साथ विभिन्न बैठकें भी आयोजित की हैं। उदाहरण के लिए एमएसई क्षेत्रों से खरीद प्रतिशत को बढ़ाने की दृष्टि से वड़ोदरा में 31.12.2013 को एमएसएमई–विकास संस्थान अहमदाबाद और वड़ोदरा चेम्बर ऑफ कामर्स के सहयोग से एक बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में काफी अच्छी प्रतिक्रिया प्राप्त हुई और लगभग 150 विक्रेताओं ने इसमें सक्रिय रूप से भाग लिया।

वित्तीय वर्ष 2013–14 के दौरान हमने छोटी पाइपलाइन बिछाने वाले ठेकेदारों का क्षमता निर्माण करने के लिए परस्पर क्रियाशील सत्र का भी आयोजन किया।

इससे पूर्व, गेल ने कागज के कार्य को कम करने और निविदा प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए ई–खरीद को भी लागू किया था। इसने स्थानीय और छोटे विक्रेताओं को आसानी से बड़ी संख्या में उद्धृत करने और भारी–भरकम बोली दस्तावेजों की प्रस्तुति में शामिल उनकी निविदा लागत को कम करने में भी मदद की। सभी निविदाओं में निविदा–पूर्व/बोली–पूर्व बैठक आयोजित की जाती है ताकि व्यापक भागीदारी सुनिश्चित हो और विक्रेताओं को निविदा प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी जा सके। इन आईटी समर्थित प्रणालियों को अपनाने से आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन दोष–रहित, स्वचालित और पूरी तरह से जुड़ने में मदद मिली है।

गेल विभिन्न मंचों जैसे विक्रेता बैठक/एमएसई बैठक/उद्योग सम्मेलन आदि में छोटे और स्थानीय विक्रेताओं के साथ भी बातचीत करता है और उन्हें गेल की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी जाती है। गेल प्रचालनों में मूल कार्य करने के लिए उन्हें वरीयता देकर स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं को भी समर्थन देता है। वित्तीय वर्ष 2013–14 में घरेलू आपूर्तिकर्ताओं से हमारी खरीद 16550 मिलियन रुपए थी जो 20790 मिलियन रुपए की वस्तुओं और आपूर्तियों की कुल खरीद का 79.60% बैठता है।

गेल ने एमएसएमई क्षेत्र का क्षमता निर्माण करने के लिए विजयवाड़ा में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय विक्रेता विकास कार्यक्रम–सह–औद्योगिक प्रदर्शनी में भाग लिया था। गेल का प्रतिनिधित्व उनके वरिष्ठ प्रबंधन द्वारा किया गया जिन्होंने उपस्थित समूह को संबोधित किया और विक्रेताओं, आगंतुकों और अन्य भागीदारों के साथ प्रौद्यो–वाणिज्यिक मुद्दों पर चर्चा की। गेल ने विक्रेता के रूप में एमएसएमई के लिए अपनी खरीद आवश्यकताओं, प्रक्रियाओं और अवसरों को भी प्रस्तुत किया।

हरित खरीद

हरित खरीद का अर्थ ऐसे उत्पाद खरीदना और सेवाएं प्राप्त करना है जिनका पर्यावरण पर न्यूनतम प्रतिकूल प्रभाव पड़ता हो। भारत में सार्वजनिक खरीद व्यय जीडीपी का बीस प्रतिशत या 12 से 15 लाख करोड़ रुपए प्रतिवर्ष होता है। बड़ी मात्रा में सार्वजनिक व्यय के कारण भारत में सार्वजनिक क्षेत्र सतत् उत्पादन और खपत के लिए प्रमुख कारक हो सकता है और यह पर्यावरणीय और आर्थिक लाभ का सृजन कर सकता है। इसे संज्ञान में लेते हुए हम व्यापक ऊर्जा दक्षता सुनिश्चित करने के लिए कदम उठा रहे हैं। जिन कुछ पहलों पर विचार किया जा रहा है उनमें स्टार रेटिंग वाले बिजली के उपकरणों की खरीद, विशिष्ट कागज की खपत को कम करना, पंप/मोटर/जनरेटरों और टर्बाइनों की खरीद के मामले में विशिष्ट अवधि के लिए ईंधन/बिजली हेतु मानदण्ड बनाना; पुराने एसी/अग्नि सुरक्षा प्रणाली को चरणबद्ध ढंग से हटाते हुए अन्य उपकरणों सहित लोग का इस्तेमाल करना शामिल है।

संक्षिप्त निष्पादन

पर्यावरण निष्पादन

सामग्री खपत

	वित्त वर्ष 2009-10	वित्त वर्ष 2010-11	वित्त वर्ष 2011-12	वित्त वर्ष 2012-13	वित्त वर्ष 2013-14
संसाधित प्राकृतिक गैस (एमएमएससीएम)	14601.13	14849.11	15119.53	14373.41	14,529.49
उत्पाद तैयार करने के लिए उपयोग की गई प्राकृतिक गैस (एमएमएससीएम)	1123.45	1060.21	1136.57	1080.33	1058.11
पाइपलाइन में वापस भेजी गई प्राकृतिक गैस (एमएमएससीएम)	13121.74	13342.26	13418.95	12944.06	13203.31
अन्य सामग्री (मी टन)	8869.86	10412.00	9916.43	10630.53	10563.48
पैकेजिंग सामग्री (मी टन)	2128.00	2112.00	2249.00	2208.00	2090.00

ऊर्जा उपभोग

	वित्त वर्ष 2009-10	वित्त वर्ष 2010-11	वित्त वर्ष 2011-12	वित्त वर्ष 2012-13	वित्त वर्ष 2013-14
प्रत्यक्ष ऊर्जा[5] (जीजे)	37,452,841.61	38,281,008.47	39,012,486.03	37,359,155.95	35,859,826.15
अप्रत्यक्ष ऊर्जा (जीजे)	971397.52	1039694.31	1166546.11	1118455.42	1126034.67
नवीकरणीय ऊर्जा खपत (जीजे)	30.12	9754.57	12155.72	27979.80	88274.33
प्राकृतिक गैस फ्लेरिंग से ऊर्जा (जीजे)	393032.80	379338.37	337453.16	367375.07	347921.40
एल.पी.जी. फ्लेरिंग से ऊर्जा (जीजे)	892.98	987.43	4922.70	2472.37	2889.08
एन.जी. वेंटिंग से ऊर्जा (जीजे)	97180.46	115026.50	133305.52	444484.41	490192.97
एल.पी.जी. वेंटिंग से ऊर्जा (जीजे)	4283.81	2789.28	3738.54	2618.53	4744.19

स्रोत द्वारा ऊर्जा खपत

जीजे में स्रोत से ऊर्जा	वित्त वर्ष 2009-10	वित्त वर्ष 2010-11	वित्त वर्ष 2011-12	वित्त वर्ष 2012-13	वित्त वर्ष 2013-14
डीजल	18902.05	19294.02	19666.26	20092.78	20329.57
प्राकृतिक गैस	30524448.40	30790594.72	31033613.37	30056464.16	28988284.74
अवशिष्ट ईंधन	6897139.20	7465046.40	7956761.60	7279523.09	6849248.42
एल.पी.जी.	12351.97	6073.32	2444.80	3075.92	1963.42
कुल प्रत्यक्ष ऊर्जा	37452841.62	38281008.46	39012486.03	37359155.95	35859826.15

[5]कुल प्रत्यक्ष ऊर्जा खपत में केवल गैर–अक्षय ऊर्जा स्रोत शामिल है (उदाहरण के लिए डीजल, प्राकृतिक गैस, अवशिष्ट ईंधन, एलपीजी)। अक्षय ऊर्जा स्रोतों से प्रत्यक्ष ऊर्जा खपत शून्य है।

ऊर्जा बचत

कुल ऊर्जा बचत (जीजे)	.	672231.73	1174649.79	152061.35	55966.60

अक्षय ऊर्जा उत्पादन

	वित्त वर्ष 2009-10	वित्त वर्ष 2010-11	वित्त वर्ष 2011-12	वित्त वर्ष 2012-13	वित्त वर्ष 2013-14
पवन ऊर्जा उत्पादन (जीजे)	516.23	31714.97	43414.11	545124.15	464397.88
सौर ऊर्जा उत्पादन (जीजे)	30.12	34.68	75.24	211.24	208.52
कुल अक्षय ऊर्जा उत्पादन (जीजे)	546.36	31749.65	43489.34	545335.40	464606.40

उत्सर्जन

	वित्त वर्ष 2009-10	वित्त वर्ष 2010-11	वित्त वर्ष 2011-12	वित्त वर्ष 2012-13	वित्त वर्ष 2013-14
कुल स्कोप 1 उत्सर्जन (टीसीओ2ई)	2230629.18	2261535.39	2363624.06	2381898.43	2285196.47
कुल स्कोप 2 उत्सर्जन (टीसीओ2ई)	223954.99	233260.90	256277.68	256599.19	258351.26
गेल में कुल जीएचजी उत्सर्जन (टीसीओ2ई)	2454584.17	2,494,796.30	2,619,901.74	2,638,497.63	2,543,547.73

जल

	वित्त वर्ष 2009-10	वित्त वर्ष 2010-11	वित्त वर्ष 2011-12	वित्त वर्ष 2012-13	वित्त वर्ष 2013-14
कुल जल खपत (एम3)	12,818,938.09	13,811,971.82	14,077,208.93	13,855,143.06	12,899,338.35
कुल सृजित अपशिष्ट पानी (एम3)	1298756.40	1629270.27	2255076.53	2437812.64	1,975,760.93
निकलने वाला कुल अपशिष्ट पानी (संयंत्र की चारदीवारी के बाहर) (एम3)	710547.00	854256.62	1331330.45	1200865.63	1163497.63
पानी को रिसाइकल करना/पुनः प्रयोग करना (एम3)	562291.03	736895.45	868490.41	1113396.22	777,334.39

उत्पन्न होने वाला खतरनाक कचरा

	यूनिट	वित्त वर्ष 2009-10	वित्त वर्ष 2010-11	वित्त वर्ष 2011-12	वित्त वर्ष 2012-13	वित्त वर्ष 2013-14
उपयोग किए गए तेल की मात्रा	(लीटर)	21126.00	42588.08	58150.00	10410.00	23505.00
उपयोग की गई बैटरी	(नं.)	225.00	610	138.00	849.00	2323.00
बास्केट फिल्टर कचरा	(मी.टन.)	2.82	3.52	84.48	4.75	3.66
ई.टी.पी. कीचड़	(मी.टन.)	0.00	0.00	6.00	0.00	0.20
टार	(मी.टन.)	3.35	19.50	2.45	17.40	17.06
टार राख	(मी.टन.)	0.00	15.20	10.02	0.00	0.00
तैलीय कीचड़	(मी.टन.)	300.00	282.00	343.43	341.07	297.12
प्रयुक्त ल्यूब तेल	(मी.टन.)	141487.97	168604.93	94779.57	82411.00	57095.00
खाली ड्रम	(मी.टन.)	213.00	220.00	8694.00	6199.00	5795.00
ई–कचरा	(मी.टन.)	35.20	45.19	312.26	2.22	8.75
जैव–चिकित्सा कचरा	(मी.टन.)	0.15	0.23	0.21	0.58	0.62
स्लोप तेल	(मी.टन.)	117226.70	136237.05	446603.00	325027.73	449402.00

सृजित कचरा जो खतरनाक नहीं है

	यूनिट	वित्त वर्ष 2009-10	वित्त वर्ष 2010-11	वित्त वर्ष 2011-12	वित्त वर्ष 2012-13	वित्त वर्ष 2013-14
उपयोग की गई उपभोग सामग्री	मी.टन.	0.48	0.56	0.00	0.06	0.60
उपयोग किए गए बैग फिल्टर	संख्या	1090.00	869.00	982.00	2202.00	1733.00
खाली बैरल	संख्या	419.00	257.00	253.00	0.00	0.00
धातु कचरा	मी.टन.	264.73	385.18	631.74	642.50	322.17
प्लास्टिक कचरा	मी.टन.	15.78	17.18	46.80	164.72	41.48
लकड़ी का कचरा	मी.टन.	12.60	0.70	235.74	442.21	216.98
स्पेंट एल्यूमिना	मी.टन.	1168.51	1221.73	1151.70	1196.89	1534.74
सिलिका जैल	मी.टन.	24.01	45.51	45.01	45.05	31.02
सेल्यूलोज कीचड़	मी.टन.	0.28	0.14	0.16	0.21	0.24
कैंटीन कचरा	मी.टन.	10.60	11.20	12.57	41.52	40.12
मॉलीक्यूलर सीव	मी.टन.	0.00	100.00	0.43	223.19	210.25
सिरामिक सामग्री	संख्या	116.00	0.00	0.00	19.15	11.47
एल्यूमीनियम कचरा	मी.टन.	1.05	0.36	0.74	0.00	0.00
विविध कचरा	मी.टन.	0.00	13.81	24.88	9.30	74.25
केबल	मी.टन.	.	.	.	0.00	2.12
टायर	संख्या	.	.	.	0.00	3.00

वायु उत्सर्जन

	वित्त वर्ष 2009-10	वित्त वर्ष 2010-11	वित्त वर्ष 2011-12	वित्त वर्ष 2012-13	वित्त वर्ष 2013-14
एस.पी.एम. (टन/वर्ष)	831.43	906.15	1012.48	911.62	815.23
एन.ओ.एक्स. (टन/वर्ष)	815.19	710.46	695.48	848.23	968.48
कार्बन मोनो ऑक्साइड (टन/वर्ष)	0.02	0.04	0.03	0.00	667.64
एस.ओ.एक्स. (टन/वर्ष)	238.69	258.91	192.89	178.06	303.59
वी.ओ.सी. (कि.ग्रा.)	0.02	0.01	0.01	0.02	2.25
आर–134ए (कि.ग्रा.)	7.00	43.60	169.50	0.00	226.00

ओ.डी.सी. गैस खपत

		वित्त वर्ष 2009-10	वित्त वर्ष 2010-11	वित्त वर्ष 2011-12	वित्त वर्ष 2012-13	वित्त वर्ष 2013-14
आर–22	कि.ग्रा.	2204.50	2393.30	2298.94	2777.66	1951.40
ओडीपी	सीएफसी–II समकक्ष	121.25	131.63	126.44	152.77	107.33

कुल पर्यावरण संरक्षण निवेश और व्यय का प्रकार

	यूनिट	वित्त वर्ष 2009-10	वित्त वर्ष 2010-11	वित्त वर्ष 2011-12	वित्त वर्ष 2012-13	वित्त वर्ष 2013-14
प्राप्त हुए कारण बताओ नोटिस	संख्या	0.00	0.00	1.00	0.00	0.00
पर्यावरण संबंधी जुर्माना	आईएनआर (लाख)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
अपशिष्ट का उपचार और निपटान	आईएनआर (लाख)	36.94	46.62	74.08	79.77	41.41
मूल्य ह्रास और प्रदूषण नियंत्रण में प्रयुक्त उपकरण का मूल्य ह्रास और रखरखाव लागत	आईएनआर (लाख)	150.27	162.01	161.93	163.83	163.18
पर्यावरणीय प्रबंधन के लिए बाहरी सेवाएं	आईएनआर (लाख)	28.86	33.03	39.30	47.28	45.83
प्रबंधन प्रणालियों का बाहरी प्रमाणन	आईएनआर (लाख)	7.39	5.63	7.30	6.48	5.92
सामान्य पर्यावरणीय प्रबंधन कार्यकलापों के लिए कार्मिक	आईएनआर (लाख)	125.61	171.66	198.62	180.21	168.98

	यूनिट	वित्त वर्ष 2009-10	वित्त वर्ष 2010-11	वित्त वर्ष 2011-12	वित्त वर्ष 2012-13	वित्त वर्ष 2013-14
स्वच्छ प्रौद्योगिकियों की स्थापना के लिए अतिरिक्त व्यय	आईएनआर (लाख)	0.00	0.00	96.83	9.56	0.69
अन्य पर्यावरणीय लागत	आईएनआर (लाख)	24.32	170.04	56.49	52.87	27.97
कुल पर्यावरणीय व्यय	आईएनआर (लाख)	373.39	589.01	634.55	539.99	453.98

सामाजिक निष्पादन

कर्मचारियों का स्वास्थ्य और संरक्षा

	वित्त वर्ष 2009-10	वित्त वर्ष 2010-11	वित्त वर्ष 2011-12	वित्त वर्ष 2012-13	वित्त वर्ष 2013-14
बाल–बाल बचने वाले मामले – पुरुष (संख्या)	173	179	156	156	217
बाल–बाल बचने वाले मामले – महिला (संख्या)	0	0	0	1	2
मामूली चोट – पुरुष (संख्या)	5	2	0	0	0
मामूली चोट – महिला (संख्या)	0	0	0	0	0
रिपोर्ट करने योग्य दुर्घटना – पुरुष (संख्या)	0	2	0	0	4
रिपोर्ट करने योग्य दुर्घटना – महिला (संख्या)	0	0	0	0	0
रिपोर्ट करने योग्य चोट के कारण खो जाने वाले दिनों की संख्या	0	115	0	0	0
हताहत – पुरुष (संख्या)	0	1	0	0	0
हताहत – महिला (संख्या)	0	0	0	0	0
प्राथमिक उपचार मामले – पुरुष (संख्या)	8	20	17	11	1
प्राथमिक उपचार मामले – महिला (संख्या)	0	0	0	0	0
किए गए श्रम घण्टे – पुरुष	6280243	6355332	6584731	5603054	7476551
किए गए श्रम घण्टे – महिला	0	0	0	224940	271612
व्यवसाय से संबंधित रोग – स्थायी कर्मचारी – पुरुष (संख्या)	0	0	0	0	0
व्यवसाय से संबंधित रोग – स्थायी कर्मचारी – महिला (संख्या)	0	0	0	0	0

	वित्त वर्ष 2009-10	वित्त वर्ष 2010-11	वित्त वर्ष 2011-12	वित्त वर्ष 2012-13	वित्त वर्ष 2013-14
एल.टी.आई.एफ. – पुरूष (रिपोर्ट करने योग्य दुर्घटना प्रति दस लाख किए गए श्रम घंटे)	0.00	0.31	0.00	0.00	0.54
एल.टी.आई.एफ. – महिला (रिपोर्ट करने योग्य दुर्घटना प्रति दस लाख किए गए श्रम घंटे)	.	.	.	.	0.00
गंभीरता दर – कुल (दिवस हानि प्रति दस लाख किए गए श्रम घंटे)	0	18.10	0	0	0
हताहत दर – पुरूष (हताहत प्रति दस लाख किए गए श्रम घंटे)	0	0.16	0	0	0
हताहत दर – महिला (हताहत प्रति दस लाख किए गए श्रम घंटे)	.	.	.	.	0

ठेका मजदूर का स्वास्थ्य और संरक्षा

	वित्त वर्ष 2009-10	वित्त वर्ष 2010-11	वित्त वर्ष 2011-12	वित्त वर्ष 2012-13	वित्त वर्ष 2013-14
बाल–बाल बचने वाले मामले – पुरुष (संख्या)	177	189	208	184	229
बाल–बाल बचने वाले मामले – महिला (संख्या)	0	0	0	0	0
मामूली चोट – पुरुष (संख्या)	12	28	3	3	4
मामूली चोट – महिला (संख्या)	0	0	0	0	0
रिपोर्ट करने योग्य दुर्घटना – पुरुष (संख्या)	0	1	0	0	6
रिपोर्ट करने योग्य दुर्घटना – महिला (संख्या)	0	0	0	0	0
रिपोर्ट करने योग्य चोट के कारण खो जाने वाले दिनों की संख्या	0	0	0	0	192
हताहत – पुरूष (संख्या)	1	2	0	0	0
हताहत – महिला (संख्या)	0	0	0	0	0
प्राथमिक उपचार मामले – पुरूष (संख्या)	120	110	73	57	8

	वित्त वर्ष 2009-10	वित्त वर्ष 2010-11	वित्त वर्ष 2011-12	वित्त वर्ष 2012-13	वित्त वर्ष 2013-14
प्राथमिक उपचार मामले – महिला (संख्या)	0	0	0	0	0
किए गए श्रम घण्टे – पुरूष	16886211	20145368	30669256	16682966	19668681
किए गए श्रम घण्टे – महिला	0	0	0	367800	1000857
व्यवसाय से संबंधित रोग – स्थायी कर्मचारी – पुरूष (संख्या)	0	0	0	0	0
व्यवसाय से संबंधित रोग – स्थायी कर्मचारी – महिला (संख्या)	0	0	0	0	0
एल.टी.आई.एफ. – पुरूष (रिपोर्ट करने योग्य दुर्घटना प्रति दस लाख किए गए श्रम घंटे)	0.00	0.05	0.00	0.00	0.31
एल.टी.आई.एफ. – महिला (रिपोर्ट करने योग्य दुर्घटना प्रति दस लाख किए गए श्रम घंटे)	.	.	.	.	0.00
गंभीरता दर – कुल (दिवस हानि प्रति दस लाख किए गए श्रम घंटे)	0.0	0.0	0.0	0.0	9.3
हताहत दर – पुरूष (हताहत प्रति दस लाख किए गए श्रम घंटे)	0.06	0.10	0	0	0
हताहत दर – महिला (हताहत प्रति दस लाख किए गए श्रम घंटे)	.	.	.	.	0

प्रशिक्षण

	वित्त वर्ष 2009-10	वित्त वर्ष 2010-11	वित्त वर्ष 2011-12	वित्त वर्ष 2012-13	वित्त वर्ष 2013-14
प्रबंधन कर्मचारी (प्रत्यक्ष) – पुरुष (श्रम घंटे)	92692	99219	107251	129831	120497
प्रबंधन कर्मचारी (प्रत्यक्ष) – महिला (श्रम घंटे)	3960	5974	5445	7211	6856
कामगार (प्रत्यक्ष कर्मचारी) – पुरुष (श्रम घंटे)	47102	48596	29071	26493	25009
कामगार (प्रत्यक्ष कर्मचारी) – महिला (श्रम घंटे)	1656	1392	1520	1269	875
ठेकागत मजदूर (प्रचालन) – पुरुष (श्रम घंटे)	30197	28618	38945	41835	53878
ठेकागत मजदूर (प्रचालन) – महिला (श्रम घंटे)	5	0	0	671	983

कर्मचारी आगम – निर्गम (वित्त वर्ष 2013–14 के लिए)

वित्त वर्ष 2013-14	संख्या
नवनियुक्त कर्मचारी – पुरुष	121
नवनियुक्त कर्मचारी – महिला	11
नवनियुक्त कर्मचारी जिन्होंने उसी वित्त वर्ष में त्याग पत्र दे दिया – पुरुष	5
नवनियुक्त कर्मचारी जिन्होंने उसी वित्त वर्ष में त्याग पत्र दे दिया – महिला	0
कर्मचारी आगम–निर्गम – प्रबंधन	62
कर्मचारी आगम–निर्गम – गैर–प्रबंधन	9
कर्मचारी आगम–निर्गम – आयु 30 से कम – पुरुष	30
कर्मचारी आगम–निर्गम – आयु 30 से कम – महिला	0
कर्मचारी आगम–निर्गम – आयु 30–50 – पुरुष	14
कर्मचारी आगम–निर्गम – आयु 30–50 – महिला	0
कर्मचारी आगम–निर्गम – आयु 50 से अधिक – पुरुष	27
कर्मचारी आगम–निर्गम – आयु 50 से अधिक – महिला	0
पितृत्व छुट्टी के लिए पात्र कर्मचारियों की संख्या : पुरुष	3775
मातृत्व छुट्टी के लिए पात्र कर्मचारियों की संख्या : महिला	243
पितृत्व छुट्टी लेने वाले कर्मचारियों की संख्या : पुरुष	133

मातृत्व छुट्टी लेने वाले कर्मचारियों की संख्या : महिला	11
पितृत्व छुट्टी समाप्त होने के बाद कार्य पर लौटने वाले कर्मचारियों की संख्या : पुरुष	133
मातृत्व छुट्टी समाप्त होने के बाद कार्य पर लौटने वाले कर्मचारियों की संख्या : महिला	11
पितृत्व छुट्टी समाप्त होने के बाद कार्य पर लौटने वाले कर्मचारी जो उनके लौटने के 12 महीने बाद अभी भी नियुक्त हैं : पुरुष	149
मातृत्व छुट्टी समाप्त होने के बाद कार्य पर लौटने वाले कर्मचारी जो उनके लौटने के 12 महीने बाद अभी भी नियुक्त हैं : महिला	12
पितृत्व छुट्टी समाप्त होने के बाद कार्य पर लौटने वाले कर्मचारियों की प्रतिधारण दरें : पुरुष	100%
मातृत्व छुट्टी समाप्त होने के बाद कार्य पर लौटने वाले कर्मचारियों की प्रतिधारण दरें : महिला	100%

कर्मचारी और ठेकेदार लिंग वार वितरण

श्रेणी	**यूनिट**	**वित्त वर्ष** 2013-14		
	संख्या	पुरुष	महिला	कुल
वरिष्ठ प्रबंधन (स्थायी[6])	संख्या	246	5	251
मध्यम प्रबंधन (स्थायी[6])	संख्या	1298	49	1347
कनिष्ठ प्रबंधन (स्थायी[6])	संख्या	1438	147	1585
गैर–प्रबंधन (स्थायी[6])	संख्या	788	43	831
कुल स्थायी कर्मचारी	संख्या	3770	244	4014
सुरक्षा कर्मचारी (ठेका)	संख्या	2680	5	2685
नियमित कामगार (ठेका)	संख्या	13459	376	13835
कुल ठेका कर्मचारी	संख्या	16139	381	16520

क्र.सं.	**विवरण**	**वित्त वर्ष** 2013-14			
		आयु $<$ 30	30 $<$ **आयु** $<$ 50	**आयु** $>$ 50	**कुल**
1	वरिष्ठ प्रबंधन	0	71	180	251
2	मध्यम प्रबंधन	0	1127	220	1347
3	कनिष्ठ प्रबंधन	549	839	197	1585
4	गैर–प्रबंधन	15	717	99	831

टिप्पणी -

- इस वर्ष हमने अपनी डाटा निगरानी और रिपोर्टिंग की वास्तविकता दर में वृद्धि की है। कुछ स्थलों में डीजल, ईंधन गैस और बिजली खपत के आंकड़ों को सही किया गया है।
- हमारे स्कोप–2 उत्सर्जन को केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण, भारत द्वारा पवन विद्युत के योगदान पर और ग्रिड उत्सर्जन घटक को अद्यतन बनाकर विचार किया गया है।
- सूचित कर्मचारी आंकड़े केवल भारत क्षेत्र के लिए हैं (रिपोर्ट सीमा के अनुसार)

[6]गेल के सभी स्थायी कर्मचारी पूर्णकालिक कर्मचारी हैं।

DNV·GL

स्वतंत्र आश्वासन विवरण

प्रस्तावना

डीएनवी जीएल, जिनका प्रतिनिधित्व डीएनवी बिजनेस एश्योरेंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ('डीएनवी जीएल') द्वारा किया जाता है, को अपने मुद्रित पत्र में कंपनी की स्थायित्व रिपोर्ट 2013–14 ('रिपोर्ट') पर स्वतंत्र आश्वासन नियुक्ति करने के लिए गेल (इंडिया) लिमिटेड (गेल या 'कंपनी') के प्रबंधन द्वारा स्थापित किया गया है। इस आश्वासन नियुक्ति को ग्लोबल रिपोर्टिंग पहल 2011 स्थिरता रिपोर्टिंग दिशा–निर्देश पाठ 3.1 (जीआरआईजी 3.1) तथा लेखा योग्यता एए1000 आश्वासन मानक 2008 (एए1000 एएस (2008)) के लिए की गई है। रिपोर्ट अर्थात् 1 अप्रैल, 2013 से 31 मार्च, 2014 में शामिल कार्यकलापों के वर्ष के लिए जून–जुलाई 2014 के दौरान सत्यापन किया गया था। इस आश्वासन विवरण के वांछित प्रयोक्ता कंपनी के प्रबंधक और रिपोर्ट के पाठक हैं। कंपनी का प्रबंधन रिपोर्ट में उपलब्ध कराई गई सभी सूचना तथा मुद्रित रिपोर्टों में प्रस्तुत सूचना को एकत्र, विश्लेषण और रिपोर्टिंग करने की प्रक्रिया में है। इस सत्यापन के संबंध में हमारी जिम्मेदारी केवल कंपनी के प्रति है और सहमत कार्य क्षेत्र के अनुसार है। नियुक्त आश्वासन इस अनुमान पर आधारित है कि हमें उपलब्ध कराए गए आंकड़े और सूचना पूर्ण और सही हैं। हम स्पष्ट रूप से इस आश्वासन विवरण के आधार पर उत्तरदायित्व के दावे को नहीं मानते।

आश्वासन का कार्यक्षेत्र, दायरा और सीमाएं

गेल के साथ सहमत कार्यक्षेत्र में निम्नलिखित का सत्यापन शामिल है:

- स्थायित्व रिपोर्ट 2013–14 की विषयवस्तु अर्थात् नीतियों, पहलों, पद्धतियों और रिपोर्ट में दर्शाया गया निष्पादन तथा वेबसाइट में रिपोर्ट में दिया गया संदर्भ।
- आवश्यकताओं एए1000 एएस (2008) के अनुसार टाइप 2 के मामूली स्तर के आश्वासन के लिए लेखा योग्यता सिद्धांतों और विशिष्ट निष्पादन सूचना का मूल्यांकन नीचे दिया गया है:
  - ऐसी सूचना और तारीख के प्रबंधन के लिए कंपनी के स्थायित्व मुद्दों, प्रतिक्रियाओं, निष्पादन आंकड़ों, मामला अध्ययनों से संबंधित सूचना।
  - कंपनी का सामग्री आकलन तथा शेयरधारक नियुक्ति प्रक्रिया से संबंधित सूचना।
- यह पुष्टि की कि रिपोर्ट कंपनी द्वारा घोषित अनुसर आवेदन स्तर ए+ के लिए जीआरआई जी3.1 की आवश्यकताओं को पूरा करती है।

रिपोर्टिंग सीमाओं को रिपोर्ट में निर्धारित किया गया है अर्थात् रिपोर्टिंग सीमा में भारत के अंदर कंपनी के प्रचलन कवर होते हैं। सत्यापक प्रक्रिया के दौरान आश्वासन देने के कार्यक्षेत्र में किसी सीमा का सामना नहीं किया गया था। आर्थिक निष्पादन पर सूचित आंकड़े कंपनी के संबंधित लेखा–परीक्षकों द्वारा लेखा–परीक्षित वित्तीय विवरणों पर आधारित है। इस आश्वासन को देने के भाग के रूप में किसी बाहरी शेयरधारकों का साक्षात्कार नहीं लिया गया था।

सत्यापन पद्धति

इस आश्वासन नियुक्ति की योजना स्थायित्व रिपोर्टिंग के लिए एए1000एएस (2008) और डीएनवी जीएल प्रोटोकोल के अनुसार बनाई गई थी ("Verisustain"- www.dnv.com/move ondnv/cv/; अनुरोध पर उपलब्ध)। इस रिपोर्ट का मूल्यांकन निम्नलिखित मानदण्ड पर किया गया है:

- एएस1000 एएस (2008) में निर्धारित अनुसार समग्रता, महत्व और जवाबदेही के सिद्धांतों का अनुपालन तथा टाइप 2, मध्यम स्तरीय आश्वासन नियुक्ति के लिए अपेक्षित अनुसार विनिर्दिष्ट स्थापित निष्पादन सूचना की विश्वसनीयता।
- सत्यापन सतत विकास में निर्धारित अनुसार पूर्णतः और तटस्थता के अतिरिक्त सिद्धांतों का अनुपालन, और
- जीआरआई जी 3.1 के सिद्धांत और आवश्यकताएं तथा आवेदन पर ए+ के लिए गैस क्षेत्र अनुपूरक (ओजीएसएस)।
- नियुक्ति के भाग के रूप में, हमने रिपोर्ट में दिए गए विवरण और दावों का सत्यापन किया है। ऐसा करते हुए हमारे पास ये हैं:
- शेयरधारक नियुक्ति और इसकी वास्तविक निर्धारण प्रक्रिया के लिए कंपनी के दृष्टिकोण की समीक्षा की;
- स्थायित्व संबंधित विवरणों और रिपोर्ट में किए गए दावों का सत्यापन किया तथा आंकड़ा प्रबंधन प्रणाली, आंकड़ा सटीकता, सूचना प्रवाह और नियंत्रण की सुदृढ़ता का आकलन किया;
- कंपनी द्वारा उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों, आंकड़े और अन्य सूचना की जांच और समीक्षा की गई;
- गेल के नई दिल्ली स्थित कार्पोरेट कार्यालय, गेल प्रशिक्षण संस्थान (जीटीआई) और नोएडा में इंफोटव तथा भारत में पांच प्रचालन स्थलों अर्थात् पाटा, विजयपुर, गंधार, वघोडिया और विजाग का दौरा किया।
- प्रमुख प्रतिनिधियों के साथ साक्षात्कार किए जिसमें डेटा मालिकों और कंपनी के विभिन्न प्रभागों और कार्यों से नीति–निर्माता शामिल थे।
- रिपोर्ट में वर्णित अनुसार कंपनी की सतत विकास संबंधी नीतियों को कार्यान्वित करने के लिए प्रणालियों की नमूना आधारित समीक्षा की गई;
- रिपोर्ट में शामिल मात्रात्मक और गुणत्मक आंकड़ों का सृजन किया गया, एकत्र और प्रबंधन की प्रक्रियाओं की नमूना आधारित जांच की गई।

निष्कर्ष

गेल की सतत् विकास रिपोर्ट 2013–14 में रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान कंपनी की सतत विकास नीतियों, उद्देश्यों, प्रबंधन नीति और निष्पादन का स्वच्छ प्रतिनिधित्व उपलब्ध कराता है। कंपनी ने अपने प्रमुख सतत विकास मानदंडों का प्रबंधन करने के लिए सतत विकास पर ध्यान देते हुए प्रबंधन प्रणालियों को कार्यान्वित किया है। हम पुष्टि करते हैं कि वेबसाइट में संदर्भित सूचना सहित रिपोर्ट जीआरआई 43.1 और ओजीएसएस दिशा–निर्देशों की सामान्य विषयवस्तु और गुणवत्ता आवश्यकताओं को पूरा करती है। हम यह भी पुष्टि करते हैं कि रिपोर्ट कंपनी द्वारा घोषित अनुसार जीआरआई आवेदन स्तर ए+ की आवश्यकता को पूरा करती है। हमने 'अच्छा' 'स्वीकार्य' और 'सुधार की जरूरत' है, के पैमाने पर निम्नलिखित सिद्धांतों पर रिपोर्ट का पालन करने का मूल्यांकन किया है।

एए1000 एएस (2008) सिद्धांत

DNV·GL

समग्रता: इसकी शेयरधारक नियुक्ति प्रक्रिया के भाग के रूप में कंपनी ने अपनी प्रचालनात्मक सुविधाओं के उभरते जोखिम का आकलन करने के लिए सुदृढ़ शेयधारक नियुक्ति प्रणाली (औपचारिक और अनौपचारिक) का विकास किया है। नियुक्ति के निष्कर्षों को स्थायी विकास बोर्ड समिति द्वारा वैध बनाया जाता है। हमारे विचार में रिपोर्ट में इस सिद्धांत के जिस स्तर का पालन किया गया है, वह 'अच्छा' है।

महत्वः यथार्थ निर्धारण प्रक्रिया कर्मचारियों, ग्राहकों, आपूर्तिकर्ताओं, एनजीओ और वरिष्ठ प्रबंधन सहित मुख्य शेयरधारकों से इनपुट पर आधारित है और रिपोर्ट में तेल और गैस क्षेत्र के लिए सूक्ष्म स्तर पर सात मुख्य सामग्री पहलुओं पर इसके खुलासे पर ध्यान केन्द्रित किया गया है। कंपनी का प्रबंधन दीर्घावधि सतत विकास के लिए सतत् मूल्यांकन पर आधारित सामग्री पहलुओं का प्रभावी ढंग से पता लगाने, प्रबंधन और रिपोर्ट करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारे विचार में रिपोर्ट में जिस स्तर पर इस सिद्धांत का पालन किया गया है, वह 'स्वीकार्य' है।

जवाबदेही: हम समझते हैं कि कंपनी ने स्थानीय सतत् विकास संदर्भ में चयनित मुख्य सतत् विकास पहलुओं और चुनौतियों पर अच्छी प्रतिक्रिया व्यक्त की है जिसमें तेल और गैस क्षेत्र से संबंधित पहलू रिपोर्टिंग सीमा में शामिल हैं। हमारे विचार में रिपोर्ट में जिस स्तर पर इस सिद्धांत का प्रतिपादन किया गया है वह 'स्वीकार्य' हैं।

जवाबदेही: कॉर्पोरेट कार्यालय, जीटीआई और इंफोहब तथा पांच प्रचालनात्मक स्थलों पर सत्यापित अधिकांश आंकड़े और सूचना सही पाई गई थीं। सत्यापन प्रक्रिया के दौरान चयनित आंकड़ों संबंधी कुछ अशुद्धियां ट्रांसक्रिप्शन, व्याख्या और कुल त्रुटियों के कारण थीं। अतः टाइप 2, मध्यम स्तर आश्वासन नियुक्ति के लिए एए1000एएस (2008) के अनुसार हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि रिपोर्ट में प्रस्तुत विनिर्दिष्ट स्थायी आंकड़े और सूचना सामान्यतया विश्वसनीय है। हमारे विचार में, रिपोर्ट में जिस स्तर पर इस सिद्धांत का पालन किया गया है 'वह' 'अच्छा' है।

सतत् विकास निष्पादनों पर सूचना का विशिष्ट मूल्यांकन

हम कंपनी द्वारा अपने सतत् विकास निष्पादन के लिए विकसित सूचना एकत्रित करने की पद्धति और प्रक्रिया को उपयुक्त मानते हैं और रिपोर्ट में शामिल गुणात्मक और मात्रात्मक आंकड़े चयन और पता लगाने योग्य पाए गए थे; जिम्मेदार कार्मिक आंकड़ों के मूल स्रोत और व्याख्या तथा इनकी विश्वसनीयता को प्रदर्शित कर पाए थे। हमने पाया कि रिपोर्ट कंपनी के स्थायी कार्यकलापों का सही विवरण प्रस्तुत करती है।

डीएनडी जीएल प्रोटोकोल के अनुसार अतिरिक्त मापदण्ड

पूर्णतः रिपोर्ट में समाप्ति आवश्यकताओं की काफी अच्छी प्रतिक्रिया दी गई है तथा रिपोर्ट के दायरे में जीआरआई जी 3.1 से संबंधित मुख्य आर्थिक, पर्यावरण और सामाजिक पहलुओं और निष्पादन समाप्ति तथा आवेदन स्तर ए+ के एक ओजीएसएस को शामिल किया गया है। हमारे विचार में जिस स्तर पर रिपोर्ट में इस सिद्धांत का पालन किया गया है, वह 'स्वीकार्य' है।

तटस्थताः इस रिपोर्ट में विषयवस्तु और अनुरुपता कंपनी के सतत् विकास निष्पादन, संबंधित मुद्दे और मुख्य निष्पादन संकेतकों के संतुलित खाता प्रस्तुत किया गया है। हमारे विचार में जिस स्तर पर रिपोर्ट का इस सिद्धांत में पालन किया गया है, वह 'अच्छा' है।

सुधार के लिए अवसरः

निम्नलिखित उद्धरण कंपनी के प्रबंधन को सूचित सुधार के लिए टिप्पणियों और अवसरों से लिया गया है और इसमें रिपोर्ट पर हमारे निष्कर्ष निकालने पर विचार नहीं किया जाता है; तथापि ये सामान्यतः प्रबंधन के उद्देश्यों के अनुरुप हैं :

- अपनी सतत् विकास पहलों को और सुदृढ़ बनाने के लिए विविध शेयरधारकों से प्राप्त जानकारी को कंपनी की कार्यनीतिक योजना प्रक्रिया में शामिल किया जा सकता है; रिपोर्ट में सामग्री मुद्दों और शेयरधारक संभावनाओं को कार्यनीतिक प्रतिक्रियाओं को भी प्रकाशित किया गया है।
- कंपनी रिपोर्टिंग के अपने कार्यक्षेत्र और सीमा का विस्तार करके उसमें नियंत्रण और प्रभाव के अपने क्षेत्र में संबंधित कार्यकलापों से सामग्री पहलुओं अर्थात् गेल परियोजनाओं, विपणन कार्यालयों, संयुक्त उद्यमों और सहायक कंपनियों को शामिल किया गया है।
- सतत् विकास निष्पादन का शेयरधारकों के लिए नियमित अंतराल पर खुलासा किया जा सकता है ताकि सहयोगियों के साथ सूचित निर्णय और बैंचमार्क निर्धारित किए जा सकें।

डीएनवीजीएल की दक्षता और स्वतंत्रा

डीएनवीजीएल सतत् विकास सेवाओं का एक वैश्विक प्रदाता है जिसमें 100 से अधिक देशों में योग्य पर्यावरणीय और सामाजिक आश्वासन विशेषज्ञता शामिल हैं। डीएनवीजीएल इस आश्वासन नियुक्ति के संबंध में अपनी स्वतंत्रता और निष्पक्षता का उल्लेख किया गया है। हालांकि हमने वर्ष 2013–14 में गेल के साथ अन्य तृतीय पक्ष लेखा–परीक्षा कार्य का आयोजन किया था, हमारे निर्णय में यह हमारी आश्वासन नियुक्ति या संबद्ध निष्कर्षों, निर्णयों और सिफारिशों की स्वतंत्रता और निष्पक्षता से समझौता नहीं करता। हम इस आश्वासन विवरण को छोड़कर रिपोर्ट में शामिल किसी विवरण या आंकड़ों को तैयार करने में शामिल नहीं थे। हम साक्षात्कार लिए गए किसी व्यक्ति के बारे में पूर्ण निष्पक्षता बरतते हैं।

कृते डीएनवीजीएल,

रमेश राजामणि
परियोजना प्रबंधक और प्रमुख सत्यापनकर्ता
डीएनवी बिजनेस एश्योरेंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, भारत

वाडकेपथ नंद कुमार
आश्वासन समीक्षक, अध्यक्ष–सतत् विकास और जलवायु परिवर्तन सेवाएं
डीएनवी बिजनेस एश्योरेंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, भारत

11 जुलाई, 2014 नई दिल्ली, भारत

AA1000
Licensed Assurance Provider
000-10

जीआरआई अनुप्रयोग स्तर

रिपोर्ट अनुप्रयोग स्तर		सी	सी+	बी	बी+	ए	ए+
	प्रोफाइल विवरण (उत्पादन)	पर रिपोर्ट: 1.1 2.1 – 2.10 3.1 –3.8, 3.10–3.12 4.1–4.4,4.14–4.15		स्तर सी प्लस के लिए सूचीबद्ध सभी मानदंडों पर रिपोर्ट: 1.2 3.9, 3.13 4.5–4.13, 4.16–4.17		स्तर बी के लिए अपेक्षित अनुसार समान	✓
मानक विवरण	प्रबंधन दृष्टिकोण पर विवरण (उत्पादन)	अपेक्षित नहीं	रिपोर्ट बाहरी रूप से आश्वस्त	प्रत्येक संकेतक श्रेणी के लिए प्रबंधन नीति विवरण	रिपोर्ट बाहरी रूप से आश्वस्त	प्रत्येक संकेतक श्रेणी के लिए प्रबंधन नीति विवरण	रिपोर्ट बाहरी रूप से आश्वस्त
	निष्पादन संकेतक ओर क्षेत्र पूरक निष्पादन संकेतक (उत्पादन)	रिपोर्ट किन्हीं न्यूनतम 10 निष्पादन संकेतकों पर पूर्णतया निर्धारित, जिनमें कम से कम प्रत्येक में से एक शामिल है: सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरण''		रिपोर्ट किन्हीं न्यूनतम 20 निष्पादन संकेतकों पर पूर्णतया निर्धारित, जिनमें कम से कम प्रत्येक में से एक शामिल है: आर्थिक, पर्यावरण, मानवाधिकार, श्रम, सोसायटी, उत्पाद जिम्मेदारी।		महत्व सिद्धांत को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक प्रमुख और क्षेत्र पूरक संकेतक' पर प्रतिक्रिया: क) संकेतक पर रिपोर्ट करना या ख) इसे हटाने के कारण को स्पष्ट करना।	

* तेल और गैस क्षेत्र पूरक
** निष्पादन संकेतकों का किसी अंतिम क्षेत्र पूरक से चयन किया जाए, लेकिन 10 में से 7 मूल जीआरआई दिशानिर्देशों से होने चाहिए।
*** निष्पादन संकेतकों का किसी अंतिम क्षेत्र पूरक से चयन किया जाए, लेकिन 20 में से 14 मूल जीआरआई दिशानिर्देशों से होने चाहिए।

गेल सतत् विकास रिपोर्ट वित्त वर्ष 13–14 देखरेख, भागीदारी और विकास जीआरआई जी3.1+ओजीएसएस अनुप्रयोग स्तर ए+ बाहरी आश्वासित रिपोर्ट से संबद्ध है।

Global Reporting Initiative™

विवरण
जीआरआई आवेदन स्तर जांच

जीआरआई एतद्द्वारा यह उल्लेख करता है कि **गेल (इंडिया) लिमिटेड** ने जीआरआई रिपोर्ट सर्विसेज को ''देखरेख, भागीदारी और विकास (2014) नामक अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है जिसमे यह निष्कर्ष निकाला गया है कि रिपोर्ट आवेदन स्तर ए की आवश्यकता को पूरा करता है।

जीआरआई अनुप्रयोग स्तर जी3.1 दिशानिर्देशों की विषयवस्तु का किस सीमा तक उपयोग किया गया है, के बारे में बताता है। जांच से यह पुष्टि होती है कि संबधित आवेदन स्तर पर अपेक्षित सेट और विवरणों की संख्या का रिपोर्टिंग मे समाधान किया गया है और यह कि जीआरआई विषयवस्तु सूची जीआरआई जी3.1 दिशानिर्देशों में वर्णित अनुसार अपेक्षित विवरण का वैध प्रतिनिधित्व दर्शाता है। पद्धति के लिए **www.globalreporting.org/SiteCollectionDocuments/ALC-Methodology.pdf** देखें।

आवेदन स्तर में सूचना प्रदायक के स्थायी निष्पादन पर न तो कोई राय और न ही कोई गुणवत्ता संबंधी सूचना दी गई है।

अमेस्टरडम, 03 सितंबर 2014

अस्थीलडुर हजलराडोटियर
निदेशक सेवाएं
ग्लोबल रिपोर्टिंग पहल

A+
GRI REPORT
GRI CHECKED

इस आवेदन स्तर में '+' जोड़ा गया है क्योंकि गेल (इंडिया) लिमिटेड ने बाहरी आश्वासन के लिए इस रिपार्ट को प्रस्तुत (आंशिक रूप में) किया है। जीआरआई संगत आश्वासन प्रदायक का चयन करने के लिए रिपोर्टर के निजी मानदंड को स्वीकार करता है।

ग्लोबल रिपोर्टिंग पहल (जीआरआई) एक नेटवर्क आधारित संगठन है जिसने दुनिया में 'सर्वाधिक उपयोग होने वाले स्थायित्व रिपोर्टिंग ढांचे के विकास का बीड़ा उठाया है। जीआरआई दिशानिर्देशों में सिद्धांतों और संकेतकों को निर्धारित किया गया है जिनको संगठन अपने आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक निष्पादन को मापने और रिपोर्ट करने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। **www.globalreporting.org**

अस्वीकरण: जहां संगत सतत् विकास रिपोर्टिंग में बाहरी लिंक, दृश्य–श्रव्य सामग्री शामिल हो, वहां यह विवरण केवल 25 जुलाई 2014 को जांच के दौरान जीआरआई को प्रस्तुत करने से संबधित होता है। जीआरआई ने ऐसी सामग्री में बाद में होने वाले किसी परिवर्तन में लागू होने वाले विवरण को स्पष्ट रूप से निकाल दिया है।

शब्दावली

एपीआई	अमेरीकन पेट्रोलियम संस्थान
एएसएमई	अमेरीकी अभियांत्रिक इंजीनियर सोसाइटी
बीपीसीएल	भारत पेट्रोलियम निगम लिमिटेड
बीओजी	बायल्ड ऑफ गैस
बीसीपीएल	ब्रह्मपुत्र क्रैकर और पॉलीमर लिमिटेड
बीडी	कारोबार विकास
सीपीसीबी	केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
सीपीएसई	केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम
सीवीसी	केन्द्रीय सतर्कता आयोग
सीएमडी	अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक
सीएफसी	क्लोरो–फ्लूरो कार्बन
सीजीडी	नगर गैस वितरण
सीबीएम	कोयला आधारित मिथेन
सीआरजेड	तटवर्ती विनियमन क्षेत्र
सीएजीआर	चक्रवर्ती वार्षिक विकास दर
सीएनजी	कम्प्रेस्ड प्राकृतिक गैस
सीआईआई	भारतीय उद्योग परिसंघ
सीएसआर	कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व
सीएसआई	उपभोक्ता संतुष्टि सूचकांक
सीटीई	मुख्य तकनीकी परीक्षक
डीवीपीएल	दाहेज–विजयपुर पाइपलाइन
डीजीएम	उप–महाप्रबंधक
डीजीएच	हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय
ईपीए	पर्यावरण संरक्षण अभिकरण
ईडी	कार्यकारी निदेशक
ई एंड पी	अन्वेषण और उत्पादन
एफआईसीसी आई	भारतीय वाणिज्य और उद्योग मण्डल परिसंघ
एफवाई	वित्त वर्ष
जीटीआई	गेल प्रशिक्षण संस्थान
जीपीयू	गैस प्रोसेसिंग यूनिट

जीआरईपी	गैस पुनर्स्थापना और विस्तार परियोजना
जीएम	महाप्रबंधक
जीजे	गीगा–जोले
जीआरआई	वैश्विक रिपोर्टिंग पहल
जीएचजी	ग्रीन हाउस गैस
एचवीजे	हजीरा–विजयपुर–जगदीशपुर
एचएसई	स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण
एचएसईएमएस	स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली
एचआरएसजी	ऊष्मा प्राप्ति वाष्प जेनरेटर
एचडीपीई	उच्च घनत्व वाली पोली–इथीलीन
एचआर	मानव संसाधन
एचआरडी	मानव संसाधन विकास
आईईएम	स्वतंत्र बाह्य निगरानीकर्त्ता
आईआईटी-जेईई	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान–संयुक्त प्रवेश परीक्षा
आईएनआर	भारतीय राष्ट्रीय रूपया
आईएसटीडी	भारतीय प्रशिक्षण और विकास सोसाइटी
आईएसआरओ	भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन
आईजीएल	इन्द्रप्रस्थ गैस लिमिटेड
आईटी	सूचना प्रौद्योगिकी
आईएलएफएस	अवसंरचना लीजिंग एवं वित्तीय सेवाएं
आईएमएस	एकीकृत प्रबंधन प्रणाली
आईएसओ	अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन
आईपीआई ईसीए	अंतर्राष्ट्रीय पेट्रोलियम उद्योग पर्यावरण संघ
जेएलपीएल	जामनगर लोनी पाइपलाइन
जेएनएनएसएम	जवाहर लाल नेहरू राष्ट्रीय सौर मिशन
जेवी	संयुक्त उद्यम
केएम	किलोमीटर
केजी	कृष्णा गोदावरी
एलपीजी	तरलीकृत पेट्रोलियम गैस

एलएचसी	तरलीकृत हाइड्रोकार्बन
एलपी	न्यून पोलीमर
एमडीजी	सहस्राब्दि विकास लक्ष्य
एमबीए	व्यवसाय प्रशासन निष्णात
एमएलएल	मिश्रित लाइट लैंप
एमओयू	समझौता ज्ञापन
एमटी	मीट्रिक टन
एमएमएससी एमडी	प्रतिदिन मिलियन मीट्रिक मानक घनमीटर
एमओईएफ	पर्यावरण और वन मंत्रालय
एमओपी एंड एनजी	पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय
एमएफओ	मिश्रित ईंधन तेल
एनसीआर	राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र
एनएच	राष्ट्रीय राजमार्ग
एनआईटी	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान
एनजी	प्राकृतिक गैस
ओएचएसएएस	व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा मूल्यांकन श्रृंखला
ओआईसी	प्रभारी अधिकारी
ओएनजीसी	तेल और प्राकृतिक गैस निगम
ओआईएसडी	तेल उद्योग सुरक्षा निदेशालय
ओएमसी	तेल विपणन कम्पनियां
ओ एंड एम	प्रचालन और अनुरक्षण
ओएफसी	आप्टीकल फाइबर केबल
ओबीसी	अन्य पिछड़ा वर्ग
एनओएक्स	नाइट्रोजन ऑक्साइड
एसओएक्स	सल्फर ऑक्साइड
ओडीएस	ओजोन डिप्लेटिंग पदार्थ
पीईएसओ	पेट्रोलियम और विस्फोटक पदार्थ सुरक्षा संगठन
पीएनजीआरबी	पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस विनियामक बोर्ड
पीपीएसी	पेट्रोलियम आयोजना और विश्लेषण प्रकोष्ठ
पीएनजी	पाइप आधारित प्राकृतिक गैस
पीसीबी	प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
पीयूसी	नियंत्रित प्रदूषण
पीई	पोली–इथीलीन
पीएटी	कर पश्चात लाभ
पीपीपी	सार्वजनिक–निजी–भागीदारी
आरजीपीपीएल	रत्नागिरी गैस और विद्युत प्राइवेट लिमिटेड
आरएलएनजी	पुनः गैसीकरण तरल प्राकृतिक गैस
आर एंड डी	अनुसंधान और विकास
आरओयू	उपयोग करने का अधिकार
आरटीआई	सूचना का अधिकार
एससी	अनुसूचित जातियां
एसटी	अनुसूचित जन जातियां
एसपीएम	हवा में घुलनशील तत्व
एसडी	सतत् विकास
टीईआरआई	ऊर्जा और संसाधन संस्थान
टीएमटी	हजार मीट्रिक टन
टीसीओ2ई	कार्बन डाइऑक्साइड समतुल्य टन
टीपीई	टन प्रति वर्ष
टीडीएस	कुल घुलनशील ठोस पदार्थ
टीआई	अंतर्राष्ट्रीय पारदर्शिता
टीएपीआई	तुर्कमेनिस्तान–अफगानिस्तान–पाकिस्तान–भारत
यूएनजीसी	संयुक्त राष्ट्र वैश्विक समझौता
यूएनएफसीसीसी	संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन अवसंरचना सम्मेलन
यूएसडी	अमेरिकी डालर
यूपी	उत्तर प्रदेश
यूपीटीयू	उत्तर प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय
वीएसपीएल	विजाग–सिकन्दराबाद पाइपलाइन

गेल स्थायित्व रिपोर्ट

वित्त वर्ष 2013–14 का जी.आर.आई. विषयवस्तु सूची

संकेतक संदर्भ	विवरण	सूचित स्तर	विवरण स्थल/छोड़ने के कारण
1. कार्यनीति और विश्लेषण			
1.1	संगठन के सर्वाधिक वरिष्ठ नीति–निर्माता की ओर से विवरण।	पूर्णतः	▸▸ अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के संदेश के लिए पृष्ठ 6 का अवलोकन करें और निदेशक के विवरण के लिए पृष्ठ 9–13 देखें
1.2	मुख्य प्रभाव, जोखिम और अवसरों का विवरण।	पूर्णतः	▸▸ जोखिम बचाव प्रबंधन के लिए पृष्ठ 24–25, 30–31 का अवलोकन करें ▸▸ सार के लिए पृष्ठ 42–46 का अवलोकन करें
2. संगठन रूपरेखा			
2.1	संगठन का नाम।	पूर्णतः	▸▸ गेल (इंडिया) लिमिटेड
2.2	प्राथमिक ब्रॉण्ड, उत्पाद और/अथवा सेवाएं।	पूर्णतः	▸▸ पृष्ठ 16–18 पर गेल के बारे में अवलोकन करें
2.3	मुख्य प्रभागों, प्रचालन कम्पनियों, सहायक कम्पनियों और संयुक्त उद्यम सहित संगठन की प्रचालन संरचना।	पूर्णतः	▸▸ पृष्ठ 24 पर कार्पोरेट शासन अध्याय का अवलोकन करें ▸▸ पृष्ठ 16–18 पर गेल के बारे में का अवलोकन करें ▸▸ गेल की वार्षिक रिपोर्ट वित्त वर्ष के लिए 2013–14 का पृष्ठ 3–10, 23–26 देखें ▸▸ गेल की वार्षिक रिपोर्ट 2013–14 का कार्पोरेट शासन खंड
2.4	संगठन के मुख्यालय का स्थान।	पूर्णतः	▸▸ नई दिल्ली, भारत
2.5	उन देशों के नाम जहां संगठन अपना प्रचालन कार्य करता है और उन देशों जहां इस रिपोर्ट में शामिल किए गए सतत् विकास मुद्दों के बारे में मुख्य प्रचालन हैं अथवा विनिर्दिष्ट प्रासंगिक प्रचालन हैं, के नाम।	पूर्णतः	▸▸ गेल के पूर्णतः नियंत्रण (100 प्रतिशत स्वामित्व) के तहत सभी मुख्य प्रचालन भारत में हैं। अधिक जानकारी के लिए कृपया पृष्ठ 15–18 पर गेल के बारे में और पृष्ठ 2–3 पर रिपोर्ट के बारे में अध्याय का अवलोकन करें। ▸▸ अधिक जानकारी के लिए गेल की वार्षिक रिपोर्ट वित्त वर्ष 2013–14 का पृष्ठ 3–10, 23–26 का अवलोकन करें
2.6	स्वामित्व का स्वरूप और इसका विधिक रूप।	पूर्णतः	▸▸ गेल केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है और इसे लंदन स्टॉक एक्सचेंज से संबंधित बी.एस.ई., एन.एस.ई. और ग्लोबल डिपोजिटरी रसीद (जी.डी.आर.) की सूची में शामिल किया गया है
2.7	सेवित बाजार (भौगोलिक विश्लेषण, सेवित क्षेत्रों और उपभोक्ताओं/लाभार्थियों के प्रकार सहित)।	पूर्णतः	▸▸ पृष्ठ 15–18 पर गेल और 86–89 पृष्ठ पर ग्राहकों के बारे में का अवलोकन करें ▸▸ गेल की वार्षिक रिपोर्ट वित्त वर्ष 2013–14 के पृष्ठ 3–14, 21–32 का अवलोकन करें
2.8	रिपोर्टिंग संगठन का पैमाना।	पूर्णतः	▸▸ पृष्ठ 16–18 पर गेल के बारे में का अवलोकन करें
2.9	रिपोर्ट की अवधि के दौरान आकार, संरचना अथवा स्वामित्व के संबंध में महत्वपूर्ण परिवर्तन।	पूर्णतः	▸▸ इसमें कोई परिवर्तन नहीं किया गया। ▸▸ रिपोर्ट के क्षेत्र में परिवर्तनों की जानकारी प्राप्त करने के लिए इस रिपोर्ट के पृष्ठ 2–3 का अवलोकन करें
2.10	रिपोर्ट की अवधि में प्राप्त पुरस्कार।	पूर्णतः	▸▸ पृष्ठ 20 पर पुरस्कार और सम्मान से संबंधित अध्याय का अवलोकन करें

3. संगठन रूपरेखा			
3.1	रिपोर्ट की अवधि अर्थात् प्रदान की गई सूचना के लिए (राजकोषीय/कलैण्डर वर्ष)।	पूर्णतः	▸▸ इसके लिए पृष्ठ 2–3 पर इस रिपोर्ट के अध्याय का अवलोकन करें
3.2	सर्वाधिक हाल ही की पिछली रिपोर्ट की तारीख।	पूर्णतः	▸▸ यह गेल की चौथी सतत् विकास रिपोर्ट है; तीसरी रिपोर्ट दिनांक 25 सितंबर, 2013 को जारी की गई थी
3.3	रिपोर्टिंग चक्र (वार्षिक, द्विवार्षिक इत्यादि)	पूर्णतः	▸▸ वार्षिक
3.4	रिपोर्ट अथवा इसकी विषय–वस्तु से संबंधित प्रश्नों के उत्तर जानने के लिए सम्पर्क स्थान।	पूर्णतः	▸▸ पिछले आवरण पर पृष्ठ में भावी पद्धति का अवलोकन करें
3.5	रिपोर्ट की विषय–वस्तु को परिभाषित करने की प्रक्रिया।	पूर्णतः	▸▸ इस रिपोर्ट की विषय–वस्तु को अपने स्टेकहोल्डरों के कार्य और सामग्री संबंधी मुद्दों के चयन के आधार पर परिभाषित किया गया है। हम गेल के सभी मुख्य स्टेकहोल्डर समूहों के संपर्क में रहे हैं। ▸▸ पृष्ठ 4 पर दिए गए देखरेख, भागीदारी और विकास से संबंधित खण्ड का अवलोकन करें ▸▸ पृष्ठ 36–42 पर स्टेकहोल्डरों को शामिल करने से संबंधित खण्ड का अवलोकन करें ▸▸ पृष्ठ 42–46 पर महत्व से संबंधित खण्ड का अवलोकन करें
3.6	रिपोर्ट की सीमा (अर्थात् देश, प्रभाग, सहायक कम्पनी, पट्टा आधारित सुविधाएं, संयुक्त उद्यम, आपूर्तिकर्ता)। अधिक मार्गदर्शन के लिए जी.आर.आई. प्रोटोकोल सीमा देखिए।	पूर्णतः	▸▸ रिपोर्ट के बारे में अध्याय – पृष्ठ 2–3
3.7	इस रिपोर्ट के क्षेत्र अथवा सीमा से संबंधित किन्हीं विनिर्दिष्ट सीमाओं (क्षेत्र की व्याख्या के लिए पूरा करने संबंधी सिद्धांतों को देखिए) का उल्लेख करें।	पूर्णतः	▸▸ रिपोर्ट के बारे में अध्याय – पृष्ठ 2–3
3.8	संयुक्त उद्यम, सहायक कम्पनियों, पट्टा आधारित सुविधाओं, आउटसोर्स प्रचालनों और अन्य कम्पनियों जो भिन्न–भिन्न समय पर और/अथवा इनके संगठनों के मध्य अपेक्षाकृत पर्याप्त प्रभाव डाल सकती हैं, से संबंधित रिपोर्टिंग का आधार।	पूर्णतः	▸▸ पृष्ठ 2–3 पर रिपोर्ट के बारे में अध्याय
3.9	इस रिपोर्ट के संकेतकों और अन्य सूचना को संकलित करने के बारे में लागू आकलन को निर्धारित करने की अवधारणाओं तथा तकनीकों सहित गणना के आधार और तकनीकी माप डाटा। जी.आर.आई. संकेतक प्रोटोकोल के किसी निर्णय को लागू न करने अथवा पर्याप्त रूप से भिन्न होने के कारण स्पष्ट करें।	पूर्णतः	▸▸ पृष्ठ 2–3 पर रिपोर्ट के बारे में अध्याय
3.10	इससे पूर्ववर्ती रिपोर्टों में प्रदान की गई सूचना के बारे में किसी पुनः विवरण के प्रभाव को इस प्रकार का पुनः विवरण दिए जाने के कारणों सहित (अर्थात् आमेलन/अधिग्रहण, आधार वर्षों/अवधियों में परिवर्तन, कारोबार के स्वरूप, मापन पद्धतियों) स्पष्ट करें।	पूर्णतः	▸▸ डाटा प्रबंधन प्रणालियों में कुछ सुधार किए जाने के कारण इस रिपोर्ट में प्रस्तुत किए गए डाटा में कुछ परिवर्तन किए गए हैं। इनका पृष्ठ 102 पर पाद टिप्पणी के रूप में उल्लेख किया गया है
3.11	इस रिपोर्ट के क्षेत्र, सीमा अथवा इसके संबंध में लागू की गई मापन पद्धतियों में पूर्ववर्ती रिपोर्टिंग अवधियों की अपेक्षा किए गए महत्वपूर्ण परिवर्तन।	पूर्णतः	▸▸ पृष्ठ 2–3 पर रिपोर्ट के बारे में
3.12	इस रिपोर्ट में यथा–उल्लिखित जानकारी मानकों के स्थान को अभिनिर्धारित करने वाली तालिका।	पूर्णतः	▸▸ पृष्ठ 109–122 पर जी.आर.आई. विषय–वस्तु सूची का अवलोकन करें
3.13	इस रिपोर्ट के संबंध में बाह्य आश्वासन प्राप्त करने के लिए नीति और वर्तमान प्रक्रिया–विधि।	पूर्णतः	▸▸ इस रिपोर्ट के बारे में पृष्ठ 2–3 पर उल्लिखित खण्ड का अवलोकन करें
4. अभिशासन, प्रतिबद्धता और विनियोजन			
4.1	कार्यनीति अथवा संगठनात्मक निगरानी जैसे विनिर्दिष्ट कार्यों के लिए उत्तरदायी उच्चतम अभिशासन निकाय के तहत समितियों सहित संगठन की अभिशासन संरचना।	पूर्णतः	▸▸ कारपोरेट अभिशासन के बारे में पृष्ठ 24–27 पर खण्ड का अवलोकन करें ▸▸ अधिक जानकारी के लिए गेल की वार्षिक रिपोर्ट वित्त वर्ष 2013–14 का पृष्ठ 44–53 देखें।
4.2	कृपया यह उल्लेख करें कि क्या उच्चतम अभिशासन निकाय के अध्यक्ष कार्यकारी अधिकारी भी हैं।	पूर्णतः	▸▸ हमारे अध्यक्ष कार्यकारी अधिकारी भी हैं

4.3	इस संगठन जिसमें एक–समान बोर्ड संरचना है, के उच्चतम अभिशासन निकाय के ऐसे सदस्यों की संख्या और महिला–पुरुष का उल्लेख करें जो स्वतंत्र हैं और/अथवा गैर–कार्यकारी सदस्य हैं।	पूर्णतः	▸▸ 31 मार्च, 2014 को बोर्ड में 10 (दस) निदेशक थे जिसमें अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक सहित 6 (छः) पूर्णकालिक निदेशक, 2 (दो) अंशकालिक निदेशक और 2 (दो) स्वतंत्र निदेशक (एक महिला स्वतंत्र निदेशक) है ▸▸ अधिक जानकारी के लिए गेल की वार्षिक रिपोर्ट वित्त वर्ष 2013–14 के पृष्ठ 44–53 का अवलोकन करें
4.4	उच्चतम अभिशासन निकाय को सिफारिशें अथवा निदेश प्रदान करने के लिए शेयरहोल्डरों और कर्मचारियों के लिए प्रणाली।	पूर्णतः	▸▸ इससे संबंधित सिफारिशें निदेशक मण्डल के अधीन गठित की गई शेयरहोल्डर शिकायत निवारण समिति और स्टेकहोल्डर शिकायत निवारण समिति और एचआर समिति को प्रदान की जा सकती हैं ▸▸ स्टेकहोल्डरों को शामिल करने के बारे में पृष्ठ 36–42 और शेयरहोल्डरों/निवेशकों के बारे में पृष्ठ 52–55 का अवलोकन करें
4.5	उच्चतम अभिशासन निकाय के सदस्यों, वरिष्ठ प्रबंधकों और कार्यकारियों (उन्हें हटाने सहित) के लिए प्रतिपूर्ति और संगठन के निष्पादन (सामाजिक और पर्यावरण निष्पादन सहित) के बीच संबंध।	पूर्णतः	▸▸ पूर्णकालिक निदेशकों को प्रदान किए जाने वाले पारिश्रमिक को पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के माध्यम से भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा निर्धारित किया जाता है। इस प्रकार की प्रतिपूर्ति में निष्पादन आधारित प्रोत्साहन शामिल होता है जो भारत सरकार के साथ सम्पन्न किए गए समझौता ज्ञापन के तहत यथा–परिभाषित निष्पादन मापदंडों पर आधारित होता है
4.6	हितों में टकराव को रोकने को सुनिश्चित करने के लिए उच्चतम अभिशासन के लिए निर्धारित की गई प्रक्रिया।	पूर्णतः	▸▸ पृष्ठ 24–27 पर निगमित अभिशासन से संबंधित खण्ड का अवलोकन करें ▸▸ अधिक जानकारी के लिए गेल की वार्षिक रिपोर्ट वित्त वर्ष 2013–14 के पृष्ठ 44–53 का अवलोकन करें
4.7	किसी महिला–पुरुष संबंधी विचार और विविधता के अन्य संकेतकों सहित उच्चतम अभिशासन निकाय और इसकी समितियों के सदस्यों के संघटन, अर्हताओं तथा विशेषज्ञता को निर्धारित करने की प्रक्रिया।	पूर्णतः	▸▸ पूर्णकालिक निदेशकों का चयन सार्वजनिक उद्यम चयन बोर्ड (पी.ई.एस.बी.) द्वारा किया जाता है और इन्हें पेट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा नियुक्त किया जाता है। सरकार की ओर से नामांकित अंशकालिक निदेशकों की नियुक्ति पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा की जाती है। स्टेकहोल्डरों के हित का प्रतिनिधित्व करने वाले स्वतंत्र निदेशकों का चयन जांच समिति द्वारा किया जाता है और इन्हें पेट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस मंत्रालय के माध्यम से भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जाता है।
4.8	मिशन अथवा मूल्यों, आचरण संहिता और आर्थिक, पर्यावरण तथा सामाजिक निष्पादन के लिए प्रासंगिक आंतरिक रूप से तैयार किए गए विवरण और इनके कार्यान्वयन की स्थिति।	पूर्णतः	▸▸ गेल का मिशन, दृष्टिकोण तथा सतत् विकास नीति का उनकी वेबसाइट (www.gailonline.com) पर अवलोकन करें।
4.9	प्रासंगिक जोखिम और अवसर तथा अंतर्राष्ट्रीय सहमत मानकों, आचरण संहिता और सिद्धांतों के अनुसरण अथवा अनुपालन सहित।	पूर्णतः	▸▸ पृष्ठ 22–27 पर कारपोरेट अभिशासन का अवलोकन करें ▸▸ पृष्ठ 79–81 देखें ▸▸ अधिक जानकारी के लिए गेल की वार्षिक रिपोर्ट वित्त वर्ष 2013–14 के पृष्ठ 44–53 का अवलोकन करें
4.10	आर्थिक, पर्यावरण और सामाजिक निष्पादन के विशेष संदर्भ में उच्चतम अभिशासन निकाय के स्वयं के निष्पादन का मूल्यांकन करने की प्रक्रियाएं।	पूर्णतः	▸▸ विभिन्न सरकारी निकायों जैसे डीपीई, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, योजना आयोग, वित्त मंत्रालय, ओआईएसडी, पीएनजीआरबी आदि द्वारा समीक्षा की गई थी। ▸▸ अधिक जानकारी के लिए गेल की वार्षिक रिपोर्ट वित्त वर्ष 2013–14 के पृष्ठ 44–53 का अवलोकन करें
4.11	कृपया यह स्पष्ट करें कि क्या संगठन सुरक्षात्मक दृष्टिकोण अथवा सिद्धांत अपनाता है यदि हां, तो किस प्रकार।	पूर्णतः	▸▸ सुरक्षात्मक दृष्टिकोण के उपयोग का उल्लेख हमारी जोखिम सुरक्षा प्रबंधन कार्य–संरचना में किया गया है। कृपया जोखिम प्रबंधन के लिए पृष्ठ 24, 30–33 का अवलोकन करें।
4.12	बाह्य आधार पर तैयार किए गए आर्थिक, पर्यावरण और सामाजिक चार्टर, सिद्धांत अथवा अन्य पहल जिनके लिए संगठन अंशदान करता है अथवा जिनका समर्थन करता है।	पूर्णतः	▸▸ पृष्ठ 2–3 पर रिपोर्ट के बारे में खण्ड का अवलोकन करें

4.13	विभिन्न प्रकार के संघों (जैसे उद्योग संघों) और/अथवा राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सहायक संगठनों जिनमें संगठन : *अभिशासन निकायों में पद रखता है; *परियोजनाओं अथवा समितियों में भाग लेता है; 'सामान्य सदस्यता राशि के अतिरिक्त पर्याप्त निधियन प्रदान करता है; अथवा 'सदस्यता को कार्यनीति के रूप में देखता है।	पूर्णतः	▸▸ कृपया पृष्ठ 46 का अवलोकन करें
4.14 संचार	संगठन द्वारा शामिल किए गए स्टेकहोल्डर समूहों की सूची।	पूर्णतः	▸▸ पृष्ठ 36–42 पर स्टेकहोल्डरों को शामिल करने से संबंधित खण्ड देखें
4.15	शामिल किए जाने वाले स्टेकहोल्डरों को अभिनिर्धारित करने और उनका चयन करने का आधार।	पूर्णतः	▸▸ पृष्ठ 36–42 पर स्टेकहोल्डरों को शामिल करने से संबंधित खण्ड देखें
4.16	स्टेकहोल्डरों के प्रकार और स्टेकहोल्डरों के समूह को शामिल करने की बारम्बारता सहित स्टेकहोल्डरों को शामिल करने संबंधी दृष्टिकोण।	पूर्णतः	▸▸ पृष्ठ 36–42 पर स्टेकहोल्डरों को शामिल करने से संबंधित खण्ड देखें
4.17 संचार	स्टेकहोल्डरों को शामिल करने के माध्यम से उठाए गए मुख्य विषय और संबंधित चिंताएं तथा संगठन ने अपनी रिपोर्टिंग के माध्यम सहित किस प्रकार उन मुख्य विषयों तथा चिंताओं का प्रत्युत्तर दिया है।	पूर्णतः	▸▸ पृष्ठ 36–42 पर स्टेकहोल्डरों को शामिल करने से संबंधित खण्ड देखें ▸▸ पृष्ठ 42–46 पर स्टेकहोल्डरों को शामिल करने से संबंधित खण्ड देखें
मानक विवरण भाग-।। प्रबंधन दृष्टिकोण विवरण (डीएमए)			
डीएमए ईसी	**प्रबंधन दृष्टिकोण ईसी संबंधी विवरण**		
पहलू	आर्थिक निष्पादन	पूर्णतः	▸▸ पृष्ठ 52–59 पर शेयरहोल्डर/निवेशकों से संबंधित विवरण का अवलोकन करें ▸▸ गेल की वार्षिक रिपोर्ट वित्त वर्ष 2013–14 के पृष्ठ 34–43 पर प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण देखें
	स्थानीय विषय–वस्तु सहित बाजार में उपस्थिति	पूर्णतः	▸▸ पृष्ठ 16–18 पर गेल के बारे में का अवलोकन करें ▸▸ पृष्ठ 52–55 पर शेयरहोल्डरों/निवेशकों से संबंधित विवरण का अवलोकन करें ▸▸ पृष्ठ 42–46 पर उल्लिखित महत्व संबंधी विवरण का अवलोकन करें
	अप्रत्यक्ष आर्थिक प्रभाव	पूर्णतः	▸▸ पृष्ठ 52–55, 75–79 पर सामाजिक योगदान से संबंधित विवरण का अवलोकन करें
	आरक्षित पूंजी	पूर्णतः	▸▸ गेल का मुख्य व्यवसाय लगभग 11,000 कि.मी. पाइपलाइन नेटवर्क द्वारा प्राकृतिक गैस का परिवहन करना है। अन्य व्यवसाय कार्यक्षेत्र में प्राकृतिक गैस विपणन, तरल हाइड्रोकार्बन और पेट्रोरसायन शामिल हैं। इस संदर्भ में क्षेत्रों जहां गेल का भागीदारी हित है, में रिजर्व गेल के लिए मुख्य मुद्दा नहीं है। गेल का अन्वेषण और उत्पादन व्यवसाय रिपोर्ट सीमा का भाग नहीं है।
डीएमए ईएन	**प्रबंधन दृष्टिकोण पर विवरण ई.एन.**		
पहलू	सामग्री	पूर्णतः	▸▸ कृपया पृष्ठ 52–57 का अवलोकन करें ▸▸ पृष्ठ 94–102 पर निष्पादन सार का अवलोकन करें
	ऊर्जा संचार	पूर्णतः	▸▸ कृपया पृष्ठ 56–58, 61 का अवलोकन करें ▸▸ सतत् विकास अपेक्षाएं 2020 के संबंध में पृष्ठ 31–33 का अवलोकन करें ▸▸ पृष्ठ 94–102 पर निष्पादन सार का अवलोकन करें

	जल	पूर्णतः	▸▸ पृष्ठ 31–33 और 81–83 पर जल प्रबंधन विवरण का अवलोकन करें ▸▸ पृष्ठ 94–102 पर निष्पादन सार का अवलोकन करें
	जैव–विविधता सहित पारिस्थितिकी प्रणाली सेवाएं	पूर्णतः	▸▸ पृष्ठ 81 पर जैव–विविधता विवरण का अवलोकन करें
	उत्सर्जन, बाह्य प्रवाह और कचरा	पूर्णतः	▸▸ पृष्ठ 54–58 ▸▸ पृष्ठ 80–81 पर उत्सर्जन प्रबंधन और कचरा प्रबंधन विवरण का अवलोकन करें ▸▸ पृष्ठ 94–102 पर निष्पादन सार का अवलोकन करें
	उत्पाद एवं सेवाएं	पूर्णतः	▸▸ पृष्ठ 16–18 का अवलोकन करें ▸▸ पृष्ठ 52–53, 86 का अवलोकन करें ▸▸ वर्तमान में कोयला और तेल पूर्ति भारत की ऊर्जा मांग का व्यापक हिस्सा है। तथापि, कुछ विशेषज्ञ प्राकृतिक गैस को ईंधन के रूप में लेते हैं जिससे स्वच्छ ईंधन की मांग होगी। गेल का मानना है कि प्राकृतिक गैस में व्यापक रूप से बढ़ने की संभावना है और इससे 2025 तक भारत की संपूर्ण ऊर्जा मांग के 20% तक बढ़ने की संभावना है।
	अनुपालन	पूर्णतः	▸▸ पृष्ठ 54 का अवलोकन करें
	परिवहन	पूर्णतः	▸▸ पृष्ठ 78–79 का अवलोकन करें ▸▸ गेल का मुख्य व्यवसाय पाइपलाइनों के जरिए प्राकृतिक गैस का परिवहन करना है। ग्राहकों को गैस की सतत् आपूर्ति सुनिश्चित करने के अलावा, गैस परिवहन की इस पद्धति से टैंकरों द्वारा गैस का परिवहन करने से निकलने वाले प्रदूषण में कमी आएगी। यह गैस मुख्य रूप से बंदरगाहों से परिवहन की जाती है जो शिपिंग टैंकरों से गैस प्राप्त करते हैं।
	समग्र निष्पादन	पूर्णतः	▸▸ पृष्ठ 53–61 का अवलोकन करें ▸▸ पृष्ठ 79 पर पर्यावरण विवरण का अवलोकन करें
डीएमए एलए	**प्रबंधन दृष्टिकोण के बारे में जानकारी प्रदान करना - एलए संचार**		
पहलू	रोजगार	पूर्णतः	▸▸ पृष्ठ 64 का अवलोकन करें
	श्रमिक/प्रबंधन संबंध	पूर्णतः	▸▸ पृष्ठ 64 का अवलोकन करें
	व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा	पूर्णतः	▸▸ पृष्ठ 66–68 पर गेल में स्वास्थ्य और सुरक्षा संबंधी विवरण का अवलोकन करें
	प्रशिक्षण और शिक्षा	पूर्णतः	▸▸ पृष्ठ 64–65 का अवलोकन करें
	विविधता और समान अवसर	पूर्णतः	▸▸ पृष्ठ 68 का अवलोकन करें
	महिलाओं और पुरुषों के लिए समान पारिश्रमिक	पूर्णतः	▸▸ पृष्ठ 68–70 का अवलोकन करें
डीएमए ईएन	**प्रबंधन दृष्टिकोण पर विवरण ई.एन.**		
पहलू	निवेश और प्रापण पद्धतियां	पूर्णतः	▸▸ पृष्ठ 16–18 पर गेल के बारे में का अवलोकन करें ▸▸ पृष्ठ 52–55 पर शेयरहोल्डर/निवेशक संबंधी विवरण का अवलोकन करें
	समान व्यवहार करना	पूर्णतः	▸▸ पृष्ठ 68–71 पर मानव अधिकार संबंधी विवरण का अवलोकन करें
	संघ बनाने और सौदेबाजी करने की स्वतंत्रता	पूर्णतः	▸▸ पृष्ठ 68–71 पर मानव अधिकार संबंधी विवरण का अवलोकन करें

	बाल श्रम	पूर्णतः	पृष्ठ 68–71 पर मानव अधिकार संबंधी विवरण का अवलोकन करें
	जबरदस्ती और अनिवार्य श्रम को रोकना	पूर्णतः	पृष्ठ 68–71 पर मानव अधिकार संबंधी विवरण का अवलोकन करें
	सुरक्षा पद्धतियां संचार	पूर्णतः	पृष्ठ 45, 71 पर सुरक्षा विवरण का अवलोकन करें
	स्वदेशी अधिकार संचार	पूर्णतः	पृष्ठ 79 का अवलोकन करें
	मूल्यांकन	पूर्णतः	पृष्ठ 24–25, 78–79, 81 का अवलोकन करें
	सुधार करना	पूर्णतः	पृष्ठ 24–25, 65, 92–93 का अवलोकन करें
डीएमए एसओ	**प्रबंधन के दृष्टिकोण के बारे में जानकारी प्रदान करना - एस.ओ.**		
पहलू	स्थानीय समुदाय संचार	पूर्णतः	पृष्ठ 74–76 का अवलोकन करें
	भ्रष्टाचार संचार	पूर्णतः	पृष्ठ 24–25, 92 का अवलोकन करें
	सार्वजनिक नीति	पूर्णतः	गेल सार्वजनिक वस्तुओं के विकास और बेहतरी के लिए नीतियों की पैरवी द्वारा जनता की भलाई के लिए कार्य करता है। इसे प्राप्त करने के लिए हमने अपने आप को विभिन्न एसोसिएशनों, उद्योग निकायों और प्रभावशाली समूहों से जोड़ा है। पृष्ठ 46–47
	प्रतिस्पर्धा विरोधी व्यवहार	पूर्णतः	हम प्रतिस्पर्धा विरोधी व्यवहार को हतोत्साहित करने से संबंधित सभी राष्ट्रीय विनियमों का अनुपालन करते हैं पृष्ठ 25
	अनुपालन	पूर्णतः	पृष्ठ 24–25 पर उल्लिखित नैतिक मूल्य, पारदर्शिता और जवाबदेही संबंधी विवरण का अवलोकन करें पृष्ठ 54 का अवलोकन करें गेल विपणन संचार के लिए निर्देशित सभी लागू कानूनों और विनियमों के साथ कड़ा अनुपालन करता है जिसमें विज्ञापन, पदोन्नति, प्रायोजकता आदि शामिल है।
	आपात तैयारी	पूर्णतः	पृष्ठ 66 पर गेल में स्वास्थ्य और सुरक्षा खंड देखें पृष्ठ 79 देखें
	अनैच्छिक पुनर्वास	पूर्णतः	हम पुनर्वास और पुनर्स्थापना से संबंधित राष्ट्रीय विनियमों का अनुपालन करते हैं; तथापि इस वर्ष किसी भी प्रचालन में कोई पुनर्वास और पुनर्स्थापना नहीं हुई है
	परिसम्पत्ति सत्यनिष्ठा और प्रक्रिया सुरक्षा	पूर्णतः	पृष्ठ 66 पर गेल स्वास्थ्य और सुरक्षा खंड का अवलोकन करें गेल में अपने कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के स्थान पर सुरक्षा प्रक्रियाएं मौजूद हैं। इनमें किसी रिसाया इसके उत्पादों के दुर्घटनावश जारी हाने को रोकने की प्रक्रिया शामिल है। गेल की एचएसई प्रबंधन प्रणाली ने गेल के सभी स्थलों पर परिसंपत्ति एकीकरण प्रबंधन प्रणाली की आधारशिला रखी है। इस एचएसईएमएस का नियमित आधार पर सावधानीपूर्व समीक्षा, निगरानी और संकलन किया जाता है। एचएसईएमएस के अंतर्गत सभी आंतरिक और बाहरी सुरक्षा लेखा–परीक्षा, औचक सुरक्षा जांच, जागरूकता कार्यक्रम, नीति निर्माण और दिशानिर्देश, बोर्ड द्वारा नियमित समीक्षा करना, पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली आदि की जाती हैं। गेल की सभी यूनिटों में सुदृढ़ अग्निशमन नेटवर्क और परिसंपत्ति अखंडता के लिए अत्याधुनिक प्रणालियां हैं।
डीएमए एसओ	**प्रबंधन के दृष्टिकोण के बारे में जानकारी प्रदान करना - पी.आर.**		

पहलू	उपभोक्ता स्वास्थ्य और सुरक्षा	पूर्णतः	⏩ पृष्ठ 86–88 पर उपभोक्ताओं संबंधी विवरण का अवलोकन करें
	उत्पाद और सेवाओं के लेबल निर्धारित करना	पूर्णतः	⏩ पृष्ठ 86–88
	विपणन संचार	पूर्णतः	⏩ पृष्ठ 86–88
	उपभोक्ता निजता	पूर्णतः	⏩ पृष्ठ 54, 86–88
	अनुपालन	पूर्णतः	⏩ पृष्ठ 6–7, 13, 30 का अवलोकन करें
	पुराने ईंधन के विकल्प	पूर्णतः	⏩ पृष्ठ 6–7, 13, 30 का अवलोकन करें ⏩ पृष्ठ 54 पर नवीकरणीय ऊर्जा का अवलोकन करें
मानक विवरण भाग -III : निष्पादन संकेतक			
आर्थिक			
ईसी1 संचार	राजस्व, प्रचालन लागत, कर्मचारी प्रतिपूर्ति, दान और अन्य सामुदायिक निवेश, प्राप्त आय और पूंजी प्रदाताओं तथा सरकारों को किए गए भुगतान सहित अर्जित और वितरित प्रत्यक्ष आर्थिक मूल्य।	पूर्णतः	⏩ पृष्ठ 54 का अवलोकन करें ⏩ इसके भारत प्रचालनों में गेल का सतत् विकास सीमा शामिल है। ⏩ कृपया डीएमए – ईसी – रिजर्व – ईआईटीआई देखें – ईआईटीआई लागू नहीं है और विवरण और समग्रता स्तर के अनुसार मेजबान सरकारों द्वारा कोई प्रतिबंध नहीं है। ⏩ गेल की वार्षिक रिपोर्ट वित्त वर्ष 2013–14 का पृष्ठ 60–62 देखें।
ई.सी.2 संचार	जलवायु परिवर्तन के कारण संगठन के कार्यकलापों के लिए वित्तीय प्रभावों और अन्य जोखिम तथा अवसर।	पूर्णतः	⏩ गेल के ईआरएम ढांचे में जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण से संबंधित जोखिमों को शामिल किया गया है (पृष्ठ 24–25, 30–31 देखें)। हमने विनियम, भौतिक जलवायु मापदंडों और अन्य जलवायु संबंधित विकास में परिवर्तन से होने वाले जोखिमों की पहचान की है। प्रत्येक वर्ष हम अपने संगठन में उत्पन्न होने वाले विभिन्न पर्यावरण संबंधी मुद्दों के लिए प्रबंधन एवं निवेश की लागत का अनुमान लगाते हैं। (पृष्ठ 97–98 पर पर्यावरण संरक्षण निवेश और व्यय का अवलोकन करें)। गेल ने 700 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश के साथ नवीकरणीय व्यवसायों (सौर और पवन) के पोर्टफोलियो का गठन किया है (पृष्ठ 24–25, 54 का अवलोकन करें)। स्वच्छ विकास तंत्र के तहत परियोजनाओं पर गेल में जलवायु परिवर्तन के अवसर के रूप में विचार किया गया है (पृष्ठ 80 का अवलोकन करें)। ⏩ वर्तमान में जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में विकास पर बारीकी से नज़र रखे हुए हैं और इसके अलावा जब कभी महत्वपूर्ण समझा जाएगा इसके वित्तीय प्रभाव का मूल्यांकन करेंगे और आने वाले वर्षों में इस पर निश्चित कार्रवाई करेंगे।
ई.सी.3	संगठन के सुपरिभाषित लाभ योजना दायित्वों की कवरेज।	पूर्णतः	⏩ पृष्ठ 65 का अवलोकन करें
ई.सी.4	सरकार से प्राप्त महत्वपूर्ण वित्तीय सहायता।	पूर्णतः	⏩ शून्य
ई.सी.5	प्रचालन के महत्वपूर्ण स्थानों पर स्थानीय न्यूनतम मजदूरी की तुलना में महिला द्वारा अर्जित की जाने वाली मानक प्रवेश स्तरीय मजदूरी के अनुपात की सीमा।	पूर्णतः	⏩ पृष्ठ 64–65, 68–69 पर मानवाधिकार संबंधी विवरण का अवलोकन करें
ई.सी.6 संचार	महत्वपूर्ण प्रचालन स्थानों पर स्थानीय आपूर्तिकर्त्ताओं के बारे में किए जाने वाले व्यय की नीति, पद्धति और अनुपात।	पूर्णतः	⏩ हम स्थानीय को भारतीय उप–महाद्वीप के रूप में परिभाषित करते हैं। व्यय संबंधी ब्यौरे के लिए पृष्ठ 92–93 का अवलोकन करें। यद्यपि स्थानीय विक्रेताओं को प्रोत्साहित करने/उनका पक्ष लेने की हमारी कोई विनिर्दिष्ट नीति नहीं है तथापि जहां संभव होता है एक–समान पैरामीटर के आधार पर सभी स्थानीय विक्रेताओं को प्राथमिकता दी जाती है। इसके साथ–साथ अधिकांश संविदाएं/परिवहन संविदाएं/कैंटीन संविदाएं/बस्ती बसाने संबंधी सुविधाएं आउटसोर्स के आधार पर स्थानीय विक्रेताओं को दी गई हैं।

ई.सी.7 संचार	प्रचालन के मुख्य स्थानों पर स्थानीय समुदाय से वरिष्ठ प्रबंधन की व्यवस्था करने की कार्य–पद्धति और संबंधित अनुपात।	पूर्णतः	⏩ कार्यकारी/अधिकारी संवर्ग की भर्ती केवल अखिल भारतीय आधार पर की जाती है न कि स्थानीय स्तर पर
ई.सी.8 संचार	किसी वस्तु अथवा प्रो बोनो आधार पर वाणिज्य के माध्यम से प्राथमिक रूप से सार्वजनिक लाभ के लिए प्रदान किए गए अवसंरचना निवेश और सेवाओं का विकास तथा प्रभाव।	पूर्णतः	⏩ पृष्ठ 74–78 का अवलोकन करें
ई.सी.9 संचार	महत्वपूर्ण प्रत्यक्ष आर्थिक प्रभावों की सीमा सहित इनकी समझबूझ रखना तथा उल्लेख करना।	पूर्णतः	⏩ पृष्ठ 74–81 का अवलोकन करें ⏩ पृष्ठ 52–55 पर शेयरहोल्डरों/निवेशकों से संबंधित विवरण का अवलोकन करें
ओ.जी.1	अनुमान के आधार पर प्रमाणित आरक्षित पूंजी और उत्पादन की मात्रा और प्रकार।	नहीं	⏩ सतत् विकास रिपोर्ट में से (कृपया डीएमए–ईसी–रिजर्व तथा रिपोर्ट के बारे में पृष्ठ 2–3 देखें)
पर्यावरण			
ई.एन.1 संचार	भार और मात्रा के आधार पर उपयोग की गई सामग्री।	पूर्णतः	⏩ पृष्ठ 94–102 पर उल्लिखित संक्षिप्त निष्पादन विवरण का अवलोकन करें
ई.एन.2 संचार	उपयोग की गई ऐसी सामग्री की प्रतिशतता जो रिसाइकल सामग्री निवेश है।	पूर्णतः	⏩ गेल के व्यवसाय की प्रकृति के कारण किसी सामग्री को रिसाइकिल नहीं किया जाता।
ई.एन.3	प्राथमिक ऊर्जा स्रोत से प्रत्यक्ष ऊर्जा उपभोग।	पूर्णतः	⏩ प्रत्यक्ष ऊर्जा खपत में केवल गैर–अक्षय ऊर्जा (उदाहरण के लिए डीजल, प्राकृतिक गैस, अवशिष्ट ईंधन, एलपीजी) ही शामिल है। अक्षय ऊर्जा स्रोत से प्रत्यक्ष ऊर्जा खपत 'शून्य' है। ⏩ निष्पादन सार के लिए पृष्ठ 109 देखें। पृष्ठ 32 में तरल हाइड्रोकार्बन और पेट्रोकेमिकल व्यवसाय की ऊर्जा गहनता के लिए सतत् विकास अपेक्षा 2020 की ऊर्जा दक्षता देखें
ई.एन.4	प्राथमिक ऊर्जा स्रोत से अप्रत्यक्ष ऊर्जा उपभोग।	पूर्णतः	⏩ पृष्ठ 94–102 पर निष्पादन सार का अवलोकन करें
ओ.जी.2	नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश की गई कुल राशि।	पूर्णतः	⏩ हमने गुजरात में स्थापित पवन विद्युत परियोजना के जरिए 2010 में पवन विद्युत उत्पादन प्रारंभ किया है। अन्य राज्य जहां हमने पवन विद्युत के प्रयोग के लिए निवेश किया है, में कर्नाटक और तमिलनाडु का आज की तारीख में 700 करोड़ रुपए से अधिक का संचयी निवेश शामिल है। वित्त वर्ष 2013–14 में अक्षय के क्षेत्र में 63.28 करोड़ रुपए का व्यय किया था।
ओ.जी.3	स्रोत से प्राप्त की गई नवीकरणीय ऊर्जा की कुल मात्रा।	पूर्णतः	⏩ पृष्ठ 94–102 पर निष्पादन सार का अवलोकन करें
ई.एन.5	संरक्षण और ऊर्जा कुशल उपयोग सुधार के कारण ऊर्जा बचत।	पूर्णतः	⏩ पृष्ठ 94–102 पर निष्पादन सार का अवलोकन करें ⏩ कृपया पृष्ठ 54–58 देखें
ई.एन.6	ऊर्जा के कुशल उपयोग अथवा नवीकरणीय ऊर्जा के आधार पर उत्पाद तथा सेवाएं प्रदान करने संबंधी पहल और इन पहलों के परिणामस्वरूप ऊर्जा आवश्यकताओं में कमी।	पूर्णतः	⏩ पृष्ठ 94–102 पर निष्पादन सार का अवलोकन करें ⏩ कृपया पृष्ठ 54–58 देखें
ई.एन.7	अप्रत्यक्ष ऊर्जा उपभोग में कमी करने संबंधी पहल और हासिल की गई कमी।	पूर्णतः	⏩ इस समय हम अप्रत्यक्ष ऊर्जा खपत में कमी की सुव्यवस्थित तरीके से निगरानी नहीं कर रहे हैं। हमने यह विश्लेषण किया है कि अपने कारोबार कार्यकलापों को करने के लिए हमारा स्कोप–3 जी.एच.जी. उत्सर्जन संबंधित स्कोप–1 और स्कोप–2 उत्सर्जन की तुलना में काफी कम है। इस समय हम स्कोप–1 और स्कोप–2 उत्सर्जन को कम करने पर विशेष ध्यान दे रहे हैं।
ई.एन.8 संचार	स्रोत से प्राप्त किया गया कुल जल।	पूर्णतः	⏩ पृष्ठ 94–102 पर निष्पादन सार का अवलोकन करें ⏩ पृष्ठ 31–33 और 81–83 पर जल संबंधी विवरण देखें

ई.एन.9 संचार	जल के प्राप्त करने के कारण महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित हुए जल स्रोत	पूर्णतः	▸▸ जल को प्राप्त करने के कारण कोई स्रोत महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित नहीं हुआ है इस संबंध में पृष्ठ 95 का अवलोकन भी करें ▸▸ पृष्ठ 31–33 और 81–83 पर जल संबंधी विवरण देखें
ई.एन.10	रिसाइकल किए गए और पुनः उपयोग किए गए जल की प्रतिषतता और कुल मात्रा।	पूर्णतः	▸▸ त्मिित च्मतवितउंदबम ैदंचीवज तिवउ चंहम 94–102
ई.एन.11	संरक्षित क्षेत्रों में और उनसे जुड़े क्षेत्रों में स्वामित्व वाली, पट्टा आधारित, प्रबंधित जमीन का स्थान और आकार तथा संरक्षित क्षेत्रों से बाहर उच्च जैव–विविधता मूल्य के क्षेत्र।	पूर्णतः	▸▸ हमारे आसपास के क्षेत्रों में प्रचालन नहीं हैं, या जिनमें संरक्षित क्षेत्र और उच्च जैवविविधता मूल्य वाले क्षेत्र शामिल हैं ▸▸ तथापि पृष्ठ 81 पर जैव–विविधता पहल संबंधी विवरण का अवलोकन करें
ई.एन.12	संरक्षित क्षेत्रों में कार्यकलापों, उत्पादों और सेवाओं के जैव–विविधता पर पड़ने वाले महत्वपूर्ण प्रभावों का विवरण तथा संरक्षित क्षेत्रों से बाहर उच्च जैव–विविधता मूल्य के क्षेत्र।	नहीं	▸▸ ईएन11 विवरण का अवलोकन करें
ई.एन.13	संरक्षित अथवा पुनः बेहतर अवस्था में लाए गए प्राकृतिक स्थान।	नहीं	▸▸ ईएन11 विवरण का अवलोकन करें
ई.एन.14 संचार	जैव–विविधता पर पड़ने वाले प्रभावों को कम करने के लिए कार्यनीतियां, मौजूदा कार्रवाई और भावी योजनाएं।	पूर्णतः	▸▸ पृष्ठ 81 पर जैव–विविधता प्रबंधन का अवलोकन करें
ओ.जी.4	ऐसे कार्य–स्थलों जिनके संबंध में जैव–विविधता जोखिम का मूल्यांकन किया गया है और निगरानी की गई है, की संख्या और प्रतिशतता।	पूर्णतः	▸▸ जैव–विविधता जोखिमों के लिए शत–प्रतिशत कार्य–स्थलों का मूल्यांकन किया गया है
ई.एन.15	लुप्त होने के जोखिम के स्तर के आधार पर प्रचालन से प्रभावित प्राकृतिक क्षेत्रों में राष्ट्रीय संरक्षण सूची प्रजातियों और आई.यू.सी.एन. खतरा सूची प्रजातियों की संख्या।	पूर्णतः	▸▸ हमारा कोई भी प्रचालन आई.यू.सी.एन. खतरा सूची प्रजातियों अथवा राष्ट्रीय संरक्षण सूची में शामिल की गई प्रजातियों वाले क्षेत्रों में नहीं है
ई.एन.16 संचार	भारत के आधार पर कुल प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन।	पूर्णतः	▸▸ पृष्ठ 94–102 पर निष्पादन सार का अवलोकन करें
ई.एन.17 संचार	भार के आधार पर अन्य प्रासंगिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन।	पूर्णतः	▸▸ हमने यह विश्लेषण किया है कि व्यवसाय यात्रा के लिए हमारा स्कोप–3 जीएचजी उत्सर्जन कुल जीएचजी उत्सर्जन की तुलना में 1 से कम है। वर्तमान में हम स्कोप–1 और स्कोप–2 उत्सर्जन को कम करने पर ध्यान दे रहे हैं।
ई.एन.18 संचार	ग्रीन हाउस उत्सर्जन में कमी करने संबंधी पहल और इनसे हासिल की गई कमी।	पूर्णतः	▸▸ पृष्ठ 94–102 पर निष्पादन सार का अवलोकन करें
ई.एन.19	भार के आधार पर ओजोन परत को कमजोर करने वाले पदार्थों का उत्सर्जन।	पूर्णतः	▸▸ पृष्ठ 94–102 पर निष्पादन सार का अवलोकन करें
ई.एन.20 संचार	प्रकार और भार के आधार पर नाइट्रोजन ऑक्साइड, सल्फर ऑक्साइड और अन्य महत्वपूर्ण वायु उत्सर्जन।	पूर्णतः	▸▸ पृष्ठ 94–102 पर निष्पादन सार का अवलोकन करें
ई.एन.21	गुणवत्ता और स्थान के आधार पर प्रवाहित कुल जल।	पूर्णतः	▸▸ पृष्ठ 94–102 पर निष्पादन सार का अवलोकन करें
ई.एन.22 संचार	प्रकार और निपटान पद्धति के आधार पर कचरे का कुल भार।	आंशिक रूप से	▸▸ पृष्ठ 94–102 पर निष्पादन सार का अवलोकन करें ▸▸ अपशिष्ट सृजन की सूचना उसके प्रकार द्वारा दी जाती है तथापि इस वर्ष निपटान पद्धति संबंधित आंकड़ों और सूचना द्वारा कुल अपशिष्ट राशि की पहचान नहीं की गई थी। हम आने वाले वर्षों में इसकी पहचना और रिपोर्टिंग करना प्रारंभ करेंगे। ▸▸ पृष्ठ 80 भी देखें।
ओ.जी.5	तैयार किए गए अथवा उत्पादित जल की मात्रा।	नहीं	▸▸ डीएमए – ईसी – रिजर्व देखें
ई.एन.23	महत्वपूर्ण बिखराव की कुल संख्या और मात्रा।	पूर्णतः	▸▸ कोई महत्वपूर्ण बिखराव नहीं हुआ
ओ.जी.6	फ्लेयर्ड अथवा निकलने वाली हाइड्रोकार्बन की मात्रा।	पूर्णतः	▸▸ पृष्ठ 94–102 पर निष्पादन सार का अवलोकन करें
ओ.जी.7	खुदाई कचरे की मात्रा (खुदाई कीचड़ और कटिंग) तथा इसके उपचार और निपटारे की कार्यनीतियां।	नहीं	▸▸ डीएमए–ईसी–रिजर्व का अवलोकन करें

ई.एन.24	बेसल कंवेंशन अनुबंध I, II, III और VIII की शर्तों के अनुसार खतरनाक समझे जाने वाले परिवहन, आयात, निर्यात अथवा उपचार आधारित कचरे का भार और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जहाज से भेजे गए कचरे की प्रतिशतता।	पूर्णतः	▸▸ हम अपने सभी स्थानों पर बेसल कंवेंशन के तहत खतरनाक समझे जाने वाले कचरे के परिवहन, आयात, निर्यात अथवा उपचार से संबंधित किसी कार्यकलाप में शामिल नहीं हैं। देखें पृष्ठ 80.
ई.एन.25	रिपोर्टिंग संगठन की ओर से बहाए गए और छोड़े गए पानी के कारण पर्याप्त रूप से प्रभावित जल निकायों और सम्बद्ध स्थानों की पहचान, आकार, संरक्षित स्थिति और जैव–विविधता मूल्य।	पूर्णतः	▸▸ हमारी ओर से बेकार पानी छोड़े जाने और बहाए जाने का हमारे प्रचालनों के क्षेत्र में स्थित जल निकायों पर कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ता
ई.एन.26 संचार	उत्पाद और सेवाओं के पर्यावरण प्रभावों को कम से कम करने संबंधी पहल और प्रभाव को कम करने की सीमा।	पूर्णतः	▸▸ पृष्ठ 54–60, 79–83 का अवलोकन करें
ई.एन.27	विक्रय किए गए उत्पादों की प्रतिशतता और इनकी पैकेजिंग करने वाली ऐसी सामग्री जिनकी श्रेणी के आधार पर पुनः दावा किया जाता है।	नहीं	▸▸ गेल का मुख्य व्यवसाय प्राकृतिक गैस पारेषण और ट्रेडिंग है जिसमें कोई पैकिंग सामग्री शामिल नहीं है। यही बात हमारे तरल हाइड्रो कार्बन व्यवसाय में भी लागू होती है। हमारे पेट्रोरसायन व्यवसाय में तैयार पेट्रोरसायन उत्पादनों की पैकिंग शामिल है लेकिन इसमें हमारे कुल व्यवसाय की तुलना में मामूली पैकिंग सामग्री की मात्रा शामिल होने के कारण इसकी निगरानी और सुधार कम महत्व रखता है।
ओ.जी.8	ईंधन में मौजूद बैंजीन, शीशे और गंधक की मात्रा।	पूर्णतः	▸▸ प्राकृतिक गैस में बैंजीन और शीशा नहीं होता; प्राकृतिक गैस के स्रोत और गुणवत्ता के आधार पर गंधक की मात्रा 4.5 पी.पी.एम. से कम होती है
ई.एन.28	महत्वपूर्ण जुर्माने का मौद्रिक मूल्य और पर्यावरण कानूनों तथा विनियमों का अनुपालन न करने के कारण लगाए गए गैर–मौद्रिक प्रतिबंधों की कुल संख्या।	पूर्णतः	▸▸ पृष्ठ 94–102 पर निष्पादन सार का अवलोकन करें
ई.एन.29	उत्पादों की परिवहन व्यवस्था करने और संगठन के प्रचालनों के लिए उपयोग किए गए माल और सामग्री की परिवहन व्यवस्था करने के कारण महत्वपूर्ण पर्यावरण प्रभाव तथा कार्यबल के परिवहन व्यवस्था सदस्यों की संख्या।	आंशिक रूप से	▸▸ सदस्यों के परिवहन का पर्यावरण पर मामूली प्रभाव पाया गया है। हमने यह विश्लेषण किया है कि संगठन के कार्यबल के सदस्य के परिवहन का पर्यावरण प्रभाव हमारे प्रचालनों के प्रत्यक्ष पर्यावरण प्रभाव की तुलना में काफी कम है। व्यवसाय यात्रा के लिए हमारा स्कोप–3 जी.एच.जी. उत्सर्जन स्कोप–1 और स्कोप–2 उत्सर्जन की तुलना में काफी कम है। ▸▸ हमने आंतरिक रूप से यह विश्लेषण किया है कि व्यवसाय यात्रा के लिए हमारा स्कोप–3 उत्सर्जन प्रचालनों से हमारे प्रत्यक्ष उत्सर्जन की तुलना में काफी कम है।
ई.एन.30	कुल पर्यावरण संरक्षण व्यय और प्रकार के आधार पर निवेश।	पूर्णतः	▸▸ पृष्ठ 94–102 पर निष्पादन सार का अवलोकन करें
सामाजिक - श्रम पद्धतियां और संतोषजनक कार्य			
एल.ए.1	रोजगार प्रकार, रोजगार संविदा और क्षेत्र तथा महिला–पुरूष विश्लेषण के आधार पर कुल कार्यबल।	पूर्णतः	▸▸ गेल के सभी कर्मचारी स्थायी हैं। पृष्ठ 101–102 पर निष्पादन सार का अवलोकन करें
एल.ए.2	कुल संख्या और किराए पर लिए गए नए कर्मचारियों की दर तथा आयु–समूह, महिला–पुरूष और क्षेत्र के आधार पर कर्मचारी टर्नओवर।	पूर्णतः	▸▸ पृष्ठ 94–102 पर निष्पादन सार का अवलोकन करें
एल.ए.3	मुख्य प्रचालनों द्वारा पूर्णकालिक कर्मचारियों को प्रदान किए गए ऐसे लाभ जो तदर्थ अथवा अंशकालिक कर्मचारियों को नहीं प्रदान किए हैं।	पूर्णतः	▸▸ पृष्ठ 94–102 पर निष्पादन सार का अवलोकन करें
एल.ए.15	पुरूष के पितृत्व अवकाश के बाद काम पर लौटने तथा काम पर बने रहने की दर।	पूर्णतः	▸▸ पुरूष तथा महिला दोनों प्रकार के कर्मचारी पितृत्व अवकाश के बाद काम पर आते हैं और काम पर बने रहने की दर शत–प्रतिशत है
एल.ए.4	सामूहिक सौदा करार के तहत शामिल किए गए कर्मचारियों की प्रतिशतता।	पूर्णतः	▸▸ सभी गैर–कार्यपालकों को सामूहिक सौदा करार को पृष्ठ 70 में शामिल किया गया है
एल.ए.5	महत्वपूर्ण प्रचालन परिवर्तनों के बारे में यह उल्लेख करते हुए कि क्या इन्हें सामूहिक करारों में विनिर्दिष्ट किया गया है, से संबंधित नोटिस की न्यूनतम अवधि (अवधियां)।	पूर्णतः	▸▸ महत्वपूर्ण प्रचालन परिवर्तनों के संबंध में नोटिस अवधि की व्यवस्था करने के लिए हम औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 9क और अनुसूची 4 का अनुपालन करते हैं

एल.ए.6	औपचारिक संयुक्त प्रबंधन–कामगार स्वास्थ्य और सुरक्षा समितियों जो व्यावसायिक स्वास्थ्य तथा सुरक्षा कार्यक्रमों की निगरानी करने में सहायता करते हैं और तत्संबंधी सलाह देते हैं, में प्रतिनिधित्व प्राप्त कुल कार्यबल की प्रतिशतता।	पूर्णतः	⏩ गेल का औपचारिक संयुक्त प्रबंधन–कामगार स्वास्थ्य और सुरक्षा समितियों में अपने कार्यबल का शत–प्रतिशत प्रतिनिधित्व है जो व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा कार्यक्रमों की निगरानी करने और सलाह देने में मदद करते हैं। ⏩ पृष्ठ 66–67 देखें ⏩ पृष्ठ 94–102 पर निष्पादन सार का अवलोकन करें
एल.ए.7 संचार	क्षेत्र और महिला–पुरूष के आधार पर दुर्घटना, व्यवसाय आधारित रोग, खोए गए दिवसों तथा अनुपस्थिति की दर और कार्य आधारित मृत्यु की संख्या।	पूर्णतः	⏩ पृष्ठ 94–102 पर निष्पादन सार का अवलोकन करें
एल.ए.8	कार्यबल के सदस्यों, उनके परिवारों अथवा समुदाय सदस्यों को गंभीर रोगों के बारे में सहायता प्रदान करने के लिए शिक्षा, प्रशिक्षण, परामर्श, बचाव और जोखिम को नियंत्रित करने संबंधी व्याख्या।	पूर्णतः	⏩ पृष्ठ 10, 45, 55, 65–66, 74–76 का अवलोकन करें
एल.ए.9	ट्रेड यूनियनों के साथ सम्पन्न किए गए औपचारिक करारों में शामिल किए गए स्वास्थ्य तथा सुरक्षा संबंधी मुद्दे।	पूर्णतः	⏩ इस समय हम अपने प्रचालनों की यूनियनों में शामिल किए जाने वाले स्वस्थ्य और सुरक्षा संबंधी मुद्दों का मिलान कर रहे हैं
एल.ए.10	महिला–पुरूष और कर्मचारी की श्रेणी के आधार पर प्रति वर्ष, प्रति कर्मचारी औसतन प्रशिक्षण घण्टे।	पूर्णतः	⏩ पृष्ठ 59 का अवलोकन करें
एल.ए.11	कौशल प्रबंधन और जीवन–पर्यंत अध्ययन से संबंधित कार्यक्रम जिनसे कर्मचारियों की रोजगार करने की क्षमता को जारी रखने में सहयोग मिलता है और उन्हें अपना कैरियर बेहतर तरीके से पूरा करने में सहायता मिलती है।	पूर्णतः	⏩ पृष्ठ 94–102 पर निष्पादन सार का अवलोकन करें
एल.ए.12	महिला–पुरूष के आधार पर नियमित निष्पादन और कैरियर विकास समीक्षाएं प्राप्त कर रहे कर्मचारियों की प्रतिशतता।	पूर्णतः	⏩ 100 प्रतिशत नियमित कर्मचारी नियमित निष्पादन और करियर विकास समीक्षा प्राप्त कर रहे हैं।
एल.ए.13	अभिशासन निकायों की संरचना और महिला–पुरुष, आयु, आयु समूह, अल्पसंख्यक समूह सदस्यता और विविधता के अन्य संकेतकों के अनुसार कर्मचारियों का प्रति कर्मचारी श्रेणी ब्यौरा।	पूर्णतः	⏩ पृष्ठ 24–27 पर कारपोरेट अभिशासन खंड का अवलोकन करें ⏩ पृष्ठ 94–102 पर निष्पादन सार का अवलोकन करें ⏩ गेल की वार्षिक रिपोर्ट वित्त वर्ष 2013–14 के पृष्ठ 29 का खंड देखें ⏩ अधिक जानकारी के लिए गेल की वार्षिक रिपोर्ट वित्त वर्ष 2013–14 का पृष्ठ 44–53 देखें
एल.ए.14	प्रचालन के महत्वपूर्ण स्थानों, कर्मचारी श्रेणी के आधार पर महिला–पुरूष के मूल वेतन और पारिश्रमिक का अनुपात।	पूर्णतः	⏩ किसी भी कार्य केन्द्र पर प्रतिपूर्ति करने के संबंध में महिला–पुरूष में कोई भेदभाव नहीं किया जाता
सामाजिक - मानवाधिकार			
एच.आर.1	उन महत्वपूर्ण निवेश करारों और संविदाओं की कुल संख्या और प्रतिशतता जिनमें मानवाधिकार संबंधी चिंताओं को समाविष्ट करने के खण्ड शामिल किए गए हैं अथवा जिनके तहत मानवाधिकारों की रक्षा करने की व्यवस्था की गई है।	पूर्णतः	⏩ पृष्ठ 24–26 पर उल्लिखित नैतिक मूल्य, पारदर्शिता और जवाबदेही संबंधी विवरण का अवलोकन करें ⏩ पृष्ठ 68–71 पर उल्लिखित मानव अधिकारों का अवलोकन करें
एच.आर.2	ऐसे महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्त्ताओं, संविदाकारों और अन्य कारोबार भागीदारों की प्रतिशतता जिनके मानव अधिकारों की जांच की गई है और की गई संबंधित कार्रवाई।	पूर्णतः	⏩ इस समय हम अपने आपूर्तिकर्त्ताओं और संविदाकारों के मानव अधिकारों की जांच करने संबंधी प्रणाली स्थापित करने की कार्यवाही कर रहे हैं। तथापि, हमने एसए 8000 प्रारंभ की है ⏩ पृष्ठ 68–71 से मानवाधिकार देखें
एच.आर.3	मानव अधिकारों की नीतियों और संबंधित पहलुओं जो प्रचालन के लिए प्रासंगिक हैं, के बारे में प्रशिक्षित किए गए कर्मचारियों की प्रतिशतता सहित कर्मचारी प्रशिक्षण के कुल घण्टे।	पूर्णतः	⏩ हमारे सभी कर्मचारियों को गेल में प्रवेश के समय आचार, अनुशासन और अपील नियमावली का अनिवार्य रूप से पालन करना होता है और अपने कार्यकाल के दौरान उनका पालन करना होता है। ⏩ पृष्ठ 68–71 पर मानव अधिकार संबंधी विवरण का अवलोकन करें
एच.आर.4	भेदभाव करने संबंधी घटनाओं की कुल संख्या और की गई सुधारात्मक कार्रवाई।	पूर्णतः	⏩ भेदभाव करने संबंधी कोई घटना नहीं हुई है

एच.आर.5	अभिनिर्धारित किए गए ऐसे प्रचालनों और आपूर्तिकर्त्ताओं की संख्या जिनमें संघ बनाने की स्वतंत्रता और सामूहिक सौदेबाजी करने के अधिकार का प्रयोग करने के कार्य में बाधा डाली जा सकती है अथवा इस अधिकार का पर्याप्त रूप से हनन किया जा सकता है और इन अधिकारों का समर्थन करने के लिए की गई कार्रवाई।	पूर्णतः	▸▸ यद्यपि इस प्रकार के प्रचालनों को अभिनिर्धारित करने की कोई औपचारिक/विनिर्दिष्ट पहल नहीं रही है तथापि ऐसा कोई प्रचालन नहीं है जिसमें संघ बनाने और सामूहिक सौदेबाजी करने संबंधी अधिकार का प्रयोग करने के लिए कोई जोखिम हो।
एच.आर.6	अभिनिर्धारित किए गए ऐसे प्रचालनों और महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्त्ताओं की संख्या जिनमें बाल श्रम कराने जैसी घटनाओं के होने का पर्याप्त जोखिम है और बाल श्रम को कारगर ढंग से समाप्त करने में योगदान करने के लिए किए गए उपाय।	पूर्णतः	▸▸ रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान बाल श्रम की किसी घटना के बारे में सूचना नहीं दी गई है। प्रभारी इंजीनियरी (ई.आई.सी.) प्रासंगिक संविधियों के अनुपालन को सुनिश्चित करते हैं। सी. और पी. खण्ड में बाल श्रम को निषेध करने का मानक निर्धारित किया गया है।
एच.आर.7	अभिनिर्धारित किए गए ऐसे प्रचालनों और आपूर्तिकर्त्ताओं की संख्या जिनमें जबरदस्ती अथवा बाध्यकारी व्यवस्था के तहत श्रम करवाने की घटना होने की पर्याप्त संभावना है और जबरदस्ती अथवा बाध्यकारी व्यवस्था के तहत कराए जाने वाले सभी प्रकार के श्रम को रोकने में योगदान करने संबंधी उपाय।	पूर्णतः	▸▸ यद्यपि इस प्रकार के प्रचालनों को अभिनिर्धारित करने की कोई औपचारिक/विनिर्दिष्ट पहल नहीं रही है तथापि मूल्यांकन वर्ष में जबरदस्ती अथवा बाध्यकारी व्यवस्था के तहत श्रम कराने की किसी घटना की सूचना नहीं दी गई है। प्रभारी इंजीनियर (ई.आई.सी.) प्रासंगिक संविधियों के अनुपालन को सुनिश्चित करते हैं।
एच.आर.8 संचार	मानव अधिकारों के पहलुओं से संबंधित संगठन की नीतियों अथवा प्रक्रिया–विधियों जो प्रचालन के लिए प्रासंगिक हैं, के बारे में प्रशिक्षित किए गए सुरक्षा कार्मिकों की प्रतिशतता।	पूर्णतः	▸▸ पृष्ठ 71 देखें।
एच.आर.9 संचार	देशज व्यक्तियों के अधिकारों का हनन करने वाली घटनाओं की कुल संख्या और इस संबंध में की गई कार्रवाई।	पूर्णतः	▸▸ देशज व्यक्तियों के अधिकारों का हनन करने वाली कोई घटना नहीं हुई है। पृष्ठ 68–71 पर मानवाधिकारों संबंधी विवरण का अवलोकन करें
एच.आर.10	ऐसे प्रचालनों की कुल संख्या और प्रतिशतता जो मानव अधिकार समीक्षाओं और/अथवा प्रभाव मूल्यांकन के मामले रहे हैं।	पूर्णतः	▸▸ हमारे सभी मुख्य प्रचालन मानवाधिकारों के हनन को रोकने के लिए सतत् रूप से निगरानी तथा समीक्षा करते हैं। अधिक जानकारी के लिए पृष्ठ 68–71 पर मानवाधिकार विवरण का अवलोकन करें
ओ.जी.9	ऐसे प्रचालनों की संख्या जहां देशज समुदाय इनके कार्यकलापों में उपस्थित होता है अथवा इनसे प्रभावित होता है तथा जहां इस संबंध में विनिर्दिष्ट कार्य आधारित कार्यनीतियों की व्यवस्था की गई है।	पूर्णतः	▸▸ हमारा ऐसा एक प्रचालन झाबुआ में है जहां हमारे प्रचालन के पास देशज समुदाय रहते हैं। अधिक जानकारी के लिए पृष्ठ 76–77, 79 पर उल्लिखित विवरण का अवलोकन करें
एच.आर.11	"मानव अधिकारों के बारे में दर्ज कराई गई, सम्बोधित की गई और औपचारिक शिकायत निवारण तंत्र के माध्यम से निपटाई गई शिकायतों की संख्या"।	पूर्णतः	▸▸ इस प्रकार की कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है
समाजिकः सोसायटी			
एस.ओ.1	स्थानीय समुदाय को शामिल करके कार्यान्वित किए गए प्रचालनों की संख्या, प्रभाव मूल्यांकन और विकास कार्यक्रम।	पूर्णतः	▸▸ हमारे सभी प्रचालन सी.एस.आर. दृष्टिकोण के आधार पर प्रचालित किए जाते हैं। अधिक जानकारी के लिए पृष्ठ 65–66 का अवलोकन करें
एस.ओ.9 संचार	पर्याप्त संभावित क्षमता वाले अथवा स्थानीय समुदायों पर वास्तविक नकारात्मक प्रभाव डालने वाले प्रचालनों की संख्या	पूर्णतः	▸▸ प्रभावों, कार्यक्रमों और आकलनों के लिए स्थानीय समुदायों के साथ हमारी नियुक्ति के दौरान हमें क्षेत्र में हमारी उपस्थिति के कारण समुदाय पर कोई नकारात्मक प्रभाव सामने नहीं आया है। पृष्ठ 78–79 देखें
एस.ओ.10 संचार	पर्याप्त संभावित क्षमता वाले अथवा स्थानीय समुदायों पर वास्तविक नकारात्मक प्रभाव डालने वाले प्रचालनों के संबंध में इनके प्रभावों से बचने के लिए और इन्हें कम से कम करने के लिए कार्यान्वित किए गए उपाय।	पूर्णतः	▸▸ पृष्ठ 78–79
ओ.जी.10	स्थानीय समुदाय और देश व्यक्तियों के साथ महत्वपूर्ण विवादों की संख्या और संबंधित विवरण।	पूर्णतः	▸▸ स्थानीय समुदाय और देशी व्यक्तियों के साथ हमारा कोई महत्वपूर्ण विवाद नहीं है
ओ.जी.11	ऐसे कार्य–स्थलों की संख्या जहां पुनः कार्य आरंभ किया गया है और ऐसे कार्य–स्थलों की संख्या जहां पुनः कार्य शुरू करने संबंधी प्रक्रिया जारी है।	पूर्णतः	▸▸ पिछले वर्ष हमारा कोई स्थल डिकमिशन नहीं हुआ ▸▸ पिछले वर्ष के दौरान डिकमिशनिंग की प्रक्रिया में हमारा कोई स्थल शामिल नहीं था।

एस.ओ.2	ऐसी कारोबार यूनिटों की प्रतिशतता और संख्या जिनका भ्रष्टाचार से संबंधित जोखिम होने के लिए विश्लेषण किया गया है।	पूर्णतः	⏩ भ्रष्टाचार से संबंधित जोखिम को हमारी सतर्कता प्रक्रिया–विधियों और जोखिम सुरक्षा प्रबंधन कार्य–संरचना के तहत शामिल किया गया है। चूंकि हमारी सतर्कता प्रक्रिया–विधियां भारत सरकार द्वारा स्थापित नियमों के तहत अनिवार्य हैं इसलिए हमारे शत–प्रतिशत प्रचालनों को भ्रष्टाचार से संबंधित पहलुओं सहित जोखिम विश्लेषण के तहत शामिल किया जाता है।
एस.ओ.3	संगठन की भ्रष्टाचार रोधी नीतियों और प्रक्रिया–विधियों के संबंध में प्रशिक्षित किए गए कर्मचारियों की प्रतिशतता।	पूर्णतः	⏩ हमारे सभी कर्मचारियों को अपने कार्यकाल के दौरान आचरण संहिता को व्यवहार में लाने तथा इसका अनुपालन करने का अधिदेश दिया गया है। ⏩ पृष्ठ 25 देखें
एस.ओ.4	भ्रष्टाचार संबंधी घटनाओं के बारे में की गई कार्रवाई।	पूर्णतः	⏩ यह सूचित किया जाता है कि अवधि के दौरान कुल 182 शिकायतें प्राप्त हुईं और 131 शिकायतों को बंद कर दिया गया था। जिनमें से 25 मामलों पर विस्तृत जांच के लिए विचार किया गया था। ⏩ तथापि 25 में से मामले के मेरिट के आधार पर केवल तीन सतर्कता मामलों में कर्मचारियों और एक ठेकेदार के खिलाफ उपयुक्त दंड की सिफारिश की गई है और शेष पर कार्रवाई चल रही है।
एस.ओ.5 संचार	सार्वजनिक नीति संबंधी स्थिति और सार्वजनिक नीति तैयार करने तथा लॉबी बनाने में की गई सहभागिता।	पूर्णतः	⏩ पृष्ठ 48–50 का अवलोकन करें
एस.ओ.6	देश के राजनीतिक दलों, राजनेताओं और संबंधित संस्थाओं को वित्तीय और अन्य सुविधाओं के अंशदान के रूप में प्रदान किया गया कुल मूल्य।	पूर्णतः	⏩ राजनीतिक दलों इत्यादि को किसी वित्तीय अथवा अन्य सुविधा के अंशदान के रूप में कोई मूल्य प्रदान नहीं किया गया है।
एस.ओ.7	प्रतिस्पर्धा विरोधी व्यवहार, भरोसे को तोड़ने और एकाधिकार जमाने की पद्धतियों के कारण की गई विधिक कार्रवाई की कुल संख्या और उनके परिणाम।	पूर्णतः	⏩ पृष्ठ 25 देखें
एस.ओ.8 संचार	महत्वपूर्ण जुर्माने का कुल मौद्रिक मूल्य और कानूनों तथा विनियमों का अनुपालन न करने के कारण लगाए गए गैर–मौद्रिक प्रतिबंधों की कुल संख्या।	पूर्णतः	⏩ इस वर्ष कानूनों और विनियमों का अनुपालन न करने के कारण कोई पर्याप्त जुर्माना या गैर–विधिक प्रतिबंध नहीं लगाया गया है।
ओ.जी.12	ऐसे प्रचालन जहां अनैच्छिक पुनर्वास किया गया है इनमें से प्रत्येक के तहत पुनर्वास किए गए परिवारों की संख्या तथा इस प्रक्रिया से किस प्रकार उनकी जीवन–यापन दशाएं प्रभावित हुई थीं।	पूर्णतः	⏩ ऐसा कोई प्रचालन नहीं है
ओ.जी.13	कारोबार कार्यकलाप के आधार पर आयोजित किए गए सुरक्षा कार्यक्रमों की संख्या।	पूर्णतः	⏩ ऐसा कोई कार्यक्रम आयोजित नहीं किया गया
सामाजिक - उत्पाद संबंधी उत्तरदायित्व			
पी.आर.1	जीवन चक्र चरण जिनमें संबंधित सुधार करने के लिए उत्पाद और सेवाओं के प्रभावों का मूल्यांकन किया जाता है तथा इस प्रकार की प्रक्रिया–विधियों के तहत शामिल किए गए महत्वपूर्ण उत्पादों और सेवा श्रेणियों की प्रतिशतता।	पूर्णतः	⏩ पृष्ठ 86–88 पर उपभोक्ता संबंधी विवरण का अवलोकन करें ⏩ वित्त वर्ष 2011–12 की गेल के सतत् विकास संबंधी रिपोर्ट के पृष्ठ 67–69 पर उल्लिखित पी.आर. खण्ड पृष्ठ भी देखें (www.gailonline.com) ⏩ गेल की सभी प्रमुख स्थापनाएं ओएचएसएएस 18001:2007 द्वारा मान्यताप्राप्त हैं। ओएचएसएएस 18001:2007 प्रमाणन से गेल की सभी स्थापनाएं सुधार के लिए उत्पादों के स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रभावों के आकलन के लिए प्रतिबद्ध हैं।
पी.आर.2	उत्पाद और सेवाओं के उनके जीवन चक्र के दौरान परिणामों के प्रकार के आधार पर स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रभावों से संबंधित विनियमों और स्वैच्छिक संहिताओं का अनुपालन न करने संबंधी घटनाओं की कुल संख्या।	पूर्णतः	⏩ रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान अनुपालन न करने संबंधी ऐसी घटना नहीं हुई
पी.आर.3	इस प्रक्रिया–विधि के तहत यथा–अपेक्षित उत्पाद और सेवा सूचना का प्रकार और इस प्रकार सूचना अपेक्षाओं के तहत शामिल किए गए महत्वपूर्ण उत्पादों और सेवाओं की प्रतिशतता।	पूर्णतः	⏩ हमारे पेट्रोरसायन उत्पाद पैकेज पर भारतीय विधान और उद्योग पद्धति के अनुसार विनिर्माण सुविधा के स्थान, ग्रेड नाम और कुल भार का उल्लेख किया जाता है।

पी.आर.4	परिणामों के प्रकार के आधार पर उत्पाद और सेवा सूचना तथा लेबल लगाने से संबंधित विनियमों और स्वैच्छिक संहिताओं का अनुपालन न करने वाली घटनाओं की कुल संख्या।	पूर्णतः	▸▸ रिपोर्ट की अवधि के दौरान अनुपालन न करने संबंधी ऐसी घटना नहीं हुई
पी.आर.5	उपभोक्ता की संतुष्टि को निर्धारित करने के सर्वेक्षण के परिणामों सहित उपभोक्ता संतुष्टि से संबंधित पद्धति।	पूर्णतः	▸▸ पृष्ठ 86 पर उपभोक्ता संबंधी विवरण का अवलोकन करें
पी.आर.6	विज्ञापन देने, प्रोत्साहन और प्रायोजित करने सहित विपणन संचार से संबंधित कानूनों, मानकों और स्वैच्छिक संहिताओं का अनुपालन करने से संबंधित कार्यक्रम।	पूर्णतः	▸▸ गेल इस संबंध में विज्ञापन और संचार के लिए ए.एस.सी. आई. मानदण्ड़ों का पूर्णतः अनुपालन करता है और केवल ए.एस.सी.आई. प्राधिकृत मीडिया एजेंसियों के साथ ही कार्य करता है ▸▸ पृष्ठ 87–88 देखें
पी.आर.7	परिणाम के प्रकार के आधार पर विज्ञापन देने, प्रोत्साहन और प्रायोजित करने सहित विपणन संचार से संबंधित विनियमों और स्वैच्छिक संहिताओं का अनुपालन न करने संबंधी घटनाओं की कुल संख्या।	पूर्णतः	▸▸ रिपोर्ट की अवधि के दौरान अनुपालन न करने संबंधी ऐसी कोई घटना नहीं हुई ▸▸ पृष्ठ 87–88 देखें
पी.आर.8	उपभोक्ताओं की निजता को भंग करने और उपभोक्ता डाटा को खोने संबंधी महत्वपूर्ण शिकायतों की कुल संख्या।	पूर्णतः	▸▸ हमारे उद्योग के लिए उपभोक्ताओं की निजता और ग्राहकों के आंकड़ों की हानि के संबंध में कोई बड़ी शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।
पी.आर.9	उत्पादों और सेवाओं का प्रावधान करने तथा इनका उपयोग करने से संबंधित कानूनों और विनियमों का अनुपालन न करने के कारण लगाए जाने वाले महत्वपूर्ण जुर्माने का मौद्रिक मूल्य।	पूर्णतः	▸▸ रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान अनुपालन न करने संबंधी ऐसी कोई घटना नहीं हुई
ओ.जी.14	सतत् विकास मानदण्ड को पूरा करने के लिए तैयार किए गए और विक्रय किए गए जैव ईंधन की मात्रा।	पूर्णतः	▸▸ वर्ष 2013–14 में उत्पादित जैवईंधन और खरीदा गया जैवईंधन 'शून्य' मी.टन है

एपीआई/आईपीआईईसीए दिशानिर्देशों और यूएनजीसी सिद्धांतों के साथ संबंध

एपीआई–आईपीआईईसीए दिशानिर्देशों और यूएनजीसी सिद्धांतों द्वारा स्वैच्छिक स्थायी विकास रिपोर्टिंग पर तेल और गैस उद्योग मार्गदर्शन के साथ सतत विकास रिपोर्ट संबंध

खंड	एपीआई-आईपीआईईसीए दिशानिर्देश	यूएनजीसी सिद्धांत
कार्पोरेशन अभिशासन	एसई11, एसई12, एसई14	सिद्धांत 10
सतत् विकास कार्यनीति	ई1, ई2, ई6	सिद्धांत 7, सिद्धांत 8, सिद्धांत 9
शेयरधारक नियुक्ति और महत्व	ई6	
शेयरधारक/निवेशक	ई1, ई2, ई3, ई6, ई8, ई10	सिद्धांत 7, सिद्धांत 8, सिद्धांत 9
कर्मचारी	एचएस1, एचएस2, एचएस3, एसई10, एसई15, एसई16, एसई17, एसई18	सिद्धांत 1, सिद्धांत 3, सिद्धांत 4, सिद्धांत 5, सिद्धांत 6
समुदाय/सोसायटी	ई5, ई7, ई8, एसई1, एसई2, एसई4	सिद्धांत 7, सिद्धांत 8, सिद्धांत 9
ग्राहक	एचएस3	
आपूर्तिकर्ता	एसई7	
निष्पादन सार	ई1, ई2, ई3, ई4, ई6, ई7, ई8, ई10, एचएस3	सिद्धांत 7, सिद्धांत 8, सिद्धांत 9
जीआरआई विषयवस्तु सूचकांक	एसई6	

एनवीजी–एसईई सिद्धांतों के साथ संबंध

(कार्पोरेट कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरण (एनवीजी–एसईई) के लिए राष्ट्रीय स्वैच्छिक दिशानिर्देश जारी किए गए थे)

सिद्धांत सं.	एनवीजी-एसईई सिद्धांत	सतत् विकास रिपोर्ट वित्त वर्ष 2013-14 खंडों के साथ संबंध
1	व्यवसाय को आचार नीति, पारदर्शिता और जवाबदेही का पालन करते हुए अधिशासित करना चाहिए	निगमित अभिशासन
2	व्यवसाय द्वारा वस्तुएं और सेवाएं उपलब्ध करानी चाहिए जो सुरक्षित हों और अपनी जीवन अवधि में स्थिरता लाएं	सतत् विकास कार्यनीति ग्राहक
3	व्यवसाय में सभी कर्मचारियों के कल्याण को प्रोत्साहित करना चाहिए	कर्मचारी
4	व्यवसाय को हितों का सम्मान करना चाहिए और सभी स्टेकहोल्डरों के प्रति जवाबदेह होना चाहिए, विशेषकर जो उपेक्षित, निर्बल और हाशिए पर हों	कर्मचारी समुदाय
5	व्यवसाय द्वारा मानवाधिकारों का सम्मान और प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए	कर्मचारी
6	व्यवसाय द्वारा पर्यावरण का सम्मान, संरक्षण और उसे बहाल करने के प्रयास करने चाहिए	समुदाय
7	व्यवसाय जब प्रभावशाली सार्वजनिक और विनियामक नीति में किया जाए तो ऐसा जिम्मेदार ढंग से किया जाना चाहिए।	निगमित अभिशासन शेयरधारक नियुक्ति और महत्व
8	व्यवसाय में समग्र विकास और समकक्ष विकास का समर्थन किया जाना चाहिए	कर्मचारी समुदाय
9	व्यवसाय में ग्राहकों और उपभोक्ताओं को जिम्मेदार ढंग से महत्व दिया जाना चाहिए।	ग्राहक

गेल की व्यवसाय उत्तरदायित्व रिपोर्ट वित्त वर्ष 2013–14, जिसमें एनवीजी सिद्धांत का विस्तृत उल्लेख शामिल है, को गेल की वेबसाइट पर उपलब्ध गेल की वार्षिक रिपोर्ट वित्त वर्ष 2013–14 से प्राप्त की जा सकती है।

भावी दिशा

सतत् विकास का हमारा चार साल पुराना सफर काफी चुनौतीपूर्ण, मूल्यवान और लगातार कुछ न कुछ सिखाने वाला रहा है। हमारा मानना है कि छोटी किंतु महत्वपूर्ण बातों को अपनाने के हमारे दृष्टिकोण ने ही हमारे इस प्रयास में मदद की है। जैसे–जैसे हमने विकास किया है, उत्कृष्ट पद्धतियों, ज्ञान और अनुभव को बांटने के लिए सतत् विकास के क्षेत्र में कार्य करते हुए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न संगठनों के साथ रूबरू होने से हमारा दायरा निरंतर बढ़ा है।

पिछले वर्षों में संगठन में सतत् विकास को अपने व्यवहार में लाने के लिए कई पहलें की गई हैं। पूरे संगठन में हमने कार्य स्थल के स्तर पर सुदृढ़ अभिशासन ढांचा स्थापित किया है जो ठोस कार्रवाई करने में मदद करता है। आंतरिक रूप से विकसित डाटा प्रबंधन प्रणाली ने आंकड़ों की विश्वसनीयता और प्रामाणिकता सुनिश्चित की है।

स्थायित्व रिपोर्टिंग ने न केवल हमारे निष्पादन को उजागर करने में मदद की है बल्कि इसने उद्योग जगत के साथ हमारे निष्पादन का मानक तय करने के लिए प्रबंधन माध्यम के रूप में भी कार्य किया है। विभिन्न पहलुओं में अपनी खपत को मापने के कारण सतत् विकास के सर्वाधिक महत्वपूर्ण पहलुओं ने सतत् विकास आकांक्षा 2020 के माध्यम से स्वैच्छिक लक्ष्यों की स्थापना करके प्रबंधन की दिशा में योगदान दिया है। हम समझते हैं कि ये लक्ष्य सतत् विकास निष्पादन को कुछ हद तक पूरा करते हैं। संगठन के सभी विभागों में स्थिरता पर ध्यान देने और अपने व्यवसाय और प्रचालन के लिए अन्य संगत पहलुओं को शामिल करने के लिए हम अन्य मानदंडों में भी अपने लक्ष्यों को पुनः निर्धारित कर रहे हैं।

इसके अलावा, जीआरआई जी4 दिशानिर्देशों के लागू होने से हम नए दिशानिर्देशों के अनुसार विकास करने का प्रयास करेंगे। हम अपनी संपूर्ण मूल्य श्रृंखला में अपनी प्रणालियों और प्रक्रियाओं में सुधार करने की योजना बना रहे हैं। गेल का मानना है कि इन पहलों से यह अपने सतत् विकास में आगे और सुधार करने में सक्षम होगा और नए दिशानिर्देशों की आवश्यकता के अनुसार सामंजस्य पैदा करने में मददगार होगा।

प्रगति के पथ पर बढ़ते हुए हम प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग पर बढ़ते दबाव को भी समझते हैं। हम अपने स्टेकहोल्डरों के विश्वास और समर्थन से स्थायी विकास पर ध्यान केन्द्रित करते हुए अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए उन्हें बेहतर मूल्य प्रदान करने का निरंतर प्रयास करते हैं।

हमारे लिए आपके रचनात्मक विचार महत्वपूर्ण हैं।

आप अपने प्रश्न निम्नलिखित को भेज सकते हैं:

श्री शांतनु रॉय
महाप्रबंधक
(कॉर्पोरेट योजना)
sroy@gail.co.in पर

श्री एम के बिस्वास
उप महाप्रबंधक
(कॉर्पोरेट योजना)
mkbiswas@gail.co.in पर

गेल (इंडिया) लिमिटेड
भारत का यंगेस्ट महारत्न

पंजीकृत कार्यालयः 16, भीकाजी कामा प्लेस,
आर. के. पुरम, नई दिल्ली–110 066
www.gailonline.com

डिजाइन: नेशनल एडवर्टाइजिंग एजेंसी